

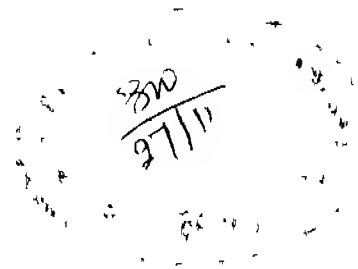


भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY



सं. 287]

नई दिल्ली, शुक्रवार, जून 2, 1989/ज्येष्ठ 12, 1911

No. 287]

NEW DELHI, FRIDAY, JUNE 2, 1989/JYAISTHA 12, 1911

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

भूतल परिवर्तन मंत्रालय

(परिवहन खण्ड)

नई दिल्ली 2 जून 1989

सा का नि 590(ई) -- केन्द्रीय मोटर यान नियम 1989 का
प्राप्त मोटर यान अधिनियम 1988 (1988 का 59) की धारा 212
की उपधारा (1) की अधिनियम भारत सरकार के भूतल परिवर्तन मंत्रा-
लय की अधिसूचना संख्या सा का नि 68(अ) तारीख 31 जनवरी
1989 के अधीन भारत के राजपत्र असाधारण भाग 2 खण्ड
3 तारीख 31 जनवरी 1989 में प्रकाशित किया गया था जिसमें
उन सभी व्यक्तियों से जिनके नामों में प्रभावित होने की सम्भावना थी उन
तारीख से जिसको भारत के राजपत्र में प्रकाशित रूप में उक्त अधिसूचना
की प्रतियां जनता की उपलब्ध करा दी गई थी, पताचाली दिन की समाप्ति
के पूर्व आशेष और सुझाव मांगे गए थे

और उक्त अधिसूचना की प्रतियां जनता की 3 मार्च 1989 को
उपलब्ध करा दी गई थी

और उक्त प्राप्त नियमों पर प्राप्त आक्षेपों और सुझावों पर केन्द्रीय
सरकार ने विचार कर लिया है,

अतः अब केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 211 के साथ
पठित धारा 12 27 64 धारा 88 की उपधारा (14), धारा 110
137 164 और 209 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए निम्न-
लिखित नियम बनाती है अर्थात् --

केन्द्रीय मोटर यान नियम 1989

अध्याय 1

प्रारम्भिक

संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ

1 (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम केन्द्रीय मोटर यान नियम
1989 है।

(2) उपनियम (3) में अन्यथा उपबन्धित के विवादा ये नियम 1
जुलाई 1989 को प्रवृत्त होंगे।

(3) नियम 16 के उप नियम (3), नियम 96 के उपनियम (4)
नियम 103 के उपनियम (4), नियम 105 के उपनियम (3) नियम
113, नियम 115 के उपनियम (2), (3) (4) या (5), नियम
119 122 124, 125 126 और 127 के उपबन्ध उस तारीख
को प्रवृत्त होंगे, जो केन्द्रीय सरकार राजपत्र में अधिसूचना द्वारा नियम
करे।

परिभाषाएं:

2. इन नियमों में, जब तक कि संदर्भ से संशय स्पष्ट नहीं हो—
- (क) "अधिनियम" में मोटर यान अधिनियम, 1947 (च. 39) शामिल है,
- (ख) "प्रश्न" से इन नियमों से संलग्न कोई प्रश्न अभिप्रेत है,
- (ग) "धारा" से इस अधिनियम की कोई धारा अभिप्रेत है,
- (घ) "व्यवसाय प्रमाणपत्र" से नियम 35 के अधीन रजिस्ट्रीकृत प्राधिकारी द्वारा जारी किया गया कोई प्रमाणपत्र अभिप्रेत है,
- (ङ) "अपरिवहन यान" में मोटर यान शामिल है जो परिवहन योग्य नहीं है।

अध्याय 2

मोटरयान चालकों का अनुज्ञापन

माध्याम

3 शिक्षार्थी अनुज्ञापन:—अधिनियम की धारा 3 की उपधारा (1) किसी ऐसे व्यक्ति की, जो चालन में सक्षम, परीक्षण के लिए स्वयं को प्रस्तुत करने के उद्देश्य से मोटरयान चालाना सीखने या चालन में अनुभव प्राप्त करने के दौरान किसी मार्बलिनिक स्थान पर कोई मोटरयान चलाता है, तक तक लागू नहीं होगी, जब तक—

- (क) चालक यान चालन के लिए प्रश्न 3 में उसको जारी की गई किसी प्रभावी शिक्षार्थी अनुज्ञापन का धारक है,
- (ख) यान में, चालक के अतिरिक्त, अनुदेशक के रूप में ऐसा व्यक्ति बैठा हुआ है जो यान चालन के लिए किसी प्रभावी चालन अनुज्ञापन को धारण किए हुए और इस स्थिति में बैठा हुआ है कि यान को कुशलता से सुरन्त नियंत्रित कर सके या रोक सके,
- (ग) यान के सामने की ओर तथा पीछे की ओर ऐसी रीति से पेंट किया हुआ या सामने की ओर तथा पीछे की ओर चिपकाई हुई किसी प्लेट या कार्ड पर सफेद पृष्ठभूमि पर लाल में 'L' अक्षर निम्नलिखित रूप में लिखा हुआ है।



टिप्पण:—

यान पर या प्लेट अथवा कार्ड पर पेंट किया हुआ कम से कम 18 सेंटीमीटर का होगा और 'L' अक्षर कम से कम 10 सेंटीमीटर ऊंचा और 2 सेंटीमीटर मोटा तथा तब में 9 सेंटीमीटर चौड़ा होगा।

परन्तु कोई व्यक्ति किसी मोटर साइकिल को (जिसमें साइड-कार लगी हो या नहीं) चलाने में अनुष्ठेय प्राप्त करते समय या अनुभव प्राप्त करते समय खण्ड (ख) में निर्दिष्ट प्रयोजन और रीति के सिवाय मोटर साइकिल पर किसी अन्य व्यक्ति को नहीं ले जाएगा।

4 पते और आयु के सही होने का साक्ष्य :

(1) इस अध्याय के अधीन किसी अनुज्ञापन को जारी करने के लिए प्रत्येक आवेदक अपने पते और आयु के साक्ष्यस्वरूप निम्नलिखित दस्तावेजों

में से एक मूल रूप में या उसका सुसंगत उद्धरण जो केन्द्रीय सरकार या राज्य सरकार के राजपत्रित अधिकारी या किसी स्थानीय निकाय के किसी ऐसे अधिकारी द्वारा या सरकार के किसी राजपत्रित अधिकारी को समर्पण करने या उस स्थान पर ले आने योग्य हो, पेश करेगा, अर्थात्—

1. राशन कार्ड।
2. निर्वाचन नामावली।
3. जीवन नामा पालिसी।
4. पासपोर्ट।
5. बिजुत या टेलीफोन बिल।
6. केन्द्रीय सरकार या राज्य सरकार या किसी स्थानीय निकाय के किसी कार्यालय द्वारा जारी की गई भूत पत्ती।
7. गृह कर की रसीद, या
8. स्कूल प्रमाणपत्र।
9. जन्म प्रमाणपत्र।

परन्तु उन दशा में जहां आवेदक ऊपर दिये दस्तावेजों में से कोई पेश करने में समर्थ नहीं है वहां अनुज्ञापन प्राधिकारी आवेदक के माना-पिता से संबंधित कोई ऐसा दस्तावेज या आयु और पते के साक्ष्यस्वरूप कोई अन्य दस्तावेज स्वीकार कर सकेगा।

5. चिकित्सा प्रमाणपत्र:—इन नियमों के प्रारम्भ में हा शिक्षार्थी अनुज्ञापन या चालन अनुज्ञापन या चालन अनुज्ञापन में किसी अन्य वर्ग या वर्णन के मोटरयान जोड़ने, या चालन अनुज्ञापन के नवीकरण या चालन अनुज्ञापन जारी करने के लिए प्रत्येक आवेदक के साक्ष्य-साक्ष्य धारा 3 की उपधारा (3) में निर्दिष्ट रजिस्ट्रीकृत चिकित्सा व्यवसायी द्वारा जारी किया गया प्रश्न 1 में एक चिकित्सा प्रमाणपत्र होगा।

6. चिकित्सा प्रमाणपत्र पेश करने से छूट:—किसी ऐसे व्यक्ति से, जिसने इन नियमों के प्रारम्भ का तारीख के पश्चात् शिक्षार्थी अनुज्ञापन या चालन अनुज्ञापन प्राप्त करने, चाहे प्रारम्भिक रूप में जारी करने के लिए या उसके नवीकरण के लिए, या चालन अनुज्ञापन में किसी अन्य वर्ग या वर्णन के मोटर यान जोड़ने को बाधित कोई चिकित्सा प्रमाणपत्र पेश किया है, चिकित्सा प्रमाणपत्र पेश करने की अपेक्षा नहीं की जाएगी, सिवाय, उस दशा के, जिसमें आवेदक चालन अनुज्ञापन के नवीकरण के लिए किया गया है।

7. चिकित्सा प्रमाणपत्र पर फोटो का लगाया जाना:—आवेदक का फोटो प्रश्न 1 में दिये अनुज्ञापन स्थान पर लगाया जाएगा और रजिस्ट्रीकृत चिकित्सा व्यवसायी उक्त फोटो पर ऐसी रीति में अपने हस्ताक्षर करेगा तथा अपनी मोहर लगाएगा जिससे हस्ताक्षर और मोहर भागल फोटो पर हो और सांगत। चिकित्सा प्रमाणपत्र के प्रश्न पर हो।

परन्तु अनुज्ञापन प्राधिकारी अपने, को किए गए आवेदन के प्रत्युत किए जाने को तारीख से तीन दिन से अधिक दिन पूर्व दिए गए चिकित्सा प्रमाणपत्र को स्वीकार नहीं करेगा।

8. परिवहन यान चालन के लिए न्यूनतम शैक्षिक अर्हता:—किसी आवेदक के संबंध में या (ट्रेक्टर-मोटर-साइकिल से दिस) किसी यातायात यान को चलाने के लिए अनुज्ञापन प्राप्त करने के लिए न्यूनतम शैक्षिक अर्हता जोया स्तर उत्तीर्ण होगा:—

परन्तु इस नियम में निर्दिष्ट न्यूनतम शैक्षिक अर्हता निम्नलिखित दशा में लागू नहीं होगी

- (i) परिवहन यान चालन के लिए ऐसा चालन अनुज्ञापन का नवीकरण, या

(ii) ऐसी चालन अनुज्ञप्ति में दूसरे वर्ग के परिवहन यान का जोड़ा जाना,

आ इस नियम के प्रारम्भ के पूर्व से ही धारित है।

9. खतरनाक माल ढोने वाला माल ढाड़ी चलाने के लिए शैक्षिक प्रशिक्षण:—मानव जीवन के लिए खतरनाक या परिसंकटमय प्रकृति के माल ढोने वाले परिवहन यान चलाने वाले व्यक्ति के पास, किसी परिवहन यान के चलाने की चालन अनुज्ञप्ति के धारण करने के अतिरिक्त इसका चार उपांगों को शैक्षिक प्रशिक्षण भी होगी।

शिक्षार्थी अनुज्ञप्ति

10. शिक्षार्थी अनुज्ञप्ति के लिए आवेदन:—शिक्षार्थी अनुज्ञप्ति की भव्यरी या नवीकरण के लिए कोई आवेदन प्रका 2 में किया जाएगा, और उसके साथ निम्नलिखित होंगे:—

- (क) नियम 6 में जैसा अन्यथा उल्लिखित है उसके विवाय, प्रका 1 में एक चिकित्सा प्रमाणपत्र,
- (ख) आवेदक के हाल के फोटो की 5 सेंटीमीटर \times 6 सेंटीमीटर आकार की तीन प्रतियां,
- (ग) नियम 32 में विनिर्दिष्ट समुचित फीस,
- (घ) मध्यम माल यान, माध्यम यात्री मोटर यान, भारी माल यान या भारी यात्री मोटर यान के लिए आवेदन की वषा में, आवेदक द्वारा धारित चालन अनुज्ञप्ति।

11. प्रारम्भिक परीक्षण:—(1) उस नियम (3) में जैसा अन्यथा उल्लिखित है उसके विवाय, शिक्षार्थी अनुज्ञप्ति के लिए प्रत्येक आवेदक अनुज्ञापन प्राधिकारी के समक्ष ऐसी भारीका, ऐसे स्थान तथा समय पर जो अनुज्ञापन प्राधिकारी नियत करे, परीक्षण के लिए स्वयं उपस्थित होगा, तथा ऐसे प्राधिकारी का यह समाधान करेगा कि आवेदक के पास निम्नलिखित विषयों की बाबत पर्याप्त ज्ञान और समझ है, अर्थात्:—

- (क) धारा 118 के अधीन बनाए गए मानकानु विज्ञ, वातमान, सकेत और सङ्क के नियम,
- (ख) चालक के कर्तव्य जब उनका यान दुर्घटनाग्रस्त हो जाता है और जिसके परिणामस्वरूप किसी व्यक्ति की मृत्यु या भारी शारीरिक क्षति या पर व्यक्ति को संपत्ति को नुकसान होता है,
- (ग) ऐसी रेल कांसिन का, जिस पर कोई व्यक्ति कर्तव्य पर नहीं है, पार करने समय बरकी जाने वाली पूर्वोक्तानियां और
- (घ) वे दस्तावेज जो मोटर यान चलाने समय उसे अपने साथ ले जाने चाहिए।

(2) उपनियम (1) में अस्तिविष्ट कोई बात निम्नलिखित प्रबले के आवेदकों को लागू नहीं होगी, अर्थात्:—

- (क) किसी प्रभावी चालन अनुज्ञप्ति का धारक,
- (ख) ऐसी चालन अनुज्ञप्ति का धारक, जिसकी अवधि समाप्त हो गई है किन्तु पांच वर्षों नहीं बंते है,
- (ग) इन नियमों के प्रकाशन को तारीख के पश्चात् जारी की गई या नवीकृत की गई किसी शिक्षार्थी अनुज्ञप्ति का धारक।

12. अक्षयदा द्वारा आवेदन को वषा में साता-विता या संरक्षक का रूप में - बिना गिर, चाली मोटर यादिकर को चलाने की नानु-ज्ञप्ति के लिए किया आवेदन का ज्ञा य, आवेदन पर माया ज्ञा या आवेदक से सन्धक द्वारा ज्ञासात किया जाएगा।

13. शिक्षार्थी अनुज्ञप्ति का प्रका:—अनुज्ञापन प्राधिकारी द्वारा जारी की गयी वाली प्रत्येक शिक्षार्थी अनुज्ञप्ति प्रका 3 में होगी।

चालन अनुज्ञप्ति

14. चालन अनुज्ञप्ति के लिए आवेदन:—चालन अनुज्ञप्ति के लिए आवेदन, प्रका 1 में किया जाएगा, और उसके साथ निम्नलिखित होंगे, अर्थात्:—

- (क) उस प्रकार के यान को चलाने आवेदन संबंधित है, चलाने की कोई प्रभावी शिक्षार्थी अनुज्ञप्ति;
- (ख) चालन मयवता परीक्षण के लिए और अनुज्ञप्ति जारी करने लिए नियम 32 में विनिर्दिष्ट समुचित फीस,
- (ग) आवेदक के 5 सेंटीमीटर \times 6 सेंटीमीटर आकार के नवीनतम फोटो की तीन प्रतियां,
- (घ) नियम 6 में यथा अन्यथा उल्लिखित क मयवता पक्ष 1 में चिकित्सा प्रमाणपत्र,
- (ङ) उन स्कूल या स्थान में जहाँ आवेदक ने प्रवेश यदि कोई हो, प्राप्त किए हैं, जारी किया गया प्रका 5 में चालन प्रमाणपत्र।

15. चालन परीक्षण:—(1) कोई भी व्यक्ति चालन मयवता परीक्षण के लिए तब तक उपस्थित नहीं होगा जब तक उमने कम से कम छह सप्ताह की अवधि के लिए कोई शिक्षार्थी अनुज्ञप्ति धारण नहीं की है।

(2) धारा 9 को उल्लेख (3) में निर्दिष्ट चालन मयवता परीक्षण, अनुज्ञापन प्राधिकारी या ऐसे अन्य व्यक्ति द्वारा, जो इस निम्न राज्य सरकार द्वारा प्राधिकृत किया जाए, उस प्रकार के यान में किया जाएगा, जिसमें आवेदन संबंधित किया जाएगा।

(3) आवेदक परीक्षण कदाचिते व्यक्त का यह समाधान करेगा कि वह निम्नलिखित के लिए मयव है, अर्थात्:—

- (क) मोड़ के दृश्यशीर्ष दर्पण को उपस्थित करना और गाड़ को घेरा का लगाना।
- (ख) रुकन चलाने करने के पूर्व यथाचित मायधानों चलाना,
- (ग) यान को एकवम सीढ़े तथा ऊपर गुरुक्षित रूप से और निर्बाध रूप में उस समय भी ले जा सकना है जब वह टाप गियर के न लगा लेने तक सभी गियर लगा रहा है,
- (घ) टाप गियर को निचले गियर में सीधना से बदलना जब यातायात की परिस्थिति में इस प्रकार बदल लेना जरूरी हो,
- (ङ) यान को उतार उतार की ओर चलाने हुए निचला गियर सीधना से बदलना,

- (च) यान का पीछे की ओर लुकने दिए बिना बलात पर ऊपर की ओर हाथ ब्रेक या थरोटिल का थ्रीर पाव ब्रेक का उचित प्रयोग करने हुए, उहटा कर फिर से चलाने करना, दाई और बाई तरफ़ ठीक तरह से मोड़ना और सकेत देने के पूर्व पीछे के दृश्यशीर्ष दर्पण का उचित प्रयोग करना,
- (छ) समुचित संकेत देने हुए अन्य यानों से आगे निकलने के लिए बराबर आकार या अन्य यानों को आगे निकलने देने के लिए उन्हें बराबर आगे देकर या अन्य यानों के समानांतर चल कर या आगे बढ़कर अन्य यानों के पक्ष पर उचित रूप से चलने हुए उचित समकता में समुचित सार्व पर चलना,

- (ज) हाथ मया यान मसके हुए विद्युत सूचक द्वारा यथाचित समय पर यथाचित यातायात संकेत साफ़-साफ़ और आति रहित रीति से देना,

- (झ) समुचित संकेत तथा समक मायधानों सहित मार्ग बदलना,

(न) धापात स्थिति में और अन्यथा यान का रकना और ऐसी दशा में यान को सड़क की उपयोगित दिशा की ओर सुरक्षापूर्वक, यथावित संकेत देन हुए, खड़ा करना,

(ट) पीछे के गियर खाल यान की दशा में, यान का पीछे की ओर चलाना, परिसीमित स्थान में यान को दाईं या बाईं ओर नियंत्रित रूप में और युक्तियुक्त शुद्धता सहित पीछे चलाना,

(ठ) आगे तथा पीछे के गियरों की सहायता से यान का मुहू विपरीत दिशा में करना,

(ड) यानायात संकेतों, यानायात प्रकाशों, यानायात नियंत्रकों, पुलिस के आदेशों द्वारा दिए गए संकेतों पर ठीक-ठाक और सुरक्षित कार्रवाई करना और सड़क का प्रयोग करने वाले व्यक्तियों द्वारा दिए गए संकेतों पर समुचित कार्रवाई करना,

(झ) ऐस पैदल पार पथों पर जो यानायात प्रकाश या यानायात पुलिस द्वारा विनियमित नहीं हैं, सड़क पार करने वाले व्यक्तियों को अधिमान देन हुए, ठीक कार्य करना,

(ण) सामान्य चालन में ठीक से बाईं ओर रहना,

(न) परिवर्ती सड़क और यातायात दशाओं के लिए उपयुक्त भात विनियमित करना,

(य) जैसा और जब आवश्यक हो, विश्वासपूर्ण ढंग में स्टीयरिंग सहायक तथा धामानी से गियर बदलकर, ब्रेक लगाकर यान पर अपने सामान्य नियंत्रण का प्रदर्शन करना,

(व) सड़क बंदे, स्थिति परिवर्तन करने, दूर हटने, ओवरटक करने के लिए दिशा परिवर्तन करने, दाईं और घूमने या रुकने के पूर्व पीछे के दृश्यदर्शी शीशे का उचित उपयोग करना,

(घ) सीधे चलाने हुए, दाईं और मुड़ने हुए, बाईं ओर मुड़ने हुए और सड़क के संगम पर उचित साहज का उपयोग करना,

(न) एक्सिलेटर, क्लच, गियर, ब्रेक (हाथ और पैर का) स्टियरिंग और हार्न का उचित उपयोग करना,

(प) पैदल चलने वाला, अन्य यानों के चालकों और साइकिल चलाने वालों की क्रिया का पूर्वानुमान करना,

(फ) चौगाछा पर और सड़क समतल पर निम्नलिखित की बाकाय पूर्वनिर्धारित करना,

(i) पड़ुच मार्ग पर गति का समायोजन,

(ii) पीछे के दृश्यदर्शी शीशे का उचित उपयोग

(iii) दाईं ओर बाईं ओर मुड़ने के पूर्व और पश्चात यान का सहो स्थिति में रखना,

(iv) बाएँ हाथ के कोना में मुड़ने में सक्षमता,

(v) बाएँ देखना, सड़क पार करने या विखाई पड़ने पूर्व पुनः बाएँ ओर बाएँ देखना,

(ब) अपना ध्यान विभाजित किए बिना चालन में ध्यान केन्द्रित करना और मस्तिष्क की उपस्थिति का दर्शित करना,

(स) सड़क का उपयोग करने वाले अन्य व्यक्तियों जैसे पैदल चलने वाले, अन्य मोटर गाड़ियों के चालकों या साइकिल चलाने वाले की सुरक्षा और सुविधा के लिए शिष्टता दर्शित करना

16 चालन अनुज्ञापन या प्रमाण (1) अनुज्ञापन प्राधिकारी द्वारा जारी की गई या नवीकृत की गई प्रत्येक चालन अनुज्ञापन प्रमाण 7 में होगा।

(2) जहाँ अनुज्ञापन प्राधिकारी के पास लिमिटेड कॉर्ड किम्म की चालन अनुज्ञापन जारी करने के लिए आवश्यक गोप्यता है, वहाँ ऐसी लिमिटेड किम्म की चालन अनुज्ञापन प्रमाण 7 में होगा।

उस उपनियम के प्रारम्भ की तारीख में ही अनुज्ञापन प्राधिकारी द्वारा जारी की गई या नवीकृत की गई प्रत्येक चालन अनुज्ञापन प्रमाण 7 में होगा।

17 चालन अनुज्ञापन में परिवर्तन — (1) चालन अनुज्ञापन में स्वयं वश या वर्णन के मादरयान के परिवर्तन के लिए आवेदन अधिनियम की धारा 11 की उपधारा (1) में निविष्ट अनुज्ञापन प्राधिकारी को प्रमाण 8 में किया जाएगा और उसके साथ निम्नलिखित दस्तावेज होंगे —

(क) आवेदन द्वारा धारित प्रभावी शिक्षार्थी अनुज्ञापन या चालन अनुज्ञापन

(ख) किसी परिवर्तन यान के परिवर्तन के लिए किसी आवेदन की दशा में प्रमाण 5 में चालन प्रमाणपत्र,

(ग) शैक्षणिक अर्थसाधों का माध्य जैसा नियम 8 में विनिर्दिष्ट है।

(घ) समुचित फीस, जैसी नियम 32 में विनिर्दिष्ट है।

(2) धारा 9 की उपधारा (1), उपधारा (3) और उपधारा (4) के उपबन्ध यात्रणकय उपनियम (1) के अधीन किसी आवेदन के संबंध में वैम हो लागू होंगे जैसे वे किसी चालन अनुज्ञापन की मजुरी के लिए किसी आवेदन के संबंध में लागू होंगे हैं।

18 चालन अनुज्ञापन का नवीकरण — चालन अनुज्ञापन के नवीकरण के लिए कोई आवेदन उस क्षेत्र में, जिसमें आवेदक सामान्यता निवास है या कार्यबार करता है, अधिकारिता रखने वाले अनुज्ञापन प्राधिकारी का प्रमाण 9 में किया जाएगा और उसके साथ निम्नलिखित होंगे —

(क) नियम 32 में विनिर्दिष्ट रूप में समुचित फीस,

(ख) यदि प्रमाण 6 में नवीकरण दिया जाता है तो 8 सेंटीमीटर 2 5 सेंटीमीटर के आकार के आवेदक के हान के फोटो को तीन प्रतिपा

(ग) चालन अनुज्ञापन

(घ) प्रमाण 1 में चिकित्सीय प्रमाणपत्र।

(2) जहाँ चालन अनुज्ञापन ऐसी अनुज्ञापन के धारक का वाई परिवर्तन यान और साथ कोई अन्य यान के चलाने के लिए प्राधिकृत करने है, वहाँ अनुज्ञापन प्राधिकारी चिकित्सीय प्रमाणपत्र पत्र लेके, जाने के अतीत रुकने हुए, ऐसी अनुज्ञापन का समुचित अधि के लिए, जो धारा 14 की उपधारा (2) में विनिर्दिष्ट है, नवीकरण करेगा।

19 फीस का प्रतिपादय — जहाँ अनुज्ञापन प्राधिकारी धारा 15 की उपधारा (5) के अधीन किसी चालन अनुज्ञापन के नवीकरण के लिए किसी आवेदन को नामजूर करेगा है वहाँ वह आवेदक को ऐसी नवीकरण के लिए सबन की गई फीस के अधि का अधिदान नामजूर करने का आदेश प्राप्त किए जाने की तारीख में तीन दिन के अग्रिमता उन निर्धारित उनके द्वारा किए गए आवेदन पर प्रतिपादय करेगा।

20 रक्षा विभाग के मादरयान चालन के लिए चालन अनुज्ञापन-धारा 18 की उपधारा (1) के प्रयोजन के लिए प्राधिकारी निम्नलिखित होंगे —

(1) मजूर की और उसमें ऊपर की रक के गना की यूनिट के सभी कमान अधिकार,

(2) लेफ्टिनेंट कमांडर की और उसमें ऊपर की रक के नोंमिंग की यूनिट के सभी कमान अधिकार,

(3) स्क्वाड्रन लीडर की और उसमें ऊपर की रक के वायुसेना की गनिटा के सभी कमान अधिकार।

निरहता

21 अनुज्ञापन प्राधिकारी का निर्देश करके को गोप्यता है, जो 14 की उपधारा (1) के अधि (2) के प्रयोजन के लिए किसी चालन अनुज्ञापन प्राधिकारी द्वारा जारी की गई लिमिटेड किम्म की चालन अनुज्ञापन प्रमाण 7 में होगा।

- (1) मोटर यान की चोरी।
- (2) यात्रियों पर हत्या।
- (3) यात्रियों की वैयक्तिक चीजों की चोरी।
- (4) मान वाहन में ल आए जाने वाले मान की चोरी।
- (5) विधि के अखिल प्रतिबद्ध मान का परिवहन।
- (6) ड्राइवर का यान चलाते समय दूसरे वाहनों के साथ सावधानता में लगना।
- (7) यात्रियों का अग्रहण।
- (8) मान वाहन में अधिक मान का ले जाना।
- (9) विनिश्चित सीमा से अधिक गति न चलाना।
- (10) मान वाहन में व्यक्तियों को, या ता ड्राइवर को कबिल या अन्तर उनको क्षमता से अधिक या गड्डी पर, भाड़े भाड़े के लिए हा या नही, ले जाना।
- (11) धारा 134 के उपबन्धों का अनुपालन न करना।
- (12) किसी व्यक्ति द्वारा, जा ऐसा करने के लिए प्राधिकृत हो, मकेन दिए जाने पर न रोकना।
- (13) यात्रियों, आशयिन यात्रियों या मान के उत्पत्ति और परेति-नियों के साथ दुर्व्यवहार करना और अनिष्टता प्रशिक्षा करना।
- (14) मान सेवा यानों का चलाने समय खूबगान करना।
- (15) किसी मार्गचालिका स्थान में यान को इस प्रकार छोड़ देना जिससे कि सड़क का प्रयोग करने वाले अन्य व्यक्तियों के और यान में यात्रियों को असुविधा हो।
- (16) मदिरा या मादक द्रव्य के प्रभाव में रहते हुए यान चलाना।
- (17) किसी अन्य यान पर चढ़े हुए या चढ़ने का नेतृत्व करना हुए किसी व्यक्ति को बाधा डालना।
- (18) किसी व्यक्ति का इस प्रकार बैठने देना या मान यान का इस प्रकार रखने देना जिससे कि ड्राइवर के सड़क को स्पष्ट रूप से देखने में या यान का उचित नियंत्रण रखने में बाधा पड़े।
- (19) किसी मजली गाड़ी को अनुमोदित रोकन के स्थान में कंडक्टर या यान से उतरने की बाधा करने वाले किसी यात्री को मांग या संकेत पर किसी सुरक्षित और सुविधाजनक स्थिति में पर्याप्त समय के लिए न रोकना और यात्री बनने का बाधा करने वाले किसी व्यक्ति को मांग या संकेत पर, जब तक कि यान में कोई स्थान न हो, न रोकना।
- (20) निश्चय्य धुमना या यात्रा में असम्यक् रूप से बिलम्ब करने और यान को समय सारणी के अनुसार अपराज नही कोई ऐसी समय सारणी न हो, बुकिंगों का मोक्षता में सरासर गन्तव्य स्थान को अप्रसर न होना।
- (21) टेका गाड़ी की, किसी युक्तिबद्ध कारण की अनुपस्थिति में अवस्था द्वारा नामित गन्तव्य स्थान को लक्ष्यन मार्ग से न ले जाना।
- (22) किसी मोटर कैब के ड्राइवर द्वारा भाड़े को प्रथम स्तरता का जा उस यात्रा को जिसके लिए ऐसी प्रस्थारता की गई है, वापस का ध्यान किए बिना को गई हा रवाना न करना।
- (23) किसी मोटर कैब के ड्राइवर द्वारा उस किराए से, जिसकी वह विविध रूप में उपलब्ध है, अधिक को मांग करना या ले निष्कर्षा करना अथवा मोटर कैब चलाने से हाथ धोना।

(24) यान का किसी हड़ताल में भाग लेने देना अथवा जनता या यात्रियों का असुविधा कारित करने को दृष्टि से यथोचित कारण के बिना यान का सड़क से हाथ लेना।

चालन अनुज्ञापन पृष्ठांकन

23. न्यायालय द्वारा पृष्ठांकन-इसमें नीचे विनिश्चित अन्तर्भावों में से किसी के लिए किसी अनुज्ञापन के धारक को सिद्धांत उठराने का ता न्यायालय ऐसी शोषितिकी को विनिश्चित आनत अनुज्ञापन में पृष्ठांकन करेगा या करवाएगा, अर्थात् --

- (क) अनुज्ञापन के बिना या ऐसी अनुज्ञापन के बिना जा प्रभावों है या ऐसी अनुज्ञापन के बिना जो चलाए गए यान का लाने होती है, चलाना (धारा 3)।
- (ख) अन्य व्यक्ति का अनुज्ञापन का प्रयोग करने का धारा 16(2)।
- (ग) निरहित होने हुए यान चलाना (धारा 23)।
- (घ) किसी अनिमित्तकृत यान को चलाना (धारा 19)।
- (ङ) ऐसी परिबद्ध यान को चलाना जा योम्बता प्रमाणिक के अनन्त नहीं है (धारा 56)।
- (च) धारा 66 के उपबन्ध में परिबद्ध यान का चलाना।
- (छ) नियम 118 के उपबन्ध में चलाना।
- (ज) धारा 114 के उपबन्धों का अनुपालन न करना।
- (झ) अनुज्ञापन या अनिमित्तकृत प्रमाणिक प्रस्तुत करने के लिए विनिश्चित समय के भीतर हजेरा करना या उतर अतरक रहना।
- (ञ) यान का न रोकना (धारा 132)।
- (ट) पृष्ठांकन को विनिश्चित बिना अनुज्ञापन प्राप्त करना या उनके लिए आवेदन करना (धारा 182)।
- (ठ) अस्वाधिक गति में यान चलाना (धारा 181)।
- (ड) खालीक रूप से चलाना (धारा 184)।
- (ढ) मदिरा या औषधि के समर में होने हुए मोटर यान चलाना (धारा 185)।
- (ण) उत समय चलाना जब मानसिक या शारीरिक रूप से चलाने का अयोग्य है (धारा 186)।
- (ण) धारा 183 या 186 के अंगत शङ्कनों केना अपराध का कुप्रेरण करना।
- (य) धारा 183 में विनिश्चित किसी अन्तर्भाव कुप्रेरण करना।
- (र) अस्वाधिक बौध या गति के परीक्षण में भाग लेना।
- (व) किसी यान का अनुमोदित दशा में जायोग करना (धारा 190)।
- (न) गैर यान का चलाना जिसमें भार अत्यधिक सामान या यात्रा है (धारा 194)।
- (र) किसी अनुज्ञापन में परिवर्तन करना या परिवर्तित अनुज्ञापन का उपयोग करना।
- (क) कारागार में दण्डनीर कोई ऐसा अपराध जिसके करने में मोटर यान का उपयोग विश नया था।

गैर निश्चित

24. नीचे अनुज्ञापन में अन्य अन्तर्भाव, अर्थात् -- 23 में न्यायालय में चर्चा 19 में अनुज्ञापन प्रावधानों द्वारा आगे की गई या यात्रा की गई यात्रा अनुज्ञापन के प्रयोग में यात्रा अनुज्ञापन का गाने गतिधर अन्तर्भाव।

(2) प्रत्येक राज्य सरकार, उपनियम (1) में निर्दिष्ट रजिस्टर की मुद्रित प्रति निर्देशक (परिवहन अनुमति) भूतन परिवहन संज्ञापन, नई दिल्ली का भेजेगी।

24. इाहविग स्कूल और स्थापन—(1) कोई व्यक्ति अनुज्ञापन प्राधिकारी द्वारा प्रया 11 में मंजूर की गई अनुज्ञापन के बिना मोटर यान चलाने में किताब या इतान के लिए अनुदेश देने के लिए किसी इाहविग स्कूल या स्थापन की स्थापना नहीं करेगा या उसे बनाए नहीं रखेगा।

(2) उपनियम (1) के अधीन अनुज्ञापन की मंजूरी या नवीकरण के लिए कोई आवेदन, वयास्थिति, प्रश्न 12 या प्रश्न 13 में उप क्षेत्र में अधिस्तित रखने वाले, जिनमें स्कूल या स्थापन स्थित है, अनुज्ञापन प्राधिकारी को किया जायगा और उपरोक्त नियम 32 में निर्दिष्ट अनुचित फीस होंगी।

स्पष्टीकरण—इस नियम और नियम 25 से 38 तक के प्रस्तावना के लिए “अनुज्ञापन प्राधिकारी” से ऐसा अधिकारी अभिप्रेत है जो धारा 213 के अधीन स्थापित मोटर यान विभाग के प्रादेशिक परिवहन अधिकारी की पक्षि से नीच का नहीं है।

(3) अनुज्ञापन प्राधिकारी, इस नियम के अधीन किसी अनुज्ञापन का मंजूरी या नवीकरण के लिए किसी आवेदन पर विचार करने समय निम्नलिखित विषयों का ध्यान में रखेगा

(i) आवेदक और उसके अधीन कार्य करने वाले कर्मचारिबुन्द अच्छे नैतिक चरित्र वाले हैं और चालन अनुदेश देने के लिए अर्हित हैं,

(ii) वह परिवार जहाँ स्कूल या स्थापन की चलाने का प्रस्ताव है या तो आवेदक के स्वामित्व में है या उसके द्वारा पट्टे पर लिया गया है या उसके नाम में भाड़े पर लिया गया है और उसमें ग्राह्यता हाल प्रतिसातों के संप्रदर्शन के लिए कक्षा, प्रशासनिक अनुभाग, स्वागत कक्षा, सफाई कक्षा के लिए, ज्ञान में अनुदेश देने के लिए उपयोग किए जाने के लिए अभिप्रेत यानों के लिए पर्याप्त पार्किंग क्षेत्र के आन्तरिक, पर्याप्त स्थान है।

परन्तु इन नियमों के प्रारम्भ के ठीक पूर्व मोटरयानों के चलाने में अनुदेश देने वाले या उनसे संयुक्त विषयों पर स्कूल या स्थापना के संबंध में, अनुज्ञापन प्राधिकारी उसी परिसर में जहाँ स्कूल या स्थापन छह मास की सीमित कालावधि के लिए बना हुआ है, इस तथ्य के होते हुए भी कि परिसर इस अण्ड में अधिकतम शर्तों को पूरा नहीं करता है, अनुदेश अनुविधायों के संचालन करने की अनुज्ञा दे सकेगा।

(iii) प्रस्तावित स्कूल या स्थापन का विनीय स्रोत उसका अनुकरण बनाए रखने के लिए उपबन्ध करने के लिए पर्याप्त है,

(iv) आवेदक उस क्रिम के, जिनमें स्कूल या स्थापन में अनुदेश दिए जाते हैं, कम से कम एक मोटरयान का स्वामी है और उसका अनुकरण करता है,

(v) यान अनुदेश देने के प्रयोग के लिए अत्यन्त रूप से उपलब्ध है और सभी ऐसे गान, मोटर सार्विकियों को छाए कर, अनुदेशक को यान का तुरन्त नियंत्रण करने या उससे रोकने में समर्थ बनाने के लिए दोहरी नियंत्रण प्रमुविधा से युक्त है;

(vi) आवेदक के पास निम्नलिखित साधन उपलब्ध और अन्य पर्याप्त हैं, यथा—

(क) ब्लॉक बाई

(ख) आवश्यक नाल संचालकों के नाम सड़क का रेखांक बोर्ड और चार्ट;

(ग) यातायात चिह्नों का चार्ट;

(घ) स्वचालित गकों पर चार्ट और यातायात नियमों का ग्राफ, जब स्वचालित संकेत न हो, दिए गए गकों पर चार्ट।

(ङ) मोटरयान के सभी सफटकों का व्यौरवार दृश्य प्रदर्शित करने वाला सेवा चार्ट;

(च) मोटरयान का इंजिन गियर बाक्स, पीछे का एकल समंजन बेसिन समंजन जो रिटार्डिंग यांत्रिकी के साथ सम्पूर्ण हो, निम्नतम एक्सन और ब्रेक बूज, और उस मोटरयान के क्रिम के इस क्रिम स्कूल या स्थापन के अनुदेश दिए जाते हैं (मिवाए वहा के जहा आवेदक केवल मोटरयान चलाने में अनुदेश देने की वाधा करता है);

(छ) टायर लबर के साथ पक्कर किट, ब्रहोल ब्रेक, जैक और टायर दाब सेज,

(ज) स्पेनर (6 स्पेनरों का सेट, फीक बोमर, फायर स्क्रॉनर, और हथौडा);

(झ) चालन अनुदेश मैनुअल;

(ञ) प्रशिक्षणायियों के लिए बेचे और भेजे गए कार्य के लिए बेच,

(ट) प्रकाशों, स्वन स्टार्टर, महनेमी कट-आउट बैट्री और स्विचों के कार्यकरण को दर्शित करने के लिए सम्पूर्ण विद्युत उपस्कर;

(ठ) स्कीन सहित प्रोटेक्टर और सड़क सुरक्षा के बारे में संप्रदर्शन के लिए कम से कम 10 क्रिम;

परन्तु जहा आवेदक प्राइवेट और रजित रखत में समर्थ है वहाँ यह पर्याप्त होगा यदि आवेदक रैशोविजन या अन्य वेने ही संप्रदर्शन उपस्कर द्वारा पूर्व अभिविज्ञित विडियो फीसटा के माध्यम में सड़क सुरक्षा पर दृश्य अथ संप्रदर्शन के लिए प्रबन्ध कर दे।

(ड) प्राटोमोबाइल मोटर यांत्रिकी चालन, सड़क सुरक्षा यातायात विनियम, मोटरयानों से संबंधित विधियों और संबंधित विषयों पर अंग्रेजी और क्षेत्रीय भाषाओं में दोनों में किताबों वाला पुस्तकालय,

(ढ) परिवार में आपात में उपयोग के लिए प्राथमिक उपचार पेटिक जो पूर्णतः सज्जित हो।

(vii) किसी विशिष्ट परिशेज में स्कूल या स्थापन के लिए आवश्यकता;

(viii) आवेदक या अनुदेश देने के लिए उसका द्वारा नियोजित कर्मचारिबुन्द के किसी सदस्य के पास निम्नलिखित ग्रहताएं हैं, यथा—

(क) एग्ने स्टैण्ड से उर्माण होने की न्यूनतम माधारण ग्रहता,

(ख) मोटरयांत्रिका पाठयक्रम में प्रमाणपत्र के अनिवार्य पांच वर्षों का न्यूनतम चालन अनुभव या केन्द्र अथवा राज्य सरकार द्वारा या किसी राज्य सरकार के तकनीकी शिक्षा बोर्ड द्वारा मान्यताप्राप्त संस्था में यांत्रिकी इंजीनियरी में कोई अन्य उम्मेदवार ग्रहता;

(ग) अनुनियम का अनुसूचा में निर्दिष्ट ज्ञानप्राप्ति ग्रहता का और धारा 118 के अधीन बनाए गए सड़क पर उपयोग करने वाले विनियमों का पूर्ण ज्ञान;

(घ) यानों के विभिन्न सफटकों, पुर्कों के नुचों की तमद्वान करने और स्पष्ट करने की योग्यता;

(घ) अंग्रेजी या उस शब्द की, जिसमें स्कूल या स्थापन स्थित है, प्रेमीय भाषा का पूर्ण ज्ञान।

किसी बात को ध्यान में रखते हुए कि किसी के प्राप्ति के दिन पर काम में आने वाले वर्ष की संख्या पर किसी अनुज्ञापन को प्रदान करने के लिए को है, इस उपधारा की अपेक्षाओं से, छूट प्राप्त है।

(1) अनुज्ञापन प्राधिकारी, उपनियम (2) के अधीन किसी आवेदन को प्राप्ति पर और अपना यह समाधान करने के पश्चात् कि आवेदन ने उपनियम (3) की अपेक्षाओं का अनुपालन कर लिया है, प्रत्येक 11 में अनुज्ञापन को मंजूर कर सकेगा या नवीकृत कर सकेगा।

(3) अनुज्ञापन के लिए किसी आवेदक के लिए अनुज्ञापन प्राधिकारी द्वारा हकार नहीं किया जाएगा जब तक कि आवेदक को सुनवाई का अवसर न दे दिया गया हो और ऐसे हकार किए जाने के लिए अनुज्ञापन प्राधिकारी द्वारा लिखित रूप से कारण न दिए गए हों।

25. अनुज्ञापन की अवधि और उसका नवीकरण— प्रत्येक 11 में मंजूर की गई अनुज्ञापन वर्षों की अवधि के लिए प्रभावी होगी और उस अनुज्ञापन प्राधिकारी को जिसने अनुज्ञापन मंजूर की थी उसकी समाप्ति की तारीख से कम से कम साठ दिन पूर्व प्रत्येक 13 में निम्न, आवेदन पर नवीकृत की जा सकेगी।

26. अनुज्ञापन की दूसरी प्रति का जारी किया जाना (1) यदि किसी समय नियम 34 के उपनियम (4) के अधीन मंजूर की गई अनुज्ञापन को जाती है या नष्ट हो जाती है तो अनुज्ञापन की धारक उसके खो जाने की सूचना तत्काल उस अनुज्ञापन प्राधिकारी को देगा जिसने अनुज्ञापन मंजूर की थी और उक्त प्राधिकारी को प्रत्येक 12 में दूसरी प्रति के लिए आवेदन करेगा।

(2) नियम 32 में विनिर्दिष्ट नमूने फीस के साथ किसी आवेदन की प्राप्ति पर अनुज्ञापन प्राधिकारी अनुज्ञापन की दूसरी प्रति जारी करेगा जिस पर स्पष्ट रूप से 'दूसरी प्रति' लिखित होगा।

(3) यदि प्रमाणपत्र की दूसरी प्रति के जारी करने के पश्चात् मूल प्रति मिल जाती है तो वह तत्काल उस अनुज्ञापन प्राधिकारी को जिसने उसे जारी किया था, अर्पित कर दी जाएगी।

27. किसी अनुज्ञापन के धारक द्वारा पालन की जाने वाली साधारण शर्तें नियम 24 के अधीन मंजूर की गई अनुज्ञापन का धारक —

(क) प्रत्येक 11 में वार्षिक आधार पर रजिस्टर रखेगा और वर्ष के दौरान वास्तविक किए गए विद्यार्थियों के नाम की वर्णनमा, नुसार सूची रखेगा,

(ख) नियम 31 में विनिर्दिष्ट पाठ्यक्रम के अनुसार प्रशिक्षण पाठ्यक्रम का संचालन करेगा,

(ग) उस अनुज्ञापन प्राधिकारी को, जिसके समक्ष प्रशिक्षणार्थी को चालन अनुज्ञापन प्राप्त करने के लिए उपस्थित होना है, प्रत्येक प्रशिक्षणार्थी के संबंध में प्रत्येक 14 में की गई प्रविष्टियों का उद्धरण स्कूल या स्थापन में विद्यार्थी के प्रवेश के मान चित्र के भीतर भेजेगा।

(घ) प्रत्येक विद्यार्थी को, जिसने पाठ्यक्रम पूर्ण कर लिया है, प्रत्येक 5 में प्रमाणपत्र जारी करेगा,

(ङ) उस अनुज्ञापन प्राधिकारी को, जिसने अनुज्ञापन मंजूर की थी, ऐसी जानकारी या विवरणी जो उसके द्वारा समय समय पर इस अध्याय के प्रयोजनों के लिए मांगी जाए, प्रस्तुत करेगा

(च) उस अनुज्ञापन प्राधिकारी के, जिसने अनुज्ञापन मंजूर की थी, लिखित पूर्व अनुमोदन के बिना अनुज्ञापन में वणि परिसर से स्कूल या स्थापन को हटाया नहीं।

(छ) स्कूल या स्थापन के परिसर और उसके द्वारा अनुज्ञापन अधिकारियों और रजिस्ट्रारों को सभी दृष्टिकोणों पर अनु-

ज्ञापन प्राधिकारी द्वारा या अनुज्ञापन प्राधिकारी द्वारा इस निर्दिष्ट प्राधिकार किसी व्यक्ति द्वारा निरीक्षण के लिए बना रहेगा।

(3) पालन से न पालन दोनों ही पक्षों को अपने-अपने मोटरवाहन पर स्टम्पों पर से रकत या रजिस्ट्रार की नाम और पता पता और टेलीफोन नं. यदि कोई हो स्पष्ट अक्षरों में दर्शित रहेगा।

(ख) प्रत्येक प्रशिक्षणार्थी के लिए प्रत्येक 15 में प्रवेश दिन बिनाई गए, चालन बटो की संख्या प्रदर्शित करने हुए पुस्तक रूप से प्रस्तुत रखेगा

(घ) अपने कार्यालय के पञ्चम ग्यापन पर लिखित पदोष। करेगा —

(i) अनुज्ञापन प्राधिकारी द्वारा स्कूल या स्थापन को मूल रूप से जारी की गई अनुज्ञापन, और

(ii) स्कूल या स्थापन द्वारा नियोजित अनुदेशकों के नाम और पता,

(ङ) स्कूल या स्थापन से अनुदेश प्राप्त करने के लिए कोई आवेदन करने वाले किसी व्यक्ति को इन नियमों के अनुसार अन्यथा व्यक्ति के लिए अनुज्ञापन उपान करने के लिए अपनी योग्यता के बारे में भलाबा रेने वाली या इस अध्याय के उपबन्धों को परिष्करण देने की दृष्टि से किसी कार्य को करने या लोप करने में किसी व्यक्ति के साथ मौनानुमति देने वाली रीति में कार्य नहीं करेगा।

28. अनुज्ञापन निर्वहण करने या प्रसिद्ध करने के लिए अनुज्ञापन प्राधिकारी की शक्ति— (1) यदि उस अनुज्ञापन प्राधिकारी का, जिसने अनुज्ञापन मंजूर की थी, अनुज्ञापन के धारक को सुनवाई का अवसर देने के पश्चात्, यह समाधान हो जाता है कि वह,

(क) नियम 24 के उपनियम (3) में विनिर्दिष्ट अपेक्षाओं का अनुपालन करने में असफल रही है, या

(ख) उन यानों को, जिनमें अनुदेश दिए जा रहे हैं, अच्छी दशा में रखने में असफल रहा है, या

(ग) अनुदेश देने में नियम 31 में विनिर्दिष्ट पाठ्यक्रम का अनुपालन करने में असफल रहा है, या

(घ) नियम 27 के किसी अन्य उपबन्ध का अतिक्रमण करता है, तो वह अधिलिखित किए जाने वाले कारणों से—

(i) विनिर्दिष्ट अवधि के लिए अनुज्ञापन को निर्वहण करने हुए,

(ii) अनुज्ञापन को प्रसिद्ध करने हुए,

आदेश कर सकेगा।

(2) जहां अनुज्ञापन उपनियम (1) के अधीन निर्वहण या प्रति-संकेत की जाता है वहां अनुज्ञापन उसके धारक द्वारा अनुज्ञापन प्राधिकारी को अर्पित कर दी जाएगी।

29. अपील—नियम 24 के उपनियम (5), नियम 25 या नियम 28 के अधीन अनुज्ञापन प्राधिकारी के किसी आदेश से व्यथित कोई व्यक्ति ऐसे आदेश की प्राप्ति के तौस दिन के भीतर, अधिनियम की धारा 213 के अधीन गठित मोटरवाहन विभाग के अध्यक्ष को अपील कर सकेगा।

30. अपील के लिए प्रक्रिया—(1) नियम 29 के अधीन कोई अपील अनुज्ञापन प्राधिकारी के आदेश के संबंध में आदेशों के आधार उपदर्शित करने हुए ज्ञापन के रूप में दो प्रतियों में की जाएगी और उसके साथ उस आदेश की, जिसके विरुद्ध अपील की गई है, प्रमाणित प्रति और नियम 32 की विनिर्दिष्ट नमूने फीस होगी।

(2) अपील प्राधिकारी पक्षकारों को सुनवाई का अवसर देने के पश्चात् और ऐसा और जाय, यदि कोई हो जो वह आवश्यक गणित, करने के पश्चात् समुचित आदेश पारित कर सकेगा।

31 मोटर यानों के चालन में सन्देश देने के लिए पाठ्यक्रम—(1) स्कूतो या स्कापतो के मोटर यानों के चालन में अनुदेश देने के लिए पाठ्य-निम्नलिखित होगा—

अ—कार्यक्रम अधो—1

1. गगने यात्रा की जातिग
पारोमोबायन प्रवेश और रमकी बर्तपणाकी के लिए साधारण अनुदेश
2. याहन नियंत्रण
फुट ब्रेक, एक्सिलेटर, क्लच डिप्लर (वर्तमान माउल में नहीं)
स्टीयरिंग व्हील, हेडलैंक, हार्न, लाइट, ब्राइवर, इग्निशन स्विच, स्टार्टर गिपर और हंडीकेट।
गियर, ब्रू मिन्नर (दायी और बायी तरफ) इन्ड्रिंग, क्लायर गीजिन, टॉयलिंग, विड स्पीन—उनके उद्देश्य
गन्ना नियंत्रण
(1) ब्राइवर की सीट पर बैठने से पूर्व।
(2) ब्राइवर की सीट पर बैठने के बाद।
चलने से पूर्व सावधानिया
— चलने समय
— ब्राइडिंग प्लार्ट
— चलना
— स्टीयरिंग नियंत्रण
— गियर बदलना।
— रोकना
— ब्रेक लगाना
— एक्सिलेटर (धीरे-धीरे प्रचालन)
— ट्रैफिक जानकारी, मार्ग जानकारी, निर्णय, सड़क प्रयोगताओं के अनुसार पाकिंग और पोझीशनिंग
— रिबनिंग
3. ब्राइडिंग-पूर्व जांच
पूर्वनिर्माण, अन्य सड़क प्रयोगताओं के अनुसार निर्णय एवं रोड पोझीशनिंग
4. ब्राइडिंग शुरू करने समय
— मिन्नर सिगनल और युक्तिचालन (एम एम एम) तथा पोझीशन गपीड
— रेखना (पी एम एल)
— तजर का क्षेत्र।
5. सड़क पर ब्राइडिंग :
— मिजिन और ब्राइडिंग
युक्तिचालन—दाएं, बाएं युनिक्स संयुक्त मोड़ 3 प्लार्ट मोड़, 5 प्लार्ट मोड़, बड़े वाहनों पर यू-टर्न, ब्राइन का दाएं और बाएं चलना।
6. चौराहों पर ब्राइडिंग
— बैटी स्थिति में रिबनिंग कुकता, स्पीड नियंत्रण, एम-बैंड और क्लाम गस्मियों में रिबर्स स्टीयरिंग।
7. स्थिति चालन
— समानतर कोणीय सम्बन्धीय पाकिंग कैमिंग अवधि पाकिंग पीएम हाउन ग्लिल पाकिंग।
8. रिबनिंग
— ब्राइडिंग व्यवहार, अन्य सड़क प्रयोगताओं के लिए विनियम और प्रतिस्पर्धीय अति-प्रावृत्त, अधीरता और रक्षात्मक ब्राइडिंग
9. पाकिंग
— गेनवे क्रॉसिंग पर ब्राइडिंग शुरू करने समय कारों के बीच दूरी।
10. मार्ग पर ब्राइवर की जिम्मेवारी
— आपातकालीन वाहन।
— धाग इजिन तथा
— एम्बलेंस
11. वाहन वाहनों के लिए साधना

ब—ट्रैफिक शिक्षण—1

1. ब्राइडिंग विनियम।
मोटर यान अधिनियम, 1988 की धारा 118 के अधीन बने सड़क प्रयोग विनियम।
2. हैड सिगनल
मोटर यान अधिनियम 1988 की अनुसूची।
3. ट्रैफिक चिन्ह
4. ट्रैफिक वास्तविक ट्रैफिक वाहनों के हैड सिगनल।
5. एंटीमैटिक लाइट सिगनल का परिचय।

6. रोड मार्किंग का परिचय।
7. राष्ट्रीय राजमार्गों और नगर मार्गों पर स्पीड विनियम।
8. आपत्तिजनक स्थलों पर पार्किंग।
9. मोटर यान अधिनियम, 1988 के कुछ महत्वपूर्ण उपबन्ध—मोटरयान अधिनियम, 1988 की धारा 122, 123, 125, 126 तथा 128।
10. इाह्व करने के लिए सक्षमता टेस्ट : केन्द्रीय मोटर यान नियम, 1989 के नियम 15 का उपनियम (3)

ग—इाह्वे वाहन की इाह्विग प्रैक्टिस

1. वाहनो के विभिन्न भागो की पहचान
2. इाह्विग से पूर्व जाच।
3. स्टीयरिंग प्रैक्टिस पुण मंड पुन मैथड
4. ब्राइदिंग प्लार्ट
5. मूविंग एण्ड गियर चेजिंग।
6. स्ट्रापिंग — नार्मल स्ट्रापिंग
— आगातकालीन स्ट्रापिंग
7. सडक पर इाह्व करने के लिए भूव्यांकन एवं पर्वभास का विकास।
8. रिबमिंग — सीधे में।
— “गुम” झुकाव में।
9. मोड़ना और पार्किंग :
10. लाइसैंसिंग।

घ—वाहन-रचना और मरम्मत

1. वाहन तैयार करना।
2. मीजल और वैट्रोल इंजिन का कार्य
3. ईंधन प्रणाली — ईंधन लाहने।
— ईंधन इंजेक्शन पंप
आटोमाइजर
— एयर फॉक
— आयल ब्लॉक
4. कूलिंग प्रणाली . — उद्देश्य
— रेडियेटर
— फैन बेल्ट/कैन बेल्ट
— रेडियेटर वाटर वायलिंग
— रेकट्रिफिकेशन
5. लूब्रिकेशन प्रणाली — उद्देश्य
— इंजिन लूब्रिकेशन
— चैमिस लूब्रिकेशन
— आयल ब्रेड नम्बर्स यूनीट वाइज।
6. ट्रांसमिशन प्रणाली— (क) कन्वच—कार्य
— भाग
— राइजिंग
— लिफ्टिंग
(ख) गियर बॉक्स
— कार्य
— उद्देश्य
— भाग

- (ग) प्रोपेलर शाफ्ट :
 -- कार्य/उद्देश्य
 -- यॉक प्वाइंट
 -- सी जे बीयरिंग स्लिप
 -- +यू प्वाइंट
 -- लुब्रीकेशन
 (घ) डिफरेंशियल
 -- उद्देश्य
 -- कार्य/गोरा
7. सस्पेंशन प्रणाली :
 -- उद्देश्य
 -- स्प्रिंग
 -- रोकल, रोकल पिन बुशिंग, शाँक--
 एब्रजिसेंस तथा उनके बुशिंग।
8. स्टीयरिंग प्रणाली :
 -- उद्देश्य
 -- स्टीयरिंग ज्यामिती
 -- स्टीयरिंग बिकेजेज
 -- स्टीयरिंग बाक्स
9. ब्रेक प्रणाली :
 -- उद्देश्य
 -- हाइड्रोलिक ब्रेक और उसकी जानकारी।
 -- एयर एसिस्टेड हाइड्रोलिक ब्रेक और उसकी जानकारी।
 -- एयर ब्रेक और इसकी जानकारी
 -- संपूर्ण प्रणाली का ब्रेक एकेजेस्टमेंट
10. बिजुत् प्रणाली
 -- बैट्री और इसकी स्थिति।
 -- डायनेमा/मोटरनेटर
 -- सील्ड मोटर-स्टार्टर मोटर
 -- रेगुलेटर्स
 -- लाइट--एमपीयर मोटर में आज़िगरेट पढ़ने का ज्ञान।
11. टायर :
 -- टायरों का अध्ययन।
 -- धनुरक्षण।
 -- दोषपूर्ण टायरों और ग्रील एसाइनमेंट के प्रभाव
12. इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर डैश बोर्ड मोटरों तथा उनके उद्देश्य और कार्य :
 ६--मंजोले और भारी वाहनों की ड्राइविंग
 ड्राइविंग थ्योरी-2
1. घण्टे ड्राइवर के गुण :
 -- धैर्य-उत्तरदायित्व-आत्मविश्वास, पूर्वाभास, एकाग्रचितता, विभ्रता,
 रक्षात्मक ड्राइविंग--सड़क नियम
 विनियमों का ज्ञान, वाहन नियंत्रण का ज्ञान, धनुरक्षण एवं
 साधारण रचना।
2. वाहन नियंत्रण का ज्ञान
 प्रमुख नियंत्रण
 -- लघु नियंत्रण
3. नियंत्रण की प्रतिक्रिया
 -- एक्सीलेरेटर
 -- ब्रेक--क्रामक/अकस्मात/अकस्मात तीव्र
 -- क्लच]]
 -- स्टीयरिंग।
4. ड्राइविंग पूर्व जांच
5. स्टीयरिंग ग्रील पकड़ना,
 -- पुन एण्ड पुन मैचड प्रैक्टिस
 -- ज्ञान की सूच
 -- गियर चेंज करते समय।
 -- मोड़ते समय।

- धार्म वेले समय ।
 — डैश बीड स्विच चलाते समय ।
 — सिगनल वेले समय ।
 — आपात कालीन स्थिति में ।
6. गियर बदलना
- डबल डी-क्लचिंग महत्व और तरीका,
 सिगल क्लचिंग
 — गियर अप तरीका, निचने गियर शिफ्ट करना
 — गियर डाउन तरीका, उपरले गियर को शिफ्ट करना ।
7. ड्राइविंग शुरू करना
- 1 गियर
 — 2 गियर
 — 3 गियर
 — 4 गियर
 — 5 गियर
 — रिक्से गियर
 — ओवर ड्राइव/मापशनल ।
8. एम एम एम और पी एस एल रोटीमज
9. युक्तिचालन
- पॉसिंग
 — मजिंग
 — डाइवजिंग
 — ओवर टेकिंग
 — फ्रासिंग
 — टमिंग
 — फार्मैरिंग
 — रिक्सिंग
 — पाकिंग
10. स्टापिंग
- नार्मल स्टापिंग
 — आपातकालीन स्टापिंग
 — इंजिन ब्रेक/एग्जाह्यूस्ट ब्रेक का प्रयोग ।
11. स्टापिंग डिस्टेंस
- रिएक्शन डिस्टेंस
 — ब्रेकिंग डिस्टेंस
12. फ्रक्लोइंग डिस्टेंस
- ब्रेकिंग डिस्टेंस
 — धर्ष
 — डिस्टेंस मैथड
 — कार लैग्ग मैथड
 — 2 सेकिंड टाइमकल मैथड
13. पहचान, सविष्यवाणी, निर्णय और अनुपालन
 (आईपी बी ई) नियम
14. रक्षात्मक ड्राइविंग तकनीक
- निर्णय
 — पूर्वानुमान
 — निकलने का मार्ग
15. नाइट ड्राइविंग
- हेड लाइट स्विच की स्थिति
 — प्रक्रिया
 — लैम्प् जलाने का बायिल, लैम्प जलाने पर प्रतिबंध ।
16. हिल ड्राइविंग
- पहाड़ी म ड्राइविंग शुरू करते समय पाकिंग ब्रेक मैथड का प्रयोग ।
 — कल्थ मैथड छोड़ना ।
 — ड्राइविंग पी अप-हिल
 — ड्राइविंग-इन टाउन-हिल

17. आपातकालीन युक्ति—चालन

- इलाज से परहेज बेहतर है—
- स्किडिंग हार्न स्टेक
- फायर व्हीलज कमिक हाउट
- ब्रेक फ्रेल होना।
- ब्रीकन स्टेज एक्सल।
- फ्रंट टायर का बर्सेट होना।
- स्टीयरिंग बॉबलिंग।
- स्टीयरिंग लिफ्टेज की स्नैपिंग।
- एक्सीलेटर पैडल का उछलना।
- क्लच रॉड की स्नैपिंग

18. विशिष्ट स्थितियों में ब्राइविंग

- अयोग्य बाहून के साथ अचानक टक्कर की विशिष्ट स्थिति में।
- पहाड़ी उतरते समय ब्रेक फ्रेल होने की स्थिति।
- यान के समक्ष अचानक रुकावट।

19. टोविंग (ट्रेलर ब्राइविंग)

- भीरो मौसम में।
- साँझ, धुंधलके तथा घूल भरी सड़कों में।
- ट्रैफिक में।
- प्रक्रिया।
- टोव बोर्ड पर।
- नियंत्रण की स्पीड।
- रिक्सिंग और बाहून को ट्रेलर के साथ पोजीशन करना।

20. ईंधन बचत के तरीके।

21. रिपोर्ट—विचार—निबन्ध
(ब) ट्रैफिक शिक्षण II

1. अपने मार्ग की जानकारी

- कार्यात्मक वर्गीकरण।
- डिजाइन स्पीड।
- मार्ग ज्यामिती।
- सर्कस टाइपस एण्ड करेक्टरीस्टिक्स।
- ढाल और ऊँचाई।

2. स्थलीय दूरी :

- झुकावों पर।
- चौराहों पर।

3. मार्ग-संयोजन .

- नियम एवं प्रकार।
- टी संयोजन।
- बाई संयोजन।
- चार लेन वाले संयोजन।
- फ्रैल हुए (भटके हुए) संयोजन।
- नियंत्रित संयोजन।
- अनियंत्रित संयोजन।

4. ट्रैफिक द्वाप

- चक्करवार मार्गों के प्रकार।
- माध्यम।

5. बाईपास, सबसे, एवर क्रिज-तथा प्लार्डोवर

- उद्देश्य।
- ब्राइविंग प्रक्रिया।

6. बस स्टाप, बस टर्मिनल, बस स्टैंड

- प्रवेश।
- निकास।
- तरीका।

7. मार्ग सीमांकन

- सफ़ेद लाइन, लगातार और टूटी हुई।
- पीली लाइन।
- लाइन सीमांकन।

- जैबरा क्रॉसिंग।
 - स्टाप लाइन।
 - पार्किंग सीमांकन।
 - मार्ग सिगनलों की दशा।
8. लेन का चुनाव और लेन अनुशासन।
9. स्वचालित लाइट सिगनल।
10. मार्ग उपयोगिता विशेषतासूचक :
- पैदल, शराब पीए हुए, बच्चे और भ्रष्ट, बहरे और शूशे।
 - जवान, बुद्ध, बच्चों सहित स्त्रियां।
 - धीमी गति के वाहन।
 - मोपेड और मोटर साइकिल।
 - आर्टो टेम्पू और वैनें।
 - बसें और ट्रक।
 - बी आई पी, एम्बुलेंस, आग इंजिन।
 - पशु।
11. दुर्घटनाएं।
- दुर्घटनाओं के प्रकार।
 - दुर्घटनाओं के कारण।
 - बचाव के तरीके।
 - दुर्घटनाएं होने पर ड्राइवर के दायित्व और जिम्मेदारियां।
12. मोटर यान अधिनियम, 1988 (1988 का 59) केन्द्रीय मोटर यान नियम 1989 तथा राज्य मोटर यान नियम
- विभिन्न परिभाषाएं।
 - ड्राइविंग लाइसेंस और उनका नवीकरण।
 - ड्राइविंग लाइसेंस, पंजीकरण प्रमाणपत्र, फिटनेस और बीमा, परमिट टेक्सेशन कार्ड अथवा परमिट टोकन का उठाना और जांच अधि-कारी द्वारा मांगे जाने पर ऐसे कागजात उपलब्ध कराना।
 - ट्रैफिक अपराध और अधिनियमों व नियमों के अधीन निर्दिष्ट किए गए दण्ड।
 - पेट्रोलियम अधिनियम, 1934 के सुसंगत उद्धरण।
 - सिटी पुलिस अधिनियम
 - भारतीय दंड संहिता, 1860।
- (छ) ड्राइवरों के लिए सार्वजनिक सम्पर्क:
- अन्य सड़क प्रयोक्ताओं के साथ नैतिक और विनम्र व्यवहार के संबंध में कुछ प्राथमिक पहलू।
- (ज) भारी वाहन ड्राइविंग प्रैक्टिस:
1. विभिन्न उपकरणों का परिचय-हायल रींग और नियंत्रण
 2. ड्राइविंग पूर्व जांच :
 3. ड्राइव शुरू करते समय :
 4. ग्रामीण मार्गों पर ड्राइविंग
 5. निर्णयन का विकास
 6. पूर्वाभास का विकास
 7. भीड़ वाली गलियों में ड्राइव करने की निपुणता विकसित करना।
 8. रात्रि ड्राइविंग।
 9. फाउण्टर कस्टडी प्रैक्टिस और पहाड़ी ड्राइविंग।
 30. आंतरिक ट्रेड टेस्ट।
 11. पीछे मोड़ना (रिवर्सिंग) और पार्किंग प्रैक्टिस।
 12. लाइसेंसिंग।
- ब्राइटिंग प्वाइंट मूविंग, डबल शीकल्स, स्टीयरिंग साहित गियर बदलना स्टापिंग हैड सिगनल।
 - आई बी डी ई का प्रयोग-नियम।
 - पॉसिंग, ओवरटेकिंग मॉजिंग, डाइवर्शन एम. एं.स. एम. और पी. एस. एल. प्रैक्टिस के रुटीन तरीके रक्षात्मक ड्राइविंग तरीकों का सही पालन।
 - मोड़ना, मिलना, चौराहों पर प्रवेश और मिलन, चुनाव और लेन नियम।
 - चौराहा अवलोकन।

झ. भाग संकेत :

वाहन पर भाग लगना और उसके बचाव के उपाय।

ञ. वाहन अनुरक्षण :

1. निष्कृष्ट और असावधान ड्राइविंग के कारण वाहन के हिस्सों (कलपुर्जों) को प्रभावित करने वाले तत्व।
2. सामान्य दैनिक अनुरक्षण और आवधिक अनुरक्षण।
3. बैटरी अनुरक्षण।
4. टायर अनुरक्षण और द्यूब बल्केनाइजिंग।
5. इंजिन द्यूब अप।
6. फ्लोइल एसोसिएट मैट जांच।
7. ग्रीक एडजस्टमेंट।
8. एसीयेटर, ग्रीक, क्लच-प्रीकल एडजस्टमेंट।
9. फ्रैन बेल्ट एडजस्टमेंट।
10. शैश बोर्ड मीटरों का अवलोकन।
11. लूब्रीकेशन।
12. एयर लॉक और ऑयल ब्लाक को हटाना।

ट. प्राथमिक चिकित्सा

1. प्राथमिक चिकित्सा का परिचय।
2. प्राथमिक चिकित्सा की आउटलाइन।
3. शरीर की संरचना और कार्य।
4. ड्रेसिंग और पट्टी करना।
5. रक्त-संचार।
6. जखम और रक्तस्राव।
7. विशिष्ट क्षेत्रों से रक्तस्राव।
8. आघात।
9. श्वसन।
10. हड्डियों की थोट।
11. बर्निंग स्केल्स।
12. अवचेतना (इंटरसिबीलिटी)।
13. जहर।
14. प्रकीर्ण शर्तें।

(2) नौन-ट्रांसपोर्ट वाहनों के ट्रेनिंग-ड्राइवरों के लिए पाठों में उप-नियम (1) के भाग क, ख, ग, घ, च, छ, और ट कवर होंगे तथा इनके लिए प्रशिक्षण-काल 45 दिन से कम नहीं होगा।

(3) ट्रांसपोर्ट वाहनों के ट्रेनिंग ड्राइवरों के लिए पाठों में उप-नियम (1) के भाग इ, च, छ, ज, और ट कवर होंगे और इनके लिए प्रशिक्षण काल भारी वाहनों के लिए 60 दिन तथा मध्यम या हल्के वाहनों के लिए 45 दिन से कम नहीं होगा।

(4) नान-ट्रांसपोर्ट वाहन चालन के प्रशिक्षणाधियों के लिए वास्तविक चालन घंटे, चौबीस घंटे से कम नहीं होंगे और ट्रांसपोर्ट वाहन चालन के प्रशिक्षणाधियों के लिए वास्तविक चालन घंटे, तीस घंटे से कम नहीं होंगे।

32 फीस—वह फीस जो इस अध्याय के उपबन्धों के अधीन . वारित की जाएगी वह होगी जो नीचे सारणों में विनिर्दिष्ट की गई है :

सारणी

क्रम सं.	प्रयोजन	रकम	नियम	द्वारा
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
1.	प्रत्येक वर्ग के यान के लिए नौसिखिया अनुज्ञप्ति जारी करने या उसका नवीकरण करने के संबंध में रकम	पन्द्रह रुपए	10	3
2.	प्ररूप 6 में चालन अनुज्ञप्ति के जारी करने के संबंध में	बीस रुपये	14 (ख)	---
3.	प्ररूप 7 में चालन अनुज्ञप्ति के जारी करने के संबंध में	पैंतालीस रुपए	14 (ख)	---
4.	चालन के लिए सक्षमता परीक्षण के संबंध में	पन्द्रह रुपए	14 (ख)	---
5.	प्ररूप 6 में चालन अनुज्ञप्ति में किसी दूसरे वर्ग के यान का परिवर्धन करने के संबंध में	पन्द्रह रुपए	17 (1) (घ)	---
6.	प्ररूप 6 में चालन अनुज्ञप्ति के नवीकरण के संबंध में	पन्द्रह रुपए	15 (1) (क)	---
7.	ऐसे मोटरयान चलाने के लिए जिसके लिए आवेदन अनुग्रह अधि के पश्चात किया गया है, प्ररूप 6 में चालन अनुज्ञप्ति के नवीकरण के संबंध में	पन्द्रह रुपए एक वर्ष या उसके भाग के विलम्ब की काला- धि के लिए जिसकी गणना रियायती अधि की समाप्ति की तारीख से की गई हो, वस रुपए की दर के प्रतिरिक्त।	---	15 (4)
8.	प्ररूप 7 में चालन अनुज्ञप्ति में दूसरे वर्ग के मोटरयान के परि- वर्धन और प्ररूप 7 में चालन अनुज्ञप्ति के पंजीकरण के संबंध में	चालीस रुपए	17 (1) (घ) 18 (1) (क)	15 (4)
9.	चालन में अनुदेश देने के लिए किसी स्कूल या संस्थापन के लिए अनुज्ञप्ति के जारी करने और उसकी नवीकरण करने के संबंध में	पाँच सौ रुपए	24 (2)	
10.	चालन में अनुदेश देने वाले स्कूल या संस्थापन के लिए अनुज्ञप्ति की दूसरी प्रति के जारी करने के संबंध में	पचास रुपए	26 (2)	
11.	नियम 30 में निर्दिष्ट अनुज्ञापन प्राधिकारी के आदेशों के विरुद्ध किसी अपील के संबंध में	पचास रुपए	30 (1)	

अध्याय 3

मोटर यानों का रजिस्ट्रीकरण

33. रजिस्ट्रीकरण से छूट के लिए शर्तें—धारा 39 के परन्तुक के प्रयोजन के लिए किसी व्यौहारी (डीलर) के कब्जे में का मोटरयान रजिस्ट्रीकरण की आवश्यकता से इस शर्त के अधीन छूट प्राप्त होगा कि वह उस रजिस्ट्रीकर्ता, प्राधिकारी से व्यवसाय प्रमाणपत्र अधिप्राप्त करता है जिसकी उस क्षेत्र में अधिकारिता है जिसमें व्यौहारी (डीलर) का इस अध्याय के उपबन्धों के अनुसार कारबार का स्थान है।

34. व्यवसाय प्रमाणपत्र—(1) व्यवसाय प्रमाणपत्र के लिए जाने या उसके नवीकरण के लिए आवेदन, प्ररूप 16 में किया जाएगा और उसके साथ नियम 81 में विनिर्दिष्ट समुचित फीस होगी।

(2) निम्नलिखित वर्गों के यानों में से प्रत्येक के लिए पृथक् आवेदन किया जाएगा, अर्थात्:—

- (क) मोटर साइकिल,
- (ख) अशक्त यात्री गाड़ी;
- (ग) हल्का मोटर-यान
- (घ) मध्यम यात्री मोटर यान;

(ङ) मध्यम माल यान;

(च) भारी यात्री मोटर यान;

(छ) भारी माल यान;

(ज) विशिष्ट वर्णन का कोई अन्य मोटर यान।

35. व्यवसाय प्रमाणपत्र का दिया जाना या नवीकरण—

(1) किसी यान के संबंध में किसी व्यवसाय प्रमाणपत्रों के लिए जाने या नवीकरण के लिए किसी आवेदन की प्राप्ति पर रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी, यदि उसका यह समाधान हो जाता है कि आवेदक एक संपूर्णपूर्वक व्यवहारी है और उसे आवेदन में विनिर्दिष्ट प्रमाणपत्रों की प्रपेशा है, तो वह आवेदन द्वारा आवेदक को प्ररूप 17 में, यथास्थिति एक या अधिक प्रमाणपत्र जारी कर सकेगा और प्रत्येक प्रमाणपत्र की बाबत व्यवसाय रजिस्ट्रीकरण चिह्न समनुवेशित करेगा जिसमें प्रत्येक यान के लिए अधिनियम की धारा 41 की उपधारा (6) के अधीन निकाली गई अधिसूचना में निर्दिष्ट रजिस्ट्रीकरण चिह्न और दो अक्षर तथा तीन संख्याओं से अतिरिक्त का एक संख्यांक होगा, जैसे:

कख—राज्य कोड को प्रकट करता है।

12—रजिस्ट्रीकरण जिला बोर्ड

व्य. पत्र—यान के लिए व्यवसाय प्रमाणपत्र।

(2) व्यवसाय प्रमाणपत्र के लिए किसी आवेदन को रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी द्वारा तब तक नामंजूर नहीं किया जाएगा जब तक आवेदक को मुनबाई का भ्रमर नहीं दे दिया जाता है और ऐसी नामंजूरी के लिए मिश्रित रूप में कारण नहीं दिए जाते हैं।

36. प्रतिदाय—जहाँ रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी कोई व्यवसाय प्रमाणपत्र जारी करने या उसका नवीकरण करने से इकार करना है वहाँ वह आवेदक को आवेदन के साथ संदत्त फीस के पञ्चम प्रतिभाग का प्रतिदाय करेगा।

37. विधिमन्त्रिणा की अधि—नियम 35 के अधीन दिया गया या नवीकृत किया गया व्यवसाय प्रमाणपत्र, उसके जारी अथवा नवीकृत किए जाने की तारीख से बारह मास की अवधि तक प्रवृत्त रहेगा और समस्त भारत में प्रभावी होगा।

38. प्रमाणपत्र की दूसरी प्रति का जारी किया जाना—

(1) यदि किसी समय व्यवसाय प्रमाणपत्र गुम हो जाता है या नष्ट हो जाता है तो उसका धारक उसकी उस पुलिस थाने को, जिसकी अधिकारिता में वह गुम या नष्ट हुआ है, रिपोर्ट करेगा और उस तथ्य की सूचना लिखित रूप में उस रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी को देगा जिसके द्वारा प्रमाणपत्र जारी किया गया था और प्ररूप 18 में नियम 81 में विनिर्दिष्ट रूप में समुचित फीस के साथ दूसरी प्रति के लिए उक्त प्राधिकारी को आवेदन करेगा।

(2) फीस के साथ आवेदन की प्राप्ति पर रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी "सही प्रमाणपत्र" के रूप में दूसरी प्रति जारी कर सकेगा, जिस पर स्पष्ट रूप से "दूसरी प्रति" चिह्नित होगा।

(3) यदि, प्रमाणपत्र की दूसरी प्रति जारी किए जाने के पश्चात् मूल प्रति बाव में मिल जाती है तो वह पुराने उस रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी को सम्पत्ति कर दी जाएगी जिसके द्वारा वह जारी की गई थी।

39 व्यवसाय रजिस्ट्रीकरण चिह्न और संख्यांक का उपयोग—

(1) एक व्यवसाय रजिस्ट्रीकरण चिह्न और संख्यांक का उपयोग एक ही समय में एक से अधिक यानों पर या उस यान से भिन्न किसी यान पर नहीं किया जाएगा जो किसी व्यवहारी के कारबार के अनुक्रम में उसके सद्भावपूर्वक कब्जे में है या ऐसे यान से भिन्न किसी प्रकार के यान पर उसका उपयोग नहीं किया जाएगा जिसके लिए व्यवसाय प्रमाणपत्र जारी किया गया है।

(2) व्यवसाय प्रमाणपत्र मौसम रोधी परिपत्र फोल्डर में मोटर यान में ले जाया जाएगा और व्यापार रजिस्ट्रीकरण चिह्न को यान में सहज-दृश्य स्थान में संप्रदर्शित किया जाएगा।

40 व्यवसाय प्रमाणपत्र या व्यवसाय रजिस्ट्रीकरण चिह्न और संख्यांक के उपयोग पर निर्बंधन—

व्यवसाय प्रमाणपत्र का प्रयोग केवल उस व्यक्ति द्वारा ही किया जाएगा जिसे वह जारी किया गया है और ऐसा व्यक्ति उसके संबंध में प्रमाणपत्र या समनुवर्धित संख्यांक को किसी अन्य व्यक्ति द्वारा उपयोग किए जाने के लिए अनुज्ञा नहीं करेगा या उसकी प्रत्यापना नहीं करेगा या उसका उपयोग नहीं होने देगा,

परन्तु इस नियम के उपबंध वहाँ नहीं लागू होंगे जहाँ ऐसा व्यक्ति जिसको प्रमाणपत्र दिया गया है या उसके नियोजन में कोई ऐसा व्यक्ति जो उसके प्राधिकार के अधीन सद्भावपूर्वक कार्य कर रहा है, या कोई ऐसा अन्य व्यक्ति जो किसी व्यवसाय प्रमाणपत्र के धारक की ओर से सद्भावपूर्वक कार्य कर रहा है, यान में उपस्थित है या यदि ऐसा यान केवल एक व्यक्ति द्वारा उपयोग के लिए परिकल्पित है और उसका उपयोग उचित परीक्षण या जांच के प्रयोजन के लिए उस यान के किना भावी क्रेता द्वारा किया जाता है।

41. प्रयोजन जिनके लिए व्यापार प्रमाणपत्र सहित मोटर यान का उपयोग किया जा सकेगा—

व्यवसाय प्रमाणपत्र का धारक उस प्रमाणपत्र के अधीन किसी सार्वजनिक स्थान में किसी मोटरयान का उपयोग निम्नलिखित से भिन्न किसी प्रयोजन के लिए नहीं करेगा—

(क) सन्निर्माण या मरम्मत के अनुक्रम के दौरान या उसके पूरा होने होने के पश्चात् किसी व्यवसाय प्रमाणपत्र के धारक द्वारा या उसकी ओर से जांच के लिए, या

(ख) तोलन के लिए या उसके पश्चात् तोलसेतु की अप्रमर या उससे वापसी के लिए, या उसके रजिस्ट्रीकरण के किता स्थान को या उसके; या

(ग) भावी क्रेता के द्वारा या उसके फायदे के लिए उचित जांच या प्रदर्शन के लिए और उस स्थान को अप्रमर होने या उससे वापसी के लिए जहाँ ऐसा व्यक्ति उसे रखने का आशय रखता हो; या

(घ) परिदान के प्रयोजन के लिए व्योहारी के या क्रेता के या किसी अन्य व्योहारी के परिसरों को अप्रमर होने या वहाँ से वापसी के लिए; या

(ङ) यान में बाड़ी लगाने या बंट करने या मरम्मत के उद्देश्य से किसी कर्मशाला को अप्रमर होने या उससे वापसी के लिए; या

(च) हवाई अड्डा, रेल स्टेशन, घाट के अप्रमर होने या उससे वापसी के लिए; या

(छ) मोटर यान या किसी ऐसे अन्य स्थान की प्रदर्शनी को जहाँ यान विक्रय के लिए प्रस्थापित किए जाते हैं या किए जा रहे हैं, अप्रमर होने या उससे वापसी के लिए; या

(ज) कय भाडा, पट्टा या आडमान के कशर के उद्योगों के अधीन अन्य पक्षकार की ओर से किसी लुटि के कारण जितवाना द्वारा या उसकी ओर से कब्जा किए जाने के पश्चात् यान को हटाने के लिए।

42. रजिस्ट्रीकरण के अधीन यान का परिशत—व्यवसाय प्रमाणपत्र का कोई धारक अस्थायी या स्थायी रजिस्ट्रीकरण के बिना क्रेता को मोटर यान का परिदान नहीं करेगा।

43. व्यवसाय प्रमाण पत्र का रजिस्ट्र—(1) व्यवसाय प्रमाणपत्र का प्रत्येक धारक प्ररूप 19 में दो प्रतियों में एक रजिस्ट्र सन्धक रूप से बनाए रखेगा जो जिल्द चढ़ा पुस्तक में होगा और उनके पृष्ठों को क्रमिक रूप से संख्यांकित किया जाएगा।

(2) प्ररूप 19 में निर्दिष्ट विधिनिर्णयों का, प्ररूप 19 के स्वम्भ 7 के अधीन विवरणी के समय को छोड़कर, व्यवसाय प्रमाणपत्र के धारक या उसके प्रतिनिधि द्वारा प्रत्येक यात्रा दौर के प्रारम्भ के पूर्व रजिस्ट्र में प्रविष्ट किया जाएगा और प्रत्येक यात्रा दौर के प्रारम्भ के पूरा बनाए गए प्ररूप 19 की दूसरी प्रति यान के ड्राइवर द्वारा यात्रा दौर के दौरान ले जाई जाएगी, और अधिनियम द्वारा या उसके अधीन दस्तावेज पेश किए जाने की मांग करने के लिए समस्त किसी अधिकारी द्वारा मांग किए जाने पर, पेश किए जाएंगे।

(3) व्यवसाय प्रमाणपत्र का धारक, यात्रा दौर की समाप्ति पर, प्ररूप 30 के स्वम्भ 7 (मूल और दूसरी प्रति दोनों) को भरेगा और रजिस्ट्र और दूसरी प्रति की प्रतिलिपि या प्ररूप रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी द्वारा निरीक्षण के लिए खुला रहेगा।

44 व्यवसाय प्रमाणपत्र का निवन्धन या रद्द किया जाना—यदि रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के पास यह विश्वास करने का कारण है कि किसी

अवसाय प्रमाण पत्र के धारक ने नियम 39 से 43 तक के उपबन्धों का अनुपालन नहीं किया है तो वह धारक को मुनवाई का अवसर देने के पश्चात्, उसके द्वारा धारित अवसाय प्रमाणपत्र को निलम्बित या रद्द कर सकेगा।

45. अपील - नियम 35 या नियम 41 के अधीन रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के किसी आदेश से व्यक्ति कोई व्यक्ति, ऐसे आदेश की प्राप्ति के तीन दिन के भीतर, धारा 213 के अधीन स्थापित मोटर यान विभाग के विभागाध्यक्ष को अपील कर सकेगा।

46. अपील के लिए प्रक्रिया - (1) नियम 45 में निर्दिष्ट अपील दो प्रतियों में ज्ञापन के प्रारूप में की जाएगी जिसमें रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के आदेश की बाबत आक्षेपों के आधारों का संक्षेप में उल्लेख किया जाएगा और उसके साथ नियम 81 में विनिर्दिष्ट समुचित फीस और उस आदेश की एक प्रमाणित प्रति होगी, जिसमें विस्तृत अपील की गई है।

(2) अपील प्राधिकारी, पक्षकारों का मुनवाई का अवसर देने के पश्चात् और ऐसी जांच यदि कोई हो, करने के पश्चात् जो वह आवश्यक समझे, समुचित आदेश पारित करेगा।

रजिस्ट्रीकरण

47. मोटरगाड़ों के रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदन - (1) मोटर यान के रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदन यान का परिधान लेने के समय से दो दिन की अवधि के भीतर, जिसके अंतर्गत यात्रा अवधि नहीं है, रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी को प्रारूप 20 में किया जाएगा और उसके साथ निम्नलिखित संलग्न होंगे -

- (क) प्रारूप 21 में विवरण प्रमाणपत्र,
- (ख) विधिमार्ग्य बीमा प्रमाणपत्र,
- (ग) ट्रेलर या अर्द्ध ट्रेलर की दशा में, उसके डिजाइन का अनुमोदन करने वाली राज्य परिवहन प्राधिकरण की कार्यवाहिया की प्रति,
- (घ) गेज के भूतपूर्व यान की दशा में संबंधित प्राधिकारियों से प्रारूप 21 में मध्य विवरण प्रमाणपत्र,
- (ङ) नियम 1 में निर्दिष्ट दस्तावेजों में से किसी एक के रूप में गेज का मूल,
- (च) अस्थायी रजिस्ट्रीकरण यदि कोई हो,
- (छ) प्रारूप 22 में विनिर्दिष्ट में गडक उपयुक्तता का प्रमाणपत्र,
- (ज) प्राप्तिगत यानों की दशा में अनुमति और बंधन, यदि कोई हो, के साथ सीमांत निकासी प्रमाणपत्र, और
- (झ) नियम 81 में विनिर्दिष्ट समुचित फीस।

(2) अस्थायी रूप से रजिस्ट्रीकृत यान की बाबत, उपनियम (1) के अधीन आवेदन, अस्थायी रजिस्ट्रीकरण की समाप्ति के पूर्व किया जाएगा।

48. रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र का जारी किया जाना - नियम 47 के अधीन किसी आवेदन की प्राप्ति पर और उसके साथ दिए गए दस्तावेजों के मत्यापन के पश्चात् रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी, धारा 44 के उपबन्धों के अधीन रहते हुए मोटर यान के स्वामी को प्रारूप 23 में रजिस्ट्रीकरण प्रमाण पत्र जारी करेगा।

49. रजिस्ट्रीकरण अभिलेखों का रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी द्वारा रखा जाना - प्रत्येक रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी प्रारूप 24 में धारा 41 के अधीन उसके द्वारा रजिस्ट्रीकृत मोटर यानों का और अन्य राशियों के मोटर यानों का, जिनके लिए नया रजिस्ट्रीकरण चिह्न धारा 47 की उपधारा (2) के अधीन उसके द्वारा समुचित किया गया है, एक स्थायी अभिलेख रखेगा और संबंधित रजिस्ट्रीकरण संख्यांक के अधीन ऐसे अभिलेखों में ऐसे सभी परिवर्तनों को भी दर्ज करेगा जो धारा 41 की उपधारा (14), धारा 49 को

उपधारा (5), धारा 50 की उपधारा (6), धारा 51 की उपधारा (1), (2), (3) और (5), धारा 52 की उपधारा (4) और धारा 53 के अधीन निम्नलिखित के आदेशों और धारा 54 के अधीन रद्द किए जाने के आदेशों के प्रति निर्देश से किए गए हैं।

50. मोटर साइकिल और अवकाश यात्री गाड़ी से भिन्न यानों की बाबत रजिस्ट्रीकरण चिह्नों का आकार और उनके प्रदर्शन की रीति - (1) धारा 41 की उपधारा (6) में निर्दिष्ट रजिस्ट्रीकरण चिह्न यान की किसी प्लेट या उसके भाग के मादा तल पर स्पष्ट रूप से और सुपाठ्य रूप में दर्शित किए जाएंगे जो सामने या पीछे दोनों ओर सीधे सामने या पीछे की ओर मुख किए हुए तीस अंश से अधिक उठती रूप से झुके हुए नहीं होंगे, जो निम्नलिखित रीति में होंगे, अर्थात् -

(क) मोटर साइकिल और अवकाश यात्री गाड़ी से भिन्न मोटर यानों की दशा में, रजिस्ट्रीकरण चिह्न कम से कम 6.5 सेंटीमीटर ऊंचा और 1.5 सेंटीमीटर मोटा होगा जिस पर कम से कम 9 सेंटीमीटर ऊंचाई और 2 सेंटीमीटर मोटाई के अंक होंगे और विभिन्न अक्षरों या अंकों के बीच या अंकों और अक्षरों के बीच रिक्त स्थान होगा और मादा तल का किनारा 1.5 सेंटीमीटर से कम नहीं होगा।

परन्तु

- (क) परिवहन यान के पिछले भाग पर प्रदर्शित रजिस्ट्रीकरण चिह्न जमीन से एक मीटर से अधिक की दूरी पर बाएं हाथ की ओर यान पर लगाया जाएगा जो यान की बाड़ी के प्रकार को ध्यान में रखते हुए उचित रूप से संभव हों;
- (ख) किसी परिवहन यान की दशा में, रजिस्ट्रीकरण चिह्न यान की बाड़ी पर बाईं ओर बाईं ओर भी लिखा जाएगा;
- (ग) किसी मंजिली गाड़ी या ठेका गाड़ी की दशा में, रजिस्ट्रीकरण चिह्न ड्राइवर और यात्रियों के बीच, यात्रियों की सीटों की ओर मुख किए हुए उपलब्ध विभाजन पर भी लिखा जाएगा और प्रदर्शित किया जाएगा या जहां ऐसा कोई विभाजन नहीं है वहां वह ड्राइवर की सीट के बाईं ओर यात्रियों की सीट के सम्मुख, छत के निकट यान के अक्षर वाले भाग पर लिखा जाएगा और मोटर कब या मक्की कब की दशा में यदि रजिस्ट्रीकरण चिह्न देख थोड़ा पर लिखा जाता है तो यह पर्याप्त होगा;
- (घ) ट्रेलर की दशा में रजिस्ट्रीकरण चिह्न उसके बाएं हाथ की ओर मादा प्लेट या तल पर और उसके पीछे वाले भाग पर या ट्रेलर के अग्रिम वाले भाग पर, उस चलान मोटर यान के जिसमें ऐसा ट्रेलर संलग्न है, रजिस्ट्रीकरण चिह्न के अलावा, प्रदर्शित किया जाएगा।

51. मोटर साइकिल और अवकाश यात्री गाड़ी की बाबत रजिस्ट्रीकरण चिह्नों का आकार और उनके प्रदर्शन की रीति - मोटर-साइकिलों या अवकाश यात्री गाड़ी की दशा में, रजिस्ट्रीकरण चिह्न कम से कम 4.5 सेंटीमीटर ऊंचा और 1 सेंटीमीटर मोटा होगा और संख्याएं कम से कम 6 सेंटीमीटर ऊंचा और 1 सेंटीमीटर मोटी होंगी जिनमें किसी अक्षर 1 संख्या के बीच रिक्त स्थान होगा या मादा तल का किनारा कम से कम 1 सेंटीमीटर का होगा।

परन्तु किसी मोटर साइकिल की दशा में, रजिस्ट्रीकरण चिह्न को यान के एक्सिस के साथ लाइन में प्लेट पर संप्रदर्शित किया जा सकेगा और यदि ऐसा किया जाता है तो वह प्लेट के दोनों ओर संप्रदर्शित किया जाएगा।

52. रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र का नवीकरण - (1) परिवहन यान से भिन्न किसी मोटर यान के स्वामी द्वारा या उसकी ओर से रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र के नवीकरण के लिए आवेदन उस रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी को जिसकी अधिकारिता में यान है, प्रारूप 25 में उसकी समाप्ति की तारीख से साठ दिन से अधिक पूर्व किया जाएगा जिसके साथ नियम 81 में विनिर्दिष्ट समुचित फीस होगी।

(2) उपनियम (1) के अधीन किसी आवेदन की प्राप्ति पर, रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी धारा 56 की उपधारा (1) में विनिर्दिष्ट प्राधिकारी को यान की निवेष्टित करेगा और उस प्राधिकारी से ठीक हाजत में होने का प्रमाणपत्र अधिप्राप्त करने के पश्चात् रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र का नवीकरण करेगा :

परन्तु उस वक्ता में जहाँ ठीक हाजत में होने का प्रमाणपत्र, रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र की समाप्ति के पश्चात् की तारीख को दिया जाता है वहाँ नवीकरण ठीक हाजत में होने का प्रमाणपत्र दिए जाने की तारीख से पांच वर्ष की अवधि के लिए किया जाएगा ।

(3) पारवहन यान से भिन्न कोई मोटर यान, रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र में प्रविष्टि विधिमाम्यता की अवधि की समाप्ति के पश्चात्, धारा 39 के प्रयोजनों के लिए विधिमाम्य रूप से रजिस्ट्रीकृत नहीं समझा जाएगा और किसी ऐसे यान का किसी सावजनिक स्थान में तब तक प्रयोग नहीं किया जाएगा जब तक कि रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र का उपनियम (2) के अधीन नवीकरण नहीं किया जाता है ।

5. रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र की दूसरी प्रति का जारी किया जाना—

(1) यदि किसी समय रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र खो जाता है या नष्ट हो जाता है तो स्वामी, ऐसे पुलिस थाने में रिपोर्ट करेगा जिसकी अधिकाधिकारिता में वह खोया है या नष्ट हुआ है और इस तथ्य की लिखित सूचना ऐसे रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी को देगा जिन्हे रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र जारी किया था ।

(2) रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र की दूसरी प्रति जारी करने के लिए आवेदन मूल रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी को प्ररूप 26 में किया जाएगा और उसके साथ नियम 81 में विनिर्दिष्ट समुचित फीस होगी ।

54. नए रजिस्ट्रीकरण चिह्न का समनुदेशन :—(1) धारा 47 की उपधारा (1) के अधीन नए रजिस्ट्रीकरण चिह्न के समनुदेशन के लिए आवेदन उक्त धारा में विनिर्दिष्ट अवधि की समाप्ति की तारीख से तीन दिन के भीतर प्ररूप 27 में किया जाएगा और उसके साथ प्ररूप 28 में निराक्षेप प्रमाणपत्र और नियम 81 में विनिर्दिष्ट समुचित फीस लगी होगी :

परन्तु जहाँ कोई यान उस राज्य में बारह मास से अधिक की अवधि के लिए रखा जाना हो और ऐसे यान का स्वामी इस आग्रह की घोषणा कर देता है वहाँ आवेदन उक्त बारह मास की अवधि के भीतर किसी समय किया जा सकेगा ।

(2) उपनियम (1) के अधीन आवेदन की प्राप्ति पर, रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी, धारा 44 के उपबंधों के अधीन रहते हुए, यान को रजिस्ट्रीकरण चिह्न समनुदेशित करेगा ।

55. स्वामित्व का अन्तरण :—(1) जहाँ किसी मोटर यान का स्वामित्व अन्तरित किया जाता है वहाँ अन्तरक ऐसे अन्तरण प्ररूप 29 में रिपोर्ट उस रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी को करेगा जिसकी अधिकाधिकारिता में अन्तरही निवास करता है या जिसका कारोबार का स्थान है ।

(2) धारा 50 की उपधारा (1) के खंड (क) के उपखंड (1) के अधीन किसी मोटर यान के स्वामित्व के अन्तरण के लिए आवेदन, प्ररूप 30 में अन्तरित द्वारा किया जाएगा और उसके साथ निम्नलिखित होगा—

- (i) रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र,
- (ii) बीमा प्रमाणपत्र, और
- (iii) नियम 81 में विनिर्दिष्ट समुचित फीस ।

(3) धारा 50 की उपधारा (1) की खंड (क) के उपखंड (ii) के अधीन मोटर यान के स्वामित्व के अन्तरण के लिए आवेदन, प्ररूप 30 में किया जाएगा और उसके साथ उपनियम (2) में निर्दिष्ट दस्तावेजों

और फीस के अतिरिक्त निम्नलिखित में से कोई एक दस्तावेज संलग्न किया जाएगा, अर्थात् :—

- (क) धारा 48 की उपधारा (3) के अधीन रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी द्वारा दिया गया निराक्षेप प्रमाणपत्र, या
- (ख) धारा 48 की उपधारा (3) के अधीन निराक्षेप प्रमाणपत्र देने से इंकार करने वाला रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी का आवेदन, या
- (ग) जहां, यथास्थिति, निराक्षेप प्रमाणपत्र या आवेदन प्राप्त नहीं किया गया है वहाँ अन्तरक द्वारा की गई यह घोषणा कि उसने कोई संसूचना निम्नलिखित के साथ अधिप्राप्त नहीं की है :—
- (i) धारा 48 की उपधारा (2) के अधीन रजिस्ट्रीकरण प्राधिकारी से अधिप्राप्त रसीद ; अथवा
- (ii) जहाँ निराक्षेप प्रमाणपत्र के लिए आवेदन डाक से भेजा गया है, वहाँ रजिस्ट्रीकरण प्राधिकारी से प्राप्त डाक पावती ।

56. यान के स्वामी की मृत्यु हो जाने पर स्वामित्व का अन्तरण :—

(1) जहाँ किसी मोटर यान के स्वामी की मृत्यु हो जाती है, वहाँ यान का कब्जा लेने वाला भगला व्यक्ति यान का प्रयोग तीन मास की कालावधि के लिए इस प्रकार कर सकेगा मानो इसे उसके नाम में अन्तरित कर दिया गया है जहाँ ऐसे व्यक्ति ने उक्त यान के स्वामी की मृत्यु के तीस दिन के भीतर रजिस्ट्रीकरण प्राधिकारी को उक्त स्वामी की मृत्यु और उक्त यान का प्रयोग करने के अपने आग्रह की सूचना दे दी हो ।

(2) उपनियम (1) में निर्दिष्ट व्यक्ति, तीन मास की अवधि के भीतर, उस यान के स्वामित्व के अपने नाम में अन्तरण के लिए रजिस्ट्रीकरण प्राधिकारी को, निम्नलिखित के साथ प्ररूप 31 में आवेदन करेगा—

- (क) नियम 81 में विनिर्दिष्ट समुचित फीस ;
- (ख) रजिस्ट्रीकृत स्वामी से संबंधित मूल प्रमाणपत्र ;
- (ग) रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र, और
- (घ) बीमा प्रमाणपत्र ।

57. लोक नीलामी में श्रय किए गए यान के स्वामित्व का अन्तरण :—

(1) वह व्यक्ति, जिन्हे कोई मोटर यान केन्द्रीय सरकार अथवा राज्य सरकार द्वारा या उस की ओर से की गई नीलामी में अर्जित या श्रय किया है, रजिस्ट्रीकरण प्राधिकारी को यान का कब्जा लेने के तीस दिन के भीतर प्ररूप 32 में, निम्नलिखित के साथ, आवेदन करेगा—

- (क) नियम 81 में विनिर्दिष्ट समुचित फीस ;
- (ख) रजिस्ट्रीकरण और बीमा प्रमाणपत्र ;
- (ग) अपने नाम में यान के विक्रय की पुष्टि करने वाला प्रमाणपत्र या आवेदन जिस पर नीलामी करने के लिए प्राधिकृत व्यक्ति के सम्प्रदा हस्ताक्षर हों ;
- (घ) यान की नीलामी को प्राधिकृत करने वाली केन्द्रीय सरकार या राज्य सरकार के आदेश की प्रमाणित प्रति ।

(2) जहाँ नीलामी किया गया यान ऐसा यान है जो बिना किसी रजिस्ट्रीकरण चिह्न के है या जिस पर ऐसा रजिस्ट्रीकरण चिह्न है जिसे सत्यापन पर झूठा पाया गया है तो रजिस्ट्रीकरण प्राधिकारी, धारा 44 के उपबंधों के अधीन रहते हुए, यान की नीलामी करने वाली केन्द्रीय सरकार या राज्य सरकार के विभाग के नाम में यान को नया रजिस्ट्रीकरण चिह्न समनुदेशित करेगा और उसके पश्चात् यान के स्वामित्व के अन्तरण की, उस व्यक्ति का नाम और पता देते हुए, प्रविष्टित्या अधिलिखित करेगा, जिसे यान का विक्रय किया गया है ।

58. निराक्षेप प्रमाणपत्र :—(1) किसी मोटर यान की बाबत धारा 48 के अधीन निराक्षेप प्रमाणपत्र के जारी किए जाने के लिए आवेदन उस रजिस्ट्रीकरण प्राधिकारी को प्रेषण 28 में किया जाएगा, जिसके द्वारा यान का पहले रजिस्ट्रीकरण किया गया था और उसके साथ निम्नलिखित संलग्न होगा—

- (क) रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र की प्रमाणित प्रति,
- (ख) बीमा प्रमाणपत्र की प्रमाणित प्रति,
- (ग) अप्रतन मोटर यान कर के संवाय का साक्ष्य,
- (घ) यदि किसी कतिपय कालावधि के लिए कोई कर संबंध नहीं है तो कर संग्रहण प्राधिकारी से इस भाणय का प्रमाणपत्र कि उक्त कालावधि के लिए यान से कोई कर शोध नहीं है।

(2) किसी परिवहन यान की दशा में, उपनियम (1) में विनिर्दिष्ट दस्तावेजों के अतिरिक्त, निम्नलिखित मामलों की बाबत दस्तावेजों साक्ष्य भी पेश किया जाएगा, अर्थात् :—

- (क) उक्त यान किसी परिवहन प्राधिकरण द्वारा जारी किसी अनुज्ञापत्र के अन्तर्गत नहीं आता,
- (ख) धारा 86 का उपधारा (5) और उपधारा (6) के अधीन अनुज्ञापत्र के धारक द्वारा संदत्त किए जाने के लिए करार की गई धनराशि भी, यदि कोई हो, बसूली संविन नहीं है,
- (ग) निराक्षेप प्रमाणपत्र के लिए आवेदन करने की तारीख तक तत्समय प्रवृत्त किसी विधि के अधीन यात्रियों और मास पर कर के संवाय का साक्ष्य।

(3) उपनियम (1) के अधीन किसी आवेदन की प्राप्ति पर, रजिस्ट्रीकरण प्राधिकारी प्रेषण 28 के भाग 3 को भरेगा और सम्मक रूप से हस्ताक्षरित उस भाग को आवेदक को लौटा देगा।

(4) जहाँ रजिस्ट्रीकरण प्राधिकारी, निराक्षेप प्रमाणपत्र मंजूर करता है या मंजूर करने से इंकार करता है, वहाँ यह उक्त प्रेषण की दूसरी प्रति, आवेदक को, और उसकी तीसरी प्रति उसके भाग 2 को भरकर और उस पर सम्मक रूप से हस्ताक्षर करके अन्य रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी को लौटा देगा।

59. पते में परिवर्तन :—

किसी मोटर यान के रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र में अभिलिखित पते में कोई परिवर्तन करने के लिए आवेदन प्रेषण 33 में यान के स्वामी द्वारा किया जाएगा और उसके साथ रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र और नियम 4 में विनिर्दिष्ट रीति में पते का बहुत तथा नियम 81 में विनिर्दिष्ट समुचित फीस लगी होगी।

60. भाड़ा त्रय करार आदि का पृष्ठांकन :—

किसी मोटर यान के धारा 51 की उपधारा (2) के अधीन अर्पित रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र में किसी भाड़ा त्रय या पट्टे या आश्रमान के किसी कारण की प्रविष्टि करने के लिए आवेदन प्रेषण 34 में किया जाएगा और वह यान के रजिस्ट्रीकृत स्वामी और वित्तपोषक द्वारा सम्मक रूप से हस्ताक्षरित होगा और उसके साथ रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र तथा नियम 81 में विनिर्दिष्ट समुचित फीस संलग्न होगी।

61. भाड़ा त्रय करार आदि की समाप्ति।

(1) धारा 51 की उपधारा (3) में निर्दिष्ट भाड़ा त्रय, पट्टे या आश्रमान के किसी करार की समाप्ति की प्रविष्टि के लिए आवेदन प्रेषण 35 में किया जाएगा और वह यान के रजिस्ट्रीकृत स्वामी और वित्तपोषक द्वारा सम्मक रूप से हस्ताक्षरित होगा और उसके साथ नियम 81 में विनिर्दिष्ट समुचित फीस संलग्न होगी।

(2) धारा 51 की उपधारा (5) के अधीन नया रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र जारी करने के लिए आवेदन, प्रेषण 36 में किया जाएगा और उसके साथ नियम 81 में विनिर्दिष्ट फीस संलग्न होगी।

(3) जहाँ रजिस्ट्रीकृत स्वामी, रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र वित्तपोषक को परिपत्र करने से इंकार कर देता है या फरार हो जाता है, वहाँ रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी यान के रजिस्ट्रीकृत स्वामी को प्रेषण 37 में सूचना जारी करेगा।

ठीक हालत में होने का प्रमाणपत्र

62. ठीक हालत में होने के प्रमाणपत्र की विधिमाम्यता :—

(1) किसी परिवहन यान की बाबत धारा 56 के अधीन मंजूर किए गए ठीक हालत में होने का प्रमाणपत्र, प्रेषण 38 में होगा और जब ऐसा प्रमाणपत्र मंजूर किया जाएगा या नवीकृत किया जाएगा तो यह तीसरे श्रृंखला का तारिका के लिए विधिमाम्य होगा :—

- (क) नया परिवहन यान दो वर्ष
- (ख) उपरोक्त (क) में उल्लिखित यानों की बाबत ठीक हालत में होने के प्रमाणपत्र का नवीकरण, उस समय तक जब तक यान के नये यान के रूप में पिछले रजिस्ट्रीकरण की तारीख से दस वर्ष पूरे न हो जाएं। एक वर्ष

(ग) इसके पश्चात् ठीक हालत में होने के प्रमाणपत्र का नवीकरण छह मास

(घ) आयातित यानों का नया रजिस्ट्रीकरण वही कालावधि जो भारत में विनिर्मित यानों की उनके विनिर्माण की तारीख को देखते हुए, दशा में है।

(2) ठीक हालत में होने के प्रमाणपत्र के लिए जाने या नवीकरण के लिए फीस वह होगी जो नियम 81 में विनिर्दिष्ट है।

63. प्राधिकृत परीक्षण केन्द्र का विनियमन और निदंष्टन

(1) प्राधिकृत परीक्षण केन्द्र का कोई भी आवरेटर रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी द्वारा प्रेषण 39 के विनियम प्राधिकार पत्र के बिना धारा 56 के अधीन किसी परिवहन यान को ठीक हालत में होने को न तो प्रमाणपत्र जारी करेगा और न ही उपलब्ध नवीकरण करेगा।

(2) उपनियम (1) के अधीन प्राधिकार पत्र देने या उसके नवीकरण के लिये ऐसे रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी को, जिसे उक्त क्षेत्र में, जिसमें गविस केन्द्र या गैरज स्थित है, अधिकारिता प्राप्त है, प्रेषण 40 में आवेदन किया जाएगा और इसके साथ निम्नलिखित लगे होंगे :—

(क) नियम 81 में विनिर्दिष्ट समुचित फीस।

(ख) ऐसा रीति में दत्त हथार रुपये का प्रतिभूति निक्षेप, जैसा राज्य सरकार विहित करे।

स्पष्टीकरण :—इस नियम और नियम 64 से नियम 72 के प्रयोजनों के लिए “रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी” से ऐसा अधिकारी अभिप्रेत है जो धारा 213 के अधीन स्थापित मोटर यान विभाग के प्रादेशिक परिवहन अधिकारी की पंक्ति से नीचे का नहीं है।

(3) रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी अधिकार पत्र देने या उसके नवीकरण के लिये दिये गये आवेदन पर विचार करते समय निम्नलिखित बातों को ध्यान में रखेगा, अर्थात् :—

(क) आवेदक या ठीक हालत में होने का प्रमाणपत्र जारी करेगा या उसका नवीकरण करने के लिए प्रयोजन के लिए परिवहन यानों के

निरीक्षण के लिए उसके द्वारा नियुक्त कर्मचारियों में से कम से कम एक के पास निम्नलिखित न्यूनतम अर्हताएं होंगी—

- (1) आटोमोबाइल इंजीनियरी या यांत्रिकी इंजीनियरी में डिप्लोमा या कोई समतुल्य अर्हता;
- (2) किसी ऐसी आटोमोबाइल कर्मशाला में कम से कम पांच वर्ष का सेवा का अनुभव हो जहां भारी माल यानों, भारी यात्री मोटर यानों, मध्यम मोटर यानों और हल्के मोटर यानों की मरम्मत होती हो;
- (3) मोटर साइकलों, भारी यात्री मोटर यानों और भारी माल वाहनों को चलाने के लिए चालन अनुज्ञापत्र और कम से कम पांच वर्ष का चालन अनुभव;
- (4) अधिनियम और उसके अधीन बनाए गए नियमों, विशेषकर मोटर यानों के रजिस्ट्रीकरण और मोटर यानों के सशिमण उपस्कर और अनुरक्षण से संबंधित अध्यायों का पूर्ण ज्ञान;

(ख) उस परिसर का, जहां प्राधिकृत परीक्षण केंद्र स्थित हों, या हो आवेदक स्वयं स्वामी हो या उसने अपने नाम में पट्टे पर या किराए पर लिया हो और उसमें प्रशासन अनुभाग, स्वागत कक्ष और स्वच्छता बूँद के लिए पर्याप्त व्यवस्था हो तथा परीक्षण उपस्कर और अन्य साधनों के परिनिर्माण के लिए पर्याप्त जगह हो।

(ग) इमारत के पार्श्वस्थ में उसी कंपाउण्ड में या ऐसे अन्य स्थानों पर जिन्हें रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी का अनुमोदन प्राप्त हो, निरीक्षण की व्यवस्था हो;

(घ) परीक्षण उपस्कर और साधन ऐसे ढंग से प्रतिष्ठापित किए गए हों कि यान आसानी से और गति से गुजर सके;

(ङ) आवेदक निम्नलिखित उपस्करों और साधनों का, जो ठीक हालत में हों, स्वामी हो और उसने उन्हें अनुरक्षित रखा हो, अर्थात् :—

- (1) निष्कासक गैस निरोधक
- (2) धूम मोटर
- (3) ब्रेक परीक्षण मशीन (ब्रेक आइनमो मोटर)
- (4) अग्रदीप संस्थान परखी
- (5) अग्रपहिया अनुयोजन परखी
- (6) प्रधान अवशोषण
- (7) दृश्य निरीक्षण पिट रैम्प या मोटरयुक्त उत्तोलन
- (8) ब्रेक
- (9) प्ले संयुक्त
- (10) पहिया प्रक्रम
- (11) इंजन के वास्तविक निष्पादन परीक्षण के लिए मूल परखी
- (12) संपीडन परखी
- (13) संकेतन उपस्कर परखी
- (14) चालकमापी परखी
- (15) अग्निशामक उपस्कर
- (16) प्राथमिक उपचार किट
- (17) शोर स्तर की जांच के लिए यंत्र।

(च) आवेदक के वित्तीय साधन उसके निरन्तर अनुरक्षण के लिए पर्याप्त हों;

(छ) आवेदक इन नियमों और संबंधित राज्यों के मोटर यान नियमों की अग्र्यतम प्रति रखता हो;

(4) रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी इस नियम के अधीन आवेदन पर विचार करने समय इस बात को भी ध्यान में रखेगा कि प्राधिकृत परीक्षण केंद्र स्थापित करने से यानों की संख्या और ऐसी सुविधाओं के समीप के संबंध में इस क्षेत्र में परीक्षण सुविधाओं की उपलब्ध होने में और सुधार लाया जा सके।

(5) रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी उपनियम (2) के अधीन आवेदन प्राप्त होने पर और अपना यह समाधान हो जाने पर कि आवेदक ने उपनियम (3) और (4) की अपेक्षाओं को पूरा कर दिया है आवेदक को प्रत्येक 39 में प्राधिकार दे सकेगा या उसका नवीकरण कर सकेगा; परन्तु प्राधिकार पत्र के लिए किसी आवेदन को रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी द्वारा तब तक नामजूर नहीं किया जायगा जब तक कि आवेदक को युनवाई का अवसर न दिया गया हो और रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी द्वारा श्कार के लिखित कारण न दिए गए हों।

61. प्राधिकार पत्र के नवीकरण की कालावधि.—दिया गया या नवीकृत पत्र उसके दिए जाने या नवीकरण की सारांश से पांच वर्ष की अवधि के लिए प्रभावी संदेय होगा।

65. साधारण शर्तें जिनका प्राधिकार पत्र का धारक अनुपालन करेगा :—प्राधिकार पत्र का धारक—

(क) एक ऐसा रजिस्टर रखेगा जिसमें प्रत्येक यान के लिए पृथक् पृष्ठ होगा और उसमें उस यान का रजिस्ट्रीकरण संख्यांक जिसके लिए ठीक हालत में होने का प्रमाणपत्र दिया गया हो या जिसका नवीकरण किया गया है, यान का मक और माइल, यान का इंजन संख्यांक और चेंसिस संख्यांक और साथ ही चेंसिस संख्यांक का पेंसिल विष्णु, यान के स्वामी का नाम और पता ऐसे दान के किसी अनुज्ञापत्र का ब्यौरा, अनुदत्त या नवीकृत ठीक हालत में होने के प्रमाणपत्र की विधिमाम्यता की अवधि को होगी और उस पर यान के स्वामी या उसके प्राधिकृत प्रतिनिधि के हस्ताक्षर होंगे;

(ख) ठीक हालत में होने का प्रमाणपत्र दिए जाने पर या उसके नवीकरण के दो दिन के भीतर उन परिवहन यानों का ब्यौरा, जिनके लिए ठीक हालत में होने के प्रमाण पत्र दिए गए हैं या जिनका नवीकरण किया गया है, उस प्राधिकरण का प्रेषित करेगा जिसने परिवहन यान की बाबत परमिट दिया है और जहां परिवहन यान परमिट के अन्तर्गत न आता हो वहां उस परिवहन प्राधिकार को प्रेषित करेगा जिसके अधिकांश वाले क्षेत्र में यान को रखा जाए;

(ग) धारा 56 की अपेक्षाओं को पूरा करने वाले प्रत्येक परिवहन यान के संबंध में नियम 62 के उपबन्धों के अनुसार ठीक हालत में होने का प्रमाणपत्र जारी करेगा;

(घ) प्राधिकार पत्र में उल्लिखित कार्य स्थान को उस रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के लिखित पूर्व अनुमोदन के बिना, जिसने प्राधिकार पत्र दिया है, नहीं बदलेगा।

(ङ) परीक्षण केंद्र के परिसर और अपने द्वारा रखे जाने वाले अभिलेख और रजिस्टर और परिसर में सभी मशीनों, उपस्कर और साधन रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी या धारा 213 के अधीन स्थापित राज्य सरकार के मोटरयान विभाग के किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, जो रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी द्वारा इस निमित्त प्राधिकृत किया गया हो, निरीक्षण के लिए यथा-समय खुला रहेगा।

(च) अपने मुख्य कार्यालय में किसी महत्वपूर्ण स्थान पर निम्नलिखित उपर्युक्त करेगा :—

- (1) रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकरण द्वारा प्राधिकृत परीक्षण केंद्र को जारी किया गया मूल प्राधिकार पत्र,
- (2) ठीक हालत में होने का प्रमाण पत्र जारी करने या उसका नवीकरण करने के लिए प्राधिकृत व्यक्ति का नाम और पता,
- (3) नियम 62 के उपनियम (3) के खंड (क) में निर्दिष्ट व्यक्तियों का अर्हताएं,

(छ) ठीक हालत में होने का प्रमाण पत्र जारी करने या उसके नवीकरण के प्रयोजन के लिए नियम 81 में विनिर्दिष्ट समुचित फीस से अधिक फीस भरित नहीं करेगा।

(ज) खंड (क) में निर्दिष्ट रजिस्टर के सभी पृष्ठ प्रविष्टियों में भर जाने के बाद और किसी भी हालत में उसके पूरा होने के बाद दो दिन के अंतरात्ता उसे क्षेत्रीय परिवहन प्राधिकारी अध्वपित कर देगा जिसे उस क्षेत्र के संबंध में अधिकारिता प्राप्त है।

66. प्राधिकार पत्र की दूसरी प्रति का जारी किया जाना :—(1) यदि किसी समय नियम 63 के उपनियम (5) के अधीन किए गए या नवीकृत प्राधिकार पत्र की दूसरी प्रति खो जाती है या नष्ट हो जाता है तो प्राधिकार पत्र का धारक उसकी रिपोर्ट उस अधिकारिता के अंतर्गत थाने में करेगा जहां वह खोया है या वह नष्ट हुआ है और उस तथ्य की लिखित सूचना उक्त रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी को देगा जिसने प्राधिकार पत्र दिया था उसका नवीकरण किया था और उक्त दूसरी प्रति के लिए आवेदन देगा।

(2) नियम 31 में विनिर्दिष्ट समुचित फीस और उपनियम (1) में निर्दिष्ट पुलिस रिपोर्ट की प्रति गृहित आवेदन प्राप्त होने पर रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी प्राधिकार पत्र की दूसरी प्रति, जिस पर स्पष्ट रूप से "दूसरी प्रति" शब्द अंकित होंगे, जारी कर सकेगा।

(3) यदि प्राधिकार पत्र की दूसरी प्रति जारी करने के पश्चात् मूल प्रति मिल जाती है तो उसे तुरन्त रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकार को लौटा दिया जाएगा जिसने उसे जारी किया था।

67. प्राधिकृत परीक्षण केन्द्रों का पर्यवेक्षण :—रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी या राज्य सरकार के मोटर यान विभाग का कोई अधिकारी, जिसे इस निमित्त रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी ने सम्यक् रूप से प्राधिकृत किया हो। किसी भी समय प्राधिकृत परीक्षण केन्द्र के परिसर में यह सुनिश्चित करने के लिए परीक्षण कर सकेगा कि प्राधिकृत परीक्षण केन्द्र ने यानों का उचित रूप से परीक्षण कर लिया है।

68. रजिस्ट्रीकृत प्राधिकारी या क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी की जानकारी भांगने की शक्ति :—प्राधिकृत परीक्षण केन्द्र ऐसे रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी या क्षेत्रीय परिवहन प्राधिकारी को, जिसे उस क्षेत्र के संबंध में अधिकारिता प्राप्त हो, ऐसी जानकारी या विवरण प्रस्तुत करेगा जो ऐसे प्राधिकारी समय समय पर उसमें मांगे।

69. रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी की प्राधिकार पत्र को निलंबित या रद्द करने या प्रतिभूति निक्षेप को समपद्धत करने की शक्ति :—(1) यदि रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी को, किसी प्राधिकार पत्र के धारक को मुनवाई का अवसर देने के पश्चात् यह समाधान हो जाता है कि वह—

(क) नियम 63 के उपनियम (3) के उपखंड (अ) में निर्दिष्ट उपकरण, मशीनरी और माधुनिक को अच्छी हालत में रखने में असफल रहता है, या

(ख) नियम 63 के उपनियम (3) में अधिकथित अन्य अपेक्षाओं को पूरा करने में असफल रहता है, और

(ग) ठीक हालत में होने का प्रमाण पत्र देने या उसके नवीकरण से पूर्ण परीक्षण के सही मानकों का, जैसा कि नियम 67 में निर्दिष्ट परीक्षण पैक के समय पता चले, या उन दुर्घटनाओं की आवृत्ति के जो यान में किसी यांत्रिक दोष के कारण हुईं समझी जाएं, जिनसे ये परिवहन यान संबंधित हो और जो परीक्षण केन्द्र द्वारा अनुदान या नवीकृत ऐसे ठीक हालत में होने के प्रमाण पत्र के अंतर्गत आते हैं परीक्षण के सही मानकों का अनुपालन करने में असफल रहता है तो वह—

(1) किसी विनिर्दिष्ट अवधि के लिए प्राधिकार पत्र को निलंबित कर सकेगा, या

(2) प्राधिकार पत्र को रद्द कर सकेगा, या

(3) परीक्षण केन्द्र द्वारा दिए गए प्रतिभूति निक्षेप के समपद्धत का आदेश दे सकेगा।

(2) जहां उपनियम (1) के अधीन कोई प्राधिकार पत्र निलंबित या रद्द किया जाता है, वहां प्राधिकार पत्र का धारक उसे तुरन्त रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी को अध्वपित कर देगा।

(3) जहां उपनियम (1) के अधीन प्रतिभूति निक्षेप समपद्धत किया जाता है वहां प्राधिकार पत्र का धारक समपद्धत का आदेश प्राप्त होने के तीन दिन के भीतर रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी को आदिष्ट समपद्धत रकम भेजेगा ताकि प्रतिभूति के निक्षेप के संबंध में नियम 63 के उपनियम (2) की अपेक्षाओं को पूरा किया जा सके।

70. अपील :—नियम 63 के उपनियम (5) या नियम 69 के उपनियम (1) के अधीन रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के किसी आदेश से व्यथित कोई व्यक्ति आदेश के प्राप्त होने के तीस दिन के भीतर राज्य सरकार के मोटर यान विभाग के अध्यक्ष को अपील कर सकेगा।

71. अपील की प्रक्रिया :—नियम 70 के अधीन अपील श्रापण के रूप में दो प्रतियों में दी जाएगी जिसमें रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के आदेश के संबंध में आक्षेपों के आधार दिए हुए होंगे और इसके साथ नियम 81 में विनिर्दिष्ट समुचित फीस और ऐसे आदेश की प्रमाणित प्रति लगी होगी।

(2) अपील प्राधिकारी, पक्षकारों को मुनवाई का अवसर देने के पश्चात् और ऐसी जांच करने के पश्चात्, जो यह आवश्यक समझे, समुचित आदेश पारित कर सकेगा।

72. प्राधिकार पत्र का स्वच्छिक अध्वर्पण :—(1) प्राधिकार पत्र का धारक किसी भी समय से जारी किए गए प्राधिकार पत्र को ऐसे रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी को जिसने प्राधिकार पत्र दिया था, अध्वपित कर सकेगा और ऐसे अध्वर्पण पर रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी, प्राधिकार पत्र तुरन्त रद्द कर देगा।

(2) उपनियम (1) के अधीन प्राधिकार पत्र के रद्दीकरण के पश्चात्, रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी, प्राधिकार पत्र के धारक को नियम 63 के उपनियम (2) में निर्दिष्ट प्रतिभूति निक्षेप की पूरी रकम बिना किसी ब्याज के लौटा देगा।

73. परीक्षण केन्द्र को प्रस्तुत किए जाने वाला कर समाशोधन प्रमाणपत्र :—कोई भी प्राधिकृत परीक्षण केन्द्र ठीक हालत में होने का प्रमाणपत्र देने या उसके नवीकरण के लिए आवेदन तक तक स्वीकार नहीं करेगा जब तक उसके साथ उस क्षेत्रीय परिवहन प्राधिकारी या मोटर यान निरीक्षक का, जिसे उस क्षेत्र में अधिकारिता प्राप्त है, ऐसे प्रारूप में जो राज्य सरकार द्वारा विनिर्दिष्ट किया जाए, इस आशय का कर समाशोधन प्रमाणपत्र न लगा हुआ हो कि उस यान की वास्तव मोटर यान कर या धारा 86 की उपधारा (5) और उपधारा (6) में निर्दिष्ट सहमत फीस बकाया नहीं है।

रक्षा के प्रयोजन के लिए प्रयुक्त केन्द्रीय सरकार के यानों का रजिस्ट्रीकरण

74. रक्षा के प्रयोजन के लिए प्रयुक्त केन्द्रीय सरकार के यानों की रजिस्ट्रीकरण चिन्ह का दिया जाना :—धारा 60 की उपधारा (1) या निर्दिष्ट प्राधिकारी रक्षा के प्रयोजन के लिए प्रयुक्त केन्द्रीय सरकार के यानों को निम्नलिखित रीति में रजिस्ट्रीकरण चिन्ह देगा, अर्थात् :—

अक्षों का एक समूह अक्षों के बाद एक-एक अक्ष, एक चौथा अक्ष, छह से अधिक अक्ष और एक बड़ा अक्ष या अक्ष समूह होगा। रजिस्ट्रीकरण चिन्ह, अंग्रेजी अक्षरों में होगा और अक्षों का रूप अक्षी होगा।

मोटर यानों का राज्य रजिस्टर

75. मोटर यानों का राज्य रजिस्टर—(1) प्रत्येक राज्य सरकार, राज्य में रजिस्ट्रीकृत मोटर यानों की बाबत मोटर यानों का राज्य रजिस्टर प्रकृष 41 में रखेगी।

(2) प्रत्येक राज्य सरकार, उपनियम (1) में निविष्ट रजिस्टर की मुद्रित प्रति, निदेशक (परिवहन अनुमोदा), या भूतल परिवहन मंत्रालय, नई दिल्ली को भेजेगी।

राजनयिक अधिकारियाँ आदि के मोटर यानों के रजिस्ट्रीकरण के लिए विशेष उपबन्ध

76. राजनयिक और कौमयीय अधिकारियों के यानों का रजिस्ट्रीकरण—(1) किसी राजनयिक अधिकारी या कौमयीय अधिकारी द्वारा या उसकी ओर से धारा 12 की उपधारा (1) के अधीन किसी मोटरयान के रजिस्ट्रीकरण के लिए प्रत्येक आवेदन, प्रकृष 12 में तीन प्रतियों में मिशन या कौमयीय कार्यालय के अध्यक्ष द्वारा किया जायेगा और सक्षम प्राधिकारी के माध्यम से रजिस्ट्रीकरण प्राधिकारी को भेजा जाएगा और उसके साथ नियम 17 में निविष्ट सुसंगत दस्तावेज या फोटो होंगे।

(2) सक्षम प्राधिकारी, संबंधित रजिस्ट्रीकरण प्राधिकारी को आवेदन की एक प्रति भेजेगा और इसके साथ एक ऐसा कथन भेजेगा जिस में रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदन करने वाले व्यक्ति का स्वर प्रमाणित होगा और आवेदक को आवेदन का एक प्रति वापस देगा। आवेदन की तीसरी प्रति को सक्षम प्राधिकारी अभिलेख के लिए अपने पास रख सकेगा।

(3) रजिस्ट्रीकरण प्राधिकारी, उपनियम (2) के अधीन सम्यक रूप से पूर्णतः आवेदन की प्राप्ति पर, उस यान को धारा 44 के उपबन्धों के अधीन रहने हुए रजिस्टर करेगा।

(4) रजिस्ट्रीकरण प्राधिकारी, उपनियम (3) के अधीन अपने द्वारा रजिस्ट्रीकृत किसी मोटर यान के स्वामी को प्रकृष 43 में रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र जारी करेगा और ऐसे प्रमाणपत्र की विशिष्टता अपने द्वारा रखे जाने वाले अभिलेख में प्रविष्ट करेगा।

(5) रजिस्ट्रीकरण प्राधिकारी, मोटरयान पर प्रदर्शन के लिए नियम 77 में विनिर्दिष्ट रीति से, यथास्थिति, उपनियम (6) या उपनियम (7) के उपबन्धों के अनुसार रजिस्ट्रीकरण चिन्ह समनुविष्ट करेगा।

(6) दिल्ली में राजनयिक मिशन या किसी कौमयीय पद (पोस्ट) या उसके राजनयिक या कौमयीय अधिकारियों के किसी मोटर यान पर "सी डी" अक्षरों वाला रजिस्ट्रीकरण चिन्ह समनुविष्ट किया जायेगा और इससे पूर्व भारत सरकार के विदेश मंत्रालय द्वारा मिशन या पद को प्राबंठित संख्यांक होगा और इसके बाद रजिस्ट्रीकरण प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित रीति में यान को प्राबंठित संख्यांक होगा, अर्थात्—

- (i) किसी मिशन या पद (पोस्ट) के प्रधान के प्रयोग के लिए किसी सरकारी यान को "1" संख्यांक प्राबंठित किया जायेगा,
- (ii) मिशन या पद के प्रधान के वैयक्तिक यानों का "1" संख्यांक प्राबंठित की जाएगी और इसके पश्चात् "ए" अक्षर से आरम्भ होकर निरन्तर वर्णानुक्रम में होगी।
- (iii) ऐसे सरकारी यानों का, जो खण्ड (1) में निविष्ट यानों में निम्न है, "2" संख्यांक से आरम्भ होकर निरन्तर संख्यांक प्राबंठित किया जाएगा,
- (iv) मिशन या पद के अन्य अधिकारियों के यानों का खण्ड (iii) के अधीन प्राबंठित अंतिम संख्यांक के पश्चात् क्रमवार संख्यांक प्राबंठित किया जाएगा,
- (v) मिशन या पद के प्रधान से निम्न, किसी मिशन या पद द्वारा, अथवा इनके राजनयिक या कौमयीय अधिकारियों द्वारा प्राजित यानों को, उक्त बात पर ध्यान दिए बिना कि ऐसा यान मिशन या पद के अथवा उसके किन्हीं अधिकारियों के शासकीय या

वैयक्तिक प्रयोग के लिए हों, खण्ड (iv) के अधीन प्राबंठित अंतिम संख्यांक के पश्चात् क्रमवार संख्यांक प्राबंठित किया जाएगा,

- (vi) खण्ड (i) से (iv) में से किसी खण्ड के अधीन किसी यान को प्राबंठित संख्यांक, जो ऐसे यान के विप्रेष या निर्यात के कारण अप्रयुक्त पड़ा है अथवा इसकी संख्यांक रद्द होने पर उस यान का संख्यांक उसी खण्ड के अधीन किसी अन्य यान को प्राबंठित किया जा सकेगा जिसकी बाबत आवेदन उपनियम (1) के अधीन किया गया है।

(7) दिल्ली से बाहर किसी कौमयीय पद या उसके किसी अधिकारी से किसी मोटर यान को "सी सी" संख्यांक वाला रजिस्ट्रीकरण चिन्ह समनुविष्ट किया जायेगा जिससे पहले भारत सरकार के विदेश मंत्रालय द्वारा इसे प्राबंठित पद संख्यांक होगा और जिसके बाद उस पद के लिए प्राबंठित संख्यांक के ब्लाक में से रजिस्ट्रीकरण प्राधिकारी द्वारा निम्नलिखित रीति में प्राबंठित संख्यांक होगा, अर्थात्—

- (i) किसी कौमयीय पद के प्रधान के प्रयोग के लिए प्राधिकृत किसी सरकारी यान को उस पद को प्राबंठित संख्यांक के ब्लाक से पहला संख्यांक प्राबंठित किया जायेगा।
- (ii) महाकांसल के वैयक्तिक यान को खण्ड (1) में निविष्ट संख्यांक प्राबंठित किया जाएगा और उसके पश्चात् वह संख्यांक अंग्रेजी के "ए" अक्षर से आरम्भ होने वाले अक्षर से निरन्तर वर्णानुक्रम में होगा।
- (iii) खण्ड (1) में निविष्ट यानों से निम्न सरकारी यानों को उक्त पद को प्राबंठित संख्यांक के ब्लाक में से दूसरे संख्यांक से आरम्भ होने वाला निरन्तर संख्यांक प्राबंठित किया जाएगा।
- (iv) पद के अन्य अधिकारियों के यानों को खण्ड (iii) के अधीन प्राबंठित अंतिम संख्यांक के पश्चात् क्रमवार संख्यांक प्राबंठित किए जाएंगे।
- (v) पद के प्रधान से निम्न, किसी पद द्वारा या कौमयीय अधिकारी द्वारा प्राजित यान को, खण्ड (iv) के अधीन प्राबंठित अंतिम संख्यांक के पश्चात् क्रमवार संख्यांक इस यान के होते हुए भी प्राबंठित किए जाएंगे कि ऐसा यान पद के या उसके किसी अधिकारी के शासकीय या वैयक्तिक प्रयोग के लिए है,
- (vi) खण्ड (i) से (iv) में से किसी खण्ड के अधीन किसी यान को प्राबंठित संख्यांक, जो ऐसे यान के विप्रेष या निर्यात के कारण अप्रयुक्त पड़ा है अथवा उसका संख्यांक रद्द होने पर, उस यान का संख्यांक उसी खण्ड के अधीन किसी अन्य यान को प्राबंठित किया जा सकेगा जिसकी बाबत आवेदन उपनियम (1) के अधीन किया गया है।

स्पष्टीकरण—इस नियम और नियम 77, नियम 78 और नियम 79 के प्रयोजनों के लिए "सक्षम" प्राधिकारी से अभिप्रेत है—

- (i) ऐसे व्यापार अधिकारी या कौमयीय अधिकारी के संबंध में, जिसका भारत में निवास स्थान है, भारत सरकार के विदेश मंत्रालय (व्यापार प्रभाग) का सचिव, और
- (ii) ऐसे व्यापार अधिकारी या कौमयीय अधिकारी के संबंध में जिनका किसी अन्य स्थान पर निवास स्थान है, राज्य सरकार का मुख्य सचिव।

77. रजिस्ट्रीकरण चिन्ह का प्रदर्शन—

- (1) नियम 76 के उपनियम (3) के उपनियम (2) के अधीन समनुविष्ट किये जाने वाले रजिस्ट्रीकरण चिन्ह को यान के शाने और पीछे दोनों ओर ऐसी जगह की सही सतह पर जो 41 सें.मी. 14

सैं.मी. के आकार की होगी, या यान के किसी भाग पर निम्नलिखित स्थिति में स्पष्ट रूप से प्रदर्शित किया जाएगा—

(i) नियम 76 के उपनियम (6) में निर्दिष्ट मोटर यानों की वशा में गहरे नीले पृष्ठोंकन के साथ, गहरे रंग में रजिस्ट्रिकरण चिह्न और संख्या ।

(ii) नियम 76 के उपनियम (7) में निर्दिष्ट मोटर यानों की वशा में, पीले पृष्ठोंकन के साथ, काले रंग में रजिस्ट्रिकरण चिह्न और संख्या ।

(2) रजिस्ट्रिकरण चिह्न प्रत्येकी अवश्यों में होगा और अवश्यों का रूप अवश्यों में होगा और—

(i) निम्नलिखित किसी मोटर साइकल या किसी बिगड़ी हुई गाड़ी की वशा में, अवश्यों की किसी भी भाग में ऊँचाई 6 सैं.मी. और मोटाई 2 सैं.मी. से कम नहीं होगी, संख्यांक की किसी भी भाग पर ऊँचाई 2 सैं.मी. और मोटाई 2 सैं.मी. से कम नहीं होगी और किसी अवश्यों और किसी अवश्यों और किसी अवश्यों तथा अवश्यों के बीच खाली स्थान होगा और सड़क सतह का मिरा 1 सैं.मी. से कम नहीं होगा, और किसी दो अवश्यों के बीच और किसी दो अवश्यों के बीच खाली स्थान 1 सैं.मी. से कम नहीं होगा, और

(ii) किसी मोटर साइकल या बिगड़ी हुई गाड़ी की वशा में, अवश्यों और अवश्यों का आकार खंड (1) में विनिर्दिष्ट आकार के दो तिहाई से कम नहीं होगा ।

(3) पूर्वोक्त सारो सतह ऊर्ध्व से तिरछे से अधिक झुकी नहीं, होगी । अवश्यों और अवश्यों निम्नलिखित रूप में प्रदर्शित किए जाएंगे अध्याय—

(i) परिवहन यान की वशा में, रजिस्ट्रिकरण चिह्न, दो अलग-अलग क्षेत्रीय लाइनों से प्रदर्शित किया जाएगा, पहली लाइन में मिशन या पद को आश्रित संख्यांक, के बाद दूसरी लाइन में रजिस्ट्रिकरण प्राधिकारी द्वारा आश्रित संख्यांक होगा, और

(ii) सभी अन्य मामलों में, रजिस्ट्रिकरण चिह्न में अवश्यों और अवश्यों या तो यथापूर्वोक्त दो क्षेत्रीय लाइनों में अथवा एक क्षेत्रीय लाइन में प्रदर्शित किया जा सकेगा ।

(4) उपनियम (1) में किसी बात के होते हुए भी, किसी मोटर साइकल या बिगड़ी हुई गाड़ी की अवश्यों और प्रदर्शित रजिस्ट्रिकरण चिह्न यान की धुरी की सीध में प्लेट पर प्रदर्शित किया जा सकेगा, और ऐसे किसी मामले में प्लेट के दोनों ओर प्रदर्शित किया जाएगा ।

(5) किसी ट्रेलर की वशा में :—

(i) रजिस्ट्रिकरण चिह्न ट्रेलर के बाईं ओर प्लेट या सतह पर प्रदर्शित किया जाएगा, अवश्यों और अवश्यों का आकार उपनियम (2) में विनिर्दिष्ट आकार के दो तिहाई से कम नहीं होगा,

(ii) ट्रेलर के पिछली ओर लगाया जाने वाले किसी खींचने वाले मोटर यान का रजिस्ट्रिकरण चिह्न मोटर यान के पिछले भाग में लगाए जाने वाले रजिस्ट्रिकरण चिह्न से संबंधित इन नियमों के उपबन्धों के अनुरूप होगा ।

6. रजिस्ट्रिकरण चिह्न परिवहन यान की बाईं की दाहिनी ओर बाईं ओर मुखित किया जाएगा ।

78. यान के किसी अन्य राज्य के लिए हटाए जाने पर नए रजिस्ट्रिकरण चिह्न या समन्वयन —

(1) यान के किसी अन्य राज्य के लिए हटाए जाने पर धारा 47 की उपधारा 1(i) के अधीन किसी राजनयिक अधिकारधी या कौंसलीय अधिकारी द्वारा उनकी ओर से नए रजिस्ट्रिकरण चिह्न के समन्वयन के लिए प्रत्येक आवेदन प्रारूप 44 पर में प्रतियों में किया जाएगा और उसे सक्षम प्राधिकारी के माध्यम से रजिस्ट्रिकर्ता प्राधिकारी को संबोधित किया जाएगा और उसके साथ नियम 54 में निर्दिष्ट संगत दस्तावेज और फीस होगी ।

(2) नियम 75 के उपनियम (2) में (7) के उपबन्ध, उपनियम (1) के अधीन किए गए आवेदन की वैसे ही लागू होंगे जैसे वे नियम 75 के उपनियम (i) के अधीन किए गए आवेदन को लागू होंगे ।

79. नियम 76 के अधीन रजिस्ट्रिकरण यानों के रजिस्ट्रिकरण निम्नलिखित और रद्दकरण .

यदि धारा 53, धारा 54 या धारा 55 के उपबन्धों के अधीन, नियम 76 के अनुसार किसी मोटर यान का रजिस्ट्रिकरण निरस्त या रद्द कर दिया जाता है तो निम्नलिखित या रद्दकरण के आवेदन की प्रति प्रत्येक ऐसे अधिकारी या व्यक्ति के अनिवार्य जिसको उक्त धाराओं के अधीन प्रति होती जाती है, सक्षम अधिकारी को भेजी जाएगी ।

80. नियम 78 के अधीन रजिस्ट्रिकृत मोटर यान का व्ययन या अन्तरण—

(i) जहाँ नियम 76 के अनुसार रजिस्ट्रिकृत किसी मोटर यान का विक्रय द्वारा या अन्यथा अन्तरण किया जाता है, वहाँ अन्तरक चौदह दिन के भीतर, उन व्यक्ति के, जिसे यान अन्तरित किया गया है, पूरे नाम और पते के साथ उक्त अन्तरण के सत्य की रिपोर्ट उस रजिस्ट्रिकरण प्राधिकारी को देगा जिसकी अधिकारिता के भीतर अन्तरण किया गया है और इसके साथ-साथ रिपोर्ट की प्रतियां निम्नलिखित को भेजेगा ।

(क) अन्तरिती ;

(ख) सक्षम प्राधिकारी ;

(ग) यान के आयात के पतन का सीमाशुल्क कलक्टर और वहाँ आयात के पतन का पता लगाना संभव नहीं, वहाँ अन्तरिती के प्रधान कार्यालय के निकटतम केन्द्रीय उत्पादशुल्क या सीमा-शुल्क कलक्टर ; और

(घ) यदि अन्तरित किसी यान रजिस्ट्रिकरण प्राधिकारी की अधिकारिता में किया गया है तो मूल रजिस्ट्रिकरण प्राधिकारी जिसके अभिलेख में यान का रजिस्ट्रिकरण अभिलिखित है ; और उक्त यान की बाबत नम्बर प्लेट को उस रजिस्ट्रिकरण प्राधिकारी को भी आम्पित करेगा जिसके अभिलेख में यान का रजिस्ट्रिकरण अभिलिखित है, किन्तु यह तब जब वह अन्तरण राजनयिक अधिकारी या कौंसलीय अधिकारी से भिन्न किसी व्यक्ति को किया जाता है ।

(2) जहाँ अन्तरिती कोई राजनयिक अधिकारी कौंसलीय अधिकारी है वहाँ उसके द्वारा या उसकी ओर से किया गया आवेदन, नियम 76 के उपबन्धों के अनुसार यान के रजिस्ट्रिकरण के लिए रजिस्ट्रिकर्ता प्राधिकारी को किया जाएगा ।

फ़ीस—

8. फ़ीस इस अध्याय के उपबन्धों के अधीन प्रभारित की जाने वाली फ़ीस वही होगी जो नीचे की सारणी में विनिर्दिष्ट है :—

सारणी

क्रम सं.	प्रयोजन	रकम	नियम	धारा
1	2	3	1	5
1.	प्रत्येक यान की वाहन व्यवसाय प्रमाणपत्र का दिया जाना और उसका नवीकरण— मोटर साइकिल अशक्त यात्री गाड़ी अन्य	----- पच्चीस रुपए पच्चीस रुपए एक सौ रुपए	34 (1)	---
2.	व्यवसाय प्रमाण पत्र की दूसरी प्रति मोटर साइकिल— अशक्त यात्री गाड़ी अन्य	----- पन्द्रह रुपए पन्द्रह रुपए पन्द्रह रुपए	38 (1)	--
3.	नियम 46 के अधीन अपील	पचास रुपए	40 (1)	
4.	रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र का जारी किया जाना और उसका नवीकरण तथा नए रजिस्ट्रीकरण चिह्न की समनुवेशन अशक्त यात्री गाड़ी मोटर साइकिल हल्का मोटरयान— मध्यम मालयान— मध्यम यात्री मोटर यान भारी मालयान भारी यात्री मोटर यान आयातित मोटर यान आयातित मोटर साइकिल कोई अन्य यान जो ऊपर वर्णित नहीं है ।	 बस रुपए तीस रुपए एक सौ रुपए दो सौ रुपए बो सौ रुपए तीन सौ रुपए तीन सौ रुपए चार सौ रुपए एक सौ रुपए एक सौ पचास रुपए	47 (1), 52(1), 54(1), 76 (1) और 78 (1)	
5.	रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र को दूसरी प्रति जारी करना	कर्मांक 4 में वर्णित फीस की आधी रकम	53 (2)	--
6.	स्वामित्व का अंतरण	कर्मांक 4 में वर्णित फीस की आधी रकम	55(2) (iii), 55 (3), 56 (2) (क) और 57 (1) (क)	
7.	निवास स्थान में परिवर्तन	दस रुपए	59	--
8.	रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र का अभिलेखन और उसमें परिवर्तन	पच्चीस रुपए	---	52 (4)
9.	अवकाश/पट्टा/आयमान करार का पृष्ठांकन			
10.	अवकाश/पट्टा/आयमान करार का रद्दकरण या नए रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र को जारी किया जाना	पचास रुपए	61 (1), 61 (2)	---
11.	टीक ह्रास में होने का प्रमाणपत्र दिया जाना और उनका नवीकरण हल्का मोटर यान मध्यम माल/यात्री मोटर यान भारी माल/यात्री मोटर यान	----- एक सौ रुपए दो सौ रुपए तीन सौ रुपए	62 (2)	---
12.	प्राधिकार पत्र का दिया जाना और उसका नवीकरण	पांच हजार रुपए	63 (2) (क)	---
13.	प्राधिकार पत्र की दूसरी प्रति का जारी किया जाना	पांच सौ रुपए	56 (2)	--
14.	नियम 70 के अधीन अपील	दो सौ रुपए	71 (1)	--

अध्याय 4

परिवहन यान का नियंत्रण पर्यटक परमिट

8.2. पर्यटक परमिट :

(1) पर्यटक यान की बाबत परमिट (जिसे इन नियमों में उसके पश्चात् पर्यटक परमिट कहा गया है) देने के लिए आवेदन राज्य परिवहन प्राधिकारी को प्ररूप 45 में किया जाएगा।

(2) (क) किसी भी ऐसे मोटर यान की बाबत पर्यटक परमिट नहीं किया जाएगा जो दो वर्ष से अधिक पुराना हो।

(ख) किसी पर्यटक परमिट को उस तारीख से अवधिमान्य समझा जाएगा जिस तारीख को परमिट के अंतर्गत आने वाला यान, जहाँ यान मोटर के अंतर्गत आता हो सात वर्ष पूरे कर लेता है और जहाँ यान से भिन्न हो, पांच वर्ष पूरे कर लेता है, जब तक कि उस यान को बचल नहीं दिया जाता है।

(ग) जहाँ किसी पर्यटक परमिट के अंतर्गत आने वाले किसी यान को किसी दूसरे यान द्वारा बदलने का प्रस्ताव हो वहाँ पश्चात्तवर्ती यान ऐसे बचने जाने की तारीख को दो वर्ष से अधिक पुराना नहीं होगा।

स्पष्टीकरण:— इस उपनियम के प्रयोजनों के लिए दो वर्ष, पांच वर्ष या सात वर्ष की अवधि की गणना मोटर यान के आरंभिक रजिस्ट्रेशन की तारीख से की जाएगी।

8.3. प्राधिकारी पत्र की फीम — पर्यटक परमिट के लिए प्राधिकार पत्र दिए जाने के लिए आवेदन प्राप्त 46 में किया जाएगा और उसके साथ बैंक ड्राफ्ट के रूप में प्रति वर्ष 500 रु० की फीम होगी।

(2) प्रत्येक प्राधिकार-पत्र संबंधित राज्यों द्वारा उद्भूत कर या फीम के यदि कोई हो, संदाय के अधीन रहने हुए, प्ररूप 47 में दिया जाएगा।

(3) प्राधिकार पत्र की विधिमान्यता की अवधि किसी समय एक वर्ष से अधिक नहीं होगी और यह वर्ष की 31 मार्च को समाप्त होगी।

8.4. यान चलाने का अधिकार—किसी भी पर्यटक परमिट के बारे में यह नहीं समझा जाएगा कि वह किसी ऐसे राज्य में, जिसे नियम 8.3 में निविष्ट प्राधिकार में सम्मिलित नहीं किया गया है, यान चलाने का अधिकार प्रदान करता है और न ही इससे किसी राज्य में उद्भूतीय कर या फीम के यदि कोई हो संदाय ने किसी यान के स्वामी को छूट मिलेगी।

8.5. पर्यटक परमिट की अनिवार्य शर्तें —

अ. धारा 88 की उपधारा (9) के अधीन मोटर केब से भिन्न किसी पर्यटक यान को दिये गए प्रत्येक पर्यटक परमिट की अनिवार्य शर्तें निम्नलिखित होंगी, अर्थात् —

(1) परमिट का धारक प्रत्येक यात्रा की बाबत यान में ले जाए जाने वाले पर्यटक यात्रियों की सूची तीन प्रतियाँ में तैयार कर जाएगा जो उस क्षेत्र के जिसमें पर्यटन प्रारम्भ होता है, कार्यपालक मजिस्ट्रेट या पुलिस उपनिरीक्षक या राज्य परिवहन प्राधिकारी या प्रादेशिक परिवहन प्राधिकारी के किसी राजपत्रित अधिकारी द्वारा जा इस निमित्त प्राधिकृत किया जाए, सम्यक रूप से अनुमार्गित होगी और जिसमें नीच दिया गया पूर्ण औरत होगा —

(क) यात्रियों का नाम

(ख) यात्रियों का पता

(ग) यात्रियों की आयु,

(घ) आरंभ और संवत् स्थान

(2) पर्यटक यात्रियों की सूची की एक प्रति, रसीदी रजिस्ट्रीकरण द्वारा उस प्राधिकारी को भेजी जाएगी जिसने अभिलेख के लिए परमिट जारी किया था। दूसरी प्रति पर्यटक यान में साथ ले जाई

जाएगी और उसे अधिनियम द्वारा या उसके अधीन दस्तावेज पेश करने की मांग करने के लिए प्राधिकृत अधिकारियों द्वारा माँगे जाने पर प्रस्तुत किया जाएगा। तीसरी प्रति परमिट के धारक द्वारा सुरक्षित रखी जाएगी।

(3) पर्यटक यान अपनी यात्रा वर्तुल रूप में या अन्यथा अपने ही राज्य में या प्रारम्भ या समाप्त करेगा किन्तु ऐसा हम शर्त के अधीन होगा कि यान अपने राज्य के बाहर दो मास से अधिक नहीं रहेगा। परमिट का धारक हम बात का भी ध्यान रखेगा कि पर्यटक यान की अपने राज्य में प्रत्येक वापसी की रिपोर्ट परमिट जारी करने वाले प्राधिकारी को दी जाए।

परंतु जहाँ संविदा की गई यात्रा अपने राज्य से बाहर समाप्त हो वहाँ यान को अपने राज्य में किसी स्थान की वापसी यात्रा के सिवाय उस राज्य के भीतर या उस राज्य से किसी अन्य राज्य के लिए छोड़े पर नहीं दिया जाएगा,

(4) पर्यटक यान, ऐसे वर्तुल पर्यटन स्थानों में जो अन्य रूप से अपने राज्य में या अपने राज्य के बाहर पड़ते हैं, चलाए जा सकेंगे यदि ऐसी वर्तुल पर्यटन यात्रा, पर्यटक गतिशील, धार्मिक सहज के स्थानों की यात्रा के लिए अपने राज्य के पर्यटक विभाग द्वारा अनुमोदित सूची में आती है और ऐसी पर्यटन यात्रा को पड़ने वाली सम्यक रूप से विभाजित किया गया हो।

(5) परमिट का धारक या उसका प्राधिकृत अधिकारी भाड़े पर ले जाने वाले व्यक्ति द्वारा उसे संवत् रकम की रसीद जारी करेगा और उसका प्रतिवर्ष उसके पास उपलब्ध रहेगा और उसे अधिनियम द्वारा या उसके अधीन दस्तावेज मांगने के लिए मशकत अधिकारियों द्वारा माँगे जाने पर प्रस्तुत किया जाएगा।

(6) पर्यटक यान की मंजिली गाड़ियों द्वारा प्रयुक्त किसी बस स्टैंड पर खड़ा किया जाएगा और न ही वे ऐसे बस स्टैंड से चलेगी।

(7) पर्यटक यान पर सफ़ेद रंग का पेंट किया जाएगा बाड़ी के बाह्य भाग के नीचे में पांच सेंटीमीटर चौड़ाई में मीला रश्मि होगा और सात सेंटीमीटर व्यास के सर्कल के भीतर इस यान के दोनों और "पर्यटक" शब्द लिखा जाएगा।

(8) परमिट का धारक, पर्यटक यान आगे के उपरी भाग पर पीले रंग में एक बोर्ड लगाएगा जिस पर काले अक्षरों में अंग्रेजी और हिन्दी में और यदि वह चाहे तो अपने राज्य की प्रादेशिक भाषा में ————— राज्य (राज्यों) में विधिमान्य "पर्यटक परमिट" अंतरालेखन प्रदर्शित करेगा।

(9) परमिट का धारक पर्यटक यान को मंजिली गाड़ी के रूप में नहीं चलाएगा।

(10) परमिट का धारक बैंक लागू बुक रखेगा जिसमें परमिट धारक का नाम और पता और यान का रजिस्ट्रीकरण चिह्न, खलक का नाम और पता तथा उसकी चालन अनुज्ञ की, निविष्टियाँ और यात्रा का आरम्भ और अन्त्य स्थान, यात्रा पर जाने, यात्रा से आने तथा भाड़े पर ले जाने वाले व्यक्ति का नाम और पता उपदर्शित किया जाएगा।

(11) परमिट का धारक शर्त (10) में अंतर्निहित जानकारी प्रत्येक तीन मास में उस परिवहन प्राधिकारी को देगा जिसने उसे परमिट दिया था और साँग बुक को तीन वर्ष तक सुरक्षित रखा जाएगा और उसे शर्त (2) और शर्त (4) में निविष्ट अभिलेखों सहित माँगे जाने पर उक्त प्राधिकारी को उपलब्ध किया जाएगा।

स्पष्टीकरण : इस नियम में "अपना राज्य से बहु राज्य अभिप्रेत है जिसने धारा 88 की उपधारा (9) के अधीन परमिट दिया है।

अतः मोटर वाहन की बाबत प्रत्येक पर्यटक परमिट की निम्नलिखित प्रतिरिक्त शर्तें होती हैं—

- (1) "पर्यटन यान" शब्द यान के दोनों ओर 25 सें. मी. के व्यास के वृत्त के भीतर पेंट किया जाएगा।
- (2) पीली पृष्ठभूमि में काले अक्षरों में "----- राज्य (राज्यों) में विधिमाम्य पर्यटक परमिट" उत्कीर्ण लेख सहित एक बाईं यान के आगे रजिस्ट्रीकरण संख्याक प्लेट के उपर संप्रदर्शित किया जाएगा।

राष्ट्रीय परमिट

8. राष्ट्रीय परमिट के लिए आवेदन :—

राष्ट्रीय परमिट के दिए जाने के लिये आवेदन धारा 69 में निर्दिष्ट अधिकारी को प्ररूप 48 में किया जाएगा।

87. प्राधिकार पत्र का प्ररूप, अंतवस्तु और कालावधि :—

(1) राष्ट्रीय परमिट के लिए प्राधिकार पत्र दिए जाने के लिए आवेदन प्ररूप 46 में किया जाएगा और उसके साथ बैंक ड्राफ्ट के रूप में पांच सौ रुपये प्रतिवर्ष की फीस होती

(2) प्रत्येक प्राधिकार पत्र संबंधित राज्यों द्वारा उद्गृहीत कर या फीस के, यदि कोई हो, संवाय के अधीन रहते हुए प्ररूप 47 में दिया जाएगा।

(3) किसी प्राधिकार पत्र की विधिमाम्यता की अवधि, किसी समय एक वर्ष से अधिक नहीं होती और वह वर्ष की मार्च के 31वें दिन को समाप्त होती।

88. राष्ट्रीय परमिट के प्रयोजन के लिए मोटरयान की समयावधि :—

(1) कोई राष्ट्रीय परमिट किसी ऐसे माल वाहन के संबंध में नहीं दिया जाएगा जो किसी समय पर नौ वर्ष से अधिक पुराना हो।

(2) राष्ट्रीय परमिट उस तारीख से अधिमाम्य हुआ समझा जाएगा जिसको परमिट के अंतर्गत आने वाला यान अपने प्रारंभिक रजिस्ट्रीकरण की तारीख से नौ वर्ष पूरे कर लेता है।

स्पष्टीकरण :—इस नियम के प्रयोजन के लिए, नौ वर्ष की अवधि की गणना संबद्ध माल वाहन के प्रारंभिक रजिस्ट्रीकरण की तारीख से की जाएगी।

89. किसी राष्ट्रीय परमिट के धारक द्वारा भरी जाने वाली वार्षिक विवरणी :—

किसी राष्ट्रीय परमिट का धारक, राष्ट्रीय परमिट के अंतर्गत आने वाले मोटरयान की बाबत ऐसे प्राधिकारी को, जिसने राष्ट्रीय परमिट दिया है, प्ररूप 49 में विवरणी फाइल करेगा।

90. राष्ट्रीय परमिट की प्रतिरिक्त शर्तें :—

धारा 88 की उपधारा (12) के अधीन जारी किया गया राष्ट्रीय परमिट निम्नलिखित प्रतिरिक्त शर्तों के अधीन होगा, अर्थात् :—

(1) राष्ट्रीय परमिट के अंतर्गत चलाने वाले यान को 30 सेंटीमीटर चौड़ी सफेद पट्टी में सूखी पत्ती के धूरे रंग से रंगा जाएगा और "राष्ट्रीय परमिट" शब्द 60 सेंटीमीटर के व्यास के वृत्त के भीतर मोटे अक्षरों में यान के दोनों ओर लिखे हुए होंगे :

परंतु खतरनाक या परिसंकटमय माल ले जाने वाले टैंकर की बाड़ी को अग्रले भाग पर बीच में बाएँ ओर 5 सें मी के सूखी पत्ती के धूरे रंग सहित सफेद रंग से रंगा जाएगा।

(2) "----- राज्य में विधिमाम्य राष्ट्रीय परमिट" अंतरालेखन सहित और मकैव पृष्ठभूमि पर नीले अक्षरों वाला पट्टा ऐसे यान सामने की ओर पर लगा हुआ होगा।

(3) ऐसे किसी यान में प्ररूप 50 में बहनपत्र के बिना कोई माल नहीं ले जाया जाएगा।

(4) यान में कम से कम दो जागृत होंगे और यान में जागृत की सीट के पीछे उसकी पूरी चौड़ाई में एक सीट होती जायें अनिरिक्त बालक के लिए धाराम करने और सोने के लिए सुविधा दी जाएगी।

(5) यान के साथ हथेला निम्नलिखित इम्पानेज ले जाए जायें और वे अधिनियम द्वारा या उनके अधीन दस्तावेज मांगने के लिए सशक्त अधिकारी द्वारा मांगे जाने पर प्रस्तुत किए जायेंगे। अर्थात् :—

(1) ठीक ह्रासन में होने का प्रमाणपत्र,

(2) बीमा प्रमाणपत्र,

(3) रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र,

(4) राष्ट्रीय परमिट,

(5) कराधान प्रमाणपत्र,

(6) प्राधिकार पत्र।

(6) यान सभी स्थानीय नियमों का किसी राज्य सरकार द्वारा अधिरोपित निबन्धनों के अधीन होगा।

(7) यान एक ही राज्य में स्थित दो स्थानों के बीच माल नहीं उठाया या नहीं उतारेगा।

अध्याय 5

मोटरयानों का निर्माण, उपकरण और अनुरक्षण प्रारंभिक

91. परिभाषा :—(1) इस अध्याय में, जब तक संदर्भ में अन्यथा अपेक्षित न हो, :—

(क) किसी खतरनाक या परिसंकटमय माल के संबंध में "क़ान लेबल" से अभिप्रेत है, नियम 137 की सारणी के स्तंभ 3 में निर्दिष्ट क़ान लेबल।

(ख) मालवाहक द्वारा ढोए जाने वाले खतरनाक या परिसंकटमय माल के संबंध में, "परेषक" से अभिप्रेत है, ऐसे खतरनाक या परिसंकटमय माल का मासिक,

(ग) "खतरनाक या परिसंकटमय माल" से अभिप्रेत है, नियम 137 की सारणी-1, स्तंभ 2 और में विनिर्दिष्ट मानव जीवन के लिए खतरनाक या परिसंकटमय प्रकृति का माल,

(घ) "आपानकालीन सूचना पैतल" से अभिप्रेत है, नियम 132 में विनिर्दिष्ट पैतल,

(ङ) किसी खतरनाक या परिसंकटमय माल के संबंध में, "प्राथमिक जोखिम" से अभिप्रेत है, सबसे अधिक सशक्त जोखिम जो ऐसे मालों से उत्पन्न हो सकती है,

(च) किसी खतरनाक या परिसंकटमय माल के संबंध में, (महायक जोखिम) से अभिप्रेत है, ऐसी सहायक जोखिम जो ऐसे मालों द्वारा प्राथमिक जोखिम के अनावा उत्पन्न हो सकती है।

92. साधारण :—

(1) कोई व्यक्ति किसी भी सार्वजनिक स्थान में किसी भी ऐसे मोटर यान का न तो इस्तेमाल करेगा या न ही चलाने के लिए देगा या न ही चलाने की अनुमति देगा जो मोटर यान इस अध्याय के उपबंधों का अनुपालन नहीं करता।

(2) इस नियम की कोई बात ऐसे मोटर यान को लागू नहीं होगी :

(क) जो किसी दुर्घटना में अतिग्रस्त हो गया है अथवा किसी ऐसे यान को लागू नहीं होगा जो ईंधन की कमी या अन्य

अस्थायी खरबों के कारण जैसे स्थान में जहाँ दुर्घटना या खराबों हुई हैं, रुका हुआ है या अवरुद्ध हो गया है :—

- (ख) जो खराब या क्षतिग्रस्त है और भ्रमस्त या ध्वस्त के लिए किसी निकटस्थ स्थान को ले जाया गया है या
- (ग) जो उसके रजिस्ट्रीकरण की तारीख से पचास वर्ष से अधिक पुराना है और विन्टेज कार रैली में भाग लेने के लिए ले जाया गया है :

परन्तु जहाँ कोई मोटर यान, चलाने वाले व्यक्ति के प्रभावी निर्वहन में नहीं रहा है वहाँ वह टोपिंग के विनाय सावधानिक स्थान में प्रयोग नहीं किया जाएगा।

9.3 मोटर यान की सकल विस्तार :

- (1) समस्त सवहों के बीच माटर वाहन के वनकाग से धुरा प्रत्येक मोटर यान को सकल चौड़ाई जिसमें किनारे के सभी बिन्दुओं के साथ जो निम्नलिखित से अधिक न हो—

(i) किसी मोटर यान की दशा में जिसमें परिवहन यान शामिल नहीं है 2.5 मीटर,

(ii) किसी परिवहन यान के मामले में 2.7 मीटर।

स्पष्टीकरण :—इस नियम के प्रयोजनों के लिए, पिछली दृष्टि वाला भीषा एक सब-रेल या दिशा सूचक (जब प्रवाहन में हो), उसे किसी मोटर वाहन की सकल चौड़ाई मापन के लिए धारा में नहीं रखा जाएगा।

- (2) ट्रेलर के द्वार प्रत्येक माटर यान की सकल लम्बाई निम्नलिखित से अधिक नहीं होगी—

(1) किसी परिवहन यान जिनके दो से अधिक धुरा न हो, के अलावा किसी मोटर यान के मामले में 9.5 मीटर,

(2) दो या उससे अधिक धुरा वाले रिजिड केम वाले किसी परिवहन यान के मामले में 11.25 मीटर,

(3) आर्टिकुलेटेड यान जिनमें दो से अधिक धुरा हो, उसके मामले में 16 मीटर,

(4) ट्रक ट्रेलर या ट्रैक्टर ट्रेलर कम्बिनेशनों के मामले में 1 मीटर।

- (3) आर्टिकुलेटेड वाहन या ट्रैक्टर ट्रेलर कम्बिनेशन का दशा में जो विशेष रूप से काफ़ा लम्बे अधिमाध्य लम्बे मार का बुराई के लिए निर्मित हो—

- (1) यदि यान के समस्त चक्कों में न्यूमेटिक टायर लगे हैं, तो
- (2) यदि यान के समस्त चक्कों में तब तक न्यूमेटिक टायर नहीं लगे हैं, जब तक वे प्रति घंटे 25 कि.मी. की गति से अधिक गति से चलाए नहीं जायें तो, सकल लम्बाई 19 मीटर से अधिक नहीं होगी।

स्पष्टीकरण :—इस नियम के प्रयोजनों के लिए, सकल लम्बाई से अभिप्रेत है, समानांतर सवहों के बीच मापी गई यान की लम्बाई जो यान के बाहरी उमरे बिन्दुओं से गुजरती है जिसमें निम्नलिखित शामिल नहीं है :—

- (i) कोई जालू करने वाला हंडल,
- (ii) जब डाऊन हो, तो कोई हंड,
- (iii) कोई फायर हस्पेक जो वाहन से जुड़ा हो,
- (iv) कोई पोस्ट ग्राफिस लेटर बक्स जिनकी लम्बाई वाहन के धुरा के समानान्तर मापी गई है, वह 30.5 सेंटीमीटर से अधिक नहीं है,

(5) किसी यान को छत से लाने या उतारने के लिए प्रयुक्त सवहों या किसी वाहन में लगा कोई सिंग या सूचक प्रकाश या नम्बर प्लेट,

(6) किसी यान से लगा कोई फालतू चक्का या स्पेयर व्हील जैकेट या बम्पर।

(7) कोई टोपिंग ट्रक या अन्य फिटमेंट जो इस उप नियम के अनुच्छेद (iii) से (vi) तक किसी फिटमेंट के बाहर नहीं निकला हो।

(4) किसी मोटर यान की सकल ऊँचाई जिसका उसे सतह से माप किया गया हो जिस पर यान खड़ा है,

(i) डबल डेक मोटर यान से निम्न किसी यान की दशा में 3.8 मीटर से अधिक नहीं होगा,

(ii) डबल डेक मोटर यान की दशा में 4.25 मीटर से अधिक नहीं होगा।

(iii) आर्टिफिशियल सिलेंडर, फ्रेट कंटेनर बॉक्स वाले लोडे ट्रेलर की दशा में 4.2 मीटर से अधिक नहीं होगा,

परन्तु खंड (i) से खंड (iii) के उपबंध फायरहस्पेक दो बैगनों और अन्य विशेष प्रयोजन के यानों को लागू नहीं होंगे जिन्हें रजिस्ट्रारकी अधिकारों के साधारण या विशेष आदेश द्वारा छूट दी गई है।

(5) किसी ट्रैक्टर का चौड़ाई 1.85 मीटर से अधिक नहीं होगा।

(6) किसी ट्रैक्टर से निम्न किसी मोटर यान का चौड़ाई होगा उस धुरा के 60% से अधिक नहीं होगा जो सतह के समस्त से मोटर यान के धुरे के बीच का धुरा जो अगले चक्के के केंद्र या केंद्रों या चक्कों और अगले सवहों से होकर गुजरती है, जहाँ से चौड़ाई माप की जाती है,

स्पष्टीकरण :—इस नियम के प्रयोजन के लिए, "चौड़ाई" से अभिप्रेत है, यान के खड़ा के सतह के समकोण के बीच की सीधी और समानांतर धुरा का माप जो ऐसे धुरे पर हो जो तांबे विनिश्चित दो बिन्दुओं से गुजरता हो,—

क. यान का सबसे पिछला बिन्दु जिसमें निम्नलिखित सम्मिलित नहीं हैं :—

- (1) कोई भी हंड जब मोके हो,
- (2) कोई भी पोस्ट ग्राफिस लेटर बक्स जिनका यान से सोचे धुरे के समानान्तर मापा गई लम्बाई 30 सेंटीमीटर से अधिक न हो,
- (3) कोई सॉट जो यान में लगे टर्न-टेबल फायरहस्पेक का भाग हो,
- (4) जब यान छत से लोडिंग या अनलोडिंग के लिए खड़ा है, तो उस इस्तेमाल की गई कोई सीढ़ी, या किसी यान पर लगी पिछली बत्ती या नम्बर प्लेट,
- (5) किसी यान का स्पेयर व्हील या स्पेयर व्हील जैकेट, जो यान में लगा हो,
- (6) किसी मोटर यान में फिट किया गया कोई सगेज कैरियर जिसका निमाण सिर्फ यात्रियों और उनके असबाब डोने के लिए किया गया है और वालक की छोड़कर सात से अधिक व्यक्तियों को छोड़कर सात से अधिक व्यक्तियों को डोने के लिए बनाया गया है,
- (7) कोई भी टोपिंग ट्रक या अन्य फिटमेंट जो उपरोक्त खंड (2) से (6) में उल्लिखित किसी फिटमेंट से बाहर नहीं निकलता हो,

परन्तु किसी मंजिली गार्डी की दशा में—

(क) यान के पीछे किसी बम्पर या विज्ञापन पैनल का विस्तार 15 सेन्टीमीटर से अधिक नहीं हो,

(ख) किसी विज्ञापन पैनल का विस्तार ऐसा नहीं होगा जो पिछले शीशे की दृष्टि में बाधा डालेगा अथवा आपातकालीन द्वार से पीछे या दांता और से बाहर निकलेगा या दिखाई देगा।

(1) किसी ऐसे यान की दशा में जिसमें मिर्क दो धुरा हैं, जिसमें से एक स्टीयरिंग एक्सल नहीं है, उस एक्सल का केन्द्र बिन्दु या

(2) किसी ऐसे यान की दशा में, जिसमें मिर्क तीन एक्सल हैं, जहां अगला एक्सल ही स्टीयरिंग एक्सल है, वहां सीधी रेखा के केन्द्र से 10.2 मीटर पीछे जो पिछले और बीच वाले एक्सल से केन्द्र बिन्दु पर मिलते हैं।

(3) किसी ऐसे यान की दशा में जो भारत में इन नियमों के प्रारंभ से पहले रजिस्ट्रेशन है यह पर्याप्त होगा कि यान की सकल लम्बाई से अधिक है 7/2.1 अधिक नहीं होगा।

(4) किसी ऐसे मोटर यान की दशा में जिसमें मिर्क तीन धुरा हैं जहां अगला दो एक्सल स्टीयरिंग एक्सल हैं, सबसे पिछले एक्सल का केन्द्र बिन्दु:

(5) किसी ऐसे मोटर यान का दशा में जिसमें चार एक्सल हैं, जहां अगले दो एक्सल स्टीयरिंग एक्सल हैं वहां सबसे पिछले दो एक्सलों के केन्द्र बिन्दु से जुड़ी सीधी रेखा के केन्द्र से 1 से 2 किलोमीटर पीछे एक स्थान।

(6) किसी अन्य दशा में, यान के खड़े धुरा पर स्थित कोई बिन्दु और यह इन प्रकार हो कि इससे उस धुरा से समकोण पर खींची गई रेखा वाहन के न्यूनतम टर्निंग सर्किल के केन्द्र से होकर गुजरेगी।

(7) विशालकाय से भिन्न यान का कोई भाग, जब प्रचालन में हो, अथवा ड्राइविंग दर्पण, इन्हें पिछले पहियों की दशा में, पीछे के पहियों की सेंटर लाइन के परे 355 मि.मी. से अधिक प्रोजेक्ट नहीं होगा अथवा इन्हें पिछले पहियों की दशा में बाहरी टायरों के सबसे बाह्य सिरे के परे 152 मि.मी. से अधिक प्रोजेक्ट नहीं होगा,

परन्तु राज्य सरकार या राज्य सरकार द्वारा इस निमित्त प्राधिकृत कोई प्राधिकारी, यदि उसका यह समाधान हो जाता है कि किसी सड़क या पुल के प्रकार के कारण या लोक सुरक्षा के हित में यह आवश्यक है तो, किसी विनिर्दिष्ट मार्ग या क्षेत्र में मोटर यान के प्रचालन को प्रतिषिद्ध या प्रतिबंधित रख सकेगा जब तक कि ऐसा यान, ऐसे मार्ग या क्षेत्र के लिए राज्य सरकार द्वारा विनिर्दिष्ट अपेक्षाओं का अनुपालन नहीं करता है।

(7) कोई मोटर यान ऐसी रीति से नहीं लाया जाएगा कि भार या उसका कोई भाग—

(1) बाड़ी के माइड के परे निकल जाए,

(2) यान की भार बाड़ी के सबसे अगले भाग के पर, अगले भाग में निकल जाए,

(3) यान के सबसे पिछले भाग के पर, पीछे निकल जाए,

(4) उपरिष्ठ (4) में विनिर्दिष्ट सीमा के परे, ऊंचाई में निकल जाए,

परन्तु खंड (4) के अन्तर्गत यान का भार नहीं होगा जब वह किसी खम्बा या सलाख या अविनाशय भार से लाया जाता है जब तक कि प्रोजेक्ट होने वाला भाग मोटर यान के सबसे पिछले बिन्दु के परे, एक मोटर की दूरी से अधिक नहीं निकल जाता है।

मार्ग

टायर का आकार	ट्रक/ट्रक टायर (ड्राइंगल) निर्माताओं द्वारा विनिर्दिष्ट स्लाइ रेडिंग	हीन के लिए अनुमत अधिकतम भार (कि.ग्रा.)	एक्सल/दोहरा
(1)	(2)	(3)	(4)

6.00-16	6	705/620	
6.00-16	8	830/730	
6.50-16	6	795/700	
6.50-16	8	935/820	
6.70-15	6	755/670	
6.70-15	8	890/790	
7.00-15	6	850/750	
7.00-15	8	1005/885	
7.00-15	10	1140/1005	
7.00-16	6	885/775	
7.00-16	8	1050/925	
7.00-16	10	1195/1050	
7.50-16	8	1200/1055	
7.50-16	10	1370/1200	
7.50-16	12	1530/1350	
7.50-16	14	1675/1475	

ट्रक और बस टायर

7.00-20	10	1660	1450
7.50-20	10	1855	1630
7.50-20	12	2060	1805
8.25-20	12	2365	2075
8.25-20	14	2585	2275
9.00-20	12	2710	2380
9.00-20	14	2980	2615
9.00-20	16	3075	2695
10.00-20	14	3180	2790
10.00-20	16	3480	3050
11.00-20	14	3470	3040
11.00-20	16	3785	3325
11.00-20	18	3910	3435
12.00-20	14	3685	3230
12.00-20	16	4070	3575
12.00-20	18	4320	3785

मोटर स्कूटर टायर

3.00-10	4	160	
3.50-8	4	170	
3.50-10	4	195	

मोटर स्कूटर डेरिगेटिवस

3.50-10	6	375	
4.00-8	4	340	
4.00-8	6	400	
4.50-10	8	520	

(1)	(2)	(3)
मोटर साइकिल टायर		
3. 00-18	4	175
3. 00-19	4	185
3. 25-16	4	180
3. 25-18	4	200
3. 25-19	4	210
3. 50-18	4	225
3. 50-19	4	230

कृषि स्टीयरिंग ह्वील ट्रैक्टर टायर (डायमण्ड प्लार्ड)

4. 00--19	1	355
5. 50--16	4	425
5. 50--16	6	525
6. 00--16	4	450
6. 00--16	6	560
6. 00--19	4	510
6. 00--19	6	640
6. 50--16	4	510
6. 50--16	6	615
6. 50--20	4	600
6. 50--20	6	725

कृषि चालित ह्वील ट्रैक्टर टायर (डायमण्ड प्लार्ड)

8. 3/8--24	4	625
8. 3/8--24	6	810
8. 3/8--32	4	715
8. 3/8--32	6	920
11. 2/10--28	4	900
11. 2/10--28	6	1115
11. 2/10--28	8	1305
12. 4/11--24	4	945
12. 4/11--25	6	1200
12. 4/11--28	4	1005
12. 4/11--28	6	1275
12. 4/11--28	8	1510
12. 4/11--36	4	1135
12. 4/11--36	6	1440
12. 4/11--38	4	1165
12. 4/11--38	6	1480
13. 6/12--28	4	1100
13. 6/12--28	6	1430
13. 6/12--28	8	1615
13. 6/12--38	6	1660
13. 6/12--38	8	1910
16. 9/14--28	6	1840

टिप्पण: (1) उपरोक्त अधिकतम भार भारतीय मानक भा० मा० 1988 का 10914 के अनुसार है और उसमें उपर्युक्त अधिकतम भार फुलाव दाब के लिए है और यह मोटर यात अधिनियम, 1988 की धारा 112 के अधीन सूचना में दी गई गतिसीमाओं के लिए सम्प्रेषित किया गया है।

(2) परिवहन यानों (माल और यात्री वाहन) के टायरों की बाबत उपरोक्त भार इस शर्त के अधीन लागू होगा कि एन्सिल भार अनुज्ञान सीमाओं से अधिक नहीं होता है। यह ऐसे रजिस्ट्रिकृत एन्सिल भार के संबंध में लागू होना है जो यान के रजिस्ट्रिकृत प्रमाणपत्र में अतिनिश्चित है।

ब्रेक और स्टीयरिंग गियर्स

96. ब्रेक (1) बिना गियर की मोटर साइकिल, अथवा यात्री गाड़ी, ट्रेलर अथवा रोड रोवर में निम्न प्रत्येक मोटर यात में दो स्वतंत्र और वक्ष ब्रेकिंग प्रणालियाँ, अर्थात्, हैड ब्रेक और पैर-चालित सविम ब्रेक होंगी।

(2) ब्रेकिंग प्रणाली में उन नियम (8) में विनिर्दिष्ट दूरी के अंदर यात को रोकने की क्षमता होगी और उसे हर हालत में रोकने में समर्थ होगी और ऐसे सभी ब्रेक हर समय समुचित ढंग से जुड़े होंगे और उन्हें दक्ष हालत में बनाए रखा जाएगा,

परन्तु बिना गियर की मोटर साइकिल में एक स्वतंत्र और दक्ष इक-हुरी ब्रेकिंग प्रणाली होगी जो ऐसे मोटर साइकिल को रोकने में समर्थ होगी जब वह पूर्ण तरह से खरा हुआ हो, सात में एक के अनुपात में स्थिर हो।

(3) प्रत्येक मोटर यात में प्रचालन के किसी एक साधन द्वारा संब-लित ब्रेक सीधे ह्वील पर लगने न कि ट्रांसमिशन गियर के माध्यम से।

(4) इस उन नियम के प्रारम्भ की तारीख की और उससे, पैर-चालित ब्रेकिंग, जैसे मुख्य ब्रेकिंग प्रणाली, इस प्रकार सम्मिलित और बनाई रखी जाएगी कि उनके किसी एक भाग को असफलता से कम दो पहियों पर ब्रेकों में बाधा न पड़े या एक पहिए पर चार से अधिक पहिए वाले किसी यात की दशा में ऐसे पहियों को घुमने से प्रभावी रूप से रोकने के प्रचालन में या यात को रोकने में बड़ा प्रभाव रखने में बाधा न पड़े मानी ऐसे पहिए रोक जाते हों।

(5) सिवाय किसी मोटर साइकिल की दशा में, ब्रेकिंग प्रणाली या किसी मोटर यात की एक ब्रेकिंग प्रणाली इस प्रकार सम्मिलित और बनाई रखी जाएगी कि वह इस प्रकार प्रभावी रूप से सेट की जा सकती है कि उससे कम से कम दो पहियों का या केवल तीन पहिए वाले किसी मोटर यात की दशा में, कम से कम एक पहिए को घुमने में रोका जा सके जब ऐसा यात अंकला छाड़ दिया जाता है।

(6) ऐसी ब्रेकिंग प्रणाली या उसके भाग को जो पूर्णतः रीति से कार्य करता है, याकिंग ब्रेक के रूप में जाना जाएगा और जहाँ ऐसा पाकिंग ब्रेक हाथ में चलाए जाने के लिए अभिकल्पित है वहाँ वह हैड ब्रेक के रूप में जाना जाएगा।

(7) किसी अशक्त मार्ग गाड़ी या रोड रोवर से निम्न तीन से अधिक ह्वील वाले किसी मोटर वाहन की दशा में जहाँ कोई ब्रेक नू प्रचालन के किसी एक साधन द्वारा लगाया जा सके वहाँ सभी ह्वीलों में ब्रेक लगे होंगे जिनमें सभी प्रचालन के किसी एक साधन द्वारा प्रचालित हैं:-

परन्तु किसी ट्रैक्टर के मामले में:-

(1) जहाँ किसी मोटर यात में छह से अधिक ह्वील हैं, जिनमें कम से कम चार स्टीयरिंग ह्वील हैं वहाँ इस उपनियम का पर्याप्त अनुपालन होगा यदि दो स्टीयरिंग ह्वील से निम्न सभी, ह्वीलों पर ब्रेक लगे हैं जो यात के विपरीत दिशा में लगे हैं,

और ऐसे ब्रेक प्रचालन के किसी एक माध्यम द्वारा तरफें हैं,

- (2) जहाँ किसी मोटर यान में चार से अधिक खीलों हैं और विशेष गियर या ब्राइविंग खील वाले एकसम के बीच समान नेकेलिज्म के अन्वेषण के बिना स्टीयरिंग खील के हल्तर ड्राइव ट्रांसमिट किया जाता है, तो इसे इस उन नियम का पर्याप्त अनुपालन समझा जाएगा यदि प्रचालन को कोई एक साधन यानों के विपरीत दिशाओं पर स्थित दो ब्राइविंग खीलों पर ब्रेक लगाता है और प्रचालन के अन्य साधन इस उन नियम द्वारा लगाए जाने वाले ब्रेक अन्य सभी खीलों पर लगे होते हैं।

(8) प्रचालन के एक साधन द्वारा प्रचालित ब्रेकिंग प्रणाली, यान के लगे होने अथवा जिन लगे होने के अनुसार रोकने में समर्थ होने और समय-समय पर यथा संशोधित दोषद्विधा के मामले में आई एस : 11718 (1987) और अन्य प्राटोनोबल वाहनों के मामले में आई एस : 11852 के अनुरूप होगी।

97. ट्रेनरों के लिए ब्रेक :

- (1) प्रत्येक ट्रेलर जिसका भार 500 किलोग्राम से अधिक है उसमें ऐसी वक्ष ब्रेकिंग प्रणाली होगी, जिसके ब्रेक उन समय भी लगाए जा सकते हैं जब वह चल रहा हो—
- (i) ऐसे ट्रेलर की दशा में जिसमें दो से अधिक एकसम न हों एक एकसल के सभी पहियों पर, अथवा
- (ii) ऐसे ट्रेलर की दशा में जिसमें दो से अधिक एकसल हों, कम से कम दो एकसलों के सभी पहियों पर :

परन्तु ब्रेकिंग प्रणाली इस तरह तैयार की जाएगी कि वह चल रहे यान के इतिहास के रहने तक निष्प्रभावी न हो।

(2) उप नियम (1) के उपबन्ध निम्नलिखित को लागू नहीं होंगे—

- (i) किसी मोटर यान द्वारा चलाए जाने वाले भूमि उपकरण,
- (ii) कोई ट्रेलर जिसे स्थानीय प्राधिकरण द्वारा गलियों की सफाई के लिए अथवा अभियानन सेवा द्वारा अभियानन के लिए उपयोग के लिए तैयार किया गया और उपयोग में लाये जा रहे ऐसे कोई ट्रेलर जो अप्रति आवश्यक गियर और उत्स्करों के अलावा अन्य कोई भार नहीं होते,

(3) कोई बिगड़ी हुए पाड़ी जिसे बिगड़ी हुए होने के फलस्वरूप किसी मोटर यान द्वारा खींचा जा रहा हो।

98. स्टीयरिंग गियर्स:— (1) प्रत्येक मोटर यान के स्टीयरिंग गियर का अच्छी दशा में रख-रखाव किया जाएगा, स्टीयरिंग खील पर 30 डिग्री से अधिक बैकलैण से मुक्त रखा जाएगा, सभी राब्स और आर्मस की समुचित रूप से रखर कीर्तों द्वारा सुरक्षा को जाएगा और जहाँ हांश्यों की चोल्टों अथवा पिनों से पकड़ा किया गया हो वहाँ चोल्टों अथवा पिनों को प्रभावी ढंग से लाक किया जाएगा।

(2) प्रत्येक मोटरयान का स्टीयरिंग गियर इस प्रकार निमित्त होगा ताकि यह समय-समय पर यथा संशोधित भारतीय मानक आई एस : 12222 (1987) के अनुरूप हो।

स्पष्टीकरण : इस उप-नियम के प्रयोजन के लिए ऐसा व्यास प्राउंड केवल पर खील ट्रेक के ठोक आउटर एज के संघर्ष में निर्धारित किया जाएगा।

99. आगे और पीछे गतिशीलता:—मोटर साइकिल और तीन पहिए वाली अशक्त यात्री गाड़ी से भिन्न प्रत्येक मोटर यान अपनी शक्ति से आगे अथवा पीछे चलने में समर्थ होगा।

100. सुरक्षा शीशा:— (1) प्रत्येक मोटर यान के विडस्क्रीन की शीशा और विडस्क्रीन की शीशा सुरक्षा शीशा होगा : परन्तु तीन पहिए वाले यान तथा टूट और साइड कवर वाले यान की दशा में, विडस्क्रीन ऐन्टीलिक पारदर्शी चाबर की हो सकती है।

स्पष्टीकरण:— इस नियम के प्रयोजन के लिए:—

(i) "सुरक्षा शीशा" से अभिप्रेत है, भारतीय मानक ब्यूरो द्वारा अनुमोदित और इस तरह से निर्मित अथवा तैयार किया गया शीशा कि यदि यह टूट जाए तो बिखरना नहीं अथवा ऐसे टुकड़ों में नहीं छिटकना जिनसे नेत्र क्षणिक न हों,

(ii) किसी यान के मामले की विडस्क्रीन अथवा विडस्क्रीन की जिनकी अंदरूनी सतह यान के अनुदैर्घ्य एक्सल से नीचे डिग्री से अधिक के कोण पर है, उसे मामले की ओर समझा जाएगा।

(2) प्रत्येक मोटर यान के विडस्क्रीनों और विडस्क्रीनों का शीशा ऐसा होगा और उसे ऐसी स्थिति में बनाए रखा जाएगा कि वह स्वतः पारदर्शी हो और अंदर से बाहर और बाहर से अंदर की ओर साइड रूप से दिखाई देता रहे।

101. विडस्क्रीन बाह्य गियर:— प्रत्येक मोटर यान में एक स्व-चालित विडस्क्रीन बाह्य पर लगाया जाएगा।

संकेत उपकरण, सेम्स और रेफ्लेक्टर्स

102. दिशा सूचक और स्टाप लाइट:— (1) बाएं या बाएं मुड़ने के इरादे के संकेत विद्युत दिशा सूचक द्वारा दिया जाए और सूर्यास्त के आधा घंटा बाद और सूर्यादय से आधा पहले की अवधि के दौरान रुकने का संकेत विद्युत स्टाप लाइट द्वारा दिया जाए।

(2) प्रत्येक विद्युत दिशा सूचक, जब प्रचालन में हो, यान के सामने और पीछे दोनों ओर से दिखाई देगा और निम्नलिखित का में होगा—

- (1) एम्बर रंग का प्रकाशमुक्त संकेत बाहे स्थिर हो अथवा फ्लैशिंग टाइप का हो, जो भारतीय मानक ब्यूरो द्वारा अनुमोदित हो,
- (2) नियत ग्लास पैनेल जो प्रकाश मुक्त हो और प्रकाश फ्लैशिंग पर न्यूनतम प्रकाशयुक्त क्षेत्र की प्रति मिनट साठ से कम न हो और एक सी बीस से अधिक न हो—

(क) बाहर भार लगे हुए यान की दशा में जिसका भार दो टन से अधिक न हो अथवा बाह्य और सामान को छोड़कर सात व्यक्तियों को ले जाने के लिए हो, में 22.5 वर्ग सेन्टीमीटर,

परन्तु यान की ट्रेलर खींचने के लिए प्रयोग में नहीं लाया जाता हो, चार पहियों से कम अथवा चार पहियों वाले ट्रेलर को छोड़कर जिसमें प्रत्येक साइड में एक साथ जुड़े दो पहिए लगे हो, अथवा

(ख) अन्य सभी दशाओं में 60 वर्ग सेन्टीमीटर, और प्रकाश-मुक्त मतलब बाह्य के मामले और पीछे दोनों तरफ से दिखाई देती।

103. दिशा सूचक की स्थिति:— (1) दिशा सूचक इस प्रकार दिखाए जायेंगे और लगाया जाएगा कि यान का चालक ड्राइवर अपनी ब्राइविंग सीट पर है, उसे यह ज्ञात हो कि यह मही ढंग से काम कर रहा है।

(2) मोटर साइकलों की दशा में ड्राइवर प्रगल्सी के बिन्दु-इन दिशा सूचक आगे और पीछे दोनों तरफ लगाए जाएंगे।

(3) इस उप नियम के प्रारम्भ की तारीख को या उन मोटर साइकिल से भिन्न प्रत्येक मोटर यान में ऐसे उपकरण लगे होंगे कि जब यान ब्रेक डाउन हालत में हो तो सभी साइड-सूचक अन्य सड़क प्रयोगकर्ताओं को खतरे की चेतावनी देने हुए एक साथ फ्लैश हो जाएंगे।

104. परावर्तकों का फिटमेंट:— (1) प्रत्येक परिवहन यान में निम्नलिखित लगाए जाएंगे—

(क) दो रियर लाल परावर्तक जिनका बाड़ी के दोनों ओर प्रत्येक का व्यास 80 मिलीमीटर से कम नहीं होगा, और

(ख) बाड़ी के सामने की ओर ठीक दायी तरफ नीचे दायी तरफ कार्नेर पर सामने की ओर एक सफेद परावर्तक होगा जिसका व्यास 80 मिलीमीटर से कम नहीं होगा, जो ग्राउंड लेवल से 1.2 से 1.5 मीटर के बीच की ऊंचाई पर होगा।

(2) प्रत्येक रीर-परिवहन यान में पीछे 50 मिलीमीटर व्यास का एक परावर्तक अथवा रिफ्लेक्टिंग टेप लगाया जाएगा जिसकी चौड़ाई 30 मिलीमीटर से कम नहीं होगी और लम्बाई 15 सेन्टीमीटर से कम नहीं होगी।

(3) प्रत्येक माल यान अथवा ट्रैक्टर ट्रेलर अथवा ट्रक ट्रेलर कम्बि-नेशन की वशा में ट्रेलर में आठ सेन्टीमीटर व्यास के दो कैंडस आई रेफ्लेक्टर होंगे, एक सामने की ओर दायी तरफ नीचे कार्नेर में और दूसरा सबसे पीछे बाड़ी के आस-पस पर अथवा ऐसे माल यान की वशा में जिसमें पीछे बाड़ी का निर्माण न किया गया हो। पीछे की नम्बर प्लेटों के ऊपर पीछे दायी ओर की लाइट के पास होगा। सामने के परावर्तक का रंग सफेद होगा और पीछे वाले का रंग लाल होगा।

(4) इस नियम में निर्दिष्ट परावर्तक, भारतीय मानक ब्यूरो के विनिर्देशों के अनुसार फ्लुओरोसेन्ट टाइप का होगा।

105. लैम्प:— (1) इसमें इसके पश्चात् जो सा उपबंधित है उसके सिवाय प्रत्येक मोटर यान, जब वह सूर्यास्त से आधा घंटा बाद और सूर्यास्त से आधा घंटा पहले की समयावधि के दौरान सार्वजनिक स्थान पर हो जब इतना पर्याप्त प्रकाश न हो कि व्यक्तियों और सड़क पर यानों को एक सौ पचपन मीटर आगे से स्पष्ट पहचाना जा सके, निम्नलिखित लैम्प (जिन्हें इसमें इसके पश्चात् अनिवार्य हैड लैम्प कहा गया है) जलते हुए और धक्की वशा में रखे जाएंगे:—

(क) सिवाय मोटर साइकिल और बिगड़ी हुई गाड़ी की वशा में, फ्रंट दर्शाने वाले दो लैम्प, जिनका सफेद प्रकाश होगा और एक सौ पचपन मीटर की दूरी से दिखाई देगा।

(ख) मोटर साइकिल और बिगड़ी हुई गाड़ी की वशा में फ्रंट दर्शाने वाला एक लैम्प, जिसका सफेद प्रकाश सामने की ओर होगा और एक सौ पचपन मीटर की दूरी से दिखाई देगा और जहां रजिस्ट्रीकरण चिन्ह यान के फ्रंट पर प्लेट के दोनों ओर दर्शाया गया हो, उसे इस तरह लगाया जाएगा कि प्लेट के दोनों ओर प्रकाश पड़े।

(ग) किसी मोटर साइकिल के साथ जुड़े साइड कार की वशा में साइड कार के एकदम बाईं ओर एक लैम्प लगाई जाए जिससे आगे की ओर एक सौ पचपन मीटर की दूरी से सफेद रोगनी दिखाई दे।

(2) मोटर साइकिल और तीन पहिए वाले यान से निम्न ऐसे प्रत्येक मोटर यान में निम्नलिखित भी रहेंगे:—

(1) एक लैम्प (जिसे इसमें इसके पश्चात् "रीयर लैम्प" कहा गया है) पीछे से लाल बत्ती दर्शाए जो पीछे से एक सौ पचपन मीटर की दूरी से दिखाई दे और मोटर साइकिल की वशा में, दृश्यता सीमा पचहत्तर मीटर होगी, और

(2) एक लैम्प जो रीयर लैम्प या अन्य युक्ति हो जो यान के पीछे रजिस्ट्रीकरण चिन्ह को पूरी तरह सफेद रोगनी से प्रकाशित करे ताकि पीछे पन्द्रह मीटर की दूरी से स्पष्ट हो जाए,

परन्तु जब कोई मोटर यान दूसरे यान या यानों को खींच रहा हो और ऐसे यानों के बीच की दूरी 1.5 मीटर से अधिक नहीं है तब यह पर्याप्त होगा यदि पीछे खींचे जाने वाला यान पिछली बत्ती या रीयर रजिस्ट्रीकरण चिन्ह प्रकाशित करने वाली बत्ती जलाए।

(3) इस उपनियम के प्रारम्भ की तारीख को या उससे, मोटर यान के सभी अनिवार्य धक्की हैड लैम्प यथासंभव लगभग उतनी ही शक्ति

होगी और उमकी ऊंचाई जमीन से हैड लैम्प के नीचे के किनारे तक एक मीटर से अधिक नहीं होगी।

(4) पीछे का लैम्प या तो यान की सेन्टर लाइन पर अथवा दायी ओर और परिवहन यान की वशा में ऐसी ऊंचाई पर लगाया जाएगा जो जमीन से एक मीटर से अधिक ऊंचा न हो।

(5) परिवहन यान की वशा में पीछे की लाइट ऐसे स्तर पर लगाई जा सकेगी जो रजिस्ट्रीकरण चिन्ह को प्रकाशित करने के लिए आवश्यक हो।

(6) रीर परम्परागत अथवा अध्याधारण किस्म के प्रत्येक भारी माल यान में तीस सेन्टीमीटर × दस सेन्टीमीटर के आकार का एक लाल सूचक लैम्प लगाया जाएगा जो सबसे पीछे बाड़ी के आस-पस पर होगा और ऐसे यान की वशा में जिसमें पीछे बाड़ी का निर्माण न किया गया हो, सूचक लैम्प पीछे की दायी ओर की लाइट के समीप पीछे की नम्बर प्लेट के ऊपर लगाया जाएगा।

106 प्रकाश का विक्षेपण:—

(1) किसी मोटर यान में सामने प्रकाश डालने वाला कोई लैम्प प्रयुक्त नहीं किया जाएगा (चाहे उसमें इकट्ठा अथवा दोहरा हैड लैम्प लगा हो) जब तक कि ऐसा लैम्प इस तरह निर्मित, फिट और अनुकूलित न किया गया हो कि उससे निकलने वाली प्रकाश की किरण—

(क) स्थायी रूप से उस सीमा तक नीचे की ओर विक्षेपित हो कि वह यान के समान क्षैतिज समतल पर लैम्प से आठ मीटर की दूरी पर खड़े किसी व्यक्ति को चकाचौंध करने में समर्थ न हो जिनका नेत्र स्तर समतल से एक सौ सेन्टीमीटर से कम न हो,

(ख) चालक द्वारा इस ढंग से नीचे की ओर विक्षेपित किए जाने में समर्थ हो कि उक्त परिस्थिति में ऐसे किसी व्यक्ति को चकाचौंध करने में समर्थ न हो,

(ग) किसी युक्ति के प्रचालन द्वारा बुझाए जाने में समर्थ हो साथ ही साथ जो ऐसे लैम्प से निकलने वाले प्रकाश की किरण का कारण बने जो खण्ड (क) के उपबन्ध का अनुपालन करता हो।

(घ) किसी युक्ति के प्रचालन द्वारा बुझाए जाने में समर्थ हो साथ ही साथ एक अन्य लैम्प से प्रकाश की किरण या तो नीचे की ओर विक्षेपित हो अथवा नीचे की ओर और दायी तरफ दोनों ओर इस प्रकार विक्षेपित हो कि वह उक्त परिस्थिति में किसी व्यक्ति को चकाचौंध करने में समर्थ न हो, अथवा ऐसे लैम्प को प्रकाशित अथवा अप्रकाशित कर सके जो खण्ड (क) के उपबन्ध का अनुपालन करता हो।

(2) उपनियम (1) में विनिर्दिष्ट अपेक्षाओं के अतिरिक्त, सार्वजनिक स्थान पर प्रयुक्त मोटर यान में हेड लाइट्स के पैनल होंगे जिन पर वुल्स आई जैसी पेंटिंग द्वारा भेड़ किया गया हो जिस का व्यास 5 सेन्टीमीटर से कम न हो जो उस प्वाइंट के ठीक सामने बीच में हो जहां परावर्तक लगा हो।

(3) उपनियम (1) के उपबन्ध, विद्युत बल्ब जो किसी लैम्प पर लागू नहीं होगा, यदि बल्ब की पावर 7 वाट से अधिक न हो और लैम्प तुपारित पीसे का हो अथवा ऐसी अन्य सामग्री का बना हो जो प्रकाश को फैलाने वाली हो।

107. टाप लाइट्स:—प्रत्येक यान में दो टाप लाइट लगी होंगी जिसमें एक आगे की ओर दाहिने बामे ऊपर किनारे पर तथा दूसरी पीछे के दाहिने बामे ऊपरी किनारे पर लगी होगी। अगली टाप लाइट का रंग सफेद और पिछली का लाल होगा। रात में या कम तजर आने के

समय जब यान को सड़क पर खड़ा रखा जाता है तब बतियां जलती रखी जाएंगी :—

परन्तु पीछे बाड़ी रहित माल यान की वशा में, पीछे टाप लाइट के चमकने का उपबन्ध करना आवश्यक नहीं होगा।

108 लाल या सफेद लाइट का प्रयोग :—कोई भी मोटर यान आगे लाल लाइट या पीछे लाल से भिन्न कोई अन्य लाइट नहीं जलाएगा :—

परन्तु इस नियम के उपबन्ध निम्नलिखित को लागू नहीं होंगे :—

- (i) यान की आंतरिक लाइट, या
- (ii) एम्बर लाइट, यदि किसी दिशा सूचक या टाप लाइट द्वारा लगाया जाए, या
- (iii) केन्द्रीय सरकार या राज्य सरकार द्वारा समय-समय पर विनिर्दिष्ट गणमान्य व्यक्तियों को ले जाने वाला कोई यान या ऐसे यान के साथ चलने वाला कोई यान,
- (iv) रोगियों को लाने ले जाने के लिए प्रयुक्त एम्बुलेन्स वैन में फिट किया गया पर्पल ग्लाम वाली लाल लाइट की बिल्कर टाइट,
- (v) विद्युत बल्ब लगी लैम्प वाले यान यदि बल्ब की शक्ति मात घाट से अधिक नहीं है और लैम्प में धुंधला शीशा या कोई अन्य सामग्री लगी है जिसमें रोशनी को विसोपित करने की शक्ति है।

109. पाकिंग लाइट :—(1) प्रत्येक माल यान के सामने प्रत्येक ओर मुखरित शीशे वाली एक सफेद पाकिंग लाइट लगाई जाएगी जो अगली लाइट के अनिवार्य होगी और पीछे की ओर अनिवार्य दो लाल लाइट होगी जो सड़क पर यान खड़ा करते समय भी जलती रहेंगी।

110. आटो रिकशा पर लैम्प :—प्रत्येक आटो रिकशा में आगे की ओर एक लैम्प और दो साइड सफेद लाइट या बाड़ी पर दो फ्रंट लैम्प लगी होंगी। अगली लाइटों और साइड लाइटों के अनिवार्य इसमें रीवर लैम्प लगी होगी जो पिछले भाग को दर्शाती हो, पिछली लाल लाइट जो पश्चिम मोटर की दूरी से दिखाई दे और सफेद लाइट जो यान के पीछे प्रदर्शित रजिस्ट्रेशन संख्या को प्रकाशित करती हो ताकि उसे पन्द्रह मोटर की दूरी से पढ़ा जा सके और पिछले मडगार्डों पर दो कैडम आई पर अर्क भी लगे होंगे।

111. स्पार्ट लाइट का प्रतिषेध आदि :—असाधारण परिस्थितियों के सिवाय रजिस्ट्रेशन प्राधिकारी को पूर्व अनुमति के बिना किसी यान के आगे कोई स्पार्ट लाइट या सर्च लाइट नहीं होगी।

धुआं, वाष्प, चिनगारी, राख, ध्रिड और तेल

112. एक्जस्ट गैस :—(1) प्रत्येक मोटर यान इस प्रकार निर्मित या सुसज्जित होगा कि इंजन से एक्जस्ट गैस न तो यान के नीचे या बायीं ओर छोड़ी जाएगी और इस प्रकार फिट की जाएगी कि गैस, यान की वाहिनी और या पीछे न निकले।

परन्तु विस्फोटक और ज्वलनशील माल ले जाने वाले टैंकों की दशा में एक्जस्ट पाइप का फिटमेंट विस्फोटक निरोधक के विनिर्देशों के अनुसार होगा।

113. एक्जस्ट पाइप की अवस्थिति :—इस उपनियम में प्रारम्भ की तारीख को या उससे कोई एक्जस्ट पाइप ईंधन, टंकी और इंजन को जोड़ने वाली ईंधन लाइन से 35 मिमीमोटर की दूरी के भीतर अवस्थित नहीं होगा।

114. सर्वजनिक सेवा यानों के एक्जस्ट पाइप :—प्रत्येक सार्वजनिक सेवा यान का एक्जस्ट पाइप इस प्रकार फिट या शील्ड किया जाएगा ताकि कोई ज्वलनशील पदार्थ यान के निर्भी भाग पर न गिरे और इससे बाह्य पर किसी ज्वलनशील सामग्री की निगलना के कारण आग लगने की संभावना न हो।

115. मोटर यान से धुआं, वाष्प आदि का उत्पन्न :—(1) प्रत्येक मोटर यान को ऐसी दशा में विनिर्मित किया जाएगा और रखा जाएगा तथा इस प्रकार चलाया जाएगा कि उसमें से कोई धुआं दूधमाप, ध्रिड, चिनगारी, राख, सिडर या तलीय पदार्थ न निकले।

(2) इस उपनियम के प्रारम्भ की तारीख को और उससे, प्रत्येक मोटर यान निम्नलिखित स्तरमानों के अनुरूप होगा :—

- (क) पेट्रोल से चलने वाले सभी यान पहिए वाले यानों के लिए ग्राइडलिग सी ओ (आर्बन मोनोक्साइड) उत्सर्जन सीमा परिमाण के अनुसार 3 प्रतिशत से अधिक नहीं होगी।
- (ख) पेट्रोल से चलने वाले सभी दो और तीन पहिए वाले यानों के लिए ग्राइडलिग सी ओ उत्सर्जन सीमा परिमाण के अनुसार 4.5 प्रतिशत से अधिक नहीं होगी।
- (ग) डीजल से चलने वाले सभी यानों के लिए धूम धनत्व निम्न प्रकार होगा :—

परीक्षण पद्धति	अधिकतम धूम धनत्व		
	हल्का अवशोषण गुणांक एम	बॉण यूनिट	हार्डिज यूनिट
1	2	3	4
(घ) विनिर्माता द्वारा घोषित अधिकतम इंजन रेट गति 60% से 70% की गति पर पूर्ण भार	3.1	5.2	75
(अ) मुक्त त्वरण	2.3	—	65

(3) इस उपनियम के प्रारम्भ की तारीख को और उससे, पेट्रोल से चलने वाले सभी यान इस प्रकार विनिर्मित होंगे कि वे इन नियमों के उपाबन्ध "1" में विनिर्दिष्ट द्रव्यमान उत्सर्जन स्तरों के अनुरूप हों। परीक्षण के लिए प्रयुक्त प्रचालन साइकिल बेकडाउन वह होगा जो इन नियमों के उपाबन्ध "2" में विनिर्दिष्ट है और ऐसे सभी परीक्षणों के लिए निर्देश ईंधन यह होगा जो इन नियमों के उपाबन्ध "3" में विनिर्दिष्ट है।

(4) इस उपनियम के प्रारम्भ की तारीख को और उससे, डीजल से चलने वाले सभी यान इस प्रकार विनिर्मित होंगे कि वे इन नियमों के उपाबन्ध "4" में विनिर्दिष्ट एक्जस्ट गैस अपार्यता पर आधारित स्तरों के अनुरूप हों।

(5) इस उपनियम के प्रारम्भ की तारीख को और उससे, डीजल से चलने वाले सभी यान इस प्रकार विनिर्मित होंगे कि वे भारतीय चालन साइकिल के अधिन उत्सर्जन के निम्नलिखित स्तरों के अनुरूप हों :—

कार्बन मोनोक्साइड (सीओ) का द्रव्यमान अधिकतम	हाइड्रोकार्बन (एचसी) का द्रव्यमान	नाइट्रोजन आक्साइड (एन ओ एक्स) का द्रव्यमान
ग्राम प्रति के डब्लु एच	अधिकतम ग्राम प्रति के डब्लु एच	अधिकतम ग्राम प्रति के डब्लु एच
14	3.5	18

(6) उपनियम (2), उपनियम (3), उपनियम (4) या उपनियम (5) में विनिर्दिष्ट तारीखों को या उनके पश्चात् विनिर्मित प्रत्येक मोटर

यान के बारे में विनिर्दिष्टियों द्वारा यह प्रमाणित किया जाएगा कि वे उस उपनियमों में विनिर्दिष्ट स्तरों के अनुरूप हैं और साथ ही यह भी प्रमाणित किया जाएगा कि वैश्वीय प्रदूषकों के उत्सर्जन को प्रभावी करने वाले संघटक इस प्रकार डिजाइन किए गए हैं, मन्तिमित हैं और गमजित हैं कि उनमें यान ऐसे कपन के बावजूद, जिनके बहु अधीन हैं, उन उपनियमों के उपबन्धों के अनुरूप सामान्य उपयोग के लिए समर्थ हैं।

11.6 मोटर यानों के लिये धुआँ उत्सर्जन स्तर और कार्बन मोनोऑक्साइड स्तर की परीक्षण ---

(1) पुलिस उपनिरीक्षक में प्रतिगन पक्ति का कोई अधिकारी या कोई मोटर वाहन निरीक्षक जिसे यह विश्वास करने का कारण है कि कोई मोटर यान जो सार्वजनिक स्थान पर चलाया या प्रदर्शित किया जाता है, उसमें उत्सर्जित धुआँ या कार्बन मोनोऑक्साइड जैसे प्रदूषकों से पर्यावरण का प्रदूषण होने का संभावना है जिनमें मनुष्य के किये अन्य प्रयोजन या जनता के स्वास्थ्य या सुरक्षा को खतरा है, यान के चालक या उसके भार साधक व्यक्ति को कान्ते धुआँ के मानक या अन्य किसी प्रदूषकों को मापने के लिये यान को पेश करने का निर्देश दे सके।

(2) चालक या यान का भार साधक कोई व्यक्ति उपनियम (1) में निर्दिष्ट किसी अधिकारी के मार्ग किए जाने पर यान को धुआँ के मानक तथा अन्य प्रदूषकों को मापने या दोनों के परीक्षण के लिये प्रस्तुत करेगा।

(3) धुआँ के मानक की माप किसी धुआँ मोटर द्वारा की जाएगी जिसे राज्य सरकार अनुमोदित करे और कार्बन मोनोऑक्साइड, जैसे अन्य प्रदूषकों को राज्य सरकार द्वारा अनुमोदित उपकरण से मापा जाएगा।

स्पीड गवर्नर

11.7 चालमापी -- विगरी हुई गाड़ी में भिन्न प्रत्येक मोटर यान या किसी यान जिसकी अधिकतम गति प्रति घंटे तीस किलोमीटर से अधिक नहीं है, में एक उपकरण लगा होगा (जिसे इसमें इसके पश्चात् चालमापी कहा गया है) जो इस प्रकार निर्मित हो और ऐसे स्थान पर लगा हो ताकि वह यान के चालक को यह गति उपदर्शित करे जिन गति से यान चल रहा हो।

(2) चालमापी के बारे में यह समझा जाएगा कि वह इस नियम की अपेक्षाओं को पूर्ति करता है, यदि परीक्षण करने पर यह पता चलता है कि राज्य सरकार द्वारा धारा 11.2 की उपधारा (1) के अधीन यान के लिए विनिर्दिष्ट गति इस प्रतिशत ऊपर या नीचे के बाधों में या यदि इस प्रकार कोई गति विनिर्दिष्ट नहीं है, तो मान किलोमीटर प्रतिघंटे की गति के ऊपर या नीचे नहीं पाया जाता है।

11.8 स्पीड गवर्नर:-- (1) इस नियम के प्रारम्भ की तारीख और उससे केन्द्रीय सरकार द्वारा राजपत्र में अधिसूचित ऐसे परिवहन यान में ऐसे परिवहन यान के प्रचालक द्वारा भारतीय मानक ब्यूरो द्वारा अनुमोदित स्पीड गवर्नर (गति नियंत्रक युक्ति) फिट किया जाएगा कि स्पीड गवर्नर को इस रीति से राज्य परिवहन प्राधिकरण क्षेत्रीय परिवहन प्राधिकरण के सरकारी मील से मिलाया जा सके कि उसे बिना मील मीट्रे हटाया नहीं जा सकता या नुकसान नहीं पहुँचाया जा सकता।

(2) प्रत्येक परिवहन यान का स्पीड गवर्नर इस प्रकार सेट किया जाएगा कि यान का घबोहन के सिवाय, यान की अधिकतम डिसेट गति से नहीं चलाया जा सके।

गोरे में कमी

11.9 हार्न:-- (1) प्रत्येक मोटर यान में एक विद्युत हार्न या भारतीय मानक ब्यूरो और रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी द्वारा अनुमोदित अन्य यन्त्रिय यान के चालक द्वारा प्रयोग के लिए लगायी जाएगी जो यान के पहुंचने या स्थिति को सूचित और पर्याप्त तात्कालीने में समर्थ हो।

(2) किसी मोटर यान में बहु-स्तर हार्न नहीं लगाया जाएगा जिसमें विभिन्न प्रकार की ध्वनि निकलती हो या जिससे कर्कश, कपित तेज या ज्यादा शोर उत्पन्न होने वाला कोई दूसरी युक्ति लगी हो।

1473 G1/3-5

(3) उपनियम (2) की कोई बात, एम्बुलेंस या अग्नि शमन या सार्वजनिक प्रयोजन या पुलिस अधिकारियों और मोटर यान विभाग द्वारा अपने कार्य के दौरान प्रयुक्त यानों को ऐसी ध्वनि का प्रयोग करने से नहीं रोकती जो रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी द्वारा अनुमोदित है जिसके अधिकार क्षेत्र में ऐसे यान रखे जाते हैं।

12.0 साइलेंसर:-- (1) प्रत्येक मोटर यान में ऐसी युक्ति (जिसे इसमें इसके पश्चात् साइलेंसर कहा गया है) लगी होगी जो विस्तार मैम्बर द्वारा या अन्यथा यथा संभव शोर का कम करना हो जिसे अन्यथा ध्वनि से एक्जॉस्ट गैस के निकलने के लिए बनाया जाएगा।

(2) प्रत्येक मोटर यान को इस प्रकार निर्मित और अनुरक्षित रखा जाएगा ताकि वह भारतीय मानक ब्यूरो द्वारा समय-समय पर अनुमोदित शोर स्तर के अनुरूप हो।

12.1 मोटरयानों का पेंट किया जाता:-- (1) रक्षा विभाग के मोटर यानों के सिवाय, किसी मोटर यान पर लाल रंग से पेंट नहीं किया जाएगा।

(2) अधिनियम की धारा 88 की उपधारा (9) के अधीन किए गए परमिट के अंतर्गत आने वाले पर्यटन यान में भिन्न डेका गांघी को नियम 128 के उपनियम (ii) में विनिर्दिष्ट रीति में पेंट नहीं किया जा जाएगा।

(3) राष्ट्रीय परमिट के अंतर्गत आने वाले माल यान में भिन्न किसी माल यान को नियम 90 के उपनियम (1) में विनिर्दिष्ट रीति में पेंट नहीं किया जाएगा।

12.2 चेमिस संख्यांक और संज्ञक संख्यांक और विनिर्माण की तारीख समुद्रभूत करता:-- (1) इस नियम के प्रारम्भ की तारीख को उसमें, प्रत्येक मोटर यान का विनिर्माण, प्रत्येक मोटर यान के चेमिस पर पहचान संख्यांक अंकित कराया जाय पर विनिर्माण का मास और वर्ष समुद्रभूत अथवा निर्दिष्ट किया जाएगा। समुद्रभूत या निरखण निम्नलिखित रीति से किया जाएगा:--

(क) लांगिचुडनल मेम्बर वाले यानों में चेमिस संख्यांक अग्रणी और पिछली एक्सस के बीच के स्थान में लांगिचुडनल मेम्बर की पिछली साइड पर लिखे होंगे जो एक पंक्ति में 250 मिलीमीटर और 30 मिलीमीटर से अधिक क्षेत्र में नहीं होगा,

(ख) लांगिचुडनल मेम्बर वाले यान में भिन्न यानों में खण्ड (क) में निर्दिष्ट रीति में बोनट के नीचे विद्युत्कीन के निकट बाहरी साइड पर,

(ग) मोटर साइकिल की दशा में 150 मिलीमीटर और 20 मिलीमीटर से अधिक क्षेत्र में स्टीयरिंग कालम पर

(घ) तीन पहिए वाले यानों की दशा में, हैंडल बार या स्टीयरिंग ह्यूबल के मध्य के नीचे मुख्य ढाँचे या चेसिस फ्रेम के स्थायी स्थान पर;

(ङ) ट्रैक्टरों और अन्य यानों की दशा में जहाँ चेमिस फ्रेम या स्थायी ढाँचा नहीं है वहाँ खंड (क) में निर्दिष्ट रीति में ब्राइवर की सीट के नीचे और जो ब्राइवर को परेशान किए बिना पीछे से स्पष्ट दिखाई दे,

(च) एक एक्सल वाले ट्रैक्टर की दशा में, खंड (क) में निर्दिष्ट रीति से एक्सल के केंद्र के ऊपर लांगिचुडनल मेम्बर की पिछली साइड पर,

(छ) एक से अधिक एक्सल वाले ट्रैक्टर या ब्रैड-ट्रेलर की दशा में, खंड (क) में निर्दिष्ट रीति में अग्रले एक्सल के मध्य के ऊपर परम्पु समुद्रभूत या निरखण चेमिस संख्यांक की ऊँचाई किसी भी दशा में एक सेटीमीटर से कम नहीं होगी

(2) किसी मोटर यान के प्रवेश उता या पावर यूनिट पर इस रीति से पहचान नम्बर और विनिर्माण का वर्ष और मास ऐसी रीति से समुद्रभूत या निर्दिष्ट होगा कि यह बाहर से स्पष्ट दिखाई दे ।

सुरक्षा युक्ति

बालकों, यात्रियों और सड़क प्रयोगकर्ताओं के लिए सुरक्षा युक्ति

123. मोटर साइकिल में सुरक्षा युक्ति :—किसी भी मोटर साइकिल का बालक की सीट के बगल या पीछे एक स्थायी हैड ग्रिप और एक फुट रेस्ट और सुरक्षा युक्ति की व्यवस्था किए बिना विनिर्माण नहीं किया जाएगा जो पिछली हूवील का कम से कम आधा कवर करे ताकि पीछे बैठे व्यक्ति का कवड़ा हूवील में न फसे ।

124. संघटकों के सुरक्षा मानक : इस नियम के प्रारंभ की तारीख को और उससे, मोटर यानों का कोई भी विनिर्माण, यान से कोई ऐसा संघटक प्रतिष्ठापित नहीं करेगा जो भारतीय मानक ब्यूरो द्वारा विनिर्दिष्ट मानक के अनुरूप न हो (जहां कहीं संघटकों के लिए ऐसे मानक अधिकारित किए गए हों) तथा ऐसा हर विनिर्माण यह प्रमाणित करेगा कि मोटर यानों में प्रयुक्त संघटक भारतीय मानक ब्यूरो द्वारा अधिकारित ऐसे संघटकों से संबंधित मानकों के अनुरूप है ।

125. सुरक्षा बेल्ट, मिमटने वाला स्टीयरिंग कालम तथा पैड वाले डैश बोर्ड : इस नियम के प्राव्य की तारीख को या उससे दो पहिए और तीन पहिए वाले यानों से भिन्न सभी मोटर यानों के विनिर्माण ऐसे सभी यानों को निम्नलिखित से सज्जन करेंगे :—

(क) बालक और पहनी मोट पर बैठने वाले व्यक्ति के लिए सीट बेल्ट ।

(ख) एक मिमटने वाला स्टीयरिंग कालम, और

(ग) भारतीय मानक ब्यूरो द्वारा विनिर्दिष्ट मानकों के अनुरूप प्रोटैजिंग नॉन्ड रहित पैड वाला डैश बोर्ड

126. परीक्षण के अधीन होने का प्रत्येक मोटर यान का प्रोटोटाइप : इस नियम के प्रारंभ की तारीख को या उससे, मोटर यानों का प्रत्येक विनिर्माण अपने द्वारा विनिर्मित किए जाने वाले यान का प्रोटोटाइप भारत सरकार के रक्षा मंत्रालय के यान अनुसंधान और विकास स्थापना या आटोमोटिव रिसर्च एसोसिएशन आफ इंडिया, पुणे, सेंट्रल फार्म मशीनरी टेस्टिंग एण्ड ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट बवनी (म.प्र.) को या ऐसे अन्य अधिकारियों को परीक्षण के लिए भेजेगा जो इस अधिनियम और इसके अधीन बनाए गए नियमों के उपबंधों के अनुपालन के बारे में उस स्थापना द्वारा प्रमाणीकरण के लिए केन्द्रीय सरकार द्वारा विनिर्दिष्ट किए जाएं ।

127. विनिर्माण द्वारा क्वालिटी प्रमाण-पत्र : इस नियम के प्रारंभ की तारीख को और उससे प्रत्येक विनिर्मित मोटर यान के विक्रय के साथ विनिर्माण द्वारा प्ररूप 22 में जारी किया गया यान की सड़क पर सही चलने से संबंधित एक प्रमाण-पत्र होगा ।

विशेष उपबन्ध

128. मोटर कैबों में भिन्न पर्यटन यान : मोटर कैब, मैक्सि फेज, कैम्पर की बस, एह अनुयान से भिन्न पर्यटन यान निम्नलिखित विनिर्देशों के अनुरूप होगा, अर्थात् :—

(1) :—मुख्य आगम

लम्बाई : 10.5 मीटर से अधिक न हों ।

चौड़ाई : 2.5 मीटर से अधिक न हो ।

रियर ओवर हैंग : न्हीन बेम के 60 प्रतिशत से अधिक न हो ।

समग्र ऊंचाई : 3.35 मीटर से अधिक न हों ।

रीयर में इंटीरियर 1.58 मीटर से कम न हों ।

क्लीयर ऊंचाई

परन्तु यह कि राज्य या सरकार राज्य सरकार द्वारा इसे निमित्त प्राधिकृत कोई प्राधिकारी, यदि उसका यह समझाना हो जाता है कि किसी यंत्रक या पुन की प्रकृति के कारण या लोक सुरक्षा के हित में यह प्राव्य-रक्षक है तो, किसी विनिर्दिष्ट मार्ग या क्षेत्र में किसी पर्यटन यान का प्रवर्तन प्रतिषिद्ध या निर्बंधित कर सकता है, जब तक कि ऐसा यान ऐसे मार्ग या क्षेत्र के लिए राज्य सरकार द्वारा विनिर्दिष्ट अपेक्षाओं का अनुपालन न करे ।

(2) संरचना :—पर्यटन यान की संरचना पर्याप्त अनुभारतीय क्षेत्र और वायु गतिक आकार की उपयुक्त सामग्री का प्रयोग करके स्थिर, मजबूत और टिकाऊ संरचनात्मक फीचर्स की होनी चाहिए । बाह्य स्तर के लिए एलुमिनियम चादर या अच्छी क्वालिटी की स्तर सामग्री का प्रयोग किया जाना चाहिए । जहां तक अंदर वाले स्तर का संबंध है वह अंदर वाली संपूर्ण छत, दोनों तरफ पीछे और बल्क हैड भागों पर होना चाहिए । बाड़ी संपूर्ण रूप से क्षरणरोधी और धूलिरोधी होनी चाहिए । यान रेटिंग प्रूफ होना चाहिए । फ्रेश महिन सभी स्तरों के लिए ध्वनि मद करने के लिए भी व्यवस्था होनी चाहिए ।

(3) यात्रा प्रवेश और निकाम :—यात्रा प्रवेश और निकाम दरवाजा पर्याप्त फुट ओवर हैंग वाले यानों के संबंध में सामने के एक्सिस के आगे जहां तक हो सके सामने स्थित होना चाहिए । यदि पर्याप्त फुट ओवर हैंग नहीं है तो द्वार पीछे वाली एक्सिस के ठीक पीछे होना चाहिए । जहां दरवाजा पिछली एक्सिस के पीछे हो वहां ऐसी दशा में दरवाजे का निकाम कम से कम 685 मि. मी. का होना चाहिए । दरवाजे के हैंडिल ऐसे होने चाहिए कि उसे अंदर से और बाहर से दोनों तरफ से खोला जा सके । दरवाजे यथोचित तासा उपकरणों सहित वातीय रूप से प्रभावित हों ।

(4) आपात दरवाजे :—दरवाजे के रूप में आगे लगा हुआ आपात निकाम, पर्यटन यान के पीछे की ओर लगाया जाएगा और जिसे यान के अंदर और बाहर दोनों तरफ से खोला या बन्द किया जा सकेगा अथवा जहां ऐसा दरवाजा लगाना व्यवहार्य न हो वहां पिछली छिड़की की स्क्रीन से एक आपात निकाम की व्यवस्था की जाएगी, जो ऊपर से जुड़ा हुआ हो ।

आपात निकाम को अंदर से लाल अक्षरों में स्पष्ट दर्शाया जाएगा "आपात निकाम" ।

5. ड्राइवर का प्रवेश और निकाम :—ड्राइवर की सीट के समीप ड्राइवर के लिए उपयुक्त स्लाइडिंग छिड़की के साथ पृथक दरवाजा लगाया जाएगा ।

6. बिड स्क्रीन :—(i) सामने की बिड स्क्रीन स्पष्ट दिखाई देने वाली होगी और विकृतिरहित होगी जिसमें सुरक्षा कांच लगा होगा और वह पर्यटन यान की पूरी चौड़ाई का होगा । यदि दो हाल्ब्स में बनाया जाता है तो रबर स्लेजिंग सहित सेंटर पार्टिकल ज्वाइंट की चौड़ाई, सामने की बिड स्क्रीन की फिटमेंट ऐसी होगी कि जिससे पर्यटन यान की सुचरता में वृद्धि हो ।

(ii) पीछे की बिड स्क्रीन सुरक्षा कांच अथवा सेमीनेटेड सुरक्षा कांच की बनी होगी । यह यान में लगी छिड़कियों से मेल खाने वाली होगी । पीछे की बिड स्क्रीन में स्लाइडिंग पर्दे लगाए जाएंगे ।

7. छिड़कियां :—पर्यटन यानों की छिड़कियों का न्यूनतम स्पेस 14.25 मिलीमीटर होगा और वे सुरक्षा अथवा सेमीनेटेड सुरक्षा कांच की बनी होंगी ।

छिड़कियां दोहरे स्लाइडिंग क्रिस के स्लाइडर की होंगी और शेतकों में बिना रुकावट के मुक्त रूप से गिरने वाली होंगी । छिड़कियों के लिए प्रयुक्त सभी सुरक्षा अथवा सेमीनेटेड सुरक्षा कांच भारतीय मानक ब्यूरो द्वारा निर्धारित मानकों के अनुसार होंगे । छिड़कियों में स्लाइडिंग पर्दे लगाए जाएंगे ।

(8) संवातन :- यात्री कक्ष तथा ड्राइवर कक्ष में संवातन की पर्याप्त व्यवस्था की जाएगी। सभी रोशनदान और बिड़कियाँ ऐसी होंगी कि जब उन्हें बन्द कर दिया जाए, तो बारिश का पानी अथवा धूल यात्री कक्ष में अथवा ड्राइवर कक्ष में नहीं आ सकेगी।

(9) गामान :- (i) पर्यटन यान की पिछली तरफ अथवा बिनारों पर अथवा दोनों तरफ सामान के लिए होल्ड होंगे, जो पर्याप्त स्थान और आकार बने होंगे तथा वे खड़बड़ाहट रहित, धूलि रोधी और जल गह्य होंगे तथा उनमें सुरक्षा के पर्याप्त प्रबंध होंगे।

(ii) पर्यटन यान के दोनों तरफ यात्री कक्ष के अन्दर मजबूत ब्रेकेटों पर बनाया गया हल्के सामान के लिए रैक होगा। सिवाय वहाँ के, जहाँ नायलॉन, नेट प्रयोग की गई हो, रैक के निचली तरफ गद्दे लगे होंगे ताकि यात्रियों को आकस्मिक छोट से बचाया जा सके। रैक का स्तंभारण डिजाइन और बनावट इस तरह की होगी कि उसके कितारे झुकते न हों।

(10) सीटें और सीटों की व्यवस्था :- (i) सीटें 35 यात्रियों से, जिनमें ड्राइवर और परिवार सम्मिलित नहीं है, अधिक के लिए नहीं होंगी। सीटों का 'ले-आउट' ऐसा होगा कि गाड़ी के दोनों तरफ दो-दो सीटें होंगी। सभी सीटें सामने की तरफ होंगी और उन सीटों की पंक्तियों के बीच कम से कम 355 मिली मीटर चौड़ा फामला होगा। प्रत्येक यात्री सीट का कम से कम क्षेत्र 457 मि.मी. × 457 मि.मी. होगा और उसके दोनों तरफ बाजूओं को रखने की व्यवस्था होगी और सीट के पिछले भाग की ऊँचाई पूरी होगी।

(ii) सीट के फ्रेम मजबूत और अच्छी तरह से बने हुए होंगे और वे इस तरह से लगाए हुए होंगे कि ढाँचे के संरचना खण्ड पर सीधे बजन रखा जा सके। सीटें आरामदेह और समजनीय होंगी।

(iii) सीटें इस तरह से छाँदी जाएँगी ताकि पिछली सीट के आगे से अगली सीट के पीछे तक टांग के लिए कम से कम 280 मि.मी. जगह हो। प्रत्येक यात्री के लिए उपयुक्त स्थान और ऊँचाई पर फुट-रेस्ट लगाया जाएगा।

(11) रंग करना और अंतिम रूप देना :- पर्यटन यान पर नियम 85-क उपनियम (7) और (8) में निर्दिष्ट रीति से सफेद रंग किया जाएगा और बाड़ी के बाहरी भाग पर बीच में पांच सेंटीमीटर चौड़ा नीला रिबन लगा होगा।

(12) बिजली की व्यवस्था :- (i) (क) यात्री कक्ष को कम से कम तीन ट्यूब लाइटों से पर्याप्त रूप से प्रकाशित किया जाएगा।

(ख) बिबस्कीन पर यात्री कक्ष से आने वाले प्रकाश के प्रतिबिम्ब से बचने के लिए प्रबंध किया जाएगा।

(ग) यात्री कक्ष में रोशनी की व्यवस्था के अतिरिक्त यात्री कक्ष में रंगीन गुम्बज वाली कम से कम दो रात्रि रोशनियों की व्यवस्था की जाएगी।

(ii) अगले और पिछले बक्सों पर, यदि हों, 15-20 वाट के प्रत्येक बल्ब के साथ रोशनी की जाएगी और ये बल्ब छिपे हुए स्थान पर लगे होंगे और जो पर्यटन यान के अगले अथवा पिछले हिस्से सीधे तजर नहीं आएँगे।

(iii) ड्राइवर अथवा परिवार की सीट के क्षेत्र को प्रकाशित करने के लिए स्वतंत्र रूप से प्रकाशित किए जाने वाले प्रकाश की व्यवस्था की जाएगी।

(iv) यात्री प्रवेश द्वार पर सीढ़ियों को प्रकाशित करने के लिए प्रकाश की व्यवस्था की जाएगी।

(v) प्रत्येक सामान-होल्ड में उसे प्रकाशित करने के लिए एक रोशनी लगाई जाएगी।

(vi) यात्री-कक्ष में बिजली के जो तार लगाए जाएँगे, वे प्रा.क. एच. 2465 के अनुरूप कम दाब वाले फेबल होंगी जिसका आकार अनुमानित बिजली के भार के अनुरूप होगा, तार पर्याप्त आकार की पी.वी.सी. स्लीविंग अथवा कन्ड्यूट अथवा केमिंग में ले जाए जाएँगे, जब कोई तार किसी एक पैनल अथवा चदर अथवा धातु के बने यंत्रों से गुजरता हो तो इन्सुलेशन की रक्षा के लिए वहाँ एक अच्छे आकार का खंड का बना इन्वेन्ट की व्यवस्था की जानी चाहिए।

(13) जुड़नार और मध्यक पुर्जे :- एक पर्यटन यान निम्नलिखित से सुसज्जित किया जाएगा अर्थात् :-

(1) एक-एक उतल पीछे का दृश्यदर्शी दर्पण यान के दोनों तरफ होगा, जो सर्वत्र समजनीय किया जा सकता हो और जिसकी पर्याप्त लम्बाई चौड़ाई हो।

(2) प्राथमिक चिकित्सा के लिए प्रथम-उपचार पेटी, जिसका अग्र भाग रनेषड हो और जिसमें आवश्यक दवाइयाँ हो।

(3) अग्नि शमक, जो ड्राई पावडर टाइप हो और इन्जन-कक्ष के पास लगा हो।

(4) इंजन की आवाज और ताप को कम रखने के लिए ईंजन बोनट के इन्टोरियर या एक्स्टोरियर पर इंसुलेशन।

(5) यान के औजारों को सुरक्षित रूप से रखने के लिए व्यवस्था।

(6) हेवी ड्यूटी वाला बिबस्कीन बाइपर सिस्टम।

(7) ड्राइवर और परिवार के लिए पर्याप्त आकार का समजनीय धूम्र शर्कर।

(8) बिजली से चलने वाले बड़े सूचक/संगतक, स्टॉप लाइट और पार्किंग लाइट।

(9) कुकाजी हेड लैम्प।

(10) यान के पिछले हिस्से में रजिस्ट्रीकरण संख्या की प्लेट के लिए उपयुक्त रोशनी।

(11) हार्न।

(12) बिजली के तार, 8 इंच के स्वीप समजनीय, कम से कम संख्या में 8 होंगे, यात्री कक्ष में यथोचित स्थान पर लगे होंगे और सीट के पास लगे स्विचों द्वारा नियंत्रित होंगे।

(13) ड्राइवर अथवा परिवार की सीट के समीप बिजली की घंटी या बजर होगी, जो कम से कम चार पुश बट्टोल से परिचालित होगी, जो यात्री कक्ष में उपयुक्त स्थान पर लगे होंगे।

(14) यात्री सीटों के समीप राख छाड़ने वाली ट्रे ऐसी डिजाइन की होगी कि उसे पर्यटन यान के मध्यवर्ती स्टोप्स पर सुविधा-पूर्वक साफ किया जा सके।

(15) पीने का पानी और आईम ब्राक्स।

(16) पत्रिकाओं और पढ़ाई की अग्र सामग्री के लिए रैक।

(17) प्रत्येक सीट के लिए बैक पाकेट तथा नम्बर।

(18) कम से कम चार स्पीकर्स वाला पब्लिक एड्रेस सिस्टम जो उचित प्रकार से यात्री कम्पार्टमेंट में लगा हो।

(19) यान संबंधी वस्तावैज, टोकन, अनुज्ञापत्र और अनुज्ञापत्रले से जाने के लिए ड्राइवर की सीट के समीप स्थित वस्तावैज प्रेम।

(20) आने और गिडन पहियों के लिए मड प्लैट्स।

129. मानव जीवन के लिए खतरनाक अथवा परिसंकटमय प्रकृति के मान का परिबहन।

किसी खतरनाक अथवा परिसंकटमय माल का परिवहन करने वाले माल वाहन का प्रत्येक स्वामी, खतरनाक या परिसंकटमय माल के किसी

प्रयोग के संबंध में तत्समय प्रचलित किसी विधि के उपबन्धों का अनुपालन करने के अनतिरिक्त निम्नलिखित शर्तों का भी पालन करेगा, अर्थात्—

- (1) उसी प्रकार के खतरनाक अथवा परिसंकटमय माल को (चाहे प्रयुक्त में अथवा पैकेज में) ले जाने वाला प्रत्येक ऐसा माल वाहन नियम 136 की सारणी के मसूमे 3 में विनिर्दिष्ट खतरनाक अथवा परिसंकटमय माल की किस्म के लिए समुचित वर्ग लेबल के सुमिश्र चिह्न को प्रदर्शित करेगा।
- (2) नियम की कानिका के कालम 3 में निर्धारित हानिकारक अथवा खतरनाक माल ले जाने वाले प्रत्येक पैकेज पर हानिकारक अथवा खतरनाक माल के प्रकार के लिए उचित कालम लेबल लगाया जाएगा।

130. वर्ग लेबलों को प्रदर्शित करने का तरीका

- (1) जब यान पर वर्ग लेबल प्रदर्शित करने की आवश्यकता हो तो उसे इस तरह लगाया जाएगा कि वर्ग लेबल का आकार लम्बाई की ओर 45 डिग्री के कोण पर हो तथा वह पच्छिम मिमीमीटर वर्ग से कम न हो जो दो भागों में विभक्त किया जा सकता है, जिसका ऊपरी आधा भाग चित्रात्मक प्रतीक के लिए आरक्षित हो तथा निचला आधा भाग पाठ के लिए हो। परन्तु छोटे पैकेजों की दशा में लेबल का यथोचित आकार ग्रहण किया जा सकता है।
- (2) यदि वर्ग लेबल में चिपकने वाला पदार्थ हो तो वह जलमय होगा और यदि वह धातु अथवा किसी अन्य पदार्थ का हो जिस पर चित्रात्मक प्रतीक और पाठ मुद्रित हो, चित्रित हो अथवा चिपकाया गया हो तो वह इस प्रकार पदार्थ पर सीधे लगाया गया होगा और प्रत्येक मामले में यान की वह सतह जहां लेबल लगा है ऐसे रंग की होगी जो वर्ग लेबल की पृष्ठभूमि की तुलना में चटकीला हो।
- (3) किसी यान पर लगाया गया प्रत्येक वर्ग लेबल इस प्रकार लगाया गया होगा कि वह किसी अन्य विधि के अधीन प्रदर्शित किए जाने के लिए अपेक्षित किसी अन्य चिह्नांकन को धुंधला न करे।
- (4) किसी खतरनाक अथवा परिसंकटमय माल को ले जाने वाले प्रत्येक माल वाहन पर वर्ग लेबल उसके अग्रले और पिछले दोनों भागों पर स्पष्ट रूप से संप्रदर्शित किया जाएगा।

131. माल भेजने वाले के द्वारा खतरनाक अथवा परिसंकटमय माल के बारे में सूचना का प्रदाय किया जाना

- (1) माल वाहन द्वारा किसी प्रकार के खतरनाक अथवा परिसंकटमय माल का परिवहन करने का आभाव रखने वाला प्रत्येक प्रेषक न प्रकार के माल को वाहन में लाने से पूर्व माल वाहन के स्वामी को इस प्रकार के खतरनाक अथवा परिसंकटमय माल के बारे में पूर्ण और पर्याप्त सूचना देगा ताकि वह स्वामी और उसका ड्राइवर—
- (क) नियम 129 से 137 तक के नियमों की अपेक्षाओं का अनुपालन कर सके, और
- (ख) इस प्रकार के माल से किसी व्यक्ति के स्वास्थ्य या सुरक्षा को होने वाली जोखिम से अवगत हो सके।
- (2) यह सुनिश्चित कराना प्रेषक का कर्तव्य होगा कि सूचना नियम 129 से 137 के उपबन्धों का अनुपालन करने के प्रयोजनों के लिए सही और पर्याप्त है।

132. माल वाहन के स्वामियों द्वारा खतरनाक अथवा परिसंकटमय माल के वर्गीकरण को विनिर्दिष्ट करना

- (1) किसी भी खतरनाक अथवा परिसंकटमय माल का परिवहन करने वाले माल वाहन का प्रत्येक स्वामी अपने माल वाहन में इस प्रकार के माल का परिवहन करने से पूर्व अपना यह समाधान होगा कि प्रेषक द्वारा दी गई सूचना सभी पहलुओं में पूर्ण और सही है और इस माल का वर्गीकरण नियम 127 में निर्दिष्ट किए गए वर्गीकरण के अनुरूप है।
- (2) माल वाहन का स्वामी यह सुनिश्चित करेगा कि इस प्रकार के वाहन के ड्राइवर को परिवहन के लिए उसे सीपे गए खतरनाक अथवा परिसंकटमय माल के संबंध में लिखित रूप में सभी सुसंगत जानकारी दी गई है, जैसा इन नियमों के उपाबन्ध 5 में है तथा वह अपना यह समाधान करेगा कि ड्राइवर को इस प्रकार के माल की प्रकृति तथा उनके परिवहन में अन्तर्बलिग जोखिम की प्रकृति के बारे में पर्याप्त जानकारी है तथा वह इस योग्य है कि वह किसी भी आपात स्थिति में समुचित कार्रवाई कर सके।
- (3) खतरनाक अथवा परिसंकटमय माल का परिवहन करने वाले माल वाहन का ड्राइवर यह सुनिश्चित करेगा कि उप नियम (2) के अधीन उसे विहित रूप में दी गई जानकारी ड्राइवर के कबिन में रखी है तथा खतरनाक अथवा परिसंकटमय माल को, जिसमें वह सर्वधिग है, ले जाते समय वह सभी समयों पर उदात्त है।

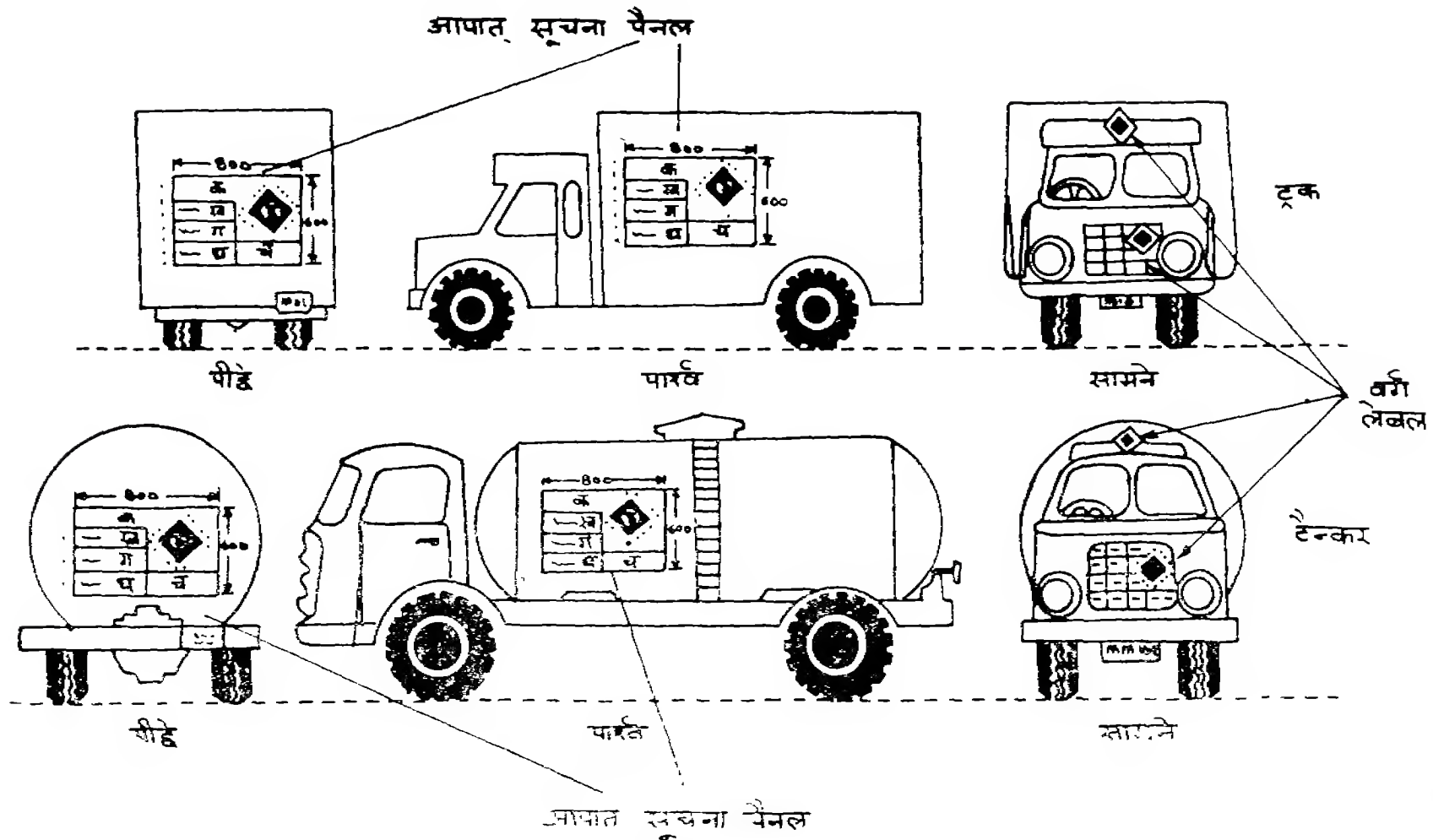
133. ड्राइवर द्वारा की जाने वाली पूर्वविधानियां— किसी भी खतरनाक अथवा परिसंकटमय माल का परिवहन करने वाले माल वाहन का प्रत्येक ड्राइवर सभी समयों पर आग, विस्फोट का निवारण करने के लिए और अथवा माल वाहन के चलते समय और जब वह नहीं चल रहा है उस समय भी उसके द्वारा द्वारा ले जाए जाने वाले खतरनाक अथवा परिसंकटमय माल के बचाव के लिए सभी आवश्यक पूर्वविधानियां बरतेगा, वह यह सुनिश्चित करेगा कि माल वाहन ऐसे स्थान पर खड़ा किया जाए जो आग, विस्फोट तथा किसी भी अन्य जोखिम से सुरक्षित हो और हर समय उनके अथवा अदृशक वर्ष की आयु से अधिक के किसी अन्य सक्षम व्यक्ति के नियंत्रण तथा पर्यवेक्षण में हो।

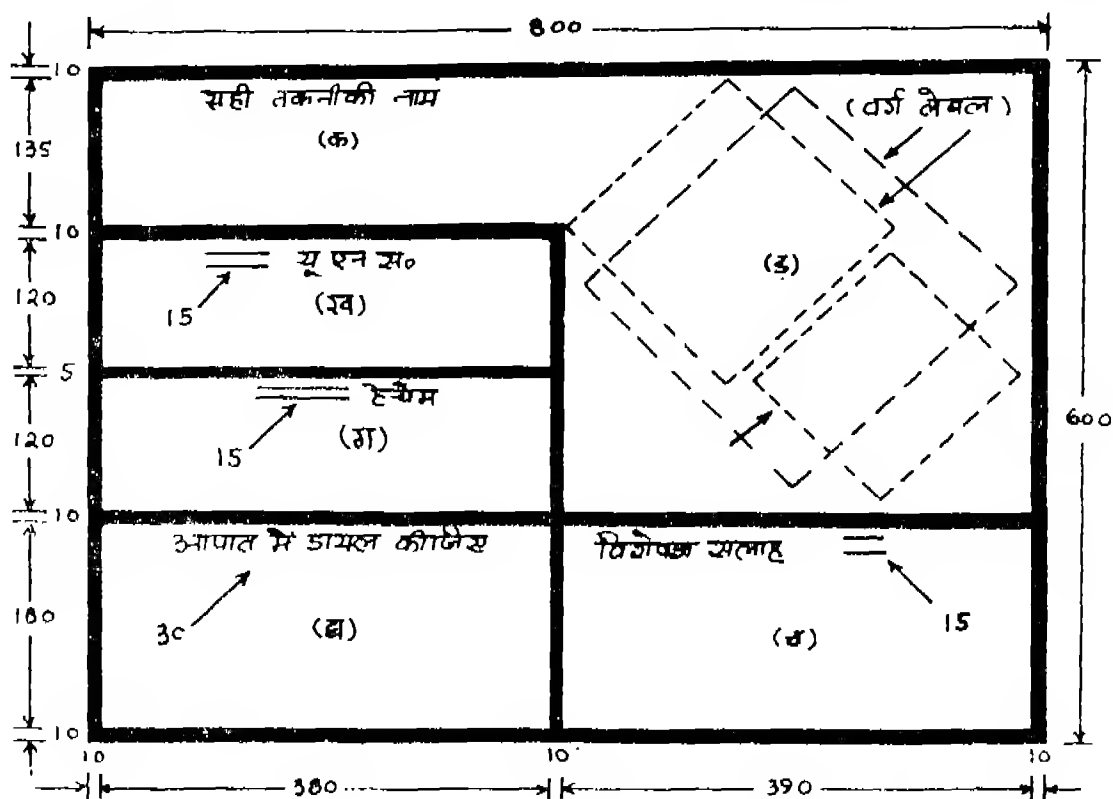
134. आपात सूचना पैनल— किसी भी खतरनाक अथवा परिसंकटमय माल का परिवहन करने के लिए प्रयुक्त प्रत्येक माल वाहन केन्द्र नीचे सारणी में दर्शित प्रत्येक तीन स्थानों पर आपात सूचना पैनल सुगन्धित तथा स्पष्ट रूप में चिह्नीत होगा और ऐसे पैनल में निम्नलिखित सूचना अस्तित्व में होगी, अर्थात्—

- (i) शब्दों में खतरनाक अथवा परिसंकटमय माल का सही तकनीकी नाम और शब्द 50 मिलीमीटर ऊंचाई से कम न हों।
- (ii) खतरनाक अथवा परिसंकटमय माल का वर्ग लेबल जिसका आकार 250 मि० मीटर वर्ग से कम न हो।
- (iii) आग अथवा किसी अन्य दुर्घटना की दशा में संपर्क की जाने वाली आपात सेवाओं के नाम तथा टेलिफोन नम्बर शब्दों और अंकों में जितकी ऊंचाई 500 मि० मीटर से कम न हो तथा खतरनाक अथवा परिसंकटमय माल के भेजने वाले अथवा ऐसे अन्य व्यक्ति का जिससे इस प्रकार के माल के संबंध में आपात स्थिति की दशा में किए जाने वाले सहायकों से संबंधित विशेषज्ञ सूचना और सलाह ली जा सकती है, नाम एवं टेलिफोन नम्बर,

सारणी

यानों पर आपात - सूचना पैनल लगाने के लिए
स्थान और विमाएँ





(सारी विमाएँ मिलीमीटरों में प्रकट की गई हैं)

- (2) प्रत्येक वर्ग लेबल तथा आपात सूचना पैन्ल माल वाहन पर चिन्हित किया जाएगा और उसे हर समय बाघाजों से मुक्त और ग्राहक रखा जाएगा।

135. ड्राइवर जिसे अनुदेश दिए जाने हैं—

खतरनाक अथवा परिसंकटमय माल को परिवहन करने वाले प्रत्येक माल वाहन का स्वामी माल भेजने वाले के समाधान प्रद रूप में यह सुनिश्चित करेगा कि माल वाहन के ड्राइवर ने उनके द्वारा परिवहन किए जाए जाने वाले माल की प्रकृति को समझने, इस प्रकार के माल से उद्भूत होने वाली जोखिम की प्रकृति, माल वाहन के चलते समय तथा उसकी रुकी हुई अवस्था में बरती जाने वाली पूर्ववधानियों और किसी आपात स्थिति में की जाने वाली कार्यवाही को समझने में उसे समर्थ बनाने के लिए पर्याप्त अनुशिक्षण तथा प्रशिक्षण प्राप्त कर लिया है।

136. ड्राइवर द्वारा दुर्घटना के बारे में पुलिस स्टेशन को रिपोर्ट किया जाना।

किसी खतरनाक अथवा परिसंकटमय माल को परिवहन करने वाले माल वाहन का ड्राइवर उसके वाहन द्वारा परिवहन किए जाने वाले किसी खतरनाक अथवा परिसंकटमय माल से संबंधित किसी दुर्घटना के होने पर समीपतम पुलिस स्टेशन को तुरंत रिपोर्ट करेगा।

137. वर्ग लेबल— नीचे सारणी के स्तम्भ (2) में विनिर्दिष्ट खतरनाक अथवा परिसंकटमय माल के संदर्भ में स्तम्भ 3 में की तत्स्थानी प्रविष्टि में विनिर्दिष्ट लेबल वर्ग लेबल होंगे, अर्थात्—

सारणी 1

क० स० माल का वर्गीकरण		वर्ग लेबल
1	2	3

1. विस्फोटक :



प्रतीक (विस्फोटक बम) काला
पृष्ठभूमि नारंगी

2. गैस संकोचन, द्रविका, वाष्प :
गैस वाली हुई अथवा अदृश्य
प्रशीतित :



अज्वलनशील गैस
प्रतीक (गैस सिलेंडर) काला
अथवा सफेद पृष्ठभूमि हरी



ज्वलनशील गैस
प्रतीक (आग) काला और सफेद
पृष्ठभूमि लाल



अहरीली (टोक्सिक) गैस
प्रतीक (बोपही एवं क्रॉस हड्डियां) काला
पृष्ठभूमि—सफेद

3. ज्वलनशील द्रव :



ज्वलनशील द्रव
प्रतीक आग (काला अथवा सफेद)
पृष्ठभूमि लाल

4. ज्वलनशील पिंड

स्वतः दहन वाले पदार्थ,
ऐसे पदार्थ जो पानी के साथ
संपर्क में आने पर ज्वलनशील
गैस उत्सर्जित करते हैं :



खंड 4.1

ज्वलनशील पिंड
प्रतीक (आग) काला
पृष्ठभूमि—बड़ी लाल पट्टियों
सहित सफेद



खंड 4.2

स्वतः दहन वाले पदार्थ
प्रतीक (आग) काला
पृष्ठभूमि—ऊपरी आधा हिस्सा
सफेद निचला आधा हिस्सा लाल
शीला होने पर



खंड 4.3

ऐसे पदार्थ जो पानी के
साथ संपर्क में आने पर
ज्वलनशील गैस उत्सर्जित करते
हैं।
प्रतीक (आग) काला अथवा
सफेद
पृष्ठभूमि—नीला

1 2 3

5. आक्सीकारक पदार्थ

कार्बनिक पर आक्साइड



खंड 5.1

आक्सीकारक पदार्थ



खंड 5.2

कार्बनिक पर आक्साइड

प्रतीक (गोलाकार पर आग)
काला
पृष्ठभूमि, पीला

6. जहरीला (टॉक्सिक)

एवं संक्रामक पदार्थ :



खंड 6.1

जहरीला (टॉक्सिक) पदार्थ
प्रतीक (खोपड़ी एवं क्रॉस)
हड्डियाँ काला,
पृष्ठ भूमि सफेद



खंड 6.1

जहरीला (टॉक्सिक) पदार्थ
लेबल के निचले आधे भाग पर
लिखा हो :

हानिकारक

खाद्य पदार्थों से दूर रखें

प्रतीक : गेहूं के निशान पर सै०

एन्ड्यू का काम काया

पृष्ठभूमि : सफेद :



खंड 6.2

संक्रामक पदार्थ

लेबल के निचले आधे भाग पर:

संक्रामक पदार्थ (बैक्टीरियल)

तथा नुकसान प्रथमा कारण भ्रामने में

तुरन्त लोक स्वास्थ्य प्राधिकारी

को सूचित करें

(बैक्टीरियल), अंतरालेखन होना

बाहिए

प्रतीक (एकबुल पर तीन

अर्धचन्द्राकार अध्यात्मिक)

तथा अंतरालेखन :

काला पृष्ठभूमि, सफेद

7. रेडियोधर्मी पदार्थ :



रेडियोधर्मी पदार्थ

प्रतीक—वत के तीन खंड

वर्ग लेबल के सम्बर तथा

शब्द सफेद

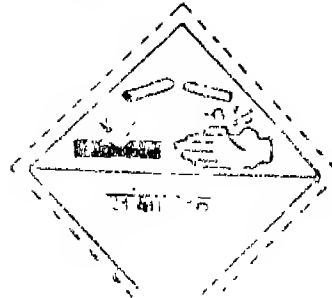
पृष्ठभूमि पर काले रंग के होंगे

तथा—धर्मा लेबल किनारों पर

समानान्तर रेखाएँ काली होंगी

तथा 5 मिलीमीटर मोटी होंगी।

8. संक्षारक :



संक्षारक

प्रतीक : (एक हाथ और एक धातु पर षोट करता हुआ दो कांच-
पात्रों से गिरता हुआ द्रव) : काला

पृष्ठभूमि : ऊपरी आधा भाग सफेद निचला आधा भाग सफेद
बाइंडर के साथ काला

सारणी-2

सूचक मानदण्ड

(क) जहरीले रसायन

जिन रसायनों जिनमें निम्नलिखित मात्रा में काफी जहरीलापन है
और जो अपने भौतिक और रासायनिक गुणों के कारण भारी जोखिम
वाली दुर्घटनाएँ करा सकते हैं :—

एल डी (नॉट्रिड)*	एल डी (स्टूटेनिसम)**	एल सी†
50	50	50
(एम जी/कि. ग्रा. शरीर भार)	(एम जी/कि. ग्रा. शरीर भार)	(एम जी/1 इन्हेलेशन)
एल डी $\angle 5$ में $\angle 200$	एल डी $\angle 10$ में $\angle 400$	एल सी $\angle 0.1$ में $\angle 2$
50		

(ख) उच्चतम शक्ति रसायन :-

(1) उच्चतम शक्ति रसायन :- जो रसायन सामान्य दबाव पर अपने नैसर्गिक
स्वरूप में वाष्प से मिलकर उच्चतम शक्ति हो जाता है और जिसका सामान्य
दबाव पर क्वथनांक 20° सेटीग्रेड या कम हो,

(2) अत्यधिक द्रव्य :- जिस रसायन का फॉरशफाईट 21° सेन्टी-
ग्रेड से कम है और जिसका क्वथनांक सामान्य दबाव पर 20° सेटीग्रेड
से अधिक है,

(3) उच्चतम शक्ति द्रव्य :- जिस रसायन का फॉरशफाईट 55°
सेटीग्रेड से कम है और जो दबाव में द्रव हो रहता है जहाँ किसी खास
प्रक्रियात्मक दशा में बड़े जोखिम वाली दुर्घटना हो सकती है, अर्थात् उच्च
दबाव और उच्च तापमान।

(ग) विस्फोटक पदार्थ :-

जो रसायन ज्वाला के प्रभाव में विस्फोटक कर सकता है या जो
आयनाइजिंग किरणों की तुलना में झटके या घर्षण के प्रति अधिक संवेदनशील
है।

*एल डी 5° चूहों में औसत।

**एल डी 50 चूहों या खरगोशों में क्वथनांक।

†एल 50 चूहों में इन्हेलेशन द्वारा (घर घंटे)।

सारणी - 3 परिसंकटमय और जहरीले रसायन

रसायन (संलग्न-1)	परिसंकट वर्गीकरण (संलग्न-2)
एमीगल डिहाइड्र	टी एक
एसीटिक एसिड	सी
एसीटोन	एक
एसीटोन साइनोहाइड्रीन (2-साइनोप्रोपेन-2-थीएल)	टी
एसीटोनीट्रिल	टी एक
एसीटल क्लोराइड	सी एक
एसीटिलीन (इथाइन)	एक भार
एक्रोलीन (2-प्रोफीनल)	टी एक
एक्रिलोनीट्रिल	टी एक
एल्डीकोयर	टी
एलाइल एल्कोहल (2 प्रोपेन-1-थीएल)	टी एक
एलाइलमाइन	टी एक
एमीनोथाइफिन/एल-4	टी
एमीटोन	टी
अमोनिया	टी एक
अमोनियम नाइट्रेट	ई भार
उर्वरकों में अमोनियम नाइट्रेट	
अमोनियम सल्फेट	
एमाइल एसिटेट	टी एक
एनाबेसीन	टी
एनीलीन	टी
एनीसाइडीन-पी	टी
एन्टीमोनी एण्ड कम्पाउंड्स	टी सी
एन्टीमोनी हाइड्राइड (स्टीबीन)	टी एक
अर्सेनिक हाइड्राइड (आर्सेइन)	टी
अर्सेनिक पेक्साइड, अर्सेनिक () एसिड एवं साल्ट्स	टी
अर्सेनिक ट्राइआक्साइड, अमोनियम (III) एसिड्स एवं साल्ट्स	टी
एजीनफास - इथाइल	टी
एजीनफास - मिथाइल	टी
बेरियम एजाइड	ई
बेंजीन	टी एक
बेंजीनाइन	टी
बेंजीनाइन साल्ट्स	टी
बेन्जोइल पेरोक्साइड	टी ई
बेन्जोइल क्लोराइड	टी
बैरीनियम (पाउयर्स, कम्पाउंड्स)	टी
बी आई एस (2, 4, 6-ट्रिनिट्रोफेनाइल) अमाइन	टी ई
बी आई एस 12-क्लोरोइथाइली सल्फाइड	टी
बी आई एस (क्लोरोमिथाइल) ईथर	टी
बी आई एस (टर्ट-बुटिलपेरोक्सी) ब्यूटेन-2, 2	भार
बी आई एस (टर्ट-बुटिलपेरोक्सी) साइक्लो हेक्साइन-1, 1	भार
बोनोल एण्ड कम्पाउंड्स	टी
ब्रोमाइन	टी

रसायन (कालम-1)	धातक वर्गीकरण (कालम-2)
ब्रोमोफॉर्म	टी
बूटेडीन-1, 3	एफ
बूटेडीन-2	टी एफ
ब्यूटाइल प्रोपेनोइल	टी एफ
ब्यूटाइल पैरोक्सीटेट-टेट	भार
ब्यूटाइल पैरोक्सीसोब्यूटाइल टेट	भार
ब्यूटाइल पैरोक्सीमोप्रोथिल कारबोनेट, टेट	भार
ब्यूटाइल पैरोक्सीमेलिट, टेट	भार
ब्यूटीलेमाइन	सी एफ
कैडमियम एण्ड कम्पाउंड्स	टी
कैडमियम आक्साइड (फ्यूम्स)	टी
कैमफर	एफ
कारबेरिल (सैविन)	टी
कार्बोफ्यूरेन	टी
कार्बन डी सल्फाइड	टी एफ
कार्बन मोनोक्साइड	टी एफ
कार्बन टेट्राक्लोराइड	टी
कार्बोफिनोथियन	टी
सैल्यूलोज माइट्रेट	ई एफ
क्लोरोट्स (विस्फोटकों में प्रयुक्त)	ई
क्लोरोफिलबिन्कोम	टी
क्लोरीन	टी
क्लोरीन आक्साइड	
क्लोरोएसिटल क्लोराइड	सी
क्लोरोबेन्जीन	टी एफ
क्लोरोडीफिनाइन	
क्लोरोफॉर्म	टी
क्लोरोफोमिल-4, मोरफोमिल	टी
क्लोरोमिथाइल मिथाइल ईथर	टी
क्लोरोफीन	टी एफ
क्लोरोमल्फॉर्मिक एसिड	सी
क्लोरोट्रिनिट्रोबेन्जीन	टी ई
क्रोमियम एण्ड कम्पाउंड्स	
क्रोमाट एण्ड कम्पाउंड्स	टी
क्रोपर एण्ड कम्पाउंड्स	
क्रोमिडाइन	टी
क्रोटोनोक्साइड	टी एफ
क्यूमीन	टी
साइनोथोट	टी
साइक्लोहेक्सेन	एफ
साइक्लोहेक्सेनोन	टी एफ
साइक्लोहेक्सीमाइड	टी
साइक्लोपेन्टेडीन	टी एफ
साइक्लोटेट्रामिथाइल मेथिलेन ट्राइमाइन	ई
साइक्लोटेट्रामिथाइलिन ट्राइमाइन)	ई
डी डी टी	टी
डीमेटोन	टी
डी-एन-प्रोथाइल पैराक्साइडीकार्बोनेट	भार
-डी-सेक-ब्यूटाइल पैरोक्सीडाइ कार्बोनेट	भार
डियालीफोस	टी
डियाजोडिसिट्रोफिनोन	ई
डाइबेन्जील पैरोक्सीडीकार्बोनेट	भार

रसायन (कालम-1)	घातक वर्गीकरण (कालम-2)
डी क्लोरोबेन्जीन-ओ	टी
डी क्लोरोबेन्जीन-पी	टी
डी क्लोरोफिनॉक्सी एसिटिक-2, 4 (2, 4-डी)	टी
डाइक्लोरोबाम (डीडीपीपी)	टी
डीथाइल पैरोक्सी डाइकार्बोनेट	भार
डीथाइलमाइन	टी
डीथाइलमाइन इथेनॉल	टी
डीथाइलीन ग्लाइकोल डिस्ट्रेट	ई
डी हाइड्रोपैरोक्सीप्रोपेन-2,2	भार
डीइसोब्यूटाइल पैरोक्साइड	भार
डीइसोप्रोपाइलेमाइन	सी एक
डीमैफोग्स	टी
डीमिथाइल फॉर्ममाइड	टी
डीमिथाइल फॉस्फोरेसीडोसीमिडिक एसिड	टी
डीमिथाइल सल्फेट	टी
डीमिथाइलेनाइन	टी
डीमिथाइलेलिन	टी
डीमिथाइलकार्बोमिल क्लोराइड	टी
डीमिथाइल नाइट्रोमिनि	टी
डीनोट्रोबेन्जीन	टी
डीनोट्रोफिनाइल, साल्ट्स	टी ई
डीनोट्रोडोल्फ्यून	टी
डीनोट्रो-ओ-मैरीसोल	
डायोक्सेन	टी एक
डाइफासिनोन	टी
डाइसुलफोटोन	टी
ऐपिक्लोरोहाउड्रिन	टी एक
ई बी एन	टी
ईथियन	एक
ईथाइल एसिटेट	एक
ईथाइल अलकोहॉल	सी एक
ईथाइल अमाइन	टी
ईथाइल ग्लूमाइड	टी
ईथाइल क्लोराइड	
ईथाइल ईथर	टी एक
ईथाइल मरकापियन	टी ई भार
ईथाइल नाइट्रेट	टी
ईथिलिन क्लोरोहाइड्रिन	सी एक
ईथिलिन डेरमाइन	टी
ईथिलिन डिक्लोमाइड (1, -2-डिक्लोमोथेन)	टी ई
ईथिलिन ग्लाइकोल डिस्ट्रेट	टी एक भार
ईथिलिन ग्लूमाइड	टी एक
ईथिलेनेमाइन	टी
एन्यूजेटिल	टी
फ्लुइराइड	टी
फ्लुइरो-4-2 हाइड्रोनिमिडिक एमिड एण्ड साल्ट्स, ईस्टर्स, इमाइड्स	टी
फ्लोरोडिसिटिक एमिड एण्ड साल्ट्स, ईस्टर्स एमाइड्स	टी
फ्लोरोडिसिटिक एमिड-4 एण्ड साल्ट्स, ईस्टर्स एमाइड्स	टी
फ्लोरोडिसिटिक एमिड-4, एण्ड साल्ट्स ईस्टर्स, एमाइड्स	टी
फोरमेटेहाइड	टी
फरफ्यूरल	टी
ग्लाइकोनिटाइल (हाइड्रोक्सीमिसेटोनिटाइल)	टी
गिनिल-1-4-हाइड्रोसिमिनोगिलिस-1-टेट्राजिन	ई
हाइड्रोक्लोर	

रसायन (स्तम्भ-1)	घातक वर्गीकरण (स्तम्भ-2)
हेक्साक्लोरोडाइक्लो-पी-डायक्लिन-1, 2, 3, 7, 8, 9	टी
हेक्सासिहाइडफासफोरेलईड	टी
हेक्सासिथाइल-3, 3, 6, 6, 9, 9, -1, 2, 4, 5, -टेट्रोक्लिनोक्लोरोनेन	भार
हेक्सानिट्रोसिलबिन-2, 2, 4, 4, 6, 6,	ई
हाइड्राजाइन	टी एफ
हाइड्राजाइन नाइट्रेट	ई
हाइड्रोजन	एफ बार
हाइड्राजन क्लोराइड (तरल गैस)	टी
हाइड्रोजन साइमाइड	टी एफ
हाइड्रोजन फ्लोराइड	टी सी
हाइड्रोजन मेनेमाइड	टी
हाइड्रोजन सल्फाइड	टी एफ
आयोडीन	
आइसोबेनज़िन	टी
आइसोप्रोप्रीन	टी
आइसोफोफालेन	सी एफ
जुगलोन (5-हाइड्रोक्साइनाफिथालीन-1, 4-डायोनी)	टी
लैड (इनोइगेनिक फ्यूम्स एवं डस्ट्स)	
लेड 2, 4, 6-ट्रिट्रोरेमोरसिनोक्माइड नेडस्टफनेट	ई
लेड अजाइड	ई
लिनडेन	टी
मालटेक मेनिडाइड	टी
मैगनीज एवं कम्पाउंड्स	
मरकरी एस्मल	
मरकरी फ्लामिनेट	ई
मरकरी मिथाइल	
मिथाइल एडिटेड	टी एफ
मिथाइल एरिलेट	एफ
मिथाइल अलकोहाल	सी एफ
मिथाइल अमाइन	
मिथाइल ब्रामाइड (ब्रोमोमिथेन)	टी
मिथाइल क्लोराइड	टी
मिथाइल क्लोरोफॉम	टी एफ
मिथाइल साइक्लो हेक्सेन	एफ
मिथाइल ईथिल रीटोन पैराक्साइड	भार
मिथाइल आइसोब्यूटिल री टोन पैराक्साइड	भार
मिथाइल आइसोबियानेट	टी एफ
मिथाइल स्टिरीन	टी एफ
मिथिलीन क्लोराइड	टी
मिथिलेनेबिस-4-4 क्लोरोएमीलाइन	टी
मेबिनाहोस	टी
मूलिबेडनम एण्ड कम्पाउंड्स	
मोफोलिन	सी एफ
एन-मिथाइल-एन, 2, 4, 6-एम टेट्रानिट्रोनिमिन	ई
नेफ्था (कोलतार)	एफ
नेफथालिन	टी
नेफथिलेमाइन-2	टी
निकल एण्ड कम्पाउंड्स	टी
निकल टेट्राकार्बोनिल	टी एफ
नाइट्रोनिमिन-पी	टी
नाइट्रोबेंजीन	टी
नाइट्रोक्लोरोबेंजीन	टी
नाइट्रोक्लेन	टी एफ

रसायन (कालम-1)	घातक वर्गीकरण (कालम-2)
नाइट्रोजन डायक्साइड	टी
नाइट्रो आक्साइड	टी
नाइट्रोक्लीसीन	टी ई
नाइट्रोप्रोफेन-1	टी एफ
नाइट्रोप्रोफेन-2	टी एफ
ओलोम	सी
ओथिल-ईथिलसर्वाफनिलमिथाइल फास्फोरोथाएट	टी
ओथिल-ईथिलसर्वाफनिलमिथाइली फास्फोरोथाएट	टी
ओथिल एम-ईथिलथियोमिथिल फास्फोरोथाएट	टी
ओथिल आइसोप्रोफिल मिमोमिथाइल फास्फोरोथाएट	टी
ओथिल प्रोफिल थियोमिथाइल फास्फोरोथाइ थियोर	टी
आन्सोडाइसलफ्यूटन	टी
आक्सीजन (तरल)	टी
आक्सीजन डाइफ्लुओराइड	टी
ओजोन	टी
पैराक्सीन (ओथिल-4-नाइट्रोफिनाइल फास्फेट)	टी
पैराथियन	टी
पैराथियन मंथाइल	टी
पेनसुलफाथियन	टी
पेनटाबोरेन	टी एफ
पेनटाक्लोरोफिनायल	टी
पेनसुटेरायराइल टेट्रासिटरेट	टी एम
पैरासिट्रिक एसिड	सी आर
पैरक्लोरोयायलिन	टी
पैरक्लोरोमैथाइल मरफेपटन	टी
पेटानडन, 2,4,6-मैथाइल	टी
फिनोल	टी
फोरेट	टी
फार्माकटम	टी
फॉरॉजिन (कार्बोनाइल 4-थाराइड)	टी
फॉस्फोमिडन	टी
फासफाइन (हाइड्रोजन फासफाइड)	एफ
फॉस्फिड एण्ड कम्पाउंड्स	एफ
थैलिक एन हाइड्राइड	टी
थाइरिड एसिड 2,4,6-ट्राइनिट्रोफेनिल	टी ई
थोमूरिट	टी
(1) 3,4-डिक्लोरोफिनाइल डिट्रिनेथियोकार्बोक्साइड	टी
थोप्रेनिसलटोन-3,1	टी
थोप्रेन-1,2-क्लोरोड-1,3-डायल डाइसिटेट	टी
थोपाइल एसिटेट-एन	एफ
थोपाइल थ्रॉक्लोइल	एफ
थोपाइल न डिक्लोराइड	एफ
थोपाइन आक्साइड	टी
थोपाइल नमाइन	टी
थाग्राजीकसन	टी
थाग्राईयाइन	टी एफ
थ्वीनोन	—
थैलेनियम हेक्सा फ्लूओराइड	टी
थोडियम क्लोरेट	ई आर डी
थोडियम हाइड्राक्साइड	सी
थोडियम बिट्रेट	टी डी
थोडियम फ्लुओमेट	टी ई
थोडियम सेनेनाइट	टी

रसायन (कालम-1)	जोषिम का वर्गीकरण (कालम-2)
मल्फोटरे	टी
मल्फर डाइक्लोराइड	टी
मल्फर यार्थिमाइड	टी
मल्फूरिक एसिड	—
टैलूरियम	—
टैलूरियम टैक्साफ्लोराइड	टी
टैम्प	टी
टैटराक्लोरोडाईबिजी-मिथी-थी-थी-थी-थी-2,3,7, 8 (टीडीडीडी)	टी
टैटराहाइड्रल सीड	टी
टैटराहाइड्रोफ्यूरेन	टी एफ
टैटरामैथाइनडाइमल्फोटैटरामाइन	टी
टैटरामैथाइल सीड	टी
टैटरानि रयुमैथेन	—
थाइलियम एण्ड कम्पाउंड्स	टी
थाइयोनाइजिन	टी
थाइयोनाइल क्लोराइड	एफ
थाइरम	टी
थाइरपेट	टी
थॉल्युन	टी एफ
थॉल्युन-2, 2 डिटेड साइनेट	टी
थाल्य थाइडिन-थी	टी
ट्राई-1 माईक्लोहाइड्रमनो स्टेनाइल-1-एल-1, 2, 4-थानील	टी ई
ट्राईयामिनड-1-3, 5-2, 4, 6-ट्राईनिट्रोसेनेजिन	टी
ट्राईक्लोरीगथिलिन	टी
ट्राईक्लोरोमैथानेसल्फेनाइल	सी एफ
ट्राईथाइलेनाइड	टी
ट्राईथाइलेनेमेलेमाइन	टी ई
ट्राईनिट्रोबेनिलाइन	टी ई
ट्राईनिट्रोप्रानिप्रोल-2, 4-6	टी ई
ट्राईनिट्रोबेनिजिन	टी ई
ट्राईनिट्रोबुनिजानिक एसिड	टी ई
ट्राईनिट्रोबेक्मोल	टी ई
ट्राईनिट्रोफैनिटोल 2, 4, 6	टी ई
ट्राईनिट्रोसोसेडिनयल-2, 4, 6 (स्टाईनिक एसिड)	टी ई
ट्राईनिट्रोसोबिचन	टी ई
ट्राईथाथीक्रिस्टल	—
टस्पेनटाइन	टी
यूरेनियम एण्ड कम्पाउंड्स	टी
वैतडियम एण्ड कम्पाउंड्स	टी
विनाइल क्लोराइड	टी एफ
विनाइल थॉल्युन	टी ई
वाफैरिन	टी एफ
जार्डालिन	टी
जार्डालिन	टी
जिक एण्ड कम्पाउंड्स	—
जिरकोनियम एण्ड कम्पाउंड्स	एफ

सी - क्षरणशील

सी - आक्सीकर

ई - विस्फोटक

आर - प्रतिक्रियाशील

एफ - ज्वलनशील

टी - विषैला

अध्याय 6

यासायान का नियंत्रण

138 मोटर माईकल के लिए संकेत और अभिरक्षित सुरक्षा उपाय :—

(1) मोटर यान का ड्राइवर ऐसे संकेत ऐसे अवसरों पर करेगा जो धारा 118 के अधीन बनाए गए विनियमों में विनिर्दिष्ट किए जाएंगे।

(2) किसी मोटर माईकल का ड्राइवर, धारा 128 की उपाधा (1) में वर्णित सुरक्षा उपायों के अभिरक्षित धारा 118 के अधीन बनाए गए विनियमों में विनिर्दिष्ट सुरक्षा उपायों का पालन करेगा।

139 अनुज्ञापित और रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र का प्रस्तुत किया जाना :—

किसी मोटर यान का ड्राइवर या कंडेक्टर वहीं पहले किसी पुलिस अधिकारी या इस निमित्त राज्य सरकार द्वारा प्राधिकृत किसी अन्य अधिकारी द्वारा मांगे जाने पर रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र, बीमा प्रमाणपत्र अच्छी हालत में होने का प्रमाणपत्र और अनुज्ञापन, वाहन अनुज्ञापन तथा कोई अन्य सुसंगत दस्तावेज प्रस्तुत करेगा। यदि सभी या उनमें से कोई दस्तावेज उसके पास नहीं है तो वह दस्तावेजों के किसी पुलिस अधिकारी या किसी अन्य अधिकारी द्वारा सम्यक रूप से अनुप्रमाणित उद्धरण प्रस्तुत करेगा और उसे उस अधिकारी को, जिसने वे दस्तावेज मांगे थे, मांग करने की तारीख से 15 दिन के भीतर रजिस्ट्रीकृत डाक द्वारा भेजेगा।

अध्याय 7

पर-व्यक्ति जोखिम के विरुद्ध मोटर यानों का बीमा :—

140 परिभाषाएं :—इस अध्याय में जब तक कि संदर्भ में अन्यथा अपेक्षित न हो :—

(1) "लेखा वर्ष" से 1 अप्रैल से प्रारम्भ होने वाला और आगामी वर्ष 31 मार्च, को समाप्त होने वाला वर्ष अभिप्रेत है;

(2) "अनुमोदित सूची" से विदेशी बीमा कर्ताओं और उनके प्रत्याभूति-स्थानों की ऐसी सूची अभिप्रेत है, जिसमें इन नियमों के अधीन केन्द्रीय सरकार द्वारा बनाए रखी गयी है,

(3) "प्राधिकारी" से केन्द्रीय सरकार या कोई राज्य सरकार या कोई स्थानीय प्राधिकारी या कोई राज्य परिवहन उपक्रम अभिप्रेत है जिसके स्वाभिमुख में मोटर यानों को धारा 146 की उपाधा (2) के अधीन अनिवार्य बीमा से छूट दी गई है।

(4) "बैंक" से ऐसी कंपनी अभिप्रेत है जो, उधार देने या वित्तियान के प्रयोजन के लिए, जनता से ऐसे धनराशि की जमा प्रतिगृहीत करती है जो मांग करने पर या अनुरोध प्रसिद्ध है तथा जो बैंक, ड्राफ्ट, भरोसा से या अल्पसा प्रत्याहणीय है,

स्पष्टीकरण :—कोई कंपनी या मान के विनिर्माण में लगी हुई है या कोई व्यवसाय करती है और जो जनता से धन राशि की जमा ऐसे विनिर्माण अथवा व्यवसायी के रूप में अपने कारबार के वित्तपोषण के प्रयोजन के लिए प्रतिगृहीत करती है, इस कण्ड के अर्थान्वित बैंक नहीं समझी जाएगी।

(5) "विदेशी बीमा प्रमाणपत्र" से ऐसा प्रमाणपत्र अभिप्रेत है जो इन नियमों के अनुपालन में विदेशी बीमाकर्ता द्वारा प्रकृत 52 में जारी किया गया है;

(6) "विदेशी बीमाकर्ता" से बीमा कारबार करने वाला ऐसा व्यक्ति या फर्म अभिप्रेत है जो भारत से बाहर निवास या अधिवसित है और जो बीमा अधिनियम, 1938 (1938 का 4) के अधीन रजिस्ट्रीकृत नहीं है,

(7) "निधि" से नियम 150 के अधीन स्थापित निधि अभिप्रेत है;

(8) "सरकारी अभिप्रेत प्रतिभूति" से ऐसी सरकारी प्रतिभूति अभिप्रेत है जो नाक अधिनियम, 1914 (1914 का 18) में परिभाषित है;

(9) "प्रत्याभूतिस्थान" से ऐसा बीमाकर्ता अभिप्रेत है जिसने इन नियमों के अनुसरण में किसी विदेशी बीमाकर्ता को प्रत्याभूत किया है इन नियमों के अनुसरण में किसी विदेशी बीमाकर्ता को प्रत्याभूत किया है और "प्रत्याभूति" "प्रत्याभूत" और "प्रत्याभूतिस्थान" के अन्वयार्थ है,

(10) "परिवर्तक" से ऐसा व्यक्ति अभिप्रेत है जो भारत में मोटर यान लेकर आता है और प्रत्येक रूप से जो निरंतर एक वर्ष से अधिक अवधि के लिए नहीं ठहरता है।

(क) अन्तर्राष्ट्रीय बीमा

141. बीमा प्रमाणपत्र :—प्राधिकृत बीमाकर्ता, बीमा पालिसी के प्रत्येक धारक को ऐसे प्रत्येक यान को बावन प्रकृत 54 में बीमा प्रमाणपत्र जारी करेगा।

142. कवर नोट :—(1) प्राधिकृत बीमाकर्ता द्वारा जारी किए गये प्रत्येक कवर नोट प्रकृत 52 में होगा।

(2) उपनियम (1) में निर्दिष्ट कवर नोट इसके जारी किए जाने की तारीख से 60 दिन की अवधि के लिए विधिमार्थ होगा और बीमाकर्ता कवर नोट की समाप्ति की तारीख से पूर्व बीमा पालिसी जारी करेगा।

143. प्रमाणपत्र और कवर नोट का जारी किया जाना :—(1) इस अध्याय के उपबन्धों के अनुपालन में बीमाकर्ता द्वारा जारी किया गया प्रत्येक बीमा प्रमाणपत्र या कवर नोट ऐसे व्यक्ति द्वारा, जो बीमाकर्ता द्वारा प्राधिकृत किया जाए, सम्यक रूप से अधिप्रमाणित किया जाएगा।

144. बीमा प्रमाणपत्र का अन्तरण :—जब कभी किसी विधिमार्थ बीमा प्रमाणपत्र के अन्तर्गत आने वाले किसी मोटरयान के स्वाभिमुख को अपने संबंधित बीमा पालिसी सहित किसी अन्य व्यक्ति को अन्तरण किया जाता है तो, ऐसे यान का बीमा पालिसी यान के स्वाभिमुख के अन्तरण की तारीख से उस अन्य व्यक्ति के नाम स्वतः अन्तरित हो जाएगी और वह व्यक्ति, उक्त अन्तरण की तारीख से 14 दिन के भीतर, उस प्राधिकृत बीमाकर्ता को, जिसने यान का बीमा किया है, यान के रजिस्ट्रीकरण के व्योरे, यान के अन्तरण की तारीख, यान के पहले स्वामी और बीमा पालिसी की संख्या और तारीख के या बावें में सूचना देगा जिससे कि प्राधिकृत बीमाकर्ता प्रती प्रतिनेत्र में मातृसक परिशील कर सके।

145. विज्ञापन मामलों का अन्वर्जन :—इस अधिनियम के अध्याय 11 और इस अध्याय के अन्तरण में जारी किए गए किसी बीमा प्रमाणपत्र या कवर नोट पर न तो मुख पृष्ठ पर और न ही उसके पिछली और कोई विज्ञापन मामलों दो जाएंगे।

146. ऐसे प्रमाणपत्र या कवर नोट जो खो गए हैं नष्ट हो गए हैं पर फट गए हैं नष्ट हो गए हैं विधिवत अथवा विकृत हो गए हैं :—

(1) जहां कोई पालिसी धारक :—

(क) किसी बीमाकर्ता के पास घोषणा दाखिल करता है जिसमें वह यत्र घोषित करता है कि उसे ऐसे बीमाकर्ता द्वारा जारी किया गया बीमा प्रमाणपत्र या कवर नोट मिला गया है, नष्ट हो गया है, फट गया है, नष्ट हो गया है, विकृत हो गया है, अथवा विकृत हो गया है तथा प्रमाणपत्र या कवर नोट के बां जने अथवा नष्ट हो जाने में संबंधित परिस्थितियों की आर उम्मा पता लगाने के प्रयत्नों को पूर्ण विनिश्चितता देता है,

(ख) या ऐसे बीमाकर्ता द्वारा उसे जारी किए जये बीमा प्रमाण-पत्र या कवर नोट फटी हुई, मैली, विरूपित या विकृत दशा में प्राधिकृत बीमाकर्ता को लौटा देता है, और

(ग) ऐसे प्रत्येक प्रमाणपत्र या कवर नोट की बाबत बीमाकर्ता को बीस रुपये की फीस संभाल करता है,

वहाँ प्राधिकृत बीमाकर्ता, यदि उसका व्यक्तिगत रूप से यह समाधान हो जाए कि ऐसा प्रमाणपत्र या कवर नोट खो गया है, या नष्ट हो गया है, और यह कि उसका पता लगाने के सभी व्यक्तिगत प्रयत्न किए गये हैं, या यह कि वह यथास्थिति नष्ट हो गया है या मैला हो गया है, विरूपित हो गया है, या विकृत हो गया है, तो वह उसे बदले बीमा या कवर नोट की दूसरी जारी करेगा जिस पर "दूसरी प्रति" शब्द स्पष्ट रूप से पृष्ठकित किया जाएगा।

(2) जब कभी इस अध्यावेदक करने पर कि प्रमाणपत्र या कवर नोट खो गया है, उपनियम (1) के उपबंधों के अनुसार प्रमाणपत्र या कवर नोट की दूसरी प्रति जारी कर दी जाती है, और बांध में धारक को मूल प्रमाणपत्र या कवर नोट मिल जाता है तो यथास्थिति, मूल प्रमाणपत्र या कवर नोट बीमाकर्ता को अभ्यर्पित रूप दिया जाएगा।

147. प्राधिकृत बीमाकर्ताओं के द्वारा अभिलेखों का रखा जाना प्रत्येक प्राधिकृत बीमाकर्ता उसके द्वारा जारी की गई प्रत्येक बीमा पालिसी की बाबत निम्नलिखित विनिर्दिष्टों का अभिलेख पांच वर्षों तक रखेगा अर्थात् :-

(3) उस व्यक्ति का पूरा नाम और पता जिसे पालिसी जारी की गई है,

(2) किसी विनिर्दिष्ट मोटरयान से संबंधित पालिसी की दशा में ऐसे मोटरयान का रजिस्ट्रीकरण चिह्न और उस यान की संख्या तथा अन्य दशाओं में पालिसी के अंतर्गत जाने वाले यान का नंबर :-

(3) वह तारीख जिसकी पालिसी प्रस्तुत हुई है और उसके समाप्त होने की तारीख,

(4) वे शर्तें जिनके अधीन रहने हुए, बीमा पालिसी में विनिर्दिष्ट व्यक्ति या व्यक्तियों के वर्गों की अनिवार्यता की जाएगी,

(5) बीमा पालिसी के संबंध में जारी किए गए प्रत्येक बीमा प्रमाण-पत्र या कवर नोट के जारी करने की संख्या और तारीख,

(6) वह तारीख यदि कोई हो, जिसको बीमा प्रमाणपत्र या कवर नोट की दूसरी प्रति जारी की गई थी,

(7) या दूसरी प्रति के जारी किए जाने के पश्चात् मूल बीमा प्रमाणपत्र मिल गया और तत्पश्चात् इससे बीमाकर्ता को अभ्यर्पित कर दिया गया और यदि ऐसा है तो किस तारीख को।

148. छूट प्राप्त यानों के अभिलेख :- ऐसे मोटर यान की दशा में, जो धारा 146 की उपधारा (2) में विनिर्दिष्ट प्राधिकारियों में से किसी के स्वामित्वाधीन हैं और ऐसे मोटर यान की दशा में भी जो धारा 146 की उपधारा (3) में छूट प्राप्त हैं, ऐसे प्राधिकारियों द्वारा इस निमित्त प्राधिकृत किसी व्यक्ति द्वारा दस्तावेजित प्रत्येक 53 में प्रमाणपत्र इस साध्य में प्रस्तुत किया जा सकेगा कि मोटर यान धारा 146 के उपबंधन में नहीं आया जा रहा है।

(2) उपधारा (2) में निविष्ट प्राधिकारी अपने स्वामित्वाधीन या धारा 146 की उपधारा (3) के अधीन छूट प्राप्त ऐसे मोटर यान का, जिसके संबंध में बीमा पालिसी अभिप्राय नहीं की गई है, और ऐसे यानों के संबंध में इन उपबंधों के अधीन उनके द्वारा जारी किए गए किसी प्रमाण-पत्र

का और उन व्यक्तियों के नामों तथा पत्तों का जिनको ऐसे प्रमाणपत्र जारी किए गए हैं और ऐसे प्रमाणपत्रों में से किसी के रद्दकरण का अभिलेख रखेगा।

149. जानकारी का दिया जाना—इस अध्याय के उपबंधों के अधीन दस्तावेजों का अभिलेख रखने के लिए अपेक्षित कोई व्यक्ति, प्राधिकारी या प्राधिकृत बीमाकर्ता अनुरोध करने पर केन्द्रीय सरकार या किसी राज्य सरकार या राज्य सरकार द्वारा इन विनिर्दिष्ट प्राधिकृत किसी पालिसी प्राधिकारी को बिना किसी प्रकार के उमकी कोई भी विनिर्दिष्टियां देगा।

150. बाधा अधिकरण को रिपोर्ट की प्रतियां दिया जाना—

(1) धारा 158 की उपधारा (4) में निविष्ट पुलिस रिपोर्ट प्रत्येक 54 में होगी।

(2) रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी या पुलिस अधिकारी, जो धारा 160 के अधीन प्रतिकर का बाधा करने के पात्र व्यक्ति को आवश्यक जानकारी देने के लिए अपेक्षित है, अनुरोध प्राप्त करने की तारीख से सात दिन के भीतर और दस रुपए की फीस का संदाय किए जाने पर, प्रत्येक 54 में जानकारी देगा।

151. निधि की स्थापना—धारा 146 की उपधारा (3) में निविष्ट प्रत्येक प्राधिकारी किसी ऐसे व्यक्ति को, जो उस प्राधिकारी के किसी मोटरयान के उपयोग से उत्पन्न हो या जो उसके नियोजन में कोई व्यक्ति पर व्यक्ति के प्रति उपयुक्त करे और जिसके अंतर्गत कर्मकार प्रतिकर अधिनियम, 1923 (1923 का 8) के अधीन उत्पन्न होने वाला बाधित्व भी है, पूरा करने के लिए निधि की स्थापना करेगा।

152. निधि की रकम—(1) निधि की स्थापना कम से कम पांच लाख रुपए की प्रारंभिक राशि से की जाएगी और उक्त राशि बैंक या सरकार के पास जमा रखी जाएगी।

(2) उप नियम (3) के उपबंधों के अधीन रहने हुए प्राधिकारी बाधु हावत में अपने यानों की बाबत प्रत्येक लेखा वर्ष के प्रारंभ में निधि में प्रति यान कम से कम दो सौ रुपए की राशि का संदाय करेगा।

स्पष्टीकरण—इस उपनियम में "बाधु हावत में यान" से प्राधिकारी के ऐसे सभी यान अभिप्रेत हैं जिनके लेखा वर्ष के दौरान किसी भी समय चलने रहने की संभावना है।

(3) जब निधि बीस लाख रुपए या यानों की संपूर्ण फ्लीट के लिए प्रति यान दो हजार पांच सौ रुपए की, इसमें से जो भी कम हो, राशि से अधिक हो जाती है तो उपधारा (2) में निविष्ट वार्षिक संदाय रोक दिया जाएगा, परन्तु यदि तत्पश्चात् निधि के जमाखाने में रकम बीस लाख रुपए या यानों के संपूर्ण फ्लीट के लिए प्रति यान दो हजार पांच सौ रुपए, इसमें से जो भी कम हो, से कम हो जाती है तो ऐसे वार्षिक संदाय को पुनः बाधु कर दिया जाएगा।

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार से मिश्र किसी प्राधिकारी की यह राय है कि बीस हजार रुपए या यानों की संपूर्ण फ्लीट के लिए प्रति यान दो हजार पांच सौ रुपए, इसमें से जो भी कम हो, की राशि पर्याप्त नहीं है तो वह, केन्द्रीय सरकार के पूर्व अनुमोदन से, यथास्थिति, बीस लाख रुपए या प्रति यान दो हजार पांच सौ रुपए की रकम से अधिक वार्षिक संदाय करता रहेगा।

153. निधि का विनिधान—निधि के जमाखाने की रकम से प्राधिकारी बैंक से कम से कम पचास हजार रुपए की नकद जमा रखेगा और उसे बनाए रखेगा तथा निधि के जमा खाने में की शेष रकम सरकारी प्रतिभूतियों में विनिधित कर दी जाएगी।

154. निधि में जमा के रूप में धारित प्रतिभूतियां—(1) ऐसी सभी सरकारी प्रतिभूतियां, जिनमें निधि को विहित किया गया है, प्राधिकारी दूसरा बैंक को अंतरित कर दी जाएगी।

(2) प्राधिकारी किसी भी समय नकब रकम या समान अथवा अधिक बाजार मूल्य की अन्य सरकारी प्रतिभूतियों या दोनों के लिए सरकारी प्रतिभूतियों का विनियमन करने के लिए सक्षम होगा और प्राधिकारी के लिए बैंक सामान्य कमीशन प्रसारित करने के पश्चात् ऐसे विनियमन के लिए प्राधिकारी द्वारा दिए गए अनुबंधों का पालन करेगा। इस प्रकार विनियम की गई प्रतिभूतियाँ बैंक को भी प्रतर्जित कर दी जाएगी।

155—जमा प्रक्रिया (1) जैसे ही निधि की स्थापना कर दी जाती है, बैंक प्राधिकारी को एक विवरण भेजेगा जिसमें वह प्राधिकारी की ओर से उसके द्वारा पारित प्राप्तिगत विनिर्दिष्ट करेगा और उसकी एक प्रति केन्द्रीय सरकार के भूतल परिवहन विभाग या संबंध राज्य सरकार को भी भेजेगा।

(2) जब कभी भी बैंक द्वारा पारित प्राधिकारियों की प्राप्तिगतों में कोई परिवर्तन होता है तो उपनियम (1) में निर्दिष्ट विवरण एक ही प्रकार से और उन्हीं प्राधिकारियों को भेजा जाएगा।

156—जमा रकम पर ब्याज—निधि में प्रत्येक जमा या निधि में पारित प्रतिभूतियों पर वसूल किए गए ब्याज का संशय बैंक द्वारा प्राधिकारी को किया जाएगा।

157—(1) रकम का निकाला जाना—(1) निधि से कोई भी रकम किसी ऐसे दायित्व को, जो प्राधिकारी के मोटर यान का उपयोग करने से उत्पन्न हो और जो वह प्राधिकारी या उसके नियोजन में कोई व्यक्ति पर व्यक्ति के प्रति उत्पन्न करे और जिसके अंतर्गत कर्मकार प्रतिकर अधिनियम, 1923 से उत्पन्न होने वाला दायित्व भी है, पूरा करने के प्रयोजन के लिए ही निकाली जाएगी अन्यथा नहीं।

(2) प्राधिकारी, ऐसी शर्तों और ऐसे निबंधनों के अधीन रहते हुए जो वह इस निमित्त अधिरोपित करे, अपने किसी प्राधिकारी को उपनियम (1) में वर्णित प्रयोजन के लिए निधि से धनराशि निकालने के लिए प्राधिकृत कर सकेगा।

(3) उप नियम (2) में निर्दिष्ट प्राधिकार पत्र की एक प्रति, जिसे प्राधिकारी के किसी सक्षम अधिकारी द्वारा सम्यक् रूप से अधिप्रमाणित किया गया हो, बैंक को भेजी जाएगी जो उसमें अस्तित्वित शर्तों और निबंधनों के अधीन रहते हुए ऐसे प्राधिकार पत्र में नामित अधिकारी द्वारा ही राशि निकाले जाने की अनुमति देगी।

158. बाबों का किया जाना—प्राधिकारी ऐसे निदेशों का पालन करेगा जो यथा स्थिति, केन्द्रीय सरकार या संबंध राज्य सरकार ऐसे बाबों के, जो निधि से पूरे किए जाने हों, तय किए जाने के संबंध में, अनुसरण को जाने वाली प्रक्रिया की बाबत समय-समय पर जारी करे।

159. विदेशी बीमाकर्ताओं की सूची—(1) केन्द्रीय सरकार ऐसे विदेशी बीमाकर्ताओं की, जिनके बारे में इस अध्याय के उपबंधनों के अनुसार प्रत्याभूति दी गई है, सूची (जिसे इसमें इसके पश्चात् अनुमोदित सूची कहा गया है) और साथ ही प्रत्येक वर्ष में प्रत्याभूतिदाता या प्रत्याभूतिदाताओं के नाम राजपत्र में प्रकाशित करेगी तथा समय-समय पर अनुमोदित सूची में जोड़े जाने या उससे हटाए जाने को भी प्रकाशित करेगी।

(2) किसी भी विदेशी बीमाकर्ता का नाम अनुमोदित सूची में तभी जोड़ा जाएगा जब ऐसे विदेशी बीमाकर्ता के बारे में कम से कम एक बीमाकर्ता द्वारा प्रत्याभूति दी गई है और ऐसे विदेशी बीमाकर्ता का नाम जिसका कम से कम एक प्रत्याभूतिदाता भी नहीं रह गया है, सूची से हटा दिया जाएगा।

160—विदेशी बीमाकर्ता का प्रत्याभूतिदाता—

(1) कोई ऐसा बीमाकर्ता जो किसी विदेशी बीमाकर्ता के बारे में प्रत्याभूति देना चाहता है, प्ररूप 55 में केन्द्रीय सरकार को उसके लिए आवेदन करेगा।

(3) यदि केन्द्रीय सरकार का यह समाधान हो जाता है कि उपनियम (1) में निर्दिष्ट आवेदन सही है और यह समीचीन है कि विदेशी बीमाकर्ता को अनुमोदित सूची में रखा जाए अथवा अहां विदेशी बीमाकर्ता का नाम अनुमोदित सूची में पहले ही सम्मिलित कर लिया गया है, यह कि बीमाकर्ता को विदेशी बीमाकर्ता के प्रत्याभूतिदाता के रूप में अनुमोदित सूची में जोड़ दिया जाए, तो वह अनुमोदित सूची में विदेशी बीमाकर्ता का नाम तब जोड़ सकेगी जब वह उसमें पहले ही सम्मिलित नहीं किया गया है और ऐसे बीमाकर्ता को ऐसा विदेशी बीमाकर्ता के प्रत्याभूतिदाता के रूप में सम्मिलित कर सकेगी।

(3) ऐसा प्रत्याभूतिदाता, जो किसी विदेशी बीमाकर्ता के बारे में प्रत्याभूति देना छोड़ देना चाहता है प्ररूप 56 में केन्द्रीय सरकार को कम से कम दो मास की सूचना देगा और अहां ऐसी सूचना दी गई है, वहां प्रत्याभूतिदाता के बारे में यह समझा जाएगा कि उसने सूचना में विनिर्दिष्ट तारीख से विदेशी बीमाकर्ता के बारे में प्रत्याभूति देना छोड़ दिया है।

परन्तु ऐसा छोड़ने की तारीख के पूर्व नियम 160 के उपनियम (2) के उपबंधों के अनुसार पृष्ठांकित या निष्कांकित सभी विदेशी बीमा प्रमाणपत्रों की बाबत, बीमाकर्ता के बारे में यह समझा जाएगा कि वह ऐसे विदेशी बीमाकर्ता का जिसने प्रमाणपत्र जारी किया है, प्रत्याभूतिदाता बना हुआ है मानो ऐसे प्रत्याभूति दाता ने इसका प्रत्याभूतिदाता होना छोड़ा नहीं है।

(4) यदि किसी समय कोई प्रत्याभूतिदाता बीमाकर्ता नहीं रह जाता है तो केन्द्रीय सरकार ऐसी सूचना देने के पश्चात् जो उसे आवश्यक प्रतीत होती हो, ऐसे प्रत्याभूतिदाता के नाम अनुमोदित सूची से जब कभी ऐसा प्रतीत हो, हटा सकेगी।

परन्तु अनुमोदित सूची में से प्रत्याभूतिदाता के नाम के हटाए जाने की तारीख के पूर्व नियम 161 के (2) के उपबंधों के अनुसार पत्र में पृष्ठांकित सभी विदेशी बीमा प्रमाणपत्रों की बात ऐसे प्रत्याभूतिदाता के बारे में, जो बीमाकर्ता नहीं रहा है, यह समझा जाएगा कि वह विदेशी बीमाकर्ता के बारे में प्रत्याभूतिदाता बना हुआ है मानो ऐसे प्रत्याभूतिदाता ने बीमाकर्ता होना छोड़ा नहीं है और मानो उसका नाम सूची में नहीं हटाया गया है।

161. विदेशी बीमा प्रमाण पत्र का पृष्ठांकन—(1) ऐसा परिदर्शक जो विदेशी बीमा प्रमाण पत्र को पृष्ठांकित या पुनः पृष्ठांकित कराना चाहता है, प्ररूप 57 में ऐसा प्रमाण पत्र प्रविष्टि पत्र या भूमि सीमाशुल्क पोस्ट पर सीमा शुल्क क्लर्क के समक्ष अथवा ऐसे अन्य अधिकारी को जिसे केन्द्रीय सरकार, राजपत्र में अधिसूचना द्वारा, नियुक्त करे, इस अध्याय के उपबंधों के अनुसार पृष्ठांकन के प्रयोजन के लिए या इस अध्याय के अनुसार प्रमाण पत्र पर पहले ही किए गए किसी पृष्ठांकन के नवीकरण के प्रयोजन के लिए पेश करेगा।

(2) यदि ऐसे अधिकारी का यह समाधान हो जाता है कि विदेशी बीमा प्रमाण पत्र इस अध्याय के उपबंधों की अपेक्षाओं के अनुरूप है, भारत में ऐसे प्रमाण पत्र की विधिमार्ग्यता की अस्ति सनात नहीं हुई है, ऐसा प्रमाण पत्र अनुमोदित सूची के विदेशी बीमाकर्ता द्वारा जारी किया गया है और प्रमाण पत्र में विनिर्दिष्ट प्रत्याभूतिदाता की अनुमोदित सूची में विदेशी बीमाकर्ता के प्रत्याभूतिदाता के रूप में दिखाया गया है तो वह प्ररूप 58 में उस पर पृष्ठांकन करेगा।

(3) किसी पृष्ठांकन की विधिमार्ग्यता की या पूर्वोक्त रूप में किए गए पृष्ठांकन के नवीकरण की अवधि किसी भी दशा में ऐसी तारीख के परे नहीं बढ़ाई जाएगी जिसको विदेशी बीमा प्रमाण पत्र भारत में प्रभावी नहीं रहता है।

परन्तु जब कोई परिवर्तक भारत में अपने ठहरने के दौरान नया विदेशी बीमा प्रमाण पत्र प्राप्त कर लेता है तब उस पर किए गए पुष्ठांकन की विधिमाम्यता की अवधि ऐसे पुष्ठांकन या पुष्ठांकनों की, जो मूल प्रमाण पत्र पर किए जाते हैं, विधिमाम्यता की अवधि में जोड़ने पर, कुल मिलाकर एक वर्ष से अधिक नहीं होगा।

162--विदेशी बीमा प्रमाण-पत्र की विधिमाम्यता :

यिम 161 के उपबंधों के अनुसार पुष्ठांकित किया गया विदेशी बीमा प्रमाण पत्र इस प्रकार प्रभावी होगा मानो वह उसमें विनिर्दिष्ट प्रत्याभूति-दाता द्वारा जारी किया गया बीमा प्रमाण पत्र हो और उसके बारे में यह समझा जाएगा कि वह अधिनियम के अध्याय 11 की अपेक्षाओं के अनुरूप है और ऐसे पालिसी के बारे में जो जिससे वह संबंधित है, यह समझा जाएगा कि वह ऐसे प्रत्याभूतिदाता द्वारा जारी की गई है और वह अधिनियम के अध्याय 11 की अपेक्षाओं के अनुरूप है।

163--प्रत्याभूतिदाता द्वारा अभिलेखों का रखा जाना :

प्रत्येक प्रत्याभूतिदाता, ऐसे विदेशी बीमाकर्ता द्वारा, जिसके बारे में उसने प्रत्याभूति दी है, अपनी प्रत्याभूति के अधीन जारी किए गए विदेशी बीमा प्रमाण पत्र की बाबत और प्रत्येक ऐसा व्यक्ति जो प्रत्याभूतिदाता नहीं रहा है, ऐसे विदेशी बीमाकर्ता द्वारा, जिनके बारे में उसने पूर्वगामी पांच वर्षों में किसी समय प्रत्याभूति दी है, अपनी प्रत्याभूति के अधीन जारी किए गए विदेशी बीमा प्रमाण पत्र की बाबत, ऐसी पालिसियों से संबंधित जिनके संबंध में विदेशी बीमा प्रमाण पत्र जारी किए गए थे, ऐसी विशिष्टियों का अभिलेखन रखेगा जो पालिसियों की बाबत नियम 147 के अधीन बीमाकर्ताओं द्वारा रखी जानी अपेक्षित है और उन अभिलेखों में ऐसे आवश्यक परिवर्तन, जो उन्हें अद्यतन बनाए रखने के लिए अपेक्षित है, उन्नी बीधना से किए जाएंगे जितना परिस्थितियों में युक्तियुक्त रूप से संभव हो।

अध्याय-8

अपराध, शास्त्रियाँ और प्रक्रिया :—

164. धारा 208 के प्रयोजन के लिए धारा 208 की उपधारा (1) के प्रयोजन के लिए अपराध निम्नलिखित होंगे—
- (क) निरहंता की अवधि के दौरान मोटर यान चलाना (धारा-23)
- (ख) उस समय रकने में अनफल रहना जब यान दुर्घटनाग्रस्त हो जाता है (धारा-132)
- (ग) पुष्ठांकन की विशिष्टियाँ किए बिना चालन-अनुज्ञप्ति प्राप्त करना या उसके लिए आवेदन करना (धारा-182)
- (घ) खतरनाक तरीके से मोटर यान चलाना (धारा--184)
- (ङ) सड़ना या क्षीय के अंतर में होते हुए मोटरयान चलाना (धारा--185)
- (च) धारा 184 या धारा 185 के अधीन किसी अपराध का दुष्प्रेरण करना (धारा--188)
- (छ) किसी प्रकार की अप्रचिछित दौड़ या गति के परीक्षण में भाग लेना (धारा--189)
- (ज) चालन अनुज्ञप्ति में परिवर्तन करना या परिवर्तित अनुज्ञप्ति का प्रयोग करना।
- (झ) कारावास से बंदनीय अन्य अपराध जिसके किए जाने में मोटर यान का प्रयोग किया गया था।

[सं. धार टी-11014/1/89-टी ए जी]

(बी. धार. बन्हाण)

संयुक्त सचिव (टी)

प्ररूप

नियम 2 (ख) देखिए।

प्ररूप

नियम 8, 7, 10 (क), 14 (ब) देखिए।

शिष्यार्थी अनुज्ञप्ति/चालन अनुज्ञप्ति या किसी चालन अनुज्ञप्ति के नवीकरण के लिए किसी आवेदक की बाबत चिकित्सीय प्रमाणपत्र।

भाग—1

आवेदक द्वारा भरा जाना है।

5×8 सेन्टीमीटर आकार के फोटो के लिए स्थान

1. आवेदक का नाम
2. का पुत्र/की पत्नी/की पुत्री
3. स्थायी पता
4. अस्थायी पता
सरकारी पता
(यदि कोई है)
5. जन्म की तारीख
6. पहचान चिह्न (1)
(2)

आवेदक की शारीरिक समर्थता के बारे में घोषणा :—

- (क) क्या आप अपस्मार, या बेहोशी के अचानक दौरा या किसी भी कारण से फिर चक्कर से पीड़ित हैं।

—हाँ/नहीं—

- (ख) क्या आप 25 मीटर की दूरी पर दिन की अच्छी रोशनी में (यदि आप चश्मा लगाते हैं तो उसे लगाकर) हर आंख से विवेक करने में समर्थ हैं। —हां/नहीं—
- (ग) क्या आप दोनों में से कोई हाथ या पैर खो चुके हैं या क्या आपकी बांहों या पैरों में से किसी के संचालन, नियंत्रण या मांस पेशियों की शक्ति में कोई कमी है। —हां/नहीं—
- (घ) क्या आप लाल और हरे रंजक रंगों में आसानी से भेद कर सकते हैं। —हां/नहीं—
- (ङ) क्या आप रतौंधी से पीड़ित हैं। —हां/नहीं—
- (च) क्या आप इतने बधिर हैं कि सामान्य, ध्वनि संकेत सुन पाने में (और यदि आवेदन हल्के मोटर यान के चालन के लिए है तो उस यान में श्रवण सहाय सहित या उसके बिना) असमर्थ हैं। —हां/नहीं—
- (छ) क्या आप किसी अन्य ऐसे रोग या निःशक्तता से पीड़ित हैं जिसके कारण आपके मोटर यान चालन से जनता को खतरा का एक स्रोत बन जाने की संभावना है। यदि ऐसा है तो ज्योरा दें। —हां/नहीं—
- मैं, इसके द्वारा घोषणा करता हूँ कि मेरे सर्वोत्तम ज्ञान और विश्वास के अनुसार ऊपर दी गई विशिष्टियाँ और इसमें की गई घोषणा सही है।

आवेदक के हस्ताक्षर

टिप्पण : उस आवेदक को, जो प्रश्न (क), (ग), (ङ), (च) और (छ) का उत्तर 'हां' में देता है या प्रश्न (ख) और (घ) में से किसी का उत्तर "नहीं" में देता है, अपने उत्तर को पूर्ण विशिष्टियों सहित सरल करना चाहिए और उससे/उनसे संबंधित और जानकारी देने की अपेक्षा की जा सकती है।

भाग 2

(राज्य सरकार द्वारा इस प्रयोजन के लिए नियुक्त/रजिस्ट्रीकृत चिकित्सा व्यवसायी द्वारा या धारा 8 की उपधारा (3) के अधीन निर्दिष्ट राज्य सरकार द्वारा इस निमित्त प्राधिकृत व्यक्ति द्वारा भरा जाना है)

1. आवेदक का नाम
2. की पत्नी/का पुत्र/की पुत्री
3. स्थायी पता
4. अस्थायी पता
5. जन्म की तारीख
6. पञ्चम चिह्न (1)
- (2)
7. (क) क्या आवेदक, आपके सर्वोत्तम निर्णय के अनुसार अपस्मार, भ्रमि या किसी ऐसे मानसिक रोग के अध्वर्धन हैं जिससे उसकी चालन कार्य क्षमता पर प्रभाव पड़ने की संभावना है। —हां/नहीं—
- (ख) क्या आवेदक किसी हृदय या फेफड़े के विकार से पीड़ित हैं जो चालक के रूप में उसके कर्तव्यों के अनुपालन में बाधा डाल सकता है। —हां/नहीं—
- (ग) क्या दृष्टि में कोई दोष है। यदि ऐसा है तो उपयुक्त चश्मे द्वारा सही किया गया है। —हां/नहीं—
- (घ) क्या आवेदक आसानी से लाल और हरे रंजक रंगों में विवेक कर सकता है। —हां/नहीं—
- (ङ) क्या आवेदक ऐसी मात्रा तक बधिरपन से पीड़ित हैं जिससे सामान्य ध्वनि संकेतों को सुनने से उसे निवारित करेगा। —हां/नहीं—
- (च) क्या आवेदक रतौंधी से पीड़ित हैं। —हां/नहीं—
- (छ) क्या आवेदक में कोई ग्रंथ विकार या ग्रंथ की हानि है जिससे चालक के रूप में उसके दक्षता पूर्वक कर्तव्य पालन में विघ्न पैदा होगी। यदि ऐसा है तो विस्तृत रूप में कारण बताएं। —हां/नहीं—
- (ज) क्या उसमें अलकोहल, तम्बाकू या औषधि के अत्यधिक प्रयोग का आदी होने का कोई संकेत दिखाई पड़ता है। —हां/नहीं—
- (झ) क्या वह किसी भी कारण से बेहोशी के दौरे से पीड़ित है। —हां/नहीं—
- (ञ) क्या वे 25 मीटर की दूरी पर दिन की अच्छी रोशनी में दोनों से में प्रत्येक आंख से मोटर कार नम्बर प्लेट का विवेक करने में समर्थ हैं। —हां/नहीं—
- (ट) क्या वह दोनों में से किसी भुजा या पैर के संचालन, नियंत्रण या मांसपेशियों की सख्ती में किसी खराबी से पीड़ित है। —हां/नहीं—
- (ठ) आवेदक की ऊंचाई क्या है। क्या आप समझते हैं कि उसकी ऊंचाई, चालन के समय सड़क पर साफ दृष्टि रखने में उसके लिए अहितकर होगी। —हां/नहीं—
- (ड) क्या वह मानसिक रूप से बीमार व्यक्ति है। —हां/नहीं—
- (डू) क्या वह किसी ऐसे अन्य रोग या निःशक्तता से पीड़ित है जिसके कारण उसके मोटरयान चालन से जनता को खतरा का स्रोत बन जाने की संभावना है। —हां/नहीं—

(ग) क्या वह आपकी राय में—

- (1) शारीरिक स्वास्थ्य
 - (2) नेत्र दृष्टि,
 - (3) मानसिक योग्यता; तथा
 - (4) श्रवण योग्यता,
- के संबंध में आमतौर पर ठीक है।

—हाँ/नहीं—

(स) आवेदक का रक्त ग्रुप

(ध) आवेदक का भार एवं संघटक

मैंने आवेदक की जांच कर ली है और मेरी यह राय है कि यह निम्नलिखित कारणों से चालन अनुमति का धारक होने के लिए उपयुक्त नहीं है।

तारीख

हस्ताक्षर

चिकित्सा अधिकारी का नाम और पदाभिधान

मैं प्रमाणित करता हूँ कि मैंने आवेदक _____ की व्यक्तिगत रूप से परीक्षा की है। मैं यह भी प्रमाणित करता हूँ कि अस्थि की जांच करने समय मैंने अस्थि की दृष्टि और श्रवण योग्यता, भुजाओं, पैरों, हाथों और दोनों भ्रूणों के जोड़ों के संबंध में विशेष ध्यान दिया है और यह चिकित्सीय रूप में चालन अनुमति धारण करने के लिए ठीक है।

हस्ताक्षर

चिकित्सा अधिकारी का नाम और पदाभिधान

तारीख :

मोहर

अस्थि के हस्ताक्षर

- टिप्पण : (1) चिकित्सा अधिकारी फोटोग्राफ पर अपने हस्ताक्षर ऐसी रीति से करेगा कि उसके हस्ताक्षर का एक भाग फोटोग्राफ पर हो और एक भाग प्रमाणपत्र पर हो।
- (2) उन राज्यों की शिफ्टिंग जहाँ उनसे विद्युत अभिलेख की धारा 8 की उन धारा (3) के प्रति निर्देश से अधिसूचित हो गई है और सूची का क्रम संख्यांक जहाँ पर उसका नाम है।

प्ररूप सं० 2

(नियम 10 देखिए)

शिक्षार्थी अनुमति दिए जाने या मंजूरीकरण के लिए आवेदन का प्ररूप

फोटोग्राफ के लिए स्थान

सेवा में

अनुभाषन अधिकारी,

मैं निम्नलिखित वर्णन के एक मोटर यान को, नौसिखिया के रूप में खाने के लिए स्वयं को प्राधिकृत करने के लिए अनुमति के लिए आवेदन कर रहा

- (क) बिना गियर वाली मोटर साइकिल
- (ख) गियर वाली मोटर साइकिल
- (ग) अशक्त यात्री गाड़ी
- (घ) हल्का मोटर यान
- (ङ) मध्यम यान
- (च) मध्यम यात्री मोटर यान
- (छ) भारी माल यान
- (ज) भारी यात्री मोटर यान
- (झ) रोड रोलर
- (ञ) निम्नलिखित वर्णन का मोटर यान

आवेदक द्वारा दी जाने वाली विशिष्टियाँ

1. पूरा नाम
2. का पुत्र/की पत्नी/की पुत्री
3. स्थायी पता
(सबूत संलग्न किया जाए)
4. अस्थायी पता/सरकारी पता (यदि कोई है)
5. जन्म की तारीख
(आयु का सबूत संलग्न किया जाए)
6. शैक्षिक योग्यता
7. पहचान चिह्न (1)
(2)
8. रक्त ग्रुप—
आर एच फैक्टर—
9. मैं—से
मोटर साइकिल/
हल्का मोटर यान/
मध्यम यात्री मोटर यान/
मध्यम माल यान
को चलाने के लिए प्रभावी
चालन अनुज्ञप्ति का धारक हूँ।
10. आवेदक द्वारा पूर्व धारित किसी चालन अनुज्ञप्ति की विशिष्टियाँ। क्या इसे रद्द किया गया था, ?
यदि हाँ, तो किस कारण से ?
11. उस यान के, जिसके लिए आवेदक आवेदन करता है, वर्णन की बाबत आवेदक द्वारा पूर्व धारित किसी शिक्षार्थी अनुज्ञप्ति की विशिष्टियाँ
12. क्या आप किसी चालन अनुज्ञप्ति या शिक्षार्थी अनुज्ञप्ति द्वाारा करने या अविप्राप्त करने के लिए निरहित हुए हैं ? यदि ऐसा है तो किन कारणों से ?
13. मैं अपने हाथ के फोटोग्राफ की तीन प्रतियाँ संलग्न करता हूँ (पाँच सें० मी० × छह सें० मी० आकार के फोटोग्राफ होने चाहिए)
14. मैं डा० ————— द्वारा जारी किया गया, तारीख ————— का स्वास्थ्य का चिकित्सीय प्रमाण पत्र संलग्न करता हूँ।
15. मैं शिक्षार्थी अनुज्ञप्ति के लिए अपने पूर्ववर्ती आवेदन के साथ अपने माता पिता/संरक्षक की लिखित अनुमति संलग्न करता हूँ (आवेदक के अवयस्क होने की दशा में)
16. मैं ————— द्वारा जारी किया गया चालन प्रमाण पत्र संलग्न करता हूँ।
(इंजिनियरिंग स्कूल का नाम और पता)
17. मैंने ————— द० की लिखित फीस का संवाय कर दिया है।
18. मैं, केन्द्रीय मोटर यान नियम, 1989 के नियम 6 के अधीन चिकित्सीय परीक्षण से छूट प्राप्त हूँ।
19. मैं, केन्द्रीय मोटर यान नियम, 1989 के नियम 12 के अधीन प्राथमिक परीक्षण से छूट प्राप्त हूँ
जो लागू न हो पाट दें।

तारीख

आवेदक के हस्ताक्षर
आवेदक के दूसरे हस्ताक्षर

मोटर यान अधिनियम, 1988 की धारा 7 की उप धारा (2) के अधीन भोवणा

मैं, श्री/श्रीमती/कु०.....जो.....का पुत्र/की पत्नी/की पुत्री, जो अभ्यस्तक है जो मेरी देख-भाल में है, और मैं उसके भालन के लिए दायित्व का स्वीकार करता हूँ/करती हूँ। यदि किसी बाद की तारीख को मैं भालन के लिए दायित्व को स्वीकार न करने का विनियमन करता हूँ/करती हूँ तो मैं अनुज्ञापन प्राधिकारी को अनुज्ञप्ति के रद्द करण के लिए लिखित रूप में सूचित करूँगा/करगी मैं शिक्षार्थी अनुज्ञप्ति अधिप्राप्त करने के लिए अपनी सहमति देना हूँ/दिती हूँ।

हस्ताक्षर
माता-पिता/वरक्षक
नाम और पूरा पता

नातेबारी-----
(अनुज्ञापन प्राधिकारी या अनुज्ञापन प्राधिकारी द्वारा इस निमित्त प्राधिकृत किसी व्यक्ति को उपस्थिति में हस्ताक्षर किए जाने है)

कार्यालय प्रयोग के लिए

अभ्यस्तक केन्द्रीय मोटर यान नियम, 1989 के नियम 6 के अधीन चिकित्सीय परीक्षण से और नियम 11 (2), के अधीन प्रारम्भिक परीक्षण से छूट प्राप्त है।

शिक्षार्थी अनुज्ञप्ति जारी की जाए।

अभ्यस्तक का केन्द्रीय मोटर यान नियम, 1989 के नियम 11(1) के प्रति निर्देश से परीक्षण किया गया था। उसने परीक्षण पास कर लिया है। शिक्षार्थी अनुज्ञप्ति जारी की जा सकती है।* वह परीक्षण में असफल हो गया है। (कारणों का विनिर्देश किया जाए)

शिक्षार्थी को अनुज्ञप्ति देने से इंकार कर दिया जाए।

अनुज्ञापन प्राधिकारी या इस निमित्त प्राधिकृत अन्य व्यक्ति के हस्ताक्षर

*जो लागू न हो उसे काट दें।

प्रारूप-3
[नियम 3(क) 13 देखिए]
शिक्षार्थी अनुज्ञप्ति

अनुज्ञप्ति सं०

तारीख

फोटोग्राफ के लिए स्थान

1. नाम
2. का पुत्र/की पत्नी/की पुत्री
3. जन्म की तारीख
4. रक्त ग्रुप और भार० ए०० फीटटर
5. वर्तमान पता—स्थायी
अस्थायी/सरकारी पता (यदि कोई है)
6. पहचान चिह्न (1)
(2)

एक शिक्षार्थी के रूप में केन्द्रीय मोटर यान नियम, 1989 के नियम 3 के उपबन्धों के अधीन रद्दते हुए, निम्नलिखित कर्तों के मोटर यान को भारत में सर्वज्ञ जमाने के लिए अनुज्ञप्ति किया जाता है।

अनुज्ञप्ति धारक ने, केन्द्रीय मोटर यान नियम, 1989 के नियम 5 के अधीन चिकित्सीय परीक्षण और नियम 11(1) में निहित प्रारम्भिक परीक्षण उत्तीर्ण कर लिया है।

अनुज्ञप्ति धारक, केन्द्रीय मोटर यान नियम, 1989 के नियम 6 के अधीन चिकित्सीय परीक्षण से और नियम 11(2) के अधीन प्रारम्भिक परीक्षण से छूट प्राप्त है।

यह अनुज्ञप्ति -----से-----तक विधिमन्य है।

*जो लागू न हो उसे काट दें।

चेतावनी:—

इस अनुज्ञप्ति के धारक का ध्यान, फेडरल मोटर यान नियम, 1989 के नियम 3 की ओर आकर्षित किया जाता है जो उन मोटर यान को चलाने के लिए तब तक प्रतिषिद्ध करता है जब तक कि उसके पास यान को चलाने के लिए सम्यक् रूप से अनुज्ञप्त कोई व्यक्ति न हो और प्रत्येक दशा में " L " प्लेट यान के आगे और पीछे दोनों ओर न लगी हुई हो।

प्रारूप-4

(नियम 4 देखिए)

मोटर यान को चलाने की अनुज्ञप्ति के लिए आवेदन का प्रारूप

पांच सें० सी० और छह सें०
मी० के फोटोग्राफ के लिए स्थान

सेवा में,

अनुज्ञापन अधिकारी

मैं निम्नलिखित वर्णन के यानों को चलाने के लिए मुझे समर्थ बनाने हेतु अनुज्ञप्ति के लिए आवेदन करता हूँ—

(क) बिना गियर वाली मोटर साइकिल

(ख) गियर वाली मोटर साइकिल

(ग) अणक यात्री गाड़ी

(घ) हल्का मोटर यान

(ङ) मध्यम माप यान

(च) मध्यम यात्री मोटर यान

(छ) भारी माप यान

(ज) भारी यात्री मोटर यान

(झ) रोड रोलर

(डा) निम्नलिखित वर्णन का मोटर यान

वे बिनिष्ठियां जो आवेदक द्वारा भरी जानी हैं—

1. नाम

2. का पुत्र/की पत्नी/की पुत्री

3. स्थायी पता (सबूत संलग्न किया जाए)

4. अस्थायी पता/सरकारी पता इत्यादि कोई हो)

5. जन्म की तारीख

(सबूत संलग्न किया जाए)

6. शैक्षिक योग्यताएं

7. पहचान चिन्ह

1--

2--

8. रक्त ग्रुप और आर० एच० फैक्टर

9. क्या आपने पहले वाहन अनुज्ञप्ति ली है, यदि हां तो खोरे दें

10. उस प्रत्येक दोषमिद्ध की बिनिष्ठियां और तारीख जिन्हें आवेदक द्वारा धारित किसी अनुज्ञप्ति पर पृच्छाकृत किए जाने का आदेश किया गया है।

11. क्या आप खताने के लिए किसी अनुज्ञप्ति को अभिप्राप्त करने से निरहित किए गए है? यदि ऐसा है तो किस कारण से?

12. क्या आपका चालन परीक्षण लिया गया है जिससे कि उस यान को, जिसकी बाइक चालन अनुज्ञप्ति के लिए आवेदन किया गया है, चलाने की आपकी उपयुक्तता का योग्यता का पता लग सके। यदि ऐसा है तो निम्नलिखित ब्यौरे दें -

परीक्षण की तारीख	परीक्षण प्राधिकारी	परीक्षण का परिणाम
1.		
2.		
3.		
4.		

13. मैं पांच से० सी० और छह से० सी० आकार के अपने हाल के फोटोग्राफ की तीन प्रतियां संलग्न करता हूँ। (जहाँ पट्टिन काई प्रयोग किया जाता है, वहाँ फोटोग्राफ अपेक्षित नहीं है।)
14. मैं अनुस्थापन प्राधिकारी ----- द्वारा जारी किया गया तारीख ----- की शिक्षार्थी अनुज्ञप्ति सं० ----- संलग्न करता हूँ।
15. मैं ----- द्वारा जारी किया गया तारीख ----- का चालन प्रमाण पत्र सं० ----- संलग्न करता हूँ।
16. मैंने शिक्षार्थी अनुज्ञप्ति के लिए अपने आवेदन के साथ माना/पिता/संस्थक की लिखित मंजूरी प्रस्तुत कर दी है।
17. मैंने शिक्षार्थी अनुज्ञप्ति के लिए आवेदन के साथ स्वस्थता का चिकित्सीय प्रमाण पत्र प्रस्तुत कर दिया है। मैं स्वस्थता का चिकित्सीय प्रमाण पत्र संलग्न करता हूँ।
18. मैं केन्द्रीय मोटर यान नियम, 1989 के नियम 6 के अधीन चिकित्सीय परीक्षण से छूट प्राप्त हूँ।
19. मैं केन्द्रीय मोटर यान नियम, 1989 के नियम 11(2) के अधीन प्रारम्भिक परीक्षण से छूट प्राप्त हूँ।
20. मैंने अपने की फीस का संवाय कर दिया है।

मैं इसके द्वारा घोषणा करता हूँ कि मैंने सर्वोत्तम ज्ञान और विश्वास के अनुसार ऊपर दी गई विभिष्टियां सही हैं।

टिप्पण: जो लागू न हो उसे काट दें।

आवेदक के हस्ताक्षर/अंगूठा निशान

तारीख :

चालन योग्यता के परीक्षण का प्रमाण पत्र

आवेदक ने केन्द्रीय मोटर यान नियम, 1989 के नियम 15 के अंतर्गत निहित परीक्षण उपायों को किया है। परीक्षण तारीख को (यहां यान के रजिस्ट्रेशन निम्न और उसके वर्णन की प्रविष्टि करें) को किया गया था।

आवेदक, परीक्षण में अग्रसर रहा है (कमी के दायरे में स्वीकृत किए जाएंगे)

तारीख

परीक्षण प्राधिकारी के हस्ताक्षर
पूरा नाम और पदनाम
आवेदक के दो नमूना हस्ताक्षर

जो लागू न हो उसे काट दें।

प्ररूप-5

[नियम 14 (5), 15 (1) (ख) और 17(घ)]

इच्छित स्कूल या स्थापन द्वारा जारी किया गया चालन प्रमाणपत्र

प्रमाणित किया जाता है कि श्री/श्रीमती/कुमारी के पुत्र/की पत्नी/की पुत्री है हम विद्यालय में का प्रविष्टि किए गए थे/की गई थी और उनका नाम हमारे रजिस्टर में प्ररूप 14 में क्रम संख्याक के रूप में रजिस्ट्रेशन है और उन्होंने तक की अवधि के लिए विहित पाठ्यक्रम के अनुसार (यहां दो वर्षों का उल्लेख करें) के चालन का प्रशिक्षण क्रम संतोषजनक रूप से पूरा कर लिया है। मैं उनकी/उनकी शारीरिक उपयुक्तता और दायित्व बोध से संतुष्ट हूँ।

हस्ताक्षर

नाम और पद

इच्छित स्कूल का नाम और

पता तथा अनुशासित संख्याक

और उसके जारी किए जाने की तारीख

प्रपत्र-6

[नियम 16(1) देखिए]

(छह सें. मी. X आठ सें. मी. के आकार में पुस्तक रूप में मुद्रित किया जाता है)

चालन अनुज्ञप्ति का प्रपत्र

अनुज्ञप्ति धारक का नाम

या पुत्र/की पत्नी/की पुत्री

पांच सें. मी. X और छह सें. मी. आकार का फोटोग्राफ

नाम फोटोग्राफ के आगे-पिछा आए।

पांच सें. मी. और छह सें. मी. आकार
के फोटोग्राफ के लिए स्थानअनुज्ञप्ति धारक के नया
हस्ताक्षर/छाया निशान

(अनुज्ञापन प्राधिकारी को मुहर और उसके हस्ताक्षर का एक भाग फोटोग्राफ पर और एक भाग चालन अनुज्ञप्ति पर होना चाहिए)

अनुज्ञापन प्राधिकारी के
हस्ताक्षर और उसका पदाभिधान

चालन अनुज्ञप्ति संख्यांक

जारी किए जाने की तारीख

नाम

का पुत्र/की पत्नी/की पुत्री

अस्थायी पता/स्थायी पता (यदि कोई हो)

स्थायी पता

जन्म की तारीख

शैक्षिक योग्यताएं

रक्त समूह

भार. एच. सर्वटक सहित

इस अनुज्ञप्ति के धारक को निम्नलिखित वर्णन के यानों की शरत में सर्वत खलाने की अनुज्ञप्ति दी जाती है।

बिना गियर वाली मोटर साइकिल

गियर वाली मोटर साइकिल

अथवा यात्री गाड़ी

हल्का मोटर यान

मध्यम साल यान

मध्यम यात्री मोटर यान

भारी साल यान

भारी यात्री मोटर यान

निम्नलिखित वर्णन का मोटर यान

परिवहन यान से भिन्न

मोटर यान को खलाने की

अनुज्ञप्ति से

तक विधिमान्य है।

परिवहन यान
खलाने की अनुज्ञप्ति
. से
. तक
विधिमान्य है।

उस प्राधिकारी का नाम और पदाभिधान

जिसने चालन परीक्षण लिया है।

अनुज्ञापन प्राधिकारी के
हस्ताक्षर और उनका पदाभिधान

परिवहन यान को खलाने का प्राधिकरण पत्र

संख्यांक

तारीख

. से परिवहन यान को खलाने के लिए प्राधिकृत बीज संख्यांक

हस्ताक्षर

अनुज्ञापन प्राधिकारी के
हस्ताक्षर और पदाभिधान

उस प्राधिकारी का नाम और पदनाम पदाभिधान जिसने चालन परीक्षण लिया है।

अथवा वगैरे के यानों को जोड़ने के लिए स्थान

संख्यांक

तारीख

निम्नलिखित वर्ग या वर्गों के मोटर यानों को खलाने के लिए भी प्राधिकृत।

उस प्राधिकारी का नाम और
पदविधान जिसने आवेदन परीक्षण किया है।
तारीख

अनुज्ञापन प्राधिकारी
के हस्ताक्षर और पदविधान

आवृत्त अनुज्ञप्ति के नवीकरण के लिए स्थान
परिवहन यान से भिन्न मोटर
यानों को चलाने की अनुज्ञप्ति नवीकृत की जाती है।

परिवहन यानों को चलाने की अनुज्ञप्ति
नवीकृत की जाती है

से तक

अनुज्ञापन प्राधिकारी
के हस्ताक्षर

अनुज्ञापन प्राधिकारी
के हस्ताक्षर

से तक

अनुज्ञापन
प्राधिकारी के
हस्ताक्षर

अनुज्ञापन
प्राधिकारी
के हस्ताक्षर

न्यायालय द्वारा पृष्ठांकन के लिए स्थान

तारीख प्राग और नियम अनुज्ञा या अन्य बंध पृष्ठांकन प्राधिकारी के हस्ताक्षर

अनुज्ञापन प्राधिकारी द्वारा पृष्ठांकन के लिए स्थान

तारीख कार्यवाही संरक्षण और नगरीय निरहता अवधि अनुज्ञापन प्राधिकारी के हस्ताक्षर

प्रकरण सं. 7

[नियम 16(2) देखिए]

आवृत्त अनुज्ञप्ति का प्रकरण (पट्टित प्रकार का कार्य)

आवृत्त अनुज्ञप्ति सं :

जारी करने की तारीख

नाम

का पुत्र/की पत्नी/की पुत्री :

पता

जन्म की तारीख :

आर. एच. फील्डर के साथ रहने समूह :

निम्नलिखित वर्णन के यान भारत में सर्वश्रेष्ठ चलाने की लिए अनुज्ञापन है :-

.
.
.

परिवहन यान से भिन्न मोटर यान चलाने के लिए अनुज्ञप्ति से तक विधिमाम्य है

फोटोग्राफ

परिवहन यान चलाने के लिए
अनुज्ञप्ति से तक
विधिमाम्य है।

अनुज्ञप्ति छापक के समूह
हस्ताक्षर/अंगूठा निशान
अनुज्ञापन प्राधिकारी के हस्ताक्षर

पहली बार आवृत्त अनुज्ञप्ति

जारी करने की तारीख :

यान का वर्ण :

उस प्राधिकारी का नाम और पदविधान जिसने

आवृत्त परीक्षण किया था :

तारीख जिसको अभिरिक्त यान

अभिहित किया गया :

ऐसे यानों का वर्ण :

उक्त प्राधिकारी का नाम और पदाभिधान निम्न

खालन परीक्षण लिया था :

बैज संख्याक : परिवहन यान को खालन के प्राधिकार पत्र का संस्थांक और मार्ग

.....
.....

प्ररूप—४

[नियम 17 (1) देखिए]

खालन अनुज्ञप्ति में याम क नये वर जोड़ने के लिए आवदन

सेवा में,

अनुज्ञापन प्राधिकारी

मैं श्री/श्रीमती/कुमारी.....संलग्न अनुज्ञप्ति में निम्नलिखित वर्ग/वर्गों के मोटर यानों के जोड़ने के लिए आवेदन कर रहा/रही हूँ :—

(क) बिना गियर वाली मारर साइकिल

(ख) गियर वाली मोटर साइकिल

(ग) अश्वगत वाली गाड़ी

(घ) हल्के मोटर यान

(ङ) मध्यम माल यान

(च) मध्यम वाली मोटर यान

(छ) भारी माल यान

(ज) भारी वाली मोटर यान

(झ) रोड रोस्टर

(ञ) निम्नलिखित वर्गों के मोटर यान :
में,—

(क) प्ररूप 1 में चिकित्सीय प्रमाण पत्र

(ख) प्ररूप 3 में शिक्षापी अनुज्ञप्ति

(ग) प्ररूप 6/7 में खालन अनुज्ञप्ति

(घ) प्ररूप 5 में चालन प्रमाण पत्र संलग्न करता हूँ। आवेदन परिवहन याम खालन के लिए है।

(ङ) मैंने.....रूपों की फीस का संदाय कर दिया है।

याचन के हस्ताक्षर
या प्रमुखा निशान

तारीख.....

खालन योग्यता परीक्षण का प्रमाण पत्र

आवेदक केन्द्रीय मोटर यान नियम 1989 के नियम 15 में विनिर्दिष्ट परीक्षण में उत्तीर्ण/प्रसुर्गर्ण हो गया है।

(यह यान का वर्णन कर)

वर तारीख.....को परीक्षण किया गया था।

परीक्षण प्राधिकारी के हस्ताक्षर
नाम और पदाभिधान

प्ररूप--9

[नियम 18(1) देखिए]

चालन अनुज्ञप्ति के नवीकरण क लिए आवेदन का प्ररूप

1. मैं श्री/श्रीमती/कुमारी-----

हो-----का पुत्र/की पत्नी/की पुत्री हूँ, अपनी चालन अनुज्ञप्ति के नवीकरण के लिए आवेदन कर रहा हूँ/रही हूँ जो इसके साथ संलग्न है तथा जिसकी विशिष्टियाँ निम्न प्रकार हैं :--

पाँच सें. मी. और छह सें. मी. आकार के फोटोग्राफ के लिए स्थान

(क) संख्या-----

(ख) जारी करने की तारीख-----

(ग) अनुज्ञापन प्राधिकारी जिसके द्वारा अनुज्ञप्ति जारी की गयी थी-----

(घ) अनुज्ञापन प्राधिकारी जिसके द्वारा अनुज्ञप्ति का पिछली बार नवीकरण किया गया था नवीकरण का संख्या और तारीख-----

(ङ) चलाने के लिए प्राधिकृत यान का वर्ग-----

(च) चालन अनुज्ञप्ति की समाप्ति की तारीख-----

(1) परिवहन यान-----

(2) परिवहन यान से भिन्न यान-----

मेरा वर्तमान पता-----

है।

यदि यह पता अनुज्ञप्ति में दर्ज नहीं है तो मैं-----

(पता)

का इस प्रकार बर्त करता हूँ/रही वाहता हूँ

यदि अनुज्ञप्ति संलग्न नहीं की गई है तो कारण बताएँ कि वह क्यों उपलब्ध नहीं है-----

यदि अनुज्ञप्ति का समाप्ति की तारीख से तीस दिन के भीतर नवीकरण नहीं किया गया था, तो विलम्ब के कारण।

अनुज्ञप्ति का नवीकरण किसी अनुज्ञापन प्राधिकारी द्वारा नामंजूर नहीं किया गया है।

मुझे चालन अनुज्ञप्ति धारण करने या प्राप्त करने के लिए निर्दिष्ट नहीं किया गया है। मेरी अनुज्ञप्ति प्रसिंहन नहीं की गई है।

मैं चिकित्सा शारीर्यता प्रमाण पत्र प्ररूप 1 में संलग्न करता हूँ।

मैं अपने हाल ही के फोटोग्राफ (5 सें. मी. और 6 सें. मी.) की तीन प्रतियाँ संलग्न करता हूँ।

मैंने-----रूपरे की फीस का सदाय कर दिया है।

मैं अपने सर्वोत्तम ज्ञान और विश्वास के अनुसार यह घोषणा करता हूँ कि ऊपर दा गई विशिष्टियाँ सही हैं।

आवेदक के हस्ताक्षर या

अंगूठा निशान

नाम-----

पता-----

तारीख :

प्ररूप--10

[नियम 23(1) देखिए]

चालन अनुज्ञप्तियों का राज्य रजिस्ट्रार

1. (क) चालन अनुज्ञप्ति संख्या और प्रारंभिक रूप से जारी किए जाने की तारीख।

(ख) वह अनुज्ञापन प्राधिकारी जिसने अनुज्ञप्ति जारी की थी।

(ग) उस अधिकारी का नाम और पदनाम जिसने चालन परीक्षण लिया है और अनुज्ञप्ति धारक द्वारा परीक्षण उत्तीर्ण करने की तारीख

2. चालन अनुज्ञप्तिधारक का नाम, पता और अन्य विशिष्टियाँ :--

(क) धारक का नाम (यदि अश्वरूढ़ हो तो उसके संरक्षक का नाम)

(ख) जन्म की तारीख

(ग) शैक्षिक ढर्रेताएँ

(घ) स्थायी पता

(ङ) दस्थायी पता / सरकारी पता (यदि कोई हो)

- (च) पता में बाढ़ में किए गए परिवर्तन
 (छ) यान का वह वर्ग और प्रकार जिसके लिए अनुज्ञप्ति दी गई है।
 (ज) तारीख सहित जोड़े गए यान (यदि कोई हो)
 (झ) अनुज्ञप्ति की समाप्ति और पुनः नवीकरण की तारीख उस अनुज्ञापन प्राधिकारी के व्योरे सहित जिसने पिछली बार अनुज्ञप्ति नवीकृत की थी।
 (ञ) चालन अनुज्ञप्ति की तारीख के सम्बन्ध में निहंताए, जुर्माना, रद्दकरण आदि के व्योरे

प्ररूप—11

[नियम 24(1), नियम 24(4) और नियम 25 (देखिये)
 मोटर ड्राइविंग स्कूल स्थापित करने के लिए अनुज्ञप्ति का प्ररूप
 अनुज्ञप्ति स. _____

मोटर यान अधिनियम 1988 और केन्द्रीय मोटर यान नियम, 1989 के उपबंधों के अधीन रद्द हो गए

(अनुज्ञप्ति धारक का नाम और पता)	(स्कूल परिसर)
से ज्ञात स्कूल को नीचे विनिर्दिष्ट मोटर यानों के चलाने का शिक्षण देने के लिए स्थापित करने के लिए अनुज्ञप्ति दी जाती है:—	
(क) मोटर साइकिल	
(ख) अश्वस यानों गाड़ी	
(ग) हल्का मोटर यान	
(घ) मध्यम माय यान	
(ङ) मध्यम यात्री मोटर यान	
(च) भारी माय यान	
(छ) भारी यात्री मोटर यान	
(ज) निम्नलिखित वर्णन के मोटर यान :	
यह अनुज्ञप्ति _____ से _____ तक	
विधिमाम्य है।	
तारीख _____ 19 _____	अनुज्ञापन प्राधिकारी _____
इस अनुज्ञप्ति का _____ से _____ तक	
नवीकरण किया जाता है।	

अनुज्ञापन प्राधिकारी

प्ररूप—12

[नियम 24 (2) देखिए]

मोटर यानों के चालन में शिक्षण देने का कारोबार करने की अनुज्ञप्ति प्राप्त करने के लिए आवेदन का प्ररूप
 सेवा में,

प्रादेशिक परिवहन अधिकारी,

अधोहस्ताक्षरी मोटर यान चालन में शिक्षण देने का कारोबार चलाने की अनुज्ञप्ति के लिए आवेदन करता है:—

1. आवेदक का पूरा नाम :
2. का पुत्र/की पत्नी/की पुत्री :
3. पता :
4. स्थान जहाँ आवेदक कारोबार प्रारंभ करना चाहता है :
5. उपलब्ध सुविधाओं की प्रकृति और सीमा जिसके अन्तर्गत पुस्तक, क्रिया, वाइयो कैमरा का पूर्ण, पडर पर गुला आदि भी है।
6. शिक्षण देने के लिए लगाए गए धर्मचारिमुख की अहंताएं :
7. ऐसे इंजनों और बेगिस के संयोजन और कार्यकरण की आवश्यक शिक्षण देने के लिए उपलब्ध इंजनों तथा बेगिस का मेक और मोडल :
8. उन यानों के रजिस्ट्रिकरण के व्योरे जिनका चालन शिक्षण देने में उपयोग किया जाता है:
9. मैंने _____ रूपए की फीस का संदाय कर दिया है।

तारीख

आवेदक के हस्ताक्षर

प्रारूप-13

[नियम 24(2) और नियम 25 देखिए]

मोटरयानों के चालन में शिक्षण देने के कारबार में लगाने जाने की अनुमति के नवीकरण के लिए आवेदन या पत्र सेवा में,

प्रारंभिक परिवहन अधिकारी,

अधोदस्ताक्षरी मोटर यानों के चालन में शिक्षण देने का कारबार चलाने की अनुमति के नवीकरण के लिए आवेदन करता है।

1. आवेदक का पूरा नाम :—
2. —का पुरुष/की पत्नी/की पुत्री :
3. पता :
4. कारबार का स्थान :
5. विद्यमान अनुमति सं. :
6. जारी किए जाने की तारीख :
7. विधिसाम्यता की अवधि :
8. क्या आवेदन विद्यमान अनुमति की समाप्ति के पूर्व किया गया है, यदि नहीं, तो विलंब के कारण .
9. क्या पूर्व अनुमति किसी कारणवश निलंबित रद्द की गई थी, उसके अग्रे जैसे कि निलंबन की तारीख, ऐसे निलंबन/रद्दकरण के कारण। निलंबन/रद्दकरण के प्रतिसंहन की तारीख।
10. मैंने _____ रूप का फीस का संवाय कर दिया है।

तारीख _____

आवेदक के हस्ताक्षर

प्रारूप-14

[नियम 27(क) और (ग) देखिए]

इकाईगत स्कूल स्थापन में प्रशिक्षणाधियों का अभ्यावेशन क्षमि करने वाला रजिस्ट्रर
वर्ध के लिए रजिस्ट्रर

1. अभ्यावेशन संख्या :
2. प्रशिक्षणार्थी का नाम उसके फोटो सहित :
3. —का पुरुष/की पत्नी/की पुत्री :
4. पता :
(क) स्थायी पता _____
(ख) अस्थायी पता/कार्यालय का पता (यदि कोई हो) _____
5. जन्म की तारीख _____
6. यान का वह वर्ग जिसके लिए प्रशिक्षण दिया गया है _____
7. अभ्यावेशन की तारीख _____
8. शिक्षार्थी अनुमति संख्यांक और उसकी समाप्ति की तारीख _____
9. पाठ्यक्रम पूरा होने की तारीख _____
10. चालन क्षमता के परीक्षण को उत्तीर्ण करने की तारीख _____
11. चालन अनुमति संख्यांक और जारी करने की तारीख और वह अनुज्ञापन प्राधिकारी जिसने अनुमति जारी की है _____
12. टिप्पणियां _____

13. अनुमति धारक/प्रतिपक्ष के हस्ताक्षर

प्रस्ताव 15

[नियम 27(ख) देखिए]

प्रतिपक्षगणों द्वारा चालन में बिनागुण घंटों को वर्गित करने याता रजिस्टर

स्वतंत्र/स्थापन का नाम

प्रतिपक्षगणों का नाम

अनुमतिगण की तारीख

अनुमतिगण संख्या

तारीख	वार्षिक चालन में बिनागुण घंटे	यान का वर्ष	शिक्षक के हस्ताक्षर	प्रतिपक्षगणों के हस्ताक्षर
	थे-----ने-----नक थे-----थे			

प्रस्ताव 16

[नियम 24(1) देखिए]

व्यवसाय प्रमाणपत्र देने या नवीकरण के लिए आवेदन का प्रारूप

सेवा में,

रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी,

मैं/हम-----व्यवसाय प्रमाणपत्र जारी करने/नवीकरण के लिए आवेदन करता हूँ/करते हैं।

1. आवेदक का नाम
2. -----का पुत्र/की पत्नी/की पुत्री
3. आवेदक का पूरा पता
(सधन सलग्न किया जाए)
4. क्या आवेदक मोटर यानों का विनिर्माता ब्योहारी है, यानों का अनुमोदित मरम्मतकर्ता है, यानों के वाड़ी निर्माण में लगा है, यानों के अचक्र/पट्टा/आउटमान के कारखाने में लगा है।
5. अपेक्षित प्रमाणपत्रों का संख्यांक
6. मोटरयानों का वर्ष जिनकी वाहन प्रमाणपत्र अपेक्षित है
7. फीस की रकम
8. यदि आवेदन नवीकरण के लिए है तो उस व्यवसाय प्रमाणपत्र स., जारी करने की तारीख और समाप्ति की तारीख को उपदर्शित करें, जिसके नवीकरण की अपेक्षा की गई है।

घोषणा

मैं/हम घोषणा करता हूँ/करते हैं कि मेरे/हमारे द्वारा अपेक्षित व्यवसाय प्रमाणपत्र वास्तविक व्यवसाय प्रयोजनों के लिए है।

स्थान :

तारीख :

आवेदक के हस्ताक्षर

जो लागू न हो उसे काट दें।

प्रारूप 17

[नियम 35(1) देखिए]

व्यवसाय प्रमाणपत्र का प्रारूप

(70 मिलीमीटर व्यास के आकार में मुद्रित किए जाएंगे)

व्यवसाय प्रमाणपत्र

- 1 प्रमाणपत्र का क्रम संख्यांक :
- 2 प्रमाणपत्र के धारक का पूरा नाम और पता
- 3 प्रमाणपत्र के संबंध में दिया गया व्यवसाय संस्थांक :
- 4 मोटरगाड़ी के वर्ग जिनके संबंध में प्रमाणपत्र का उपयोग किया जाएगा :
- 5 प्रमाणपत्र की समाप्ति की तारीख :
- 6 संवत् फीम की गणित :
- 7 जारी करने के कार्यालय का स्टाम्प और तारीख :

केन्द्र :

तारीख :

प्रदेश/राज्य का
रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी

भारत में सर्वत्र विधिमार्ग

अनुसूची

प्रमाणपत्र के लिए फोल्डर का प्रारूप

फोल्डर, धातु का होगा तथा मौसमरोधी होगा। यह बूत्ताकार होगा तथा निम्नलिखित विभागों के अनुरूप होगा :—

गोलाकार पैटर्न काम बाग के बिना प्रमाणपत्र में :

मानक पैटर्न के प्रमाणपत्र को जब दो बूत्तों में बाहरी पंक्ति के साथ-साथ काटा जाए तो समुचित मोटाई की धातु की चादर की ट्रे में ठीक से फंसा जाएगा, जिसका मुड़ा हुआ किनारा, अनुमति को पकड़ करने के लिए पर्याप्त गहराई तक होगा तथा उसके ऊपर पारदर्शक सफेद काच लगा होगा।

छल्ले का ठक्कन :—धातु की चादर का एक गोलाकार छल्ला, नीचे ट्रे में फंसाने के लिए, विहित स्थान या पेंच तथा बोल्ट या अन्यथा से लगाने के लिए अपनाया जाएगा। छल्ले के ठक्कन और काच के ठक्कन तथा ट्रे के खंड की पैकिंग व्यवस्था की जाएगी जिससे कि पूरा बाह्य मौसम रोधी हो जाए।

विमाण :—छल्ले के ठक्कन के भीतर के छिद्र से पूरा प्रमाणपत्र स्पष्ट रूप से प्रदर्शित होगा जिसके भीतर प्रमाणपत्र का आन्तरिक बूत्त भी पहा होगा और उसका व्यास 10 सेंटीमीटर होगा।

प्रारूप 18

[नियम 37(1) देखिए]

व्यवसाय प्रमाणपत्र के गुप्त होने या नष्ट होने को सूचना तथा दूसरी प्रति के लिए आवश्यक।

सेवा में,

रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी,

मुझे/हमें ज्ञात किया गया व्यवसाय प्रमाणपत्र, जिसका संख्यांक----- है और जो जारी किया गया है, निम्नलिखित परिस्थितियों में विकृत हो गया है, गलत गया है/गुप्त हो गया है/नष्ट हो गया है और जो वे निर्दिष्ट कारणों में मेरे/हमारे कब्जे में नहीं है।

मैं/हम विकृत/गलत हुए व्यवसाय प्रमाणपत्र को प्रभावित करना हूँ/करते हैं।

मैं/हम घोषणा करता हूँ/करते हैं कि मेरे/हमारे सर्वोत्तम ज्ञान के अनुसार नियमों के उपबन्धों के अधीन व्यवसाय प्रमाणपत्र को न तो निवर्तित किया गया है और न ही रद्द किया गया है और उपर्युक्त प्रमाणपत्र अब किसी और के उपयोग में नहीं है। यदि व्यवसाय प्रमाणपत्र नुर्ज मिलता है या नुर्जे दिया गया है तो मैं उसे प्रभावित करने का ध्यान देता हूँ।

में ----- रूप की कीम जमा करता है। और बख्साय प्रमाणपत्र की दूसरी प्रति जारी करने के लिए आवेदन करता है।
तारीख : -----
आवेदक के हस्ताक्षर और भण्डा चिन्ह
पता -----

*जो लागू न हो उसे काट दे।

प्रकरण सं 20

(नियम 47 देखिए)

किसी मोटरयान के रजिस्ट्रिकरण के लिए आवेदन का प्रकरण

सेवा में,

रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी,

1. रजिस्ट्रीकृत स्वामी के रूप में

रजिस्ट्रीकृत किये जाने वाले व्यक्ति का पूरा नाम,

2. -----की पत्नी/का पुत्र/की पुत्री

3. रजिस्ट्रीकृत स्वामी के रूप में रजिस्ट्रीकृत किये जाने वाले व्यक्ति की आयु (आय का सबूत संलग्न किया जाए)

4. रजिस्ट्रीकृत स्वामी के रूप में रजिस्ट्रीकृत किये जाने वाले व्यक्ति का स्थायी पता (साक्ष्य प्रस्तुत किया जाए)

5. रजिस्ट्रीकृत स्वामी के रूप में रजिस्ट्रीकृत किये जाने वाले व्यक्ति का अस्थायी पता

6. विनिर्माता या व्यवहारी का नाम और पता जिससे यान का क्रय किया गया था।

(विनिर्माता द्वारा जारी किया गया विक्रय प्रमाणपत्र तथा मरुत पर मरुती चलने का प्रमाणपत्र संलग्न किया जाए)

यदि सेना का भूतपूर्व यान या आयातित यान है तो सबूत संलग्न करें। यदि स्थानीय रूप से विनिर्माता ट्रैक्टर/घरघेंद्रेक्टर है तो राज्य परिवहन प्राधिकारी द्वारा अनुमोदित डिजाइन संलग्न करें और कार्यवाही सफाई और अनुमोदन की तारीख नोट करें।

7. यान का वर्ग

(यदि मोटर साइकिल है तो गियर वाली है या बिना गियर की है)

8. मोटर यान--

(क) नया यान है, [4

(ख) सेना का भूतपूर्व यान है;

(ग) आयातित यान है।

9. बाड़ी का प्रकार

10. यान का प्रकार

11. विनिर्माता का नाम

12. विनिर्माण का वर्ष

13. मिलने-जुलने की संख्या

14. प्रमुख शक्ति

15. ध्वज धारिता

16. विनिर्माता का वर्गीकरण यदि ज्ञात नहीं है तो पड़ोस का आधार

17. चेसिस संख्यांक

(पेजिल का चिन्ह लगायें)

18. इंजन संख्यांक

19. बैठने के स्थान (चालक सहित)

20. इंजन में उपयोग किया गया ईंधन

21. लदान रहित भार

22. पूर्ववर्ती रजिस्ट्रेशन की विनिर्दिष्ट और रजिस्ट्रीकृत संख्याक (यदि कोई हो)

23. बाड़ी, बाजू तथा धर्मिरी का रंग/किरंग

मैं घोषणा करता हूँ कि यान भारत में किसी भी राज्य में रजिस्ट्रेशन नहीं किया गया है।
अतिरिक्त विनिर्दिष्टों जो माटर केब से मिश्र परिवहन यान की वशा में हो चरा जाते हैं।

24. टायरों की संख्या वर्णन और प्रकार--

- (क) अग्रणी धुरी
- (ख) पिछली धुरी
- (ग) कोई अन्य धुरी
- (घ) टेबल धुरी

25. संकलन यान भार--

- (क) विनिर्माता द्वारा यथा प्रमाणित ----- कि. ग्रा.
- (ख) रजिस्ट्रेशन किया जान वाला ----- कि. ग्रा.

26. अधिकतम धुरी भार--

- (क) अग्रणी धुरी ----- किलोग्राम
- (ख) पिछली धुरी ----- किलोग्राम
- (ग) कोई अन्य धुरी ----- किलोग्राम
- (घ) टेबल धुरी ----- किलोग्राम

27. (क) समग्र लम्बाई

- (ख) समग्र चौड़ाई
- (ग) समग्र ऊँचाई
- (घ) प्रलंबन।

उपरोक्त विनिर्दिष्टों, दूढ़ बाँधे जाने ऐसे माटर यान के लिए, जो बायाँ दाहिने धुरी वाला है, संलग्न यान के लिए जो तीन या तीन से अधिक धुरी वाला है, या जहाँ तक लागू हो, ट्रैक्टर के लिए, भरे जाएँगे। जहाँ किसी संलग्न माटर यान के साथ दूसरा ट्रैक्टर या अतिरिक्त ट्रैक्टर रजिस्टर किए जाते हैं वहाँ ऐसे प्रत्येक ट्रैक्टर के बारे में निम्नलिखित विनिर्दिष्टों दाँ जाएँगे :--

28. बाड़ी का टाइप

29. लकान रहित भार

30. प्रत्येक धुरी पर टायरों की संख्या, विवरण और मात्रा--

31. प्रत्येक धुरी के बारे में अधिकतम धुरी भार

32. यान, अधिनियम के अध्याय 11 के-----का (कम्पना का नाम) बोमा प्रमाणपत्र या कवर नोट सं-----
अधीन विधिसाम्य बोमा प्रमाणपत्र-----तारीख-----के अन्तर्गत आता है।-----से-----तक
विधिसाम्य

33. यान, बीमे में छूट प्राप्त है/सुमंगत आदेश संलग्न है।

34. सैन-----रूप की विहित फॉम का मदाय कर दिया है।

सारांश

रजिस्ट्रीकृत स्वामी के रूप में रजिस्ट्रीकृत किए जाने
वाले व्यक्ति के हस्ताक्षर

टिप्पण --ऊपर वर्णित माटर यान--

- (i) -----के साथ किए गए अवकय करार/पट्टा करार के अधीन रहते हुए है।
- (ii) -----के पक्ष में आक्षेप से के अधीन रहते हुए है।
- (iii) अवकय करार या पट्टा करार के अधीन धारित नहीं है या आक्षेप के अधीन नहीं है।

जो लागू नहीं उसे काट दें--यदि यान किसी ऐसे करार के अधीन है तो ऐसे व्यक्ति के हस्ताक्षर, जिसके साथ ऐसा करार किया गया है, लिए जाएँगे।

स्वामी के हस्ताक्षर

उक्त व्यक्ति के हस्ताक्षर जिसके साथ अवकय करार, पट्टा करार या आक्षेप किया गया है।

रजिस्ट्रीकृत स्वामी के रूप में रजिस्ट्रीकृत किए जाने वाले व्यक्ति के नमूना हस्ताक्षर

- (1) -----
- (2) -----
- (3) -----

प्रमाणपत्र

यान का निरीक्षण किया

प्रमाणित किया जाता है कि आबेदन में अन्तर्विष्ट विशिष्टियाँ सही हैं और यह कि यान, माटर यान अधिनियम, 1946 और उसके अधीन बनाए गए नियमों की अपेक्षाओं के अनुसार है।

निरीक्षण प्राधिकारी के हस्ताक्षर

नाम-----

पदाभिधान-----

(कार्यालय पृष्ठान्त के लिए)

निर्देश स-----

का कार्यालय

तारीख-----

यान, जिसकी बेसिस स-----

और इजिन स----- है, को रजिस्ट्रिकरण मख्याक-----

दिया गया है, और उसे-----

के नाम में रजिस्ट्रीकृत किया गया है और यान----- के

पर अवकाश करार/पट्टा करार/आवृत्त के अधीन है।

रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी

सबसे,

(वित्तपावक का नाम और पता)

रजिस्ट्रीकृत डाक द्वारा या

उचित पावकों के अधीन परिवर्तित।

प्रकरण 21

[नियम 47 (क) और (ख) देखिए]

विक्रय प्रमाण-पत्र

(माटर यान के रजिस्ट्रिकरण के लिए आबेदन के साथ प्रस्तुत करने के लिए विनिर्माता/व्योहारी या (सेना की तैलामी वाले यानों की दशा में) रक्षा विभाग के अधिकारी द्वारा जारी किए जाने के लिए)

प्रमाणित किया जाता है कि-----

(यान का ब्रांड नाम)

का, हमारे द्वारा-----

केसा (तारीख)

का जा श्री----- का पुत्र/की

केसा का नाम

पत्नी/की पुत्री है।

पते (स्थायी)

(अस्थायी) पर परिवर्तित किया गया है।

यान-----के साथ/अवकाश/करार/पट्टा करार/आवृत्त के अधीन धारित है।

यान के व्योरे नीचे दिए गए हैं —

1. यान का वर्ग
2. विनिर्माता का नाम
3. बेसिस मख्याक
4. इजिन मख्याक
5. अवकाश/करार/पट्टा करार/आवृत्त
6. उपयोग किया जाने वाला इंजन

- 7 मिलेडरो की संख्या
- 8 विनिर्माण का वर्ष
- 9 बैठने के स्थान (वाहन सहित)
- 10 लदान रहित भार
- 11 अधिकतम धुरी भार और टायरों की संख्या तथा वर्णन (परिवहन यान की वंशा में)--
 - (क) अगली धुरी
 - (ख) पिछली धुरी
 - (ग) कोई अन्य धुरी
 - (घ) टैंडेम धुरी
- 12 बाड़ी का/के रंग
- 13 संकेत यान भार
- 14 बाड़ी का टाइप

विनिर्माता/ग्राहक या रक्षा विभाग के अधिकारी के हस्ताक्षर

जो लागू न हो उसे काट दें।

प्ररूप 22

(नियम 47 (छ) और नियम 127 देखिए)

सड़क पर सही चलन का प्रमाणपत्र

(विनिर्माता द्वारा जारी किया जाए)

प्रमाणित किया जाता है कि ----- (यान का बाड़ नाम), जिसकी शीट नं. सख्या----- और इंजन नं. सख्या----- है, मोटर यान अधिनियम, 1938 और उसके अधिनियमों द्वारा नियंत्रित की गई है।

विनिर्माता के हस्ताक्षर

प्ररूप 23

(नियम 48 देखिए)

रजिस्ट्रेशन प्रमाणपत्र का प्ररूप

रजिस्ट्रेशन नं. सख्या-----

यान का वर्णन

(अर्थात् किट, एम्बेसेडर/मार्कन कार, टाटा माल यान, अणोक नैलेड माल यान, ट्रेलर, गियर वाली या बिना गियर वाली मोटर साइकिल, साइड कार सहित मोटर साइकिल आदि)

रजिस्ट्रेशन स्वामी का नाम-----

पूरा पता (स्थायी)

पूरा पता (अस्थायी)

तारीख-----

अधिकार वर्णन

रजिस्ट्रेशन अधिकारी के हस्ताक्षर

6 यान का वर्ग

मोटर यान--

(क) नया यान है

(ख) सेवा का पूर्व यान है

(ग) आयातित यान है

(घ) अन्य राज्य से आया है

- 2 निर्माता का नाम
 - 3 बाड़ी का टाइप
 - 4 विनिर्माण का वर्ष
 - 5 मिलडिंग की संख्या
 6. केमिस संख्याक
 - 7 इजन संख्याक
 - 8 इजन में उपयोग किया जाने वाला ईंधन
 - 9 अक्षर शक्ति (बी एच पी)
 - 10 धन धारिता
 11. निर्माता द्वारा किया गया वर्गीकरण
 12. लूनाल बैम
 - 13 बैठने के स्थान (चालक सहित)
 - 14 लदान रहित वजन
 - 15 बाड़ी, बाजू और अग्रिमरी का/के रंग
 - 16 सकल यान भार
 - (क) विनिर्माता द्वारा यथा प्रमाणित
 - (ख) यथा रजिस्ट्रीकृत
 - 17 टायरों की संख्या, वर्णन और प्रकार—
 - (क) अगली धुरी
 - (ख) पिछली धुरी
 - (ग) कोई अन्य धुरी
 - (घ) टैंक धुरी
 - 18 रजिस्ट्रीकृत घुरा भार —
 - (क) अगली धुरी— (किलोग्राम)
 - (ख) पिछली धुरी— (किलोग्राम)
 - (ग) कोई अन्य धुरी— (किलोग्राम)
 - (घ) टैंक धुरी— (किलोग्राम)
- अनुकल्पिक या प्रतिरिक्त अर्ध ट्रेलर या किसी सलग यान के साथ रजिस्ट्रीकृत अर्ध ट्रेलर की प्रतिरिक्त विशेषताएँ
- 19 बाड़ी का टाइप
 - 20 लदान रहित भार
 21. प्रत्येक धुरी पर टायरों की संख्या, वर्णन और प्रकार
 - 22 रजिस्ट्रीकृत घुरा भार (प्रत्येक धुरी के संबंध में)

रजिस्ट्रीकृत स्वामी के नमूना हस्ताक्षर _____
जो बिपकाए और रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी द्वारा प्रमाणित किए जाएंगे।

यह प्रमाणपत्र _____
तक विधिमानी है।

सारांश _____

रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के हस्ताक्षर

टिप्पण — ऊपर वर्णित माटर यान—

(i) _____ के साथ किए गए अवकाश करार के अधीन है।

(ii) _____ के साथ किए गए पट्टा करार के अधीन है।

(iii) के पक्ष में किए गए आदेशों के अधीन है।

(iv) अवश्य करार/पट्टा करार/आदेशों के अधीन धारित नहीं है।

तारीख-----

रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के हस्ताक्षर

यह प्रमाणपत्र-----में

-----19-----तक

-----19-----तक

-----19-----तक

-----19-----तक

नवीकृत किया जाता है।

तारीख

रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के हस्ताक्षर

टिप्पण - (i) यह पुस्तक के रूप में होगा जिसमें स्वामित्व का अन्तर्गण, पते का परिवर्तन अवश्य पृष्ठोक्त, अवश्य प्रविष्टियों का रद्दकरण, रजिस्ट्रीकरण में पर्यवेक्षण, उमका निलम्बन और रद्दकरण आदि अभिलिखित करने के लिए पर्याप्त स्थान होगा।

(ii) जो लागू न हो उसे काट दे।

(iii) जब कभी स्वामित्व के अन्तर्गण को अभिलिखित किया जाता है तब रजिस्ट्रीकृत स्वामी के नमूना हस्ताक्षर चिपकाए और रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी द्वारा प्रमाणित किए जाएंगे।

प्रारूप 24

(नियम 49 देखिए)

मोटर गाड़ियों का रजिस्टर

विनिर्दिष्टियाँ	धरि	रजिस्ट्रीकृत स्वामी/स्वामित्व के अन्तर्गण पते के परिवर्तन की विनिर्दिष्टियाँ	अवश्य करार/पट्टा करार और आदेशों की विनिर्दिष्टियाँ	दी गई छूट जारी किए गए निरीक्षक प्रमाणपत्र निलम्बन रद्दकरण जारी की गई नुमरी प्रति, वित्तपोषक के नाम से जारी किए गए नए प्रमाणपत्र, परिवर्तन अन्य राज्य को यान के ले जाए जाने आदि की प्रविष्टियाँ
नाम-----	नमूना हस्ताक्षर	नाम और पते सहित	ऐसे करार	
पुत्र/पत्नी/पुत्री श्री	को चिपकाए गए और रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी द्वारा प्रमाणित किए गए, हो तथा उनकी शासकीय मुद्रा	ऐसे करार का जो रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी द्वारा प्रमाणित हो		

1

2

3

4

5

6

7

8

1. रजिस्ट्रीकरण संख्यांक

2. रजिस्ट्रीकरण की तारीख

3. स्वामी का नाम

पत्नी/पुत्र/पुत्री श्री

4. पूरा पता (स्थायी/अस्थायी)

5. पूर्ण रजिस्ट्रीकरण की विनिर्दिष्टियाँ

और रजिस्ट्रीकरण संख्यांक अथवा

(क) रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी का नाम

(ख) समनुवर्धित रजिस्ट्रीकरण संख्यांक

(ग) रजिस्ट्रीकरण की मर्यादा की तारीख

(घ) क्या अवश्य करार/पट्टा करार/आयमान के अधीन धारित है

(ङ) यदि हाँ तो वित्तपोषक की विनिर्दिष्टियाँ आदि

1

2

3

4

5

6

7

8

6. मोटर यान—

- (क) नया मोटर यान है
(ख) सेना का भूतपूर्व यान है
(ग) ध्यायामिश्र यान है।

7 यदि मोटर साइकिल गियर वाली है या बिना गियर वाली है तो उस यान का वर्ग

8. निर्माता का नाम

9. बाड़ी का टाइप

10. विनिर्माण का वर्ष

11. मिलिटरी की संख्या

12. वैमिश्र संख्यांक—

वैमिश्र चिह्न लगाने के पश्चात्
और वह रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी
द्वारा अधिप्रमाणित किया जाएगा

13. इंजन संख्यांक

14. इंजन में उपयोग किया जाने वाला
ईंधन

15. प्रत्यक्ष शक्ति

16. धन धारिता

17. निर्माता द्वारा किया गया वर्गीकरण

18. व्हील बेस

19. बैठने के स्थान (वायक मंडित)

20. बाड़ी, बाज और अग्र सिरों का/
के रंग

21. लंबान रचित भार

22. सकल यान भार—

{(i) विनिर्माता द्वारा यथार्थ प्रमा-
णित

{(ii) यथा रजिस्ट्रीकृत

23. मोटर कोच में निम्न परिवर्तन

यानों के संबंध में अनिश्चित
विशिष्टियाँ—

1. टायरों की संख्या, वर्णन और
आकार—

अगली धुरी—किलोग्राम
पिछली धुरी—किलोग्राम
कोई अन्य धुरी—किलोग्राम
टैंक धुरी—किलोग्राम

{ 2. रजिस्ट्रीकृत धुरी भार

अगली धुरी—किलोग्राम
पिछली धुरी—किलोग्राम
कोई अन्य धुरी—किलोग्राम
टैंक धुरी—किलोग्राम

1	2	3	4	5	6	7	8	9
24	आनुकूल्य या प्रतिरिक्त धर्म ट्रेडर या किसी सखन यान के साथ रजिस्ट्रीकृत धर्म-ट्रेडरों की प्रति- रिक्त त्रिनिशिटियों							
	1. बाड़ी का टाइट 2. लदान रहित भार 3. प्रत्येक धुरी पर टायरो की संख्या, वर्णन और आकार 4. रजिस्ट्रीकृत धुरी भार (प्रत्येक धुरी के संबंध में)							
25.	द्वारा (बीमा कम्पनी का नाम और पता (जारी किए गए/गया बीमा प्रमाणपत्र/कवर नोट से तारीख— से— तक विधिमाम्य							
26.	मोटरयान कर की दर							
27.	रजिस्ट्रीकरण की विधिमाम्यता से— तक मशीकरण — से— तक							
28.	उस निरीक्षण अधिकारी का नाम और पदनाम जो रजिस्ट्रीकरण के लिए ठीक हालत में होने वाले के रूप में यान को प्रमाणित करता है।							
29.	रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी का नाम और पदनाम और हस्ताक्षर							

प्ररूप सं. 19

(नियम 43 देखिए)

व्यवसाय प्रमाणपत्र के धारक द्वारा रखा जाने वाला रजिस्टर

शारीक	व्यवसाय प्रमाणपत्र संख्यांक और यति यान रजिस्ट्रीकृत है तो यान का रजिस्ट्रीकरण संख्यांक भी	मोटर यान का वर्णन	प्रयोजन जिनके लिए बाहर भेजा गया	जालक का नाम और जालिन सं० और पता और क्या वह व्यवसाय प्रमाणपत्र के धारक का कर्मचारी है	परिमर छाड़ने के बंदे	परिमर पर वापस आने के बंदे	मान 6 और 7 में वर्णित बंदों के बीच तय की गई सील दूरी	धारक द्वारा प्राधिकृत व्यक्ति के हस्ताक्षर और पदनाम
1	2	3	4	5	6	7	8	

प्रकरण - 25
[नियम 52 (1) देखिए]

परिवहन यान से भिन्न किसी मोटर यान के रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र के नवीकरण के लिए आवेदन का प्रकरण

सेवा में,

रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी,

मैं _____ रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र के नवीकरण के लिए आवेदन करता हूँ जो संलग्न है और उसकी विविधियाँ निम्नलिखित हैं:-

- (क) रजिस्ट्रीकृत संख्याक _____
(ख) दिए जाने की तारीख _____
(ग) समाप्ति की तारीख _____
(घ) यह रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी जिसके द्वारा प्रमाणपत्र दिया गया/अन्तिम बार नवीकृत किया गया था _____
मेरा वर्तमान पता इस प्रकार है _____

यदि यह पता रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र में प्रविष्ट नहीं किया गया है तो मैं चाहता हूँ/नहीं चाहता हूँ कि यह पता इसमें इस प्रकार प्रविष्ट किया जाए।

प्रमाणपत्र के नवीकरण के लिए किसी रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी द्वारा इंकार नहीं किया गया है:-

मैं यह घोषणा करता हूँ कि रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र किसी रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी द्वारा रद्द या निलंबित नहीं किया गया है।

1. यान का बर्त _____
2. मोटर यान-
(क) नया यान _____
(ख) सेना का भूतपूर्व यान है _____
(ग) आयातित यान है _____
3. बाबी का टाईप _____
4. निर्माता का नाम _____
5. विनिर्माण का वर्ष _____
6. सिलिंडरों की संख्या _____
7. घन धारिता / धक्क शक्ति _____
8. निर्माता द्वारा किया गया बर्तकरण _____
9. बैटिस संख्याक _____ रॉसिल का बिजुल लगाएँ
10. इंजन संख्याक _____
11. बैठने के स्थान (चालक सहित)
12. लवान रहित भार _____
13. उपयोग किया जाने वाला ईंधन _____

मैं भीमा प्रमाणपत्र देखने और वापस किए जाने के लिए संलग्न करता हूँ।

मैंने _____ रूप की फीस का संराय कर दिया है।
तारीख _____

आवेदक के हस्ताक्षर

टिप्पण: उपर वर्णित मोटर यान, अवश्य करार, पट्टा करार या आबमान के अधीन नहीं है।

यान:-

* (1) _____ के साथ किए गए अवश्य करार/पट्टा करार के अधीन है।

* (2) _____ के पक्ष में किए गए आबमान के अधीन है।

* जो लागू न हो उसे काट दें।

रजिस्ट्रीकृत स्वामी के हस्ताक्षर

रजिस्ट्रीकृत स्वामी के नमूना हस्ताक्षर

1.

2.

3.

प्रमाणपत्र

यान का निरीक्षण किया—यान का चैसिस संख्यांक और इंजन संख्यांक सत्यापित किया।

प्रमाणित किया जाता है कि आवेदन में अन्तर्लिखित विषयवस्तुओं और यान के रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र में घोषित तत्संबंधी विषयवस्तुओं सही हैं और यह कि यान मोटर यान अधिनियम, 1988 और उसके अधीन बनाए गए नियमों की अपेक्षाओं के अनुरूप है।

निरीक्षण प्राधिकारी के हस्ताक्षर

नाम _____

पदाभिधान _____

प्रकृष 26

(नियम 53 देखिए)

रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र के खो जाने या नष्ट हो जाने की सूचना और रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र को दूसरी प्रति दिए जाने के लिए आवेदन

(यदि यान अव्यक्त करार/आडमान पट्टा करार के अधीन धारित है तो दो प्रतियों में किया जाए और दूसरी प्रति रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के पुष्ठांकन सहित दूसरी प्रति के साथ ही वित्तपोषक को वापस की जाए)

रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी _____

महोदय,

मेरे हमारे मोटर यान का रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र, जिसका रजिस्ट्रीकरण चिह्न _____ है, निम्नलिखित परिस्थितियों में खो गया है/नष्ट हो गया है। पूर्ण रूप से अनिलिखित हो गया है/गल गया है/फट गया है/विकृत हो गया है।

मैं/हम घोषित करता हूँ/करते हैं कि मेरी हमारी सर्वोत्तम जानकारी से यान का रजिस्ट्रीकरण, अधिनियम अथवा उसके अधीन बनाए गए नियमों के उपबन्धों के अधीन, निलम्बित या रद्द नहीं किया गया है और ऊपर स्पष्ट की गई परिस्थितियाँ सही हैं।

मैं/हम रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र की दूसरी प्रति दिए जाने के लिए आवेदन करता हूँ/करते हैं।

अपलिखित/गला हुआ/फटा हुआ/विकृत रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र संलग्न है।

यान अव्यक्त करार/पट्टा करार/आडमान के अधीन धारित नहीं है।

मैंने/हमने ऐसे खोने की रिपोर्ट तारीख _____ को _____ पुलिस थाने में कर दी है।

तारीख _____

पूरे पते सहित आवेदक के
हस्ताक्षर/मुद्रा निम्न

जो लागू न हो उसे काट दें।

यान _____ के साथ किए गए अव्यक्त करार/पट्टा करार/आडमान के अधीन धारित है और वित्तपोषक से प्राप्त "निराक्षेप प्रमाणपत्र" संलग्न है।

(जहाँ "निराक्षेप प्रमाणपत्र संलग्न नहीं है वहाँ आवेदक धारा 51 की उपधारा (8) की अपेक्षानुसार घोषणा करेगा)

स्वामी के हस्ताक्षर

नाम

पूरा पता

स्वामी के समूचा हस्ताक्षर :

1.

2.

टिप्पण 1 — परिस्थितियों की पूर्ण विषयवस्तुओं, रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र के खो जाने या नष्ट हो जाने की वृत्ति में दी जाए।

2. जो लागू न हो उसे काट दें।

कार्यालय पुष्ठांकन के लिए

संख्यांक _____ तारीख _____ को कार्यालय

रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र की दूसरी प्रति, ऊपर अनुरोध किए गए रूप में, _____ को दिए गए अव्यक्त करार/पट्टा करार 'अ' के मोट सहित जारी की जाती है और मूल रजिस्ट्रीकरण अधिलेख के प्रकृष 24 में उसे मोट कर लिया गया है।

रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के हस्ताक्षर

सेवा में,

(वित्तपोषक का नाम और पता)

रजिस्ट्रीकृत डाक द्वारा या उचित पावती के अधीन परिवर्तित।

प्रस्ताव 27

(नियम 54 देखिए)

दूसरे राज्य को किसी मोटर यान को ले जाने पर नए रजिस्ट्रीकरण चिह्न के समनुदेशन के लिए आवेदन

(यदि यान अवकथ्य करार/पट्टा करार/आइमान के अधीन धारित है तो दो प्रतियों में किया जाए और दूसरी प्रतिलिपि, रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के पृष्ठांकन सहित, नए रजिस्ट्रीकरण चिह्न के समनुदेशित किए जाने के साथ ही वित्तपोषक को वापस की जाए)

सेवा में

रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी

मैं/हम

की पत्नी/का पुत्र/की पुत्री मोटर यान संख्यांक _____
 जिन संख्यांक _____ यान का टाईप _____
 का/के रजिस्ट्रीकृत स्वामी हूँ/हैं, यान _____ राज्य में
 रजिस्ट्रीकृत है। मैं/हम घोषणा करता हूँ/करते हैं कि मैंने/हमने तारीख _____ से उक्त मोटर यान इस राज्य में रखा है और मैं / हम उक्त मोटर यान को नए रजिस्ट्रीकरण चिह्न के समनुदेशन के लिए आवेदन करता हूँ/करते हैं।

मैं/हम घोषणा करता हूँ/करते हैं कि रजिस्ट्रीकरण तारीख तक विधिमार्ग है और यह हम अविनियम के उपबन्धों के अधीन निम्नलिखित या रख नहीं किया गया है।

मैं/हम इस मोटर यान का रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र और ठीक हालत में होने का प्रमाणपत्र संलग्न करता हूँ/करते हैं।

मैं/हम रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी का "निराशेष प्रमाणपत्र" संलग्न करता हूँ/करते हैं।

यदि रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी का "निराशेष प्रमाणपत्र" संलग्न नहीं किया जाता है तो आवेदक को इस आवेदन के साथ धारा 47 की उप धारा (i) की अपेक्षानुसार घोषणा फाईल करनी होती है।

* यान अवकथ्य करार/पट्टा करार/आइमान के अधीन नहीं है।

यान _____ के साथ किए गए अवकथ्य करार/पट्टा करार/आइमान के अधीन है और मैं/हम वित्तपोषक से प्राप्त निराशेष प्रमाणपत्र संलग्न करता हूँ/करते हैं।

यदि वित्तपोषक का "निराशेष प्रमाणपत्र" संलग्न नहीं किया जाता है तो आवेदक को इस आवेदन के साथ धारा 51 की उपधारा (8) की अपेक्षानुसार घोषणा फाईल करनी होती है।

तारीख

आवेदक के हस्ताक्षर या प्रंगुठा निम्न

*ओ लागू नहीं उसे का है।

कार्यालय पृष्ठांकन

संख्यांक _____

तारीख _____

का कार्यालय

यान संख्यांक _____ को इस राज्य में लाए जाने पर नया रजिस्ट्रीकरण चिह्न _____ तारीख _____
 (यहां रजिस्ट्रीकरण चिह्न प्रविष्ट करें)

को समनुदेशित किया गया है।

तारीख _____

रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी

सेवा में,

वित्त पोषक का नाम और पता

रजिस्ट्रीकृत डाक द्वारा या

उचित पात्रता के अधीन परिसर।

प्रस्ताव 28

[(नियम 54, नियम 58(1), (2) और (4) देखिए)]

(तीन प्रतियां में प्रस्तुत किया जाए। रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के पृष्ठांकन सहित दूसरी प्रति और तीसरी प्रति क्रमशः यान के स्वामी की ओर ऐसे रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी को, जिसकी अधिकारिता में यान ले जाया जाता है, वापस की जाए।)

भाग-- 1

सेवा में,

रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी

मैं/हम यान का-----रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी की अधिकारिता में प्रन्तरण करने का आग्रह रखता हूँ/रखते हैं।

मैं/हम यान का श्री/श्रीमती/कुमारी-----को जो-----राज्य के-----रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी की अधिकारिता में निवास करता है/करती है, विक्रय करने का आग्रह रखता हूँ/रखते हैं। अतः मैं/हम अपने स्थान के लिए "निराक्षेप प्रमाणपत्र" देने के लिए अनुरोध करता हूँ/करते हैं, यान की विशिष्टियाँ नीचे दी जाती हैं:--

1. नाम और पता :
2. -----का पुत्र/की पत्नी/की पुत्री
3. यान का रजिस्ट्रीकरण संख्यांक :
4. यान का वर्ग :
5. वह रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी जिसने मूल रूप से यान को रजिस्ट्रीकृत किया था :
6. इंजन संख्यांक :
7. चैसिस संख्यांक-- पेंटिल बिच्छू लगाएं :
8. राज्य में ठहरने की अवधि :
9. वह अवधि जिस तक मोटर यान कर का संदाय किया गया है :
10. क्या कर के लिए कोई मांग लम्बित है, यदि हां तो, ब्यौरे दें :
11. क्या यान किसी ज़ोरी के मामले में अस्तबलित है, यदि हां तो, ब्यौरे दें :
12. क्या मोटर यान अधिनियम, 1988 की धारा 53, धारा 54 या धारा 55 के अधीन कोई कार्रवाई किसी रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी या अन्य बहिष्ठ प्राधिकारी के समक्ष लम्बित है, यदि हां तो, ब्यौरे दें :
13. क्या यान प्रतिपिद्ध माल के परिवहन के किसी मामले में अस्तबलित है, यदि हां तो, ब्यौरे दें :

मैं/हम सत्यनिष्ठा से घोषणा करता हूँ/करते हैं कि उक्त विवरण सही है।

तारीख-----

(कार्यालय प्रयोग के लिए)

यान के स्वामी के हस्ताक्षर

भाग-- 2

सं.-----तारीख-----का कार्यालय

"निराक्षेप प्रमाणपत्र" के लिए आवेदन की प्राप्ति के लिए अभिस्वीकृति

यान संख्यांक-----के संबंध में "निराक्षेप प्रमाणपत्र" दिये जाने के लिए----- (नाम और पता) से तारीख-----का आवेदन तारीख-----को प्राप्त हुआ है और वह विचारधीन है।

तारीख-----

रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी या उसके द्वारा प्राधिकृत व्यक्ति के हस्ताक्षर
कार्यालय मुद्रा-----

सेवा में,

(यान का रजिस्ट्रीकृत स्वामी)

भाग-- 3

(मोटर यान अधिनियम, 1988 की धारा 48 की उपधारा (3) के अधीन "निराक्षेप प्रमाणपत्र" को संजूर करना/इंकार करना)

* (1) उस यान के संबंध में, जिसकी ब्यौरेवार विशिष्टियाँ पिछले पृष्ठ पर अभिलिखित की गई हैं, "निराक्षेप प्रमाणपत्र" मोटर यान अधिनियम, 1988 की धारा 48(3) के अधीन दिया जाता है।

* (2) उस मोटर यान के संबंध में, जिसकी ब्यौरेवार विशिष्टियाँ पिछले पृष्ठ पर अभिलिखित की गई हैं, "निराक्षेप प्रमाणपत्र" के लिए मोटर यान अधिनियम, 1988 की धारा 48(3) के अधीन इंकार किया जाता है। उसके लिए कारण निम्नलिखित हैं:--

तारीख

रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के हस्ताक्षर और मुद्रा
पता -----

*जो लागू न हो उसे काट दें।

सेवा में,

(रजिस्ट्रीकृत स्वामी) -- रजिस्ट्रीकृत डाक द्वारा या उचित पावसी के अधीन परिदत्त
रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी को प्रति ।

प्ररूप सं. 29

[नियम 55(1) देखिए]

मोटारयाम के स्वामित्व के अन्तरण के नोटिस का प्ररूप (दो प्रतियों में किया जाएगा और दूसरी प्रति रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के पृष्ठांकन सहित स्वामित्व के अन्तरण की प्रविष्टियां करने के ठीक पश्चात् अंतरक को भेजी जाएंगी)

सेवा में,

रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी,

(जिसकी अधिकारिता में अंतरित निवास करता है)

मैं/हम, ----- ने, जो ----- के निवासी हूँ/हैं आज ----- (तारीख, मास और वर्ष)

को अपना यान सं. ----- मेक ----- चैसिस सं. ----- इंजन सं. -----

श्री/श्रीमती ----- जो ----- का पुत्र/की पुत्री/पत्नी/है, को जो -----

(नाम)

----- (मकान सं.) (गली), ग्राम/कस्बा जिला और राज्य का निवासी है, विनीत और परिदत्त कर दिया है ।

रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र और बीमा प्रमाणपत्र/ उसको/उसको दे दिए गए हैं ।

रजिस्ट्रीकृत स्वामी (अंतरक) के हस्ताक्षर

तारीख :

1. प्रतिनिधि ----- (अंतरित)

उस रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी को प्रतिनिधि जिसकी अधिकारिता में अंतरक निवास करता है ।

टिप्पण .

रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी को रसीदी रजिस्ट्री डाक द्वारा भेजा जाएगा ।

कार्यालय पृष्ठांकन

स. ----- तारीख ----- का कार्यालय

यान का स्वामित्व ----- (तारीख) से ----- को अंतरित कर दिया गया है ।

रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी
(कार्यालय की मुद्रा)

सेवा में,

(अंतरक)

जो लागू न हो उसे काट दे ।

प्ररूप सं. 30

[(नियम 55(2) और (3) देखिए]

मोटारयाम के स्वामित्व के अंतरण की रिपोर्ट

भाग -- 1

अंतरक के प्रयोग के लिए

(जब यान अवश्य/पट्टा करार/आवमान के अधीन धारित है) तो इसे दो प्रतियों में दिया जाएगा और (दूसरी प्रति साथ ही रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के पृष्ठांकन सहित रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र में स्वामित्व का अंतरण हो मीट करने के पश्चात् वित्तियोग को भेज दी जाएगी)

सेवा में,

रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी,

अंतरक का नाम :

----- का पुत्र/की पत्नी/की पुत्री -----

पूरा पता -----

मैं/हम घोषणा करता हूँ/करते हैं कि मैंने/हमने----- (तारीख, मास और वर्ष) को मेरा/अपना मोटर यान, जिसका रजिस्ट्रीकरण विम्बु----- है, श्री----- को----- जो का पुत्र/की पत्नी/की पुत्री है, बेच दिया है और रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र उसको/उसको बे दिया है।

मैं/हम यह घोषणा करता हूँ/करते हैं कि मेरे/हमारे सर्वोत्तम ज्ञान के अनुसार यान का रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र निम्नलिखित या रद्द कर दिया गया है/नहीं किया गया है।

**मैं रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी द्वारा जारी किया गया "अनापत्ति प्रमाणपत्र" संलग्न करता हूँ। यदि रजिस्ट्रीकर्ता का "अनापत्ति प्रमाणपत्र" संलग्न नहीं किया जाता है तो अंतरक को अपने आवेदन के साथ धारा 50 की उपधारा (1) की अपेक्षानुसार एक घोषणा फाइल करनी चाहिए।

तारीख-----

अंतरक के हस्ताक्षर

**निम्नलिखित का रद्दकरण का व्योरा।

**जो लागू न हो उसे काट दें।

भाग-2—अंतरिती के प्रयोग के लिए

सेवा में,

रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी,

अंतरिती का नाम

-----का पुत्र/की पत्नी/की पुत्री

-----पूरा पता

(पते का सबूत संलग्न किया जाए)

मैं/हम यह घोषणा करता हूँ/करते हैं कि मैंने/हमने आज तारीख----- (तारीख मास और वर्ष) को मोटर यान, जिसका रजिस्ट्रीकरण सं.----- है,----- से ख़रीद कर लिया है और यह (नाम और पूरा पता)

अनुमोद करता हूँ/करते हैं कि रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र यान के ठीक हालत में होने के प्रमाणपत्र, मैं, जो संलग्न है, यान के स्वामित्व के अंतरण की बाबत आवश्यक प्रविष्टियाँ मेरे/हमारे नाम में अभिलिखित करें।

बीमा प्रमाणपत्र भी संलग्न है।

अंतरिती के हस्ताक्षर

अंतरिती के नमूना हस्ताक्षर:

1.

2.

अवकथ / आडमान / पट्ट करार अधीन करते हुए मोटर यान की दशा में वित्तपोषक की सहमति।

मैं / हम, जो----- मोटर यान की बाबत अवकथ / आडमान / पट्ट करार के पक्षकार हैं,----- को, जिनसे मैंने / हमने अवकथ / आडमान / पट्ट करार किया है, उक्त यान के स्वामित्व के अंतरण के लिए सहमति देता हूँ / देते हैं।

तारीख-----

वित्तपोषक के हस्ताक्षर

कार्यालय पृष्ठांकन

सं.----- तारीख----- का कार्यालय

यान के स्वामित्व के अंतरण को----- यान के रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र पर----- (तारीख) से अभिलिखित कर दिया गया है।

रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी

सेवा में,

(वित्तपोषक का नाम और पता)

रजिस्ट्रीकृत डाक द्वारा या सम्यक पावती के अधीन परिवर्तित किया गया।

प्ररूप सं 31

[नियम 56 (2) देखिए]

यान के कब्जे के उत्तराधिकारी व्यक्ति के नाम में स्वामित्व के अंतरण का आवेदन और सूचना ।

(यदि यान अवक्रम्य या पट्टा/आडमान/करार के अधीन धारित है तो इसे दो प्रतियों में प्रस्तुत किया जाएगा और दूसरी प्रति साथ ही रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के पुष्टीकरण सहित रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र में स्वामित्व का अंतरण करने के पश्चात् वित्तपोषक को भेज दी जाएगी)

सेवा में,

रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी,

1. यान रजिस्ट्रीकरण संख्यांक:

मेक और माडल

वैसिस संख्या

इंजन संख्या

यान का टाईप

2. मृत रजिस्ट्रीकृत स्वामी का नाम

3. यान के कब्जे के उत्तराधिकारी व्यक्ति का नाम :

-----का पुत्र / की पत्नी/की पुत्री/पूरा डाक पता:

4. मृत रजिस्ट्रीकृत स्वामी के साथ नातेदारी

5. उत्तराधिकार का सबूत

रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र संलग्न है। यान का स्वामित्व मेरे नाम में अंतरित करने की कृपा करें।

आवेदक के हस्ताक्षर

तारीख

उस मोटरयान की दशा में सहमति, जो अवक्रम्य / पट्टा / करार / आडमान के अधीन धारित है।

मैं / हम, जो ऊपर विनिर्दिष्ट मोटर यान की बात अवक्रम्य/करार/पट्टा/करार/आडमान का पक्षकार हूँ के पक्षकार हूँ, उपरोक्त नामित आवेदक के नाम में उक्त मोटर यान के स्वामित्व के अंतरण के लिए सहमति देता हूँ देते हैं, जिसके साथ मैंने/हमने/अवक्रम्य/पट्टा/आडमान/करार किया है।

वित्तपोषक के हस्ताक्षर

तारीख

कार्यालय पुष्टीकरण

-----का कार्यालय

संख्यांक-----तारीख-----

यान के अंतरण को यान के रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र और कार्यालय के रजिस्ट्रीकरण संबंधी अभिलेख में -----
(तारीख) से अभिलिखित कर दिया गया है :

रजिस्ट्रीकरण प्राधिकारी

सेवा में,

(वित्तपोषक का नाम और पता)

रजिस्ट्री डाक द्वारा या सम्यक पावती के अधीन परिवर्तित किया गया।

जो लागू न हो उसे काट दीजिए

प्ररूप सं. 32

(नियम 57 देखिए)

क्रय किए गए या लोक नीलामी अर्जित मोटर यान की दशा में स्वामित्व के अंतरण के लिए आवेदन।

सेवा में,

रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी,

मैं / हम -----का पुत्र / की पत्नी / की पुत्री ----- (पूरा पता सबूत सहित) ने यान सं. -----

वैसिस सं ----- इंजन सं. ----- मेक ----- माडल

यान का टाईप ----- के द्वारा या सरकार की ओर से संचालित लोक नीलामी में क्रय या अर्जित किया है।

मैं / हम वे वस्तावेज संलग्न करता हूँ /करते हैं जो नियम 57 के उपनियम (i) के अधीन मेरे/हमारे द्वारा पेश किए जाने हैं।

मोटरयान का स्वामित्व मेरे/हमारे नाम में अंतरित करने की कृपा करें।

आवेदक के हस्ताक्षर

तारीख

प्रारूप 33

(नियम 59 देखिए)

रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र में अभिलिखित पते के अंतर्ण की सूचना

(जहां यान अचक्रय/पट्टा/आइमान/करार के अधीन धारित है वहां इसे दो प्रतियों में दिया जाएगा और दूसरी प्रति साथ ही रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के पृष्ठांकन सहित रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र में स्वामित्व का अंतर्ण करने के पश्चात् विल पोषक को भेज दी जाएगी)

सेवा में,

रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी,

.....

मैं/हम का पति/की पत्नी/की पुत्री (पूरा पता) ने (नारीख) से रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र में अभिलिखित पते पर निवास करता/कराबार का स्थान छोड़ दिया है। वर्तमान पता नीचे दिया गया है (प्रमाण संलग्न किया जाए)।

यान किसी अचक्रय, पट्टा या आइमान/करार के अधीन धारित नहीं है।

यान के पास अचक्रय/पट्टा/आइमान/करार के अधीन धारित नहीं है।

(नाम और पूरा पता दिया जाए)

रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र संलग्न है।

मैं/हम यह अनुरोध करते हैं कि रजिस्ट्रीकरण में पते संबंधी परिवर्तन को अभिलिखित कर लिया जाए।

यान के रजिस्ट्रीकृत स्वामी के हस्ताक्षर या अंगुठा छाप

जो लागू न हो उसे काट दें।

कार्यालय पृष्ठांकन

मैं का

नारीख

..... कार्यालय

रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र में पते संबंधी उपरोक्त परिवर्तन की प्रविष्टि कर ली गई है।

रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के हस्ताक्षर

लगातार

सेवा में,

(विल पोषक का नाम और पता)

रजिस्ट्रीकृत डाक द्वारा या सम्यक पावती के अधीन परिवर्तन किया गया।

प्रारूप 34

(नियम 60 देखिए)

अचक्रय/पट्टा/करार/आइमान की प्रविष्टि करने के लिए आवेदन

(दो प्रतियों में प्रस्तुत किया जाएगा और दूसरी प्रति साथ ही रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के पृष्ठांकन सहित रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र में स्वामित्व का अंतर्ण करने के पश्चात् विल पोषक को भेज दी जाएगी)

सेवा में,

रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी,

.....

मोटर यान, जिसका रजिस्ट्रीकरण सं० रजिस्ट्रीकृत स्वामी/स्वामी के रूप में रजिस्ट्रीकृत किए जाने वाले व्यक्ति और के बीच

(विलपोषक का नाम और पूरा पता लिखें)

अचक्रय/पट्टा/आइमान/करार का विषय है।

हमारा अनुरोध है कि रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र और आपके कार्यालय के गुप्तगत अभिलेख में करार की प्रविष्टि करवा जाए।

संगृहित फीस सहित रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र सलग्न है।

तारीख

रजिस्ट्रीकृत स्वामी के हस्ताक्षर

वित्त पोषक के हस्ताक्षर

जो लागू न हो उसे काट दे।

कार्यालय पृष्ठांकन
वित्तपोषक की सूचना देने का प्रारूप

का कार्यालय

क्रम सं

तारीख

उपर जैसा अनुरोध किया गया है अवक्य/पट्टा/आडमान करार की प्रविष्टि में प्रारूप 24 में और रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र में अभिलिखित कर ली गई है।

तारीख को इस कार्यालय के रजिस्ट्रीकरण अभिलेख

तारीख

रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के हस्ताक्षर

सेवा में,

(वित्तपोषक का नाम और पता)

रजिस्ट्रीकृत डाक द्वारा या सम्यक पावती के अधीन परिचलित किया गया।

प्रारूप सं 35

[नियम 61(1) देखिए]

अवक्य/पट्टा/करार/आडमान की समाप्ति की सूचना

(दो प्रतियों में प्रस्तुत किया जाएगा और दूसरी प्रति साथ ही रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के पृष्ठांकन सहित रजिस्ट्रीकरण प्रमाण पत्र में स्वाभाविक का अनुरोध करने के पश्चात् वित्तपोषक को भी दी जाएगी)

सेवा में,

रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी,

हम यह घोषणा करने हैं कि हमारे बीच किया गया अवक्य/पट्टा/आडमान करार समाप्त कर दिया गया है। अतः हम, अनुरोध करने हैं कि यान्तिक के रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र में हमारे बीच उक्त करार की बाबत किए गए तोड़ का पृष्ठांकन रद्द कर दिया जाए।

रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र और साथ ही फीस सलग्न है।

तारीख

रजिस्ट्रीकृत स्वामी के हस्ताक्षर

तारीख

वित्तपोषक के हस्ताक्षर

कार्यालय पृष्ठांकन

का कार्यालय

क्रम सं

तारीख

उपर जैसा अनुरोध किया गया है, करार की प्रविष्टि के रद्द किए जाने को अभिलेख प्रारूप 24 में और रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र में अभिलिखित कर लिया गया है।

तारीख

रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के हस्ताक्षर

सेवा में,

(वित्त पोषक का नाम और पता)

रजिस्ट्रीकृत डाक द्वारा या सम्यक पावती के अधीन परिचलित किया गया।

प्रारूप 36

[नियम 61(2) देखिए]

वित्त पोषक के नाम तथा रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र जारी करने के लिए आवेदन

सेवा में,

रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी,

.

मैंने/हमने

(वित्तपोषक) अवक्य/आडमान/पट्टा करार के उपबन्धों के अधीन रजिस्ट्रीकृत स्वामी (नाम)

..... (पूरा पत्र) के अतिरिक्त के कारण मोटरयान स..... सेक..... माउल..... का कब्जा ग्रहण कर लिया है।

* (1) उक्त यान का रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र इसके साथ अर्पित किया जाता है।

* (2) रजिस्ट्रीकृत स्वामी ने मुझे/हमें रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र परिदत्त करने से इंकार कर दिया है।

* (3) रजिस्ट्रीकृत स्वामी क्रूर है।

मैं/हम आप से प्रमाणपत्र को रद्द करने का और अपने/हमारे नाम में एक नया रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र जारी करने का अनुरोध करने हैं।

मैं/हम..... स्पष्ट की फॉर्म सलमन करने हैं।

तारीख.....

वित्त पोषक के हस्ताक्षर

वित्त पोषक के नमूना हस्ताक्षर

1.

2.

* जो लागू न हों, उसे काट दें।

मूल रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी को प्रति।

प्रारूप 37

[नियम 61(3) देखिए]

वित्त पोषक के नाम तथा रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र जारी करने के प्रयाजन के लिए मोटरयान के रजिस्ट्रीकृत स्वामी को सूचना।

रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी.....

से.....

तारीख.....

श्री/श्रीमता/कुमारी..... (रजिस्ट्रीकृत स्वामी) को यह सूचित किया जाता है कि.....

वित्त पोषक के यह सूचित किया है कि उसने/उन्होंने उक्त कार उपर्युक्त अधीन अपने अतिरिक्त के कारण प्रत्यक्ष/प्रतिमान/पट्टा करार अंतर्गत अपने वाले मोटर यान जिसका रजिस्ट्रीकरण स..... है कब्जा ग्रहण कर लिया है और यह कि-----

1. * (1) आपने उसे/उन्हें रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र देने से इंकार कर दिया है।

* (2) आप क्रूर हो गए हैं।

2. उसने/उन्होंने रजिस्ट्रीकृत प्रमाणपत्र रद्द करने और अपने नाम में नया रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र जारी करने का अनुरोध किया है।

3. अतः आपको उक्त यान के रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र को अर्पित करने और अर्पण, यदि कोई हो, को इस सूचना को प्राप्ति के पत्र दिनों के भीतर इस कार्यालय में भेजने का निदेश दिया जाता है। ऐसा न करने पर यह उद्घारा का कारण कि आपको कोई अर्पण नहीं करनी पड़ेगी।

रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के

हस्ताक्षर

मेरा मे,

रजिस्ट्रीकर्ता स्वामी,

.....

स्वीडी रजिस्ट्री डाक द्वारा

वित्त पोषक को प्रति

मूल रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी को प्रति

* जो लागू न हों उसे काट दें।

प्रारूप 38

[नियम 62(1) देखिए]

यान ठीक हालत में होने का प्रमाणपत्र (केवल परिवर्तित यानों की वशा में ही लागू है)

.....

प्रमाणित किया जाता है कि यान स..... मोटर यान अधिनियम, 1988 और उसके अधीन बनाए गए नियमों के उपबन्धों के अनुरूप है। प्रमाण पत्र..... (तारीख) को समाप्त होगा।

तारीख..... 19

निरीक्षण प्राधिकारी के हस्ताक्षर और पदाभिधान
या

प्राधिकृत परीक्षण केन्द्र के प्राधिकार पत्र के धारक के
हस्ताक्षर

यान ठीक हालत में होने का प्रमाणपत्र

.....से.....19 तक
से.....19.....तक
से.....19.....तक
 नवीकृत किया जाता है।

निरीक्षण प्राधिकारी के हस्ताक्षर
 या
 प्राधिकृत परीक्षण केन्द्र के प्राधिकार पत्र के
 धारक के हस्ताक्षर

प्ररूप 39

[नियम 63(1) और (5) देखिए]

प्राधिकृत परीक्षण केन्द्र को दिए जाने वाले प्राधिकार पत्र का प्रारूप

प्राधिकार पत्र सं.

तारीख

मोटर यान अधिनियम, 1988 और केन्द्रीय मोटर यान नियम, 1989 के नियमों के उपबन्धों के अधीन रहते हुए, परिवहन यानों के ठीक हालत में होने का प्रमाणपत्र दिए जाने या उसके नवीकरण के प्रयोजन के लिए.....(परिसर का पूरा पता) परिसर में अधिनियम की धारा 56 की उपधारा (2) के अधीन परीक्षण केन्द्र की स्थापना के लिए.....

(नाम और पूरा पता)

को प्राधिकार पत्र दिया जाता है।

यह प्राधिकार पत्र.....से.....तक विधिमाम्य है।

रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी

यह प्राधिकार पत्र.....से.....तक नवीकृत किया जाता है।

तारीख

रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी

प्ररूप 40

[नियम 63(2) देखिए]

प्राधिकार पत्र दिए जाने या उसके नवीकरण के लिए आवेदन का प्रारूप

सेवा में,

रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी

मैं/हम.....पता.....

निम्नलिखित जानकारी प्रस्तुत करता हूँ/करते हैं :—

1. आवेदक का नाम :
2. का पुत्र/की पत्नी/की पुत्री :
3. पता.....
(सबूत संलग्न किया जाए)
4. आवेदक की अर्हताएं :
5. फाटोमोबाइल कर्मशाला में अनुभव :
6. क्या प्रत्यक्षतः या अप्रत्यक्षतः परिवहन संबंधी कारोबार में अंमल/सि संबंध है :
7. मशीनरी और उपकरण :
8. पिछले-पिछले कारोबार में लग चुके कर्मचारी :
 - (i) प्रबंधक :
 - (ii) फोरमैन :
 - (iii) मैकेनिक :
 - (iv) हेल्पर :
 - (v) अन्य प्रशासनिक कर्मचारी :

9. व्यक्ति के संबंध में विविष्टियां जो केन्द्रीय मोटर यान नियम, 1989 के नियम 63 के उपनियम (3) के खंड (क) के अधीन अपेक्षित हैं :

अर्थात् :—

- (क) नाम :
- (ख) आयु :
- (ग) फाटोमोबाइल इंजीनियरी में अर्हता :
- (घ) फाटोमोबाइल कर्मशाला में वास्तविक अनुभव :

(इ) फर्म का नाम, पूरे पने सहित :

(ख) विभिन्न प्रकार के परिवहन यान चलाने का अनुभव :

(i) चालन अनुज्ञप्ति संख्यांक :

(ii) किसके द्वारा जारी किया गया :

(iii) जारी किए जाने की तारीख :

(iv) यान का टाइप :

(v) एम. डी. एल. की विधिमाम्यता की अवधि :

(vi) चालन अनुज्ञप्ति पर पृष्ठांकन, यदि कोई हो :

10. आवेदक द्वारा स्वामित्व में की या किराए पर ली गई भूमि का सङ्गत :

11. क्या गैरज से—

(i) जल प्रवाय (ii) विद्युत (iii) शीतानय

(iv) धाराम कक्ष जैसी सुविधाएं उपलब्ध है :

12. वित्त का स्त्रोत :

13. यदि आवेदन, प्राधिकार पत्र के नवीकरण के बारे में है तो निम्नलिखित विनिष्टियां प्रस्तुत करें, अर्थात्—

(i) विद्यमान प्राधिकार पत्र का संख्यांक

(ii) जारी करने की तारीख

(iii) विधिमाम्यता की अवधि :

(iv) यदि आवेदन समय से प्रस्तुत नहीं किया गया है तो कारण बताएं

(v) क्या प्राधिकार पत्र पहले निलम्बित/रद्द/अभ्यर्पित किया गया है, औरो दीजिए :

14. मैं यह सत्य निष्ठापूर्वक घोषित करता हूं कि ऊपर दी गई जानकारी सही और ठीक है। मैं यह भी घोषित करता हूं कि मैं नियमों, विनियमों और इस प्राधिकार पत्र से सम्बन्धित तथा मोटर यान अधिनियम, 1988 और केन्द्रीय मोटर यान नियम, 1989 में विहित शर्तों से आशुद्ध रहूंगा।

तारीख :

आवेदक के हस्ताक्षर

प्ररूप 41

(नियम 75 देखिए)

मोटर यान का राज्य रजिस्टर

1. रजिस्ट्रीकरण सं.

2. पहला रजिस्ट्रीकरण संख्यांक, यदि कोई हो।

3. क्या मोटरयान :

(क) नया है

(ख) आयातित है

(ग) पुराना सेना यान है

4. निर्माता का नाम

5. विनिर्माण का वर्ष

6. इंजन संख्यांक

7. चैसिस संख्यांक

8. सिलेण्डरों की संख्या

9. धनीय क्षमता/असब सक्ति

10. प्रयोग किए गए ईंधन का प्रकार

11. मोटरयान का वर्ग

12. रजिस्ट्रीकृत स्वामी का नाम और पूरा पता

13. बैठने के स्थान

14. सकल यान भार

15. लबाम रहित भार

प्रश्न सं 42

[नियम 76(1) देखिए]

राजनयिक/कोमल्लेय अधिकारी द्वारा या उसकी ओर से मोटर यान के रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदन का प्रश्न
(सक्षम प्राधिकारी की मार्फत तीन प्रतियों में भेजा जाएगा)

सेवा में,

रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी,

- 1 राजनयिक/कोमल्लेय अधिकारी का पूरा नाम, पदाभिधान और पता
राजनयिक मिशन/कोमल्लेय कार्यालय या पोस्ट का पूरा नाम, पता और स्टेशन
- 2 रजिस्ट्रीकृत स्वामी के रूप में रजिस्ट्रीकृत किए जाने वाले व्यक्ति की आय
- 3 उस व्यक्ति का नाम और पता जिसमें यान क्रय किया गया था। उस पते का नाम
और पता जिसमें होकर यान का आयात किया गया था। उस व्यक्ति या कम्पनी का
नाम जिसके बांधन स्टॉक से यान क्रय किया गया था और पक्ष का नाम
- 4 वह देश जिसमें आयात किया गया
- 5 यान का वर्ग
- 6 बाड़ी का टाइप
- 7 निर्माता का नाम
- 8 विनिर्माण का वर्ष
- 9 मिलेण्डरो की संख्या
- 10 अश्व शक्ति
- 11 निर्माता का वर्गीकरण या, यदि ज्ञान न हो तो पहिया आधा
- 12 चमिस संख्या
- 13 इंजन संख्या
- 14 बैटक के स्थान (जालक सहित)
- 15 लदान रजिटर भाग
- 16 पूर्व रजिस्ट्रीकरण का विशिष्टता और रजिस्ट्रीकरण संख्या (यदि कोई हो)
- 17 मैं घोषणा करता हूँ कि यान भारत में किसी अन्य राज्य में रजिस्ट्रीकृत नहीं है।
- 18 बाड़ी, बिग और फुट का रंग या के रंग
- 19 टायरों की संख्या, वर्णन और उनके साइज
(क) आगे वाली धुरी
(ख) पीछे वाली धुरी
(ग) कोई अन्य धुरी
- 20 अधिकतम लदान वजन—किलोग्राम
- 21 अधिकतम धुरी वजन (केवल भारी मोटर यानों की दशा में दिया जाना है)
(क) आगे वाली धुरी किलोग्राम
(ख) पीछे वाली धुरी किलोग्राम
(ग) कोई अन्य धुरी किलोग्राम

उपरोक्त विशिष्टताया दो या अधिक धुरियों के ठास फ्रेम वाले मोटर यान के लिए हो भरी जानो है।

आवेदक के हस्ताक्षर

विदेश सेवालय (प्रोटोकॉल प्रभाग)

या संबंधित राज्य सरकार के मुख्य
सचिव के कार्यालय में प्रयोग के लिए

प्रमाणित किया जाता है कि

(नाम और पद) भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त राज-

नयिक अधिकारी/कोमल्लेय अधिकारी है और वह रजिस्ट्रीकरण फीस के सदाय से छूट के हकदार है/नहीं है।

स्थान

अधिकारी के हस्ताक्षर

सारीख

पदाभिधान

राजनयिक या कौमल्य अधिकारी से संबंधित सादर यात्रा के रजिस्ट्रिकरण प्रमाण पत्र का प्रारूप

रजिस्ट्रिकरण सख्यांक

यात्रा का संक्षिप्त वर्णन

(उदाहरणार्थ किये 1100 या हिन्दुस्तान लैंड मास्टर कार बिना जीप, टाज/रेमेन्/गोड्डा पेट्रोल/सीजल ट्रक लेलैंड 36 सीट वाली सीजल बस ट्रेलर आदि)

राजनयिक अधिकारी/कौमल्य अधिकारी का

परा नाम पद और पता/राजनयिक मिशन/

कौमल्य कार्यालय या पोस्ट का परा नाम पता और स्थान

किस को अतिरिक्त

किस का अतिरिक्त

रजिस्ट्रिकर्ता प्राधिकारी के हस्ताक्षर

रजिस्ट्रिकर्ता प्राधिकारी के हस्ताक्षर

विस्तृत वर्णन—

- 1 यात्रा का बस
- 2 निर्माता का नाम
- 3 बाडी का टाइप
- 4 विनिर्माण का वर्ष
- 5 मिलेडरो की संख्या
- 6 केमिस संख्यांक
- 7 इंजन संख्यांक
- 8 अण्ड शक्ति
- 9 निर्माता का वर्गीकरण या यदि ज्ञात न हो तो उसका पहिया आधार।
- 10 बैठने के स्थान (वाहन सहित)
- 11 लवान रजि भाग
सभी परिवहन यानों की दशा में अतिरिक्त विनिर्माण
- 12 बाडी विंग और फ्रंट का/के रंग
- 13 रजिस्ट्रीकृत लवान भाग
- 14 टायरों की संख्या, वर्णन और माइज—
(क) आगे की धुरी
(ख) पिछली धुरी
(ग) कोई अन्य धुरी
- 15 रजिस्ट्रीकृत धुरी भाग (केवल भारी मोटर यानों की दशा में)
(क) आगे की धुरी किलोग्राम
(ख) पिछली धुरी किलोग्राम
(ग) कोई अन्य धुरी किलोग्राम

रजिस्ट्रिकर्ता प्राधिकारी के हस्ताक्षर

तारीख

प्ररूप 44

[नियम 78(1) देखिए]

नियम के राज्य में परिवर्तन की सूचना और नए रजिस्ट्रिकरण चिह्न के समन्वय के लिए राजनयिक या कौमल्य अधिकारी द्वारा या उनकी ओर से आवेदन (दो प्रतियों में दिया जाएगा)

सेवा में,

रजिस्ट्रिकर्ता प्राधिकारी

में _____ (नाम और पदाभिधान) _____ जो मोटर यान

स _____ का स्वामी है जो मोटर यान अधिनियम 1988 की धारा 42 के अधीन _____

में रजिस्ट्रीकृत है, यह घोषणा करना हूँ कि मैंने _____ तारीख से उक्त यान _____ राज्य में रखा है और मोटरयान को भए रजिस्ट्रीकरण चिन्ह के लिए आवेदन करता हूँ।

मैं रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र और यान के ठीक हालत में होने का प्रमाणपत्र* संलग्न करता हूँ।

तारीख _____

स्वामी के हस्ताक्षर

*"और यान के ठीक हालत में होने का प्रमाणपत्र" शब्दों को, यदि लागू न हों तो, काट दें।

विदेश मंत्रालय (प्रोटोकॉल प्रभाग) या संबंधित राज्य के मुख्य सचिव के कार्यालय में प्रयोग के लिए।

प्रमाणित किया जाता है कि _____ (नाम और पवाभिधान), राजनयिक अधिकारी/कीमतीय अधिकारी की हैमियत धारण कर रहे हैं।

वह इस समय _____ (स्थान) पर नियुक्त हैं।

स्थान _____

पवाभिधान

तारीख _____

अधिकारी के हस्ताक्षर

प्ररूप 45

[नियम 82(1) देखिए]

पर्यटन यान की वाबत परमिट दिए जाने के लिए आवेदन

सेवा में,

राज्य परिवहन अधिकारी,

मैं/हम, अधोहस्ताक्षरी, भारत के राज्यक्षेत्र में सर्वत्र _____ राज्य में पर्यटन यान के लिए विधि-
(राज्यों के नाम विनिर्दिष्ट करें)।

माध्य परमिट दिए जाने के लिए आवेदन करता हूँ/करते हैं—

1. आवेदक (आवेदकों) का पूरा नाम
2. आवेदक की हैमियत, क्या वह व्यक्ति कंपनी या भागीदारी फर्म, सहकारी सोसाइटी आदि हैं
3. पिता या पति का नाम
(व्यक्ति की दशा में) और फर्म या कंपनी की दशा में, यथास्थिति प्रबंध भागीदार या प्रबंध निदेशक की विशिष्टियाँ
4. पूरा पता
(व्यक्तियों की दशा में राशनकार्ड, विजली के बिल आदि अनुप्रमाणित प्रति द्वारा या राज्य परिवहन प्राधिकारी के समाधानप्रद रूप में कोई अन्य विश्वामान्य दस्तावेज द्वारा और कंपनी या फर्म की दशा में संगम जापन या भागीदारी विवेक की सत्यापित प्रति द्वारा प्रमाणित किया जाना चाहिए।
5. (क) क्या स्वयं आवेदक यान चलाना चाहता है ?
(ख) (1) यदि हाँ, तो क्या आवेदक के पास भारी यात्री मोटर यान चलाने अनुज्ञप्ति है ?
(2) चलाने अनुज्ञप्ति का संख्यांक, तारीख और विश्वामान्यता की अवधि
(3) अनुज्ञापन प्राधिकारी का नाम और पता
6. प्रथम रजिस्ट्रीकरण की तारीख सहित रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र, बीमा प्रमाणपत्र
7. किसी विशिष्ट यान की वाबत अन्य परमिटों, यदि कोई हों, का व्यौरा
8. आवेदक के पास परमिटों की कुल संख्या का व्यौरा
9. यान का टाइटल
10. मोटर यान का सैक
11. आवेदक (आवेदकों) द्वारा धारित यान/परमिट की वाबत गत तीन वर्षों के दौरान दोषमिद्धि/निलंबन/रद्दकरण, यदि कोई हो, की विशिष्टियाँ
12. मैं/हम इसके साथ यान का रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र भेजता हूँ/भेजते हैं या मैं/हम यान का रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र परमिट जारी किए जाने से पहले प्रस्तुत कर चुका/चुके।

13. मैं/हम यह घोषित करते हैं कि उपरोक्त कथन सत्य है और कि मैं/हम इस राज्य का/के निवासी हूँ/हैं और इस राज्य में _____ (स्थान) पर मेरा/हमारा बाराबर का मुख्य स्थान है।

14. मैंने/हमने _____ रूप की फीस का भुगतान कर दिया है।

तारीख _____

आवेदक के हस्ताक्षर या
छापे की छाप

प्रारूप सं 46

[नियम 83(1) और नियम 87(1) देखिए]

प्राधिकार पत्र, पर्यटन परमिट या राष्ट्रीय परमिट के लिए आवेदन का प्रारूप

प्रादेशिक/राज्य परिचालन प्राधिकरण _____

मैं/हम अधीहस्ताक्षरी, इसके द्वारा भारत के संपूर्ण राज्य क्षेत्र _____ राज्य में विधिमार्ग
(राज्यों का नाम ब्रिनिविष्ट करें)

प्राधिकार पत्र देने के लिए आवेदन करता हूँ/करते हैं।

1. आवेदक (आवेदकों) का/के पूरा नाम
2. का पति/की पत्नी/की पुत्री
3. पता
4. मोटर यान का रजिस्ट्रीकरण बिम्ब और ब्रिनिर्माण वर्ष और रजिस्ट्रीकरण की तारीख
5. मोटर यान का इंजन संख्यांक
6. मोटर यान का चैसिस संख्यांक
7. परमिट संख्यांक, वह प्राधिकारी जिसने परमिट जारी किया है तथा परमिट जारी करने की तारीख और उसकी समाप्ति की तारीख
8. मोटर यान का लदान रजिटर भाग
9. मोटर यान का भ्रमण यान भाग
10. मोटर यान का आय भाग (पर्यटक यान की वशा में बैठने के स्थान)
11. वह अवधि जिसके लिए प्राधिकार पत्र चाहिए
_____ से _____ तक
12. मैं/हम यान का रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र और परमिट संलग्न करता हूँ/करते हैं
13. मैं/हम प्राधिकार फीस के भुगतान मध्ये बैंक ड्राफ्ट संलग्न कर रहा हूँ/कर रहे हैं जिसका/जिनका वर्णन नीचे किया गया है :—

क्रम सं	राज्य का नाम	संलग्न रकम	बैंक ड्राफ्ट की विशिष्टियाँ और तारीख	भुगतान की तारीख
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)

तारीख _____

आवेदक (आवेदकों) के हस्ताक्षर या छापे की छाप

*जो लागू न हो उसे काट दें।

प्रखप : 47

[नियम 83 (2) और नियम 87 (2) देखिए]

पर्यटन परमिट या राष्ट्रीय परमिट के लिए प्राधिकार पत्र

सं०-----

सचिव का कार्यालय

प्रादेशिक/राज्य परिवहन प्राधिकारी
तारीख-----

प्राधिकार पत्र सं०-----

यह प्राधिकार पत्र भारत के संघ राज्यक्षेत्र में सर्वत्र/निम्नलिखित राज्य/राज्यों में विधिमाम्य है :--

- | | |
|----|-----|
| 1. | 2. |
| 3. | 4. |
| 5. | 6. |
| 7. | 8. |
| 9. | 10. |

(यहां उन राज्यों का नाम लिखिए जहां लागू है)

1. पूरा नाम
और परमिट के धारक का पूरा पता
2. मोटर यान का रजिस्ट्रीकरण बिम्ब और श्रेणी
3. विनिर्माण वर्ष
4. मोटर यान का इंजन संख्यांक
5. मोटर यान का चैसिस संख्यांक
6. मोटर यान का परमिट संख्यांक
7. परमिट जारी करने वाले प्राधिकारी का नाम
8. परमिट की समाप्ति की तारीख
9. मोटर यान का सकल यान भार
10. मोटर यान का लदान रहित भार
11. पर्यटक यान की दशा में बैठने के स्थान
12. प्राधिकार पत्र की विधिमाम्यता की श्रद्धा -----से-----तक

परिवहन प्राधिकारी के हस्ताक्षर
और पदाभिधान और मुद्रा

सम्मिश्र फीय के संदाय का प्रमाणपत्र !

क्रम सं०	उन राज्यों के नाम जिनके लिए संदाय किया गया है	संवत् सं०	रकम प०	बैंक ड्राफ्ट का संख्यांक और तारीख और बैंक का नाम	बैंक ड्राफ्ट की प्राप्ति की तारीख	कितने संदेय हैं	वह श्रद्धा जिसके लिए संवत् किया गया है	यान का रजिस्ट्रीकरण बिम्ब	प्राधिकारी के हस्ताक्षर और मुद्रा
1	2	3	4	5	6	7	8	9	

- 1.
- 2.
- 3.

परिवहन प्राधिकारी के हस्ताक्षर और मुद्रा

प्रारूप सं० 48

राष्ट्रीय परमिट देने के लिए आवेदन
(नियम 86 देखिए)

सबसे, मे,

प्रादेशिक/राज्य परिवहन प्राधिकारी

मैं/हम, अधोहस्ताक्षरकर्ता, भारत के राज्य क्षेत्र ----- (यहाँ बांछित राज्यों के नाम लिखें) राज्य में सर्वत्र विधिमानी राष्ट्रीय परमिट के लिए आवेदन करता हूँ/करते हैं।

- 1 आवेदक (आवेदको) का पूरा नाम
- 2 आवेदक की हैमियत, नया वह व्यष्टि, कम्पनी या भागीदारी फर्म, सहकारी सोसाइटी आदि है
- 3 पिता या पति का नाम (व्यष्टि की दशा में) और कम्पनी या फर्म की दशा में, यथास्थिति, प्रबंध भागीदार या प्रबंध निदेशक की रजिस्ट्रीकरण संख्यांक
- 4 पूरा पता (व्यष्टियों की दशा में) राशन कार्ड, विद्युत बिल आदि की अनुप्रमाणित प्रति द्वारा या राज्य परिवहन प्राधिकारी/प्रादेशिक परिवहन प्राधिकारी के सामाधानप्रद रूप में किसी अन्य विधिमानी दस्तावेजी सबूत द्वारा और कम्पनी या फर्म की दशा में, यथास्थिति, सगन ज्ञापन या भागीदारी बिलेख की अनुप्रमाणित प्रति द्वारा समर्थित किया जाना चाहिए)
- 5 (क) नया आवेदक स्वयं यान चलाया चाहता है
(ख) (1) यदि हा तो क्या आवेदक के पास भारी माल यान चलाने अनुज्ञप्ति है।
(2) चलाने अनुज्ञप्ति का संख्यांक, तारीख और विधिमानीता की अवधि।
(3) अनुज्ञप्ति प्राधिकारी का नाम और पता।
- 6 प्रथम रजिस्ट्रीकरण की तारीख, सहित रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र, बीमा प्रमाणपत्र।
- 7 किसी विशेष यान की बाबत कोई अन्य परमिट धारित किया हुआ है तो उसका नमूना।
- 8 आवेदक द्वारा पहले से ही धारित राष्ट्रीय परमिट की संख्या का नमूना।
- 9 यान का टाइप, क्या वह दो धुरी वाला ट्रक या संलग्न यान या बहुधुरी वाला यान या ट्रक-ट्रेलर संयोजन है।
- 10 मोटर यान का नंबर
- 11 आवेदक (आवेदको) द्वारा धारित किए हुए यान/परमिट को बाबत गत तीन वर्षों के दौरान दोषसिद्धि/निर्गमन/रद्दकरण, कोई हो, की विविष्टियां।
- 12 मैं/हम इसके साथ यान का रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र भेज रहा हूँ/भेज रहे हैं या मैं/हम परमिट दिए जाने से पहले यान का रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र प्रस्तुत कर दगा/कर दगे।
- 13 मैं/हम यह घोषित करना हूँ/करते हैं कि उपरोक्त कथन सही हैं और यह कि मैं/हम इस राज्य का निवासी हूँ/निवासी हैं और ----- के ----- स्थान पर मेरे/हमारे कारबार का मुख्य स्थान है।
- 14 मैंने/हमने ----- व्यय की फीस का संवय कर दिया है।

तारीख:

आवेदक के हस्ताक्षर या
अंगूठे की छाप

प्रारूप 49

(नियम 89 देखिए)

द्वैमासिक विवरणी

- 1 राष्ट्रीय परमिट धारक का नाम और पूरा पता:
- 2 मोटरयान का रजिस्ट्रीकरण नम्बर
- 3 राष्ट्रीय परमिट संख्यांक

तीन माम के भीतर की गई यात्रा का संक्षिप्त व्योम

महीना	राज्य में की गई यात्रा की कुल दूरी	यात्रा की कुल दूरी	टिप्पणियाँ
(1)	(2)	(3)	(4)

राष्ट्रीय परमिट धारक के हस्ताक्षर

तारीख

*उन राज्यों के नाम लिखें जिन्हें लागू होता है।

टिप्पण. टिप्पणियाँ बाएं स्तंभ में किसी विशेष राज्य या राज्यों में कम या अधिक यात्रा के कारणों और ऐसे अन्य कारणों का उल्लेख करें जिनसे यात्रा कम हुई।

प्रारूप सं० 50

[नियम 90(3) देखें]

बहुल पत्र

पत्र सं०.

तारीख.

राष्ट्रीय परमिट धारक का नाम और पता -----

मोटरवाहन की रजिस्ट्रीकरण संख्या -----

तारीख -----

परेषक का नाम -----

परेषिती का नाम -----

प्रारम्भिक स्थान -----

समाप्त स्थान -----

वस्तुआ की संख्या

मान का वर्णन
कि० ग्रा०

चरम भाड़ा प्रभार

सेबेल भाड़ा प्रभार

योग

रु०

पै०

रु०

पै०

बिल सं० -----

तारीख -----

प्राप्त किया -----

पैकेज -----

ट्रक -----

परेषिती के हस्ताक्षर

वाहक के हस्ताक्षर

परेषक के हस्ताक्षर

*वाहक की जोखिम पर

स्वामी की जोखिम पर

मान का मूल्य-----रु०

परिधान का स्थान-----

टिप्पण-- वहन पत्र ऊपर दिए गए प्रोफार्मा में होगा और तार प्रतियों में होगा जिनमें से मूल (सफेद) मोटर पान में ले जाया जाएगा, दूसरी प्रति (हल्का हरा) परेषक के लिए होगा, तीसरी प्रति (गुलाबी) परेषिती के लिए होगा और चौथी प्रति (हल्का नीला) राष्ट्रीय परमिट धारक के अभिलेख के लिए होगा।

*ओ लागू न हो उसे काट दें।

प्रकरण-51

(नियम 141 देखिए)

की भागत बीमा प्रमाणपत्र

प्रमाणपत्र सं.

पालिसी सं.

1. बीमाकृत यान का रजिस्ट्रीकरण स्थल
2. यान का वर्णन
3. और चिमिमाण का वर्ष
4. इंजन संख्याक
चैमिंग संख्याक
5. बहन क्षमता
6. पालिसी धारक का नाम और पता
7. बीमा के प्रारंभ की प्रभावी तारीख और समय
8. बीमा की समाप्ति की तारीख
9. बताने के लिए हकदार व्यक्ति या व्यक्ति वर्ग

मजिली गाड़ी
डेला गाड़ी
प्राइवेट सेवा यान

पालिसी धारक सहित कोई व्यक्ति।

परन्तु यह तब जबकि चलाने वाला व्यक्ति, दुर्घटना के समय प्रभावी, चलान अनुज्ञप्ति धारण करना है और ऐसी अनुज्ञप्ति धारण करने या अधिप्राप्त करने के लिए निरहित नहीं है:

परन्तु यह और कि दुर्घटना के समय किसी प्रभावी शिक्षार्थी अनुज्ञप्ति का धारक व्यक्ति में, जब यान का यात्रियों के परिवहन के लिए प्रयोग न किया जा रहा हो, तब यान का चला सकगा और ऐसा व्यक्ति केन्द्रीय मोटर यान नियम, 1989 के नियम 3 की अपेक्षाओं को पूरा करता है।

पालिसी धारक सहित कोई व्यक्ति।

परन्तु यह तब जबकि चलाने वाला व्यक्ति, दुर्घटना के समय प्रभावी चलान अनुज्ञप्ति धारण करना है और ऐसी अनुज्ञप्ति धारण करना या अधिप्राप्त करने के लिए निरहित नहीं है:

परन्तु यह और कि दुर्घटना के समय किसी प्रभावी शिक्षार्थी अनुज्ञप्ति का धारक व्यक्ति में, जब यान का यात्रियों के परिवहन के लिए प्रयोग न किया जा रहा हो तब यान का चला सकगा और ऐसा व्यक्ति, केन्द्रीय मोटर यान नियम, 1989 के नियम 3 की अपेक्षाओं को पूरा करता है।

पालिसी धारक सहित कोई व्यक्ति।

परन्तु यह तब जब कि चलाने वाला व्यक्ति दुर्घटना के समय प्रभावी चलान अनुज्ञप्ति धारण करना है और ऐसी अनुज्ञप्ति धारण करने या अधिप्राप्त करने के लिए निरहित नहीं है:

परन्तु यह और कि दुर्घटना के समय किसी प्रभावी शिक्षार्थी अनुज्ञप्ति का धारक व्यक्ति, केन्द्रीय मोटर यान नियम, 1989 के नियम 3 की अपेक्षाओं को पूरा करता है।

पालिसी के अंतर्गत मोटर यान

अधिनियम, 1988 के अर्थ में परमिट अथवा मोटर यान अधिनियम, 1988 की धारा 66 की उपधारा (3) के अंतर्गत आने वाली ऐसी गाड़ी के रूप में प्रयोग में आते है।

पालिसी के अंतर्गत निर्गमनस्थित के लिए प्रयोग नहीं आते है.

, (क) संचालित रेसिंग, या

(ख) गति परीक्षण

माल बाहन

नैर-परिवहन यान।

10. प्रयोग के लिए परिसीमाएं---

मजिली गाड़ी/
डेला गाड़ी/
माल बाहन।

11. प्राइवेट मोटर यान और गैर परिवहन यान

प्राप्तियों के अंतर्गत निम्नलिखित से भिन्न कितनी प्रयोजन के लिए प्रयोग आते हैं—

- (क) भाड़ा या पारिश्रमिक
- (ख) संयोजित रेसिंग, या
- (ग) गति परीक्षण ।

हम प्रमाणित करते हैं कि यह प्राप्ति जिससे यह प्रमाणपत्र संबंधित है और साथ ही यह बाका प्रमाणपत्र मोटर यान अधिनियम, 1988 के अध्याय 10 या अध्याय 11 के उपबंधों के अनुसार जारी किया जाता है।

प्राधिकृत अधिकारी

प्ररूप-32

[नियम 142 (1) देखिए]

कवर नोट

1. रजिस्ट्रेशन यान का रजिस्ट्रेशन चिह्न और संख्या या वर्णन।
2. प्राप्तिधारक का नाम और पता
3. इस अधिनियम के प्रयोजन के लिए, बाका के प्राप्ति की प्रमाणी सारीख और रूप
4. सीमा की समाप्ति की तारीख
5. लयाने के लिए हकदार व्यक्ति या व्यक्ति वर्ग
6. मोटर यान के प्रयोग पर निबंधन

इस कवर नोट की विधिमन्यता की अवधि-----की समाप्ति होगी।

मैं/हम घोषणा करता/करते हैं कि यह कवर नोट, मोटर यान अधिनियम, 1988 के अध्याय 11 के उपबंधों के अनुसार जारी किया गया है।

(प्राधिकृत बाकाकर्ता)

प्ररूप-33

[नियम 145 (1) देखिए]

प्रमाणित किया जाता है कि निम्नलिखित वर्ग के मोटर यान -

- (क) रजिस्ट्रेशन संख्या
 - (ख) मेक
 - (ग) वर्ग, अथवा, मोटर साइकिल, मोटर कार, मजिगे गाड़ी, माल यान, टेका गाड़ी या अन्य वर्ग (जो उल्लिखित किया जाना है)
 - (घ) बाड़ी का रंग,
- निम्नलिखित की संपत्ति है--

(1) ----- संख्या

(ii) स्थानीय प्राधिकारी/राज्य परिवहन उपक्रम,

अथवा -----

जिसे यान का----- संख्या

अपने आदेश सं०-----तारीख-----द्वारा

मोटर यान अधिनियम, 1988 की धारा 146 के अधीन छूट दी है।

यह प्रमाणपत्र, यदि इसी दौरान रद्द नहीं किया जाता है तो----- तक विधिमन्य है।

----- की ओर से हस्ताक्षरित
पदाभिधान

प्ररूप सं. 54

[नियम 150(1) और (2) देखिए]

दुर्घटना सूचना रिपोर्टें

- 1 पुलिस थाने का नाम
- 2 श्री याग म./श्रुतिक दुर्घटना रिपोर्टें
- 3 दुर्घटना की तारीख, समय और स्थान
- 4 क्षतिग्रस्त/मृतक का नाम और पता
- 5 उस अस्पताल का नाम जिसमें उसकी ले जाया गया था।
- 6 यात की रजिस्ट्रीकरण संख्या और यात का प्रकार
- 7 वाहन अनुज्ञप्ति की विशिष्टियां
 - (क) वाहनक का नाम और पता
 - (ख) वाहन अनुज्ञप्ति संख्या और समाप्ति की तारीख
 - (ग) तारोकर्ता प्राधिकारी का पता
- 8 यात के स्वामी का नाम और पता जैसा कि वह दुर्घटना की तारीख की है
- 9 उस बीमा कंपनी का नाम और पता,

जहाँ पर नाम बीमाकृत था और उक्त बीमा कंपनी का संकलीय अधिकारी
- 10 बीमा पालिसी/बीमा प्रमाणपत्र की संख्या और बीमा पालिसी/बीमा प्रमाणपत्र की विधिसम्मतता की तारीख
- 11 यात का रजिस्ट्रीकरण विशिष्टियां
 - (क) रजिस्ट्रीकरण सं.
 - (ख) इंजन सं.
 - (ग) चेसिस सं.
- 12 ग्राम परमिट विशिष्टियां
- 13 की गई कार्रवाई, यदि कोई है, और उसका परिणाम

प्ररूप सं. 55

[नियम 160(1) देखिए]

विदेशी बीमाकर्ता के प्रत्यभूतिदान के लिए आवेदन

मैं/हम, केन्द्रीय मोटर यात नियम, 1989 के नियम 159 के अधीन रखी गई अनुमोचित श्रेणी में (विदेशी बीमाकर्ता का नाम) जो

में गठित/निगमित/अधिवासी है, सम्मिलित करने और अपना नाम मोटर यात अधिनियम, 1988 के अध्याय 11 और उक्त नियमों के प्रयोजनों के लिए उक्त (विदेशी बीमाकर्ता का नाम) के प्रत्याभूतिदाता के रूप में सम्मिलित करने के लिए आवेदन करता हूँ/करते हैं। मैं/हम प्रमाणित करता हूँ/करते हैं कि मैं/हमने उक्त अधिनियम और उक्त नियमों के प्रयोजनों के लिए उक्त विदेशी बीमाकर्ता के साथ एक ठहारा कर लिया है और मैं/हम इसके द्वारा उक्त अधिनियम और उक्त नियमों के प्रयोजनों के लिए उक्त विदेशी बीमाकर्ता की बाबत भारत में प्रत्याभूतिदाता के रूप में कार्य करने के लिए सज्जद हैं।

तारीख

प्राधिकृत बीमाकर्ता के

हस्ताक्षर

पता

प्ररूप सं. 56

[नियम 160(3) देखिए]

प्रत्याभूतिदाता के रूप में कार्य करने की समाप्ति की सूचना

यह सूचना दी जाती है कि मैं/हम, मोटर यात अधिनियम, 1988 के अध्याय 11 और केन्द्रीय मोटर यात नियम, 1989 के प्रयोजनों के लिए, _____ के पश्चात् या उस तारीख से जिसको यह सूचना केन्द्रीय सरकार को पत्रिचल की जाती है, दो मास की समाप्ति से, इनमें से जो भी पश्चात्कर्ती हो, (विदेशी बीमाकर्ता का नाम) (विदेशी बीमाकर्ता का पता) के भारत में प्रत्याभूतिदाता के रूप में कार्य न करने की बांछा करता हूँ/करते हैं।

(प्राधिकृत बीमाकर्ता)

तारीख

प्रसं. 57

[नियम 150(v) और नियम 161(1) देखिए]

विदेशी बीमा के लिए प्रमाण पत्र

निम्न:

प्रमाणपत्र में	पाणिमी में.	(वैकल्पिक)
1. अनुमोदित बीमा कर्ता का नाम और पता		
2. प्रत्याभूति दाता का नाम और पता		
3. मोटर यान का रजिस्ट्रेशन चिह्न और संख्यांक		
4. परिवर्षक का नाम और पता		
5. पाणिमी की प्रारम्भ की तारीख		
6. पालिसी की समाप्ति की तारीख		
7. भारत के चालन के हकदार व्यक्ति या व्यक्तियों का वर्ग		
8. भारत में मोटर यान के प्रयोग पर कोई निबंधन		
9. किसी अन्य यान (यानों) की विशिष्टियाँ विदेशी परिवर्षक भारत में चलाने का हकदार है और भारतीय के ऐसे यान के प्रयोग पर निबंधन		

मैं/हम प्रमाणित करता हूँ/करते हैं कि विदेशी बीमे का यह प्रमाणपत्र मोटर यान अधिनियम, 1988 के अध्याय 11 और केन्द्रीय मोटर यान नियम, 1989 के उपबन्धों के अनुसार जारी किया गया है।

(अनुमोदित विदेश बीमाकर्ता)

प्रसं 58

[नियम 161(2) देखिए]

विदेशी बीमा प्रमाणपत्र का पूर्णांकन

प्रमाणित किया जाता है कि मैंने इस विदेशी बीमा प्रमाणपत्र की परीक्षा कर ली है और यह कि मेरा यह समझान हो गया है कि यह प्रमाणपत्र मोटर यान अधिनियम, 1988 के अध्याय 11 और केन्द्रीय मोटर यान नियम, 1989 की अपेक्षाओं को पूरा करता है।

इस पूर्णांकन की विधिमान्यता, यदि मोटर यान अधिनियम, 1988 और उसके अधीन बनाए गए नियमों के उपबन्धों के अनुसार उनकी विधिमान्यता की अपेक्षा की समाप्ति के पूर्व रद्द नहीं किया जाता है तो, तारीख को समाप्त होगी।

तारीख

(सक्षम प्राधिकारी के
हस्ताक्षर तथा पदाभिधान)

इस पूर्णांकन की अपेक्षा का
यदि इसी दौरान रद्द नहीं
किया जाता है तो

मह

मह

मह

संश्लेषण किया जाता है।

(सक्षम प्राधिकारी के
हस्ताक्षर तथा पदाभिधान)

उपाक्षेत्र 1
(नियम 115(2) देखिए)

पेट्रोल से चलने वाले यानों के लिए द्रव्यमान उत्पन्न स्तर

1 टाउप अनुमोदन परीक्षण :
दो श्रीर तीन पहिए वाले यान

निर्देश द्रव्यमान, आर. (कि. ग्रा.)	सीओ (ग्रा/किग्रा)	एचसी (ग्रा/किग्रा)
आर ≤ 150	12	8
$150 < \text{आर} \leq 350$	$12 + \frac{18(\text{आर} - 150)}{200}$	$8 + \frac{4(\text{आर} - 150)}{200}$
आर > 350	30	12

दुल्के कार्ययान

निर्देश द्रव्यमान, आर. डब्ल्यू (किग्रा)	सीओ (ग्रा/किग्रा)	एचसी (ग्रा/किग्रा)
आर डब्ल्यू ≤ 1020	14.3	2.0
$1020 < \text{आर डब्ल्यू} \leq 1250$	16.5	2.1
$1250 < \text{आर डब्ल्यू} \leq 1470$	18.8	2.1
$1470 < \text{आर डब्ल्यू} \leq 1700$	20.7	2.3
$1700 < \text{आर डब्ल्यू} \leq 1930$	22.9	2.5
$1930 < \text{आर डब्ल्यू} \leq 2150$	24.9	2.7
आर डब्ल्यू > 2150	27.1	2.9

उत्पादन परीक्षणों की अनुसूचना.

दो श्रीर तीन पहिए वाले यान:

निर्देश द्रव्यमान, आर. (किग्रा)	सीओ (ग्रा/किग्रा)	एचसी (ग्रा/किग्रा)
आर ≤ 150	15	10
$150 < \text{आर} \leq 350$	$15 + \frac{25(\text{आर} - 150)}{200}$	$10 + \frac{5(\text{आर} - 150)}{200}$
आर > 350	40	15

दुल्के कार्ययान

निर्देश द्रव्यमान, आर डब्ल्यू (किग्रा)	सीओ (ग्रा/किग्रा)	एचसी (ग्रा/किग्रा)
आर डब्ल्यू ≤ 1020	17.3	2.7
$1020 < \text{आर डब्ल्यू} \leq 1250$	19.7	2.7
$1250 < \text{आर डब्ल्यू} \leq 1470$	22.5	2.8
$1470 < \text{आर डब्ल्यू} \leq 1700$	24.9	3.0
$1700 < \text{आर डब्ल्यू} \leq 1930$	27.6	3.3
$1930 < \text{आर डब्ल्यू} \leq 2150$	29.9	3.5
आर डब्ल्यू > 2150	32.6	3.7

77

आर निर्दिष्ट किसी प्रदूषक के लिए, अधिप्राप्त तीन परिणामों में से केवल एक, यान के लिए निर्दिष्ट ऐसी सीमा से अधिक हो नकेगा जो 10 प्रतिशत से अधिक नहीं होगी।

[स्पष्टीकरण—द्रव्यमान उत्पन्न स्तर, यान के प्रति किलोमीटर चलने से उत्पन्न प्रदूषकों के ग्राम के प्रति निर्देश है जो भारतीय चालन साहकिल का प्रयोग करके रेसिम डायनोमीटर परीक्षण द्वारा अवधारित किया जाए।]

उपबन्ध - 2

(नियम 115(3) देखिए)

परीक्षण के लिए प्रयुक्त प्रचालन साइकिल का ब्रेकशूट

प्रचालन की सं.	त्वरण (मि/से ²)	गति (किमी/घं ¹)	प्रत्येक प्रचालन की श्रवण	आवृत्ति समय
01. आइडलिंग	—	—	16	16
02. त्वरण	0-65	0-14	6	22
03. त्वरण	0-56	1-22	4	26
04. मंदन	-0-63	22-13	4	30
05. स्थायी गति	—	13	2	32
06. त्वरण	0-56	13-23	5	37
07. त्वरण	0-44	23-31	5	42
08. मंदन	-0-56	31-25	3	45
09. स्थायी गति	—	25	4	49
10. मंदन	-0-56	25-21	2	51
11. त्वरण	0-45	21-34	8	59
12. त्वरण	0-32	34-42	7	66
13. मंदन	-0-46	42-37	3	69
14. स्थायी गति	—	37	7	76
15. मंदन	-0-42	37-34	2	78
16. त्वरण	0-32	34-42	7	85
17. मंदन	-0-46	42-27	9	94
18. मंदन	-0-52	27-14	7	101
19. मंदन	-0-56	14-00	7	108

टारप और उत्पादन अनुसंधान परीक्षणों के लिए निर्देश ईघन

क्रम सं.	विशेषताएं	अवशेष		परीक्षण पद्धति (निर्देश पी : या भा मा. 1448*)
		87 आक्टोन	93 आक्टोन	
1	2	3	4	5
1. रंग, दृश्य		नारंगी	खाल	—
2. 50° से पर 3 घंटे के लिए ताप-पट्टी संश्लेषण		स. 1 से खराब नहीं		पी. 15 (1968)
3. 15° से. पर घनत्व		सीमित नहीं किन्तु रिपोर्ट किया जाना है		पी. 16 (1967)
4. आसवन:				
(क) प्रारम्भिक क्वथनांक		सीमित नहीं किन्तु रिपोर्ट किया जाना है।		पी. 18 (1967) †
(ख) 20° से. तक उपलब्धि परिमाण के अनुसार प्रतिशत न्यूनतम		10	10	
(ग) 125° से. तक उपलब्धि परिमाण के अनुसार प्रतिशत, न्यूनतम		50	50	
(घ) 130° से. तक उपलब्धि परिमाण के अनुसार प्रतिशत, न्यूनतम		90	90	
(ङ) अंतिम क्वथनांक, अधिकतम		215° से.	215° से.	
(च) अवशिष्ट परिमाण के अनुसार प्रतिशत, अधिकतम		2	2	
5. आक्टोन सञ्चय (अनुसंधान पद्धति), अधिकतम		87	94	पी. 27 (1960)
6. उपापचयन स्थिरता, मिनटों से, न्यूनतम		360	360	पी. 28 (1966)
7. वाष्पन पर अवशिष्ट मिश्र/100 मिली, अधिकतम		4.0	4.0	पी. 29 (1960) एयर-जेट बिलायक (घावन)
8. गंधक, कुल भार के अनुसार प्रतिशत अधिकतम		0.25	0.20	पी. 34 (1966) ‡
9. गोसा अन्तर्वस्तु (जैसे पीवी), जी/1 अधिकतम		0.56	0.80	पी. 37 (1967) या पी. 38 (1967)
10. 30° से. पर रोड वाष्प दाब, के जीएफ/मी.एम ² अधिकतम		0.70	0.70	पी. 39 (1967) †

*पेट्रोलियम और उसके उत्पादों के लिए परीक्षण पद्धति।

उपाबन्ध—4

[नियम 115(4) देखें।]

डीजल से चलने वाले यानों के लिए लागू एक्जस्ट गैस अपार्यता के सीमामूल्य

स्थायी गति पर इंजन परीक्षण

सामान्य प्रवाह जी (1/एम)	अवशोषण गुणांक के (एम-1)	सामान्य प्रवाह जी (1/एम)	अवशोषण गुणांक के (एम-1)
< 43	2.00	120	1.20
45	1.91	125	1.17
50	1.82	130	1.15
55	1.75	135	1.13
60	1.68	140	1.11
65	1.61	145	1.09
70	1.56	150	1.07
75	1.50	155	1.05
80	1.46	160	1.04
85	1.41	165	1.02
90	1.38	170	1.01
95	1.34	175	1.00
100	1.31	180	0.99
105	1.27	185	0.97
110	1.25	190	0.96
115	1.22	195	0.95
		> 200	0.93

उपाबन्ध—5

[नियम 132(2) देखें।]

परिवहन आपात कार्ड (सड़क)

कार्यों—

खतरनाक और परिसंकटमय स्थानों की रासायनिक पहचान उल्लिखित करें

परिसंकट की प्रकृति—

सुरक्षा युक्ति—

आपात कार्डबाई—

पुलिस और अग्निशमन दल को तुरन्त सूचित करें

स्वास्थ्यज—

अग्नि—

तकनीक उपाय—

विनिर्माता या प्रेषक द्वारा दी गई अनिवार्य जानकारी
टेलीफोन

MINISTRY OF SURFACE TRANSPORT

(Transport Wing)

NOTIFICATION

New Delhi, the 2nd June, 1989

G.S.R. 590(E).—Whereas the draft of the Central Motor Vehicles Rules, 1989 was published as required by sub-section (1) of section 212 of the Motor Vehicles Act, 1988 (59 of 1988) in the Gazette of India, Extraordinary, Part-II, Section 3 dated the 31st January, 1989 with the notification of the Government of India in the Ministry of Surface Transport, No. GSR. 68(E), dated the 31st January, 1989, inviting objections and suggestions from all persons likely to be affected thereby before the expiry of 45 days from the date on which the copies of the said notification, as published in Gazette of India are made available to the public :

And whereas, copies of the said notification were made available to the public on the 3rd March, 1989;

And, whereas the objections and suggestions received on the said draft rules have been considered by the Central Government;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sections 12, 27, 64, sub-section (14) or section 88, Sections 110, 137, 164 and 208 read with section 211 of the said Act, the Central Government hereby makes the following rules, namely :—

The Central Motor Vehicles Rules, 1989

CHAPTER I

Preliminary

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Central Motor Vehicles Rules, 1989.

(2) Save as otherwise provided in sub-rule (3), these rules, shall come into force on the 1st day of July, 1989.

(3) The provisions of sub-rule (3) of rule 16, sub-rule (4) of rule 96, sub-rule (3) of rule 103, sub-rule (3) of rule 105, sub-rule (2), (3), (4) or (5) of rule 115 rules 118, 122, 124, 125, 126 and 27 shall come into force on such date as the Central Government may, by notification in the Official Gazette, appoint.

2. Definitions.—In these rules, unless the context otherwise requires, —

- (a) "Act" means the Motor Vehicles Act, 1988 (59 of 1988);
- (b) "Form" means a Form appended to these rules
- (c) "section" means a section of the Act;

(d) "trade certificate" means a certificate issued by the registering authority under rule 35;

(e) "non-transport vehicle" means a motor vehicle which is not a transport vehicle.

CHAPTER II

LICENSING OF DRIVERS OF MOTOR VEHICLES

GENERAL

3. General.—The provision, of sub-section (1) of section 3 shall not apply to a person while receiving instructions or gaining experience in driving with the object of presenting himself for a test of competence to drive, so long as—

- (a) such person is the holder of an effective learner's licence issued to him in Form 3 to drive the vehicle ;
- (b) such person is accompanied by an instructor holding an effective driving licence to drive the vehicle and such instructor is sitting in such a position to control or stop the vehicle; and
- (c) there is painted, in the front and the rear of the vehicle or on a plate or card affixed to the front and the rear, the Letter "L" in red on a white background as under —

Note.— The painting on the vehicle or on the plate or card shall not be less than 18 centimetres square and the letter "L" shall not be less than 10 centimetres high, 2 centimetres thick and 9 centimetres wide at the bottom :

Provided that a person while receiving instructions or gaining experience in driving a motor cycle (with or without a side-car attached) shall not carry any other person on the motor cycle except for the purpose and in the manner referred to in clause (b).

4. Evidence as to the correctness of address and age.—Every applicant for the issue of a licence under this Chapter shall produce as evidence of his address and age, any one or more of the following documents in original or relevant extracts thereof duly attested by a Gazetted Officer of the Central Government or of a State Government or

an officer of a local body who is equivalent in rank of a gazetted officer of the Government, namely :—

- (1) Ration Card,
- (2) Electoral roll,
- (3) Life insurance policy
- (4) Passport.
- (5) Electricity or telephone bill,
- (6) Pay slip issued by any office of the Central Government or a State Government or a local body,
- (7) House tax receipt,
- (8) School certificate,
- (9) Birth certificate :

Provided that where the applicant is not able to produce any of the above mentioned documents, the licensing authority may accept any such documents relating to parents of the applicant or any other document as evidence of age and address.

5. Medical certificate.—Every application for the issue of a learner's licence or a driving licence, or for making addition of another class or description of motor vehicle to a driving licence, or for renewal of a learner licence or a driving licence, shall be accompanied by a medical certificate in Form 1 issued by a registered medical practitioner referred to in sub-section (3) of section 8

6. Exemption from production of medical certificate.—Any person who has, after the date of commencement of these rules, produce a medical certificate in connection with the obtaining of a learner's licence or a driving licence, whether for initial insurance or for renewal thereof, or for addition of another class of motor vehicles to his driving licence, shall not be required to produce a medical certificate except where the application is made for the renewal of a driving licence.

7. Affixing of photograph to medical certificate.—A photograph of the applicant shall be affixed at the appropriate place shown in Form I and the registered medical practitioner shall affix his signature and seal to the said photograph in such a manner that the signature and the seal appear partly on the photograph and partly on the form of the medical certificate :

Provided that the licensing authority shall refuse to accept a medical certificate if it is granted more than thirty days prior to the date of presentation of the application to the licensing authority.

8. Minimum educational qualification for driving transport vehicles.—The minimum educational qualification in respect of an applicant for obtaining a licence to drive a transport vehicle (other

than tractor-cum-trailer) shall be a pass in the fourth standard :

Provided that the minimum educational qualification specified in this rule shall not apply in the case of —

- (i) renewal of a driving licence to drive a transport vehicle; or
- (ii) addition of another class of transport vehicle to the driving licence;

already held before the commencement of these rules.

9. Educational qualifications for driving goods carriage carrying dangerous goods.—Any person driving a goods carriage carrying goods of dangerous or hazardous nature to human life shall, in addition to being the holder of a driving licence to drive a transport vehicle, also possess a minimum educational qualification of a pass in the tenth standard.

Learner's Licence

10. Application for learner's licence.—An application for the grant or renewal of a learner's licence shall be made in Form 2 and shall be accompanied by —

- (a) save as otherwise provided in rule 6, a medical certificate in Form 1,
- (b) three copies of the applicant's recent photograph of the size of five centimetres by six centimetres,
- (c) appropriate fee as specified in rule 32,
- (d) in the case of an application for medium goods vehicle, a medium passenger motor vehicle, a heavy goods vehicle, or a heavy passenger motor vehicle the driving licence held by the applicant.

Preliminary test.—(1) Save as otherwise provided in sub-rule (2), every applicant for a learner's licence shall present himself before the licensing authority or such date, place and time as the licensing authority may appoint, for a test and satisfy such authority that the applicant possesses adequate knowledge and understanding of the following matters, namely :—

- (a) the traffic signs, traffic signals and the rules of the road regulations made under section 118;
- (b) the duties of a driver when his vehicle is involved in an accident resulting in the death or bodily injury of a person or damage to property of a third party;
- (c) the precautions to be taken while passing an unmanned railway crossing; and
- (d) the documents he should carry with him while driving a motor vehicle.

(2) Nothing contained in sub-rule (1) shall apply to the following class of applicants, namely :—

- (a) the holder of an effective driving licence,
- (b) the holder of a driving licence which has expired but five years have not elapsed,
- (d) the holder of a learner's licence issued or received after the commencement of these rules.

12. Consent of parent or guardian. In the case of application by minor.—In the case of an application for a learner's licence to drive a motor cycle without gear by an applicant under the proviso to sub-section (1) of section 4, the application shall be signed by the parent or guardian of the applicant.

13. Form of learner's licence.—Every learner's licence issued by the licensing authority shall be in Form 3.

Driving Licence

14. Application for a driving licence.—An application for a driving licence shall be made in Form 4 and shall be accompanied by—

- (a) an effective learner's licence to drive the vehicle of the type of which the application relates;
- (b) appropriate fee as specified in rule 32, for the test of competence to drive and issue of licence;
- (c) three copies of the applicant's recent photograph of the size of five centimetres by six centimetres;
- (d) save as otherwise provided in rule 6 a medical certificate in Form 1;
- (e) a driving certificate in Form 5 issued by the school or establishment from where the applicant received instruction, if any.

15. Driving test.—(1) No person shall appear for the test of competence to drive unless he has held a learner's licence for a period of at least six weeks.

(2) The test of competence to drive referred to in sub-section (3) of section 9 shall be conducted by the licensing authority or such other person as may be authorised in this behalf by the State Government in a vehicle of the type to which the application relates.

(3) The applicant shall satisfy the person conducting the test that he is able to—

- (a) adjust rear view mirror;
- (b) take suitable precautions before starting the engine;
- (c) move away safely and smoothly straight ahead at an angle, while at the same time engaging all gears until the top gear is reached;

- (d) to change to the lower gears quickly from the top gear when the traffic conditions warrant such change;
- (e) change quickly to lower gears when driving down hill;
- (f) stop and re-start the vehicle on a steep upward incline making proper use of the hand brake or of the throttle and the foot brake without any rolling back, turn right and left corners correctly and make proper use of rear view mirror before signalling;
- (g) overtake, allow to be overtaken, meet or cover the path of other vehicles safely and take an appropriate course of the road with proper caution giving appropriate signals;
- (h) give appropriate traffic signals at appropriate time, in clear and unmistakable manner by hand or by electrical indicators fitted to the vehicle;
- (i) change the lanes with proper signals and with due care;
- (j) stop the vehicle in an emergency and otherwise, and in the latter case, bring it to rest at an appropriate course on the road safely, giving appropriate signals;
- (k) in the case of vehicle having a reverse gear, driving the vehicle backwards, reverse it into a limited opening either to the right or left under control and with reasonable accuracy;
- (l) cause the vehicle to face in the opposite direction by means of forward and reverse gears;
- (m) take correct and prompt action on the signals given by traffic signs, traffic lights, traffic controllers, policemen and take appropriate action on signs given by other road users;
- (n) act correctly at pedestrian crossings, which is not regulated by traffic light or traffic police, by giving preference to persons crossing the road;
- (o) keep well to the left in normal driving;
- (p) regulate speed to suit varying road and traffic conditions;
- (q) demonstrate general control of the vehicle by confident steering and smooth gear changing and braking as and when necessary;
- (r) make proper use of the rear view mirror before signalling, beginning manoeuvring, moving away, altering the course to overtake, turning right or stopping;
- (s) use proper side when driving straight, turning right, turning left and at junction of the road;
- (t) make proper use of accelerator, clutch, gears, brakes (hand and foot) steering and horn;

- (u) anticipate the actions of pedestrians, drivers of other vehicles and cyclists;
- (v) take precaution at cross roads and on road junctions with regard to :
 - (i) adjustment of speed on approach,
 - (ii) proper use of rear view mirror,
 - (iii) correct positioning of the vehicle before and after turning to the right or left,
 - (iv) avoidance of cutting right hand corners,
 - (v) looking right, left and right again before crossing or emerging,
- (w) concentrate in driving without his attention being distracted and to demonstrate the presence of mind;
- (x) show courtesy and consideration for the safety and convenience of other road users, such as pedestrians, drivers of other motor vehicles or cyclists.

16. Form of driving licence.—(1) Every driving licence issued or renewed by a licensing authority shall be in Form 6.

(2) Where the licensing authority has the necessary apparatus, for the issue of a laminated card type driving licence, such card type driving licence shall be in Form 7.

(3) On and from the date of commencement of this sub-rule, every driving licence issued or renewed by the licensing authority shall be in Form 7.

17. Addition to driving licence.—(1) An application for addition of another class or description of motor vehicle to the driving licence shall be made in Form 8 to the licensing authority and shall be accompanied by—

- (a) an effective learner's licence and driving licence held by the applicant.
- (b) in the case of an application for addition of a transport vehicle, the driving certificate in Form 5;
- (c) Evidence of educational qualification as specified in rule 8;
- (d) appropriate fee as specified in rule 32.

(2) The provisions of sub-section (1), sub-section (3) and sub-section (4) of section 9 shall, in so far as may be, apply in relation to an application under sub-rule (1) as they apply in relation to an application for the grant of a driving licence

18. Renewal of driving licence.—(1) An application for the renewal of a driving licence shall be made in Form 9 to the licensing authority having jurisdiction over the area in which the applicant ordinarily resides or carries on business and shall be accompanied by—

- (a) appropriate fee as specified in rule 32.

- (b) three copies of the applicant's recent photograph of the size of five centimetres by six centimetres, if renewal is to be made in Form 6,
- (c) the driving licence,
- (d) the medical certificate in Form 1.

(2) Where the driving licence authorises the holder of such licence to drive a transport vehicle as well as any other vehicle, then the licensing authority shall, subject to the production of medical certificate, renew such licence for the appropriate period as specified in sub-section (2) of section 14.

19. Refund of fee.—Where the licensing authority rejects an application for the renewal of a driving licence under sub-section (4) of section 15, it shall refund half of the fee paid for such renewal to the applicant, on an application made by him in that behalf not later than thirty days from the date of receipt of the order rejecting the application

20. Driving licence to drive motor vehicle belonging to the Defence Department.—The authorities for the purpose of sub-section (1) of section 18 shall be—

- (i) all the officers commanding of Units of Army of and above the rank of Major;
- (ii) all the officers commanding of units of Navy of and above the rank of Lieutenant Commander;
- (iii) all the officers commanding of Units of Air Force of and above the rank of Squadron Leader;

Disqualification

21. Powers of licensing authority to disqualify.—For the purpose of clause (f) of sub-section (1) of section 19, the commission of the following acts by holder of a driving licence shall constitute nuisance or danger to the public, namely :—

- (1) Theft of motor vehicle.
- (2) Assault on passengers.
- (3) Theft of personal effects of passengers.
- (4) Theft of goods carried in goods carriages.
- (5) Transport of goods prohibited under any law.
- (6) Driver engaging himself in conversation with another person while driving.
- (7) Abduction of passengers.
- (8) Carrying overload in goods carriages.
- (9) Driving at speed exceeding the specified limit.
- (10) Carrying persons in goods carriage, either inside the driver's cabin in excess of its capacity or on the vehicle, whether for hire or not.
- (11) Failing to comply with the provisions of Section 134
- (12) Failure to stop when signalled to do so by any person authorised to do so.

- (13) Misbehaviour with and showing discourtesy to passengers intending passengers or consignors and consignees of goods.
- (14) Smoking while driving public service vehicles.
- (15) Abandoning vehicle in a public place causing inconvenience to other road users or to passengers in the vehicle.
- (16) Driving vehicle while under the influence of drink or drugs.
- (17) Interfering with any person mounting or preparing to mount upon any other vehicle.
- (18) Allowing any person to sit or placing things in such a way as to impede the driver from having a clear vision of the road or proper control of the vehicle.
- (19) Not stopping a stage carriage at approved stopping places for a sufficient period of time in a safe and convenient position upon demand or signal of the conductor or any passenger desiring to alight from the vehicle and unless there is no room in the vehicle, upon demand or signal of any person desiring to become a passenger.
- (20) Loitering or unduly delaying any journey and not proceeding to the destination as near as may be in accordance with the time table pertaining to the vehicle, or, where there is no such time table, with all reasonable despatch.
- (21) Not driving a contract carriage, in the absence of a reasonable cause, to the destination named by the hirer by the shortest route.
- (22) The driver of a motor cab not accepting the first offer of hire which may be made to him irrespective of the length of the journey for which such offer is made.
- (23) The driver of a motor cab demanding or extracting any fare in excess to that to which he is legally entitled or refusing to ply motor cab.
- (24) Allowing or causing to allow a transport vehicle to participate in a strike or withdraw such vehicle from the road without adequate reason with a view to causing inconvenience to the public or passengers.
- (b) Allowing a licence to be used by another person section 6(2).
- (c) Driving when disqualified (section 23).
- (d) Driving an unregistered vehicle (section 39).
- (e) Driving a transport vehicle not covered by a certificate of fitness (section 56).
- (f) Driving a transport vehicle in contravention of section 66.
- (g) Driving in contravention of rule 118.
- (h) Failure to comply with provision of section 114.
- (i) Refusing failing within specified time to produce licence or certificate of registration (section 130).
- (j) Failing to stop vehicle as required under section 132.
- (k) Obtaining or applying for a licence without giving particulars of endorsement (section 182).
- (l) Driving at excessive speed (section 183).
- (m) Driving dangerously (section 184).
- (n) Driving while under the influence of drink or drugs (section 185).
- (o) Driving when mentally or physically unfit to drive (section 186).
- (p) Abetment of an offence punishable under section 183 or 186.
- (q) Abetment of offence specified in Section 188.
- (r) Taking part in unauthorised race or trial of speed (section 189).
- (s) Using vehicle in unsafe condition (section 190).
- (t) Driving vehicle exceeding permissible limit or weight (Section 194).
- (u) Affecting a licence or using an altered licence.
- (v) An offence punishable with imprisonment in the commission of which a motor vehicle was used.

State Register.

23. State Register of driving licences.—(1) Each State Government shall maintain a State Register of driving licences in respect of driving licences issued or renewed by the licensing authorities in the State in Form 10.

(2) Each State Government shall send to the Director (Transport Research), Ministry of Surface Transport, New Delhi, a printed copy of the register referred to in sub-rule (1).

Driving Schools and Establishments.

24. Driving schools and establishments.—(1) No person shall establish or maintain any driving school

Endorsement in Driving Licence

22. Endorsement by courts.—A court convicting a holder of a licence, for any one of the offences specified hereunder shall endorse or cause to be endorsed in the driving licence, the particulars of such conviction, namely :—

- (a) Driving without a licence, or without a licence which is effective, or without a licence applicable to the vehicle driven (section 3).

or establishment for imparting instructions for hire or reward in driving motor vehicles without a licence in Form 11 granted by the licensing authority.

(2) An application for the grant or renewal of a licence under sub-rule (1) shall be made in Form 12 or Form 13, as the case may be, to the licensing authority having jurisdiction in the area in which the school or establishment is situated and shall be accompanied by appropriate fee as specified in rule 32.

Explanation.—For the purpose of this rule and rules 25 to 28 “licensing authority” means an officer not below the rank of the Regional Transport Officer of the Motor Vehicles Department established under section 213.

(3) The licensing authority shall, when considering an application for the grant or renewal of a licence under this rule, have regard to the following matters, namely :—

- (i) The applicant and the staff working under him are of good moral character and are qualified to give driving instructions.
- (ii) The premises where the school or establishment is proposed to be conducted is either owned by the applicant or is taken on lease by him or is hired in his name and it has adequate provision for a lecture hall, room for demonstration of models, administrative section, reception room and sanitary block besides adequate parking area for the vehicles meant to be used for imparting instructions in driving :

Provided that in respect of schools or establishments imparting instructions in driving of motor vehicles or matters connected therewith immediately before the commencement of these rules, the licensing authority may permit the conducting of instruction facilities in the same premises where the school or establishment is housed for a period of six months, notwithstanding the fact that the premises do not satisfy conditions laid down in this clause.

- (iii) The financial resources of the proposed school or establishment are sufficient to provide for its continued maintenance ;
- (iv) The applicant owns and maintains a minimum of one motor vehicle each of the type in which instruction is imparted in the school or establishment;
- (v) The vehicles are available exclusively for purposes of imparting instruction and all such vehicles, except motor cycles, are fitted with dual control facility to enable the instructor to control or stop the vehicle ;
- (vi) The applicant maintains the following apparatus, equipments and other requirements namely :—
 - (a) a black board ;
 - (b) a road plan board with necessary model signals and charts ;
 - (c) traffic signs chart ;

- (d) chart on automatic signals and signals given by traffic controllers where there is no automatic signals ;
- (e) a service chart depicting a detailed view of all the components of a motor vehicle ;
- (f) engine gear box, rear axle assembly, chassis assembly complete with steering mechanism, suspension and brake shoes and drums of the type of motor vehicle in which instruction is imparted in the school or establishment (except where the applicant desires to impart instruction in the driving of motor cycles only) ;
- (g) puncture, kit with tyre lever, wheel brace, jack and tyre pressure gauge ;
- (h) spanners (a set each of fix spanners, box spanners, pliers, screw drivers, screw spanners, and hammer) ;
- (i) driving instructions manual ;
- (j) benches and tables for trainees and work bench ;
- (k) complete electrical equipment to demonstrate working of lights, self starter, dynamo cut-out battery and switches ;
- (l) a projector with screen and a minimum of ten films for demonstration about road safety ;

Provided that where the applicant is unable to maintain a projector and screen, it shall be sufficient if arrangements are made by the applicant for the audio-visual demonstration on road safety by means of pre-recorded video cassettes through television or other similar display equipment ;

- (m) a library consisting of books on automobile mechanism, driving, road safety, traffic regulations, laws relating to motor vehicles and related subjects both in English and in the regional languages ;
- (n) a fully equipped first-aid box use in emergency at the premises ;
- (vii) The need for a school or establishment in the particular locality,
- (viii) The applicant or any member of the staff employed by him for imparting instructions possesses the following qualifications, namely :—
 - (a) a minimum educational qualification of a pass in the 10th standard ;
 - (b) a minimum driving experience of five years in addition to a certificate in a course in motor mechanics or any other higher qualification in mechanical engineering from an institution established by the Central or a State Government or from an institution recognised by the Board of Technical Education of a State Government ;

- (c) through knowledge of traffic signs specified in the Schedule to the Act and the regulations made under section 118 ;
- (d) ability to demonstrate and to explain the functions of different components, parts of the vehicles ;
- (e) adequate knowledge of English or the regional language of the region in which the school or establishment is situated.

Provided that any person who has served as an Instructor for a period of not less than 5 years immediately before the commencement of these rules, is exempted from the requirements of this sub-clause.

(4) The licensing authority may, on receipt of an application under sub-rule (2) and after satisfying that the applicant has complied with the requirements of sub-rule (3), grant or renew a licence in Form 11.

(5) No application for licence shall be refused by the licensing authority unless the applicant is given an opportunity of being heard and reasons for such refusal are given in writing by the licensing authority.

25. Duration of a licence and renewal thereof.—A licence granted in Form 11 shall be in force for a period of five years and may be renewed on an application in Form 13 made to the licensing authority which granted the licence not less than sixty days before the date of its expiry.

26. Issue of duplicate licence.—(1) If at any time a licence granted under sub-rule (4) of rule 24 is lost or destroyed the holder of the licence shall forthwith intimate the loss to the licensing authority which granted the licence and shall apply in writing to the said authority, for a duplicate.

(2) On receipt of an application alongwith the appropriate fee as specified in rule 32, the licensing authority shall issue a duplicate licence clearly marked "DUPLICATE".

(3) If after the issue of a duplicate certificate, the original is found, the same shall be surrendered forthwith to the licensing authority by which it was issued.

27. General conditions to be observed by the holder of a licence.—The holder of a licence granted under rule 24 shall :—

- (a) maintain on an annual basis, a register in Form 14 and an alphabetical list of the names of the students admitted during the year ;
- (b) conduct the training course according to the syllabus specified in rule 31 ;
- (c) forward to the licensing authority before whom a trainee has to appear for obtaining a driving licence an extract of entries made in Form 14 in relation to each trainee within seven days of admittance of a student to the school or establishment,

- (d) issue to every student who has completed the course a certificate in Form 5 ;
- (e) submit to the licensing authority which granted the licence such information or return as may be called for by it from time to time for the purposes of this Chapter ;
- (f) not shift the school or establishment from the premises mentioned in the licence without the prior approval in writing of the licensing authority, which granted the licence ;
- (g) keep the premises of the school or establishment and the record and registers maintained by it at all reasonable times open for inspection by the licensing authority or by any person authorised in this behalf by the licensing authority ;
- (h) exhibit in a conspicuous manner on all the motor vehicles used for imparting instructions the name, full address of the school or establishment and the telephone number, if any, in bold letters ;
- (i) maintain a record separately for each trainee showing the number of driving hours spent every day in Form 15 ;
- (j) display at a prominent place in its office the following :—
 - (i) the licence in original, issued to the school or establishment by the licensing authority, and
 - (ii) the names and addresses of instructors employed by the school or establishment ;
- (k) not act in a manner calculated to mislead any person making an application to receive instructions from the school or establishment as to his ability to procure a licence for such person other than in accordance with these rules or to connive with any person in acts of commission or omission with a view to circumventing the provisions of this Chapter.

28. Power of the licensing authority to suspend or revoke licence.—(1) If the licensing authority which granted the licence is satisfied, after giving the holder of the licence an opportunity of being heard, that he has—

- (a) failed to comply with the requirements specified in sub-rule (3) of rule 24. or
- (b) failed to maintain the vehicles in which instructions are being imparted in good condition ; or
- (c) failed to adhere to the syllabus specified in rule 31 in imparting instruction, or
- (d) violated any other provision of rule 27.

it may, for reasons to be recorded in writing, make an order.—

- (i) suspending the licence for a specified period ;

(ii) revoking the licence ;

(2) Where the licence is suspended or revoked under sub-rule (1) the licence shall be surrendered to the licensing authority by the holder thereof.

29. Appeal.—Any person aggrieved by any order of the licensing authority under sub-rule (5) of rule 24, rule 25 or rule 28 may, within thirty days of the date of receipt of such order, appeal to the Head of the Motor Vehicle Department established under section 213.

30. Procedure for appeal.—(1) An appeal under rule 29 shall be preferred in duplicate in the form

of a memorandum, setting forth the grounds of objections to the order of the licensing authority and shall be accompanied by a certified copy of the order appealed against and appropriate fee as specified in rule 32.

(2) The appellate authority, after giving an opportunity to the parties to be heard and after such further enquiry, if any, as it may deem necessary, pass appropriate orders.

31. Syllabus for imparting instructions in driving of motor vehicles.—(1) The syllabus for imparting instructions in driving of motor vehicles of the schools or establishments shall be as follows :

A. Driving Theory—1

1. Know your Vehicle : Simple introduction to automobile engines & their working.
2. Vehicle control :
 - Foot controls Foot Brake : Accelerator, Clutch-Dipper (not in present models).
 - Hand controls : Steering Wheel, Hand brake, Horn, Light, Wipers, Ignition Switch, Starter, Dipper and Indicators.
 - Other Controls : Rearview Mirror (Right and Left side) Instrument Cluster gages. Dials, Wind Screen-their purpose.
3. Pre-Driving Checks :
 - (i) Before sitting on Driver's seat and
 - (ii) After sitting on Driver's seat.

Precautions just before moving
While moving,
Bitting point,
Moving,
Steering control,
Changing of Gear,
Stopping,
Breaking,
Accelerator (gradual/sudden)
Traffic sense, road sense judgement, parking and positioning according to road users,
Reversing.
5. Driving on the road : Anticipation, judgement and road positionn according to other road users.
6. Driving at intersections : Mirror Signal and Manoeuver (MSM) and position Speed and Look (PSL)
Zone of vision.
7. Manoeuvers Merging and diverging Manoeuvers—Turning manoeuvers to left, right about 3 point turn, 5 point turn and U-turn-over-taking, stationery vehicle, moving vehicle in left side and right side.

8. Reversing : —Locating reverse gear in sitting position, speed control, steering in reverse gear weaving the 'S' Bend and Common errors.
9. Parking : —Parallel angular perpendicular parking facing uphill parking facing down hill, common errors.
10. Driver's responsibility on the road : —Driving behaviours, consideration for other road users courtesy and competitiveness, over-confidence, impatience and defensive driving.
—Distance between Cars while driving Railway crossing.
11. Priority for certain vehicles : —Emergency vehicles
—Fire engines, and
—Ambulance.

B. Traffic Education-I

1. Driving Regulations Road use regulations made under Section 118 of the
2. Hand signals Motor Vehicles Act, 1988.
3. Traffic signs Schedule to Motor Vehicles Act, 1988.
4. Hand signals of traffic constables/traffic warden.
5. Introduction to automatic light signals.
6. Introduction to Road markings.
7. Speed regulations on Highways and city Roads
8. Parking at objectionable places.
9. Some important provisions of the Motor Vehicles Act, 1988—Sections 122, 123, 125, 126 and 128 of the Motor Vehicles Act, 1988.
10. Test of competence to Drive. Sub-rule(3) of rule 15 of Central Motor Vehicles Rules 1989.

C. Light Vehicles Driving Practice

1. Identification of various parts of the vehicles.
2. Pre-driving checks. (i) Before sitting on Driver's seat, and
(ii) After sitting on Driver's seat.
3. Steering practice : —Push and Pull method.
4. Bitting point
5. Moving and Gear Changing :
6. Stopping : —Normal stopping
—Emergency stopping.
7. Developing Judgement & anticipation to drive on road.
8. Reversing : —In straight.
—In 'S' Bends.
9. Turning about and parking.
10. Licensing.

D. Vehicle Mechanism & Repairs

1. Layout of vehicle
2. Function of Diesel and Petrol Engines.
3. Fuel System :
 - Fuel lines
 - Fuel injection pump
 - Atomiser
 - Air lock
 - Oil Block
4. Cooling system :
 - Purpose
 - Radiator
 - Water Pump
 - Fan leaf/fan belt
 - Radiator water Boiling
 - Rectification
5. Lubrication system :
 - Purpose
 - Engine lubrication
 - Chassis lubrication
 - Oil grade numbers unitwise
6. Transmission system :
 - (a) Clutch
 - Function
 - Slip
 - Rising
 - Linkages.
 - (b) Gear box
 - Function
 - Purpose
 - Parts
 - (c) Propeller shaft :
 - Function/purpose
 - Yoke joint
 - C J Bearing slip
 - U Joint
 - Lubrication
 - (d) Differential
 - Purpose
 - Function/Noise
7. Suspension system :
 - Purpose
 - Springs
 - Shackle, shackle pin bushes.
 - Shock absorber and its bushes
8. Steering System
 - Purpose
 - Steering Geometry
 - Steering Linkages
 - Steering box

9. Brake system
 - Purpose
 - Hydraulic Brake and its know how.
 - Air assisted Hydraulic Brake and its know how.
 - Air Brake and its know how.
 - Brake adjustment of the entire system.
10. Electrical system
 - Battery and its condition
 - Dynamo/Alternator
 - Self Motor—Starter Motor
 - Regulators
 - Lights—knowledge to read the charging rate in the Ampere Meter.
11. Tyres
 - Study of tyres
 - Maintenance
 - Effect of defective tyres and wheel alignment.
12. Instruments Cluster Dash Board Meters and their purposes and functions.

E. Medium and Heavy Vehicle Driving :

Driving Theory II

1. Qualities of a good driver :
 - Patience, responsibility, self-confidence, anticipation, concentration, courtesy, defensive driving, knowledge of road rule regulations, knowledge of vehicle controls, maintenance and simple mechanism.
2. Knowledge of vehicle controls
 - Major controls
 - Minor controls
3. Response of controls
 - Accelerator
 - Brake—Gradual/Sudden/sudden fierce
 - Clutch
4. Pre-Driving Checks
 - Steering
 - (i) Before sitting on Driver's seat, and
 - (ii) After sitting on Driver's seat.
5. Holding steering wheel
 - Push and pull method practice
 - on the move
 - while gear changing
 - while turning
 - while sounding horn
 - while operating dash board switches
 - while signalling
 - on emergency
6. Gear changing
 - Double de-clutching, importance and procedure single clutching.
 - Gear up procedure, shifting to lower gears.
 - Gear down procedure, shifting to higher gears.

7. Beginning to drive	I gear II gear III gear IV gear V gear Reverse gear Over drive/optional
8. M.S.M. and P.S.L. Routines	
9. Manoeuvres	Passing Merging Diverging Overtaking Crossing Turning Cornering Reversing Parking
10. Stopping	Normal stopping Emergency stopping Use of engine brake/exhaust brake
11. Stopping distance	Reaction distance Braking distance
12. Following distance	Meaning Distance method Car length method 2 second time rule method
13. Identification, prediction, decision and execution (IPDE) principle.	
14. Defensive driving techniques	Judgement Anticipation Escape route
15. Night driving	Location of head light switch Procedure Obligation to light the lamps, restriction on lighting the lamps
16. Hill driving	Starting in hill using the parking brake method Slipping the clutch method driving the up-hill driving in down-hill
17. Emergency manoeuvres	Prevention is better than cure in case of skidding horn stuck Fire, wheels coming out Brake failure

Broken stub axle
 Burst of front tyre
 steering wobbling
 Snapping of steering linkages
 Jamming of Accelerator pedal
 Snapping of clutch rod
 Under special circumstances like chances of collusion
 with a disabled vehicle
 Brake failure during down-hill
 Sudden obstruction in front of the vehicle

18. Driving under special conditions

in wet weather
 in dawn, dusk and misty roads
 in dense traffic

19. Towing (Trailer driving)

Procedure
 on tow board
 speed of towing
 reversing and positioning the vehicle with trailers

20. Fuel saving methods.

21. Reports—discussions.

F. Traffic Education II

1. Know your road

Functional classification
 design speeds
 road geometrics
 surface types and characteristics
 slopes and elevation

2. Sight distance

At bends
 At intersections

3. Road junctions

Principles and types
 T junctions
 Y junctions
 4 Arm junctions
 staggered junction
 controlled junctions
 uncontrolled junctions

4. Traffic islands

Types of roundabouts
 channelisers, Median

5. Bye-Pass, subway, over bridge and flyovers

Purpose
 driving procedures

6. Bus stop, bus terminus, bus stand

Ingress
 Egress
 Method

- | | |
|-------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|-------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| 7. Road markings | white line : continuous and broken
yellow line
lane marking
zebra crossing
stop line
parking markings
sense of Road signals |
| 8. Lane selection and Lane discipline | |
| 9. Automatic light signals | |
| 10. Road users characteristics : | Pedestrian, drunkard, children and blind, deaf and dumb
Youth, aged, women with children
slow moving vehicles
mopeds and motor cycles
Autos, tempos, vans
Buses and trucks
VIP, ambulance, fire engine
Animals |
| 11. Accidents | Types of accidents
causes of accidents
Preventive methods
Driver's duties and responsibilities on the occurrence of accidents. |
| 12. Important provisions in Motor Vehicles Act, 1988 (59 of 1988) Central Motor Vehicles Rules, 1989 and the State Motor Vehicles Rules : | Certain definition
Driving licence and its renewal
carrying driving licence, certificates of registration, fitness and insurance, permit taxation card or tax token and production of such document on demand by checking officers
Traffic offences and penalties stipulated under the Act and Rules.
Relevant Extracts of Petroleum Act, 1934.
City Police Act,
Indian Penal Code, 1860. |

G. Public Relations for Drivers

Some basic aspects about ethical and courteous behaviour with other road users.

H. Heavy Vehicle Driving Practice

- | | |
|----------------------------------------|--------------------------------------------------------------------------------|
| 1. Introduction of various instruments | Dial gauges and controls |
| 2. Pre-Driving Checks : | (i) Before sitting on Driver's seat and
(ii) After sitting on Driver's seat |

- | | |
|--------------------------------------------------|---------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| 3. Beginning to Drive | Bitting Point, moving, changing gear including Double declutch Steering, Stopping, Hand Signals. |
| 4. Rural Road Driving | Application of IBDE—Principle. |
| 5. Development of Judgement : | Passing, overtaking, Merging, Diverging, M.S.M., and P.S.L. Routine method of practice, Defensive Driving technique Proper following. |
| 6. Development of Anticipation : | Turning, meeting, entering and emerging in Junctions, lane selection and Lane Discipline, Intersection observation. |
| 7. Developing skill to Drive in Crowded Streets. | |
| 8. Night Driving. | |
| 9. Cross Country Practice and Hill Driving. | |
| 10. Internal trade test. | |
| 11. Reversing and packing practice. | |
| 12. Licensing. | |

I. Fire Hazards

Fire fighting and prevention method on vehicle.

J. Vehicle Maintenance

1. Factors affecting the vehicle parts due to bad and negligent driving
2. General day-to-day Maintenance and periodical Maintenance
3. Battery Maintenance.
4. Tyre Maintenance and tube vulcanising.
5. Engine tune up.
6. Checking wheel alignment.
7. Brake adjustment.
8. Accelerator, Brake, Clutch-pedal Adjustment.
9. Fan Belt Adjustments.
10. Observation of Dash Board Metres.
11. Lubrication
12. Removal of Air Lock and Oil Block

K. First Aid

1. Introduction to First Aid
2. Outline of First Aid.
3. Structure and Functions of the body.
4. Dressings and Bandages.
5. The circulation of the Blood.
6. Wounds and Haemorrhage.
7. Haemorrhage from Special regions.
8. Shock.
9. Respiration.

10. Injuries to Bones.

11. Burning scales.

12. Unconsciousness (Intersibility)

13. Poisons.

(2) The lessons for training drivers of non-transport vehicles shall cover part A, B, C, D, F, G & K of sub-rule(1) and the training period shall not be less than forty-five days.

(3) The lessons for training drivers of transport vehicle shall cover E, F, G, H, J & K of sub-rule(1) and the training period shall not be less than sixty days for heavy vehicles and not less than forty-five days for medium or light vehicles.

(4) The actual driving hours for trainees in driving non-transport vehicle shall not be less than twenty-four hours and actual driving hours for training for driving transport vehicles shall not be less than thirty hours.

32. Fees.—The fees which shall be charged under the provisions of this Chapter shall be as specified in the Table below :

TABLE

Serial No.	Purpose	Amount	Rule	Section
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
1.	In respect of issue or renewal of learner's licence for each class of vehicle.	Fifteen rupees	10	
2.	In respect of issue of a driving licence in Form 6.	Twenty rupees	14(b)	
3.	In respect of issue of a driving licence in Form 7.	Forty-five rupees	14(b)	—
4.	For test of competence to drive.	Fifteen rupees	14(b)	—
5.	In respect of addition of another class of vehicle to driving licence in Form 6.	Fifteen rupees	17(1)(d)	—
6.	In respect of renewal of driving licence in Form 6.	Fifteen rupees	18(1)(a)	—
7.	In respect of renewal of a driving licence in Form 6 to drive a motor vehicle for which application is made after the grace period.	Fifteen rupees. Additional fee at the rate of ten rupees for a period of delay of one year or part thereof reckoned from the date of expiry of the grace period.	15(4)	15(4)
8.	In respect of addition of another class of motor vehicle to the driving licence in Form 7 and renewal of driving licence in Form 7.	Forty rupees	17(1)(d) 18(1)(a)	15(4)
9.	In respect of issue and renewal of licence to a school or establishment for imparting instructions in driving.	Five hundred rupees	24(2)	—
10.	In respect of issue of duplicate licence to the school or establishment imparting instruction in driving.	Fifty rupees	26(2)	
11.	In respect of an appeal against the orders of licensing authority referred to in rule 30.	Fifty rupees	30(1)	

CHAPTER III

REGISTRATION OF MOTOR VEHICLES

Trade Certificate

33. Condition for exemption from registration.—For the purpose of the proviso to section 39, a motor vehicle in possession of a dealer shall be exempted from the necessity of registration subject to the condition that he obtains a trade certificate from the registering authority having jurisdiction in the area in which the dealer has his place of business in accordance with the provisions of this Chapter.

34. Trade Certificate.—(1) An application for the grant of renewal of a trade certificate shall be made in Form 16 and shall be accompanied by appropriate fee as specified in rule 81.

(2) Separate application shall be made for each of the following classes of vehicles, namely :—

- (a) motor cycle;
- (b) invalid carriage;
- (c) light motor vehicle;
- (d) medium passenger motor vehicle;
- (e) medium goods vehicle;
- (f) heavy passenger motor vehicle;
- (g) heavy goods vehicle;
- (h) any other motor vehicle of a specified description.

35. Grant or renewal of trade certificate.—(1) On receipt of an application for the grant or renewal of a trade certificate in respect of a vehicle, the registering authority may, if satisfied that the applicant is a bona fide dealer and requires the certificates specified in the application, issue to the applicant one or more certificates as the case may be, in Form 17 and shall assign in respect of each certificate a trade registration mark consisting of the registration mark referred to in the notification made under sub-section (6) of Section 41 and followed by two letters and a number containing not more than three digits for each vehicle, for example :—

AB—Represent State Code.

12—Registration District Code.

TC.1—Trade Certificate number for the vehicle.

(2) No application for trade certificate shall be refused by the registering authority unless the applicant is given an opportunity of being heard and reasons for such refusal are given in writing.

36. Refund.—Where the registering authority refuses to issue or renew a trade certificate, it shall refund to the applicant fifty per cent of the fee paid along with application.

37. Period of validity.—A trade certificate granted or renewed under rule 35 shall be in force for

a period of twelve months from the date of issue or renewal thereof and shall be effective throughout India.

38. Issue of duplicate certificate.—(1) If at any time the trade certificate is lost or destroyed, its holder shall report to the Police Station in the jurisdiction of which the loss or destruction has occurred and intimate the fact in writing to the registering authority by whom the certificate was issued and apply in Form 18 to the said authority for a duplicate certificate accompanied by the appropriate fee as specified in rule 81.

(2) On receipt of an application along with the fee, the registering authority may issue a duplicate "Trade Certificate" clearly marked "DUPLICATE".

(3) If after the issue of a duplicate certificate the original is traced, the same shall be surrendered forthwith to the registering authority by which it was issued.

39. Use of trade registration mark and number.—

(1) A trade registration mark and number shall not be used upon more than one vehicle at a time or upon vehicle other than a vehicle bona fide in the possession of the dealer in the course of his business or on any type of vehicle other than the one for which the trade certificate is issued.

(2) The trade certificate shall be carried on a motor vehicle in a weather-proof circular folder and the trade registration mark shall be exhibited in a conspicuous place in the vehicle.

40. Registrations on use of trade certificate or trade registration mark and number.—A trade certificate shall be used only by the person to whom it is issued and such person shall not allow or offer or cause the certificate or the number assigned in connection therewith to be used by any other person:

Provided that the provision of this rule shall not apply where the person to whom the certificate is granted, or a person bona fide in his employment and acting under his authority, or any other person bona fide acting on behalf of the holder of a Trade Certificate is present in the vehicle, or if such vehicle is designed for use by only one person and is being used by a prospective purchaser of that vehicle for the purpose of reasonable test or trial.

41. Purposes for which motor vehicle with trade certificate may be used.—The holder of a trade certificate shall not use any vehicle in a public place under that certificate for any purpose other than the following :—

- (a) for test, by or on behalf of the holder of a trade certificate during the course of, or after completion of construction or repair; or
- (b) for proceeding to or returning from a weigh bridge for or after weighing, or to and from any place for its registration; or

- (c) for a reasonable trial or demonstration by or for the benefit of prospective purchaser and for proceeding to or returning from the place where such person intends to keep it; or
- (d) for proceeding to or returning from the premises of the dealer or of purchaser or of any other dealer for the purpose of delivery; or
- (e) for proceeding to or returning from a workshop with the objective of fitting a body to the vehicle or painting or for repairs; or
- (f) for proceeding to and returning from airport, railway station, wharf for or after being transported; or
- (g) for proceeding to or returning from an exhibition of motor vehicles or any place at which the vehicle is to be or has been offered for sale, or
- (h) for removing the vehicle after it has been taken possession of by or on behalf of the financier due to any default on the part of the other party under the provisions of an agreement of hire-purchase, lease or hypothecation.

42. Delivery of vehicle subject to registration.—No holder of a trade certificate shall deliver a motor vehicle to a purchaser without registration, whether temporary or permanent.

43. Register of trade certificate.—(1) Every holder of a trade certificate shall maintain a register in Form 19 in duplicate which shall be in a bound book, with pages numbered serially.

(2) The particulars referred to in Form 19 except the time of return under column 7, shall be entered in the register before the commencement of each trip by the holder of the trade certificate or his representative and a duplicate copy of Form 19 made prior to the commencement of each trip shall be carried during the trip by the driver of the vehicle and shall be produced on demand by any officer empowered to demand production of documents by or under the Act.

(3) The holder of a trade certificate shall, at the end of a trip, fill in column 7 of Form 19 (both original and duplicate, and the register and the duplicate shall be open for inspection by the registering authority.

44. Suspension or cancellation of trade certificate.—If the registering authority has reason to believe that the holder of any trade certificate has not complied with the provisions of rules 39 to 43, it may, after giving the holder an opportunity of being heard, suspend or cancel the trade certificate held by him.

45. Appeal.—Any person aggrieved by an order of the registering authority under rule 35 or rule 44, within thirty days of the receipt of any such order, appeal to the head of the Motor Vehicles Department established under section 213.

46. Procedure for appeal.—(1) The appeal referred to in rule 45 shall be preferred in duplicate in the form of a memorandum, setting forth the grounds of objections to the order of the registering authority and shall be accompanied by appropriate fee as specified in rule 81 and a certified copy of the order appealed against.

(2) The appellate authority, after giving an opportunity to the parties to be heard and after such enquiry, if any, as it deems necessary, pass appropriate orders.

REGISTRATION

47. Application for registration of motor vehicles.—(1) An application for registration of a motor vehicle shall be made in Form 20 to the registering authority within a period of two days from the date of taking delivery of such vehicle, excluding the period of journey and shall be accompanied by :—

- (a) sale certificate in Form 21;
- (b) valid insurance certificate;
- (c) copy of the proceedings of the State Transport Authority approving the design in the case of a trailer or semi-trailer;
- (d) original sale certificate from the concerned authorities in Form 21 in the case of ex-army vehicles;
- (e) proof of address by way of any one of the documents referred to in rule 4;
- (f) temporary registration, if any;
- (g) road-worthiness certificate in Form 22 from the manufacturers;
- (h) custom's clearance certificate in the case of imported vehicles along with the licence and bond, if any; and
- (i) appropriate fee as specified in rule 81.

(2) In respect of vehicles temporarily registered, application under sub-rule (1) shall be made before the temporary registration expires.

48. Issue of certificate of registration.—On receipt of an application under rule 47 and after verification of the documents furnished therewith, the registering authority shall, subject to the provisions of section 44, issue to the owner of the motor vehicle a certificate of registration in Form 23.

49. Registration records to be kept by the registering authority.—Every registering authority shall keep in Form 24 a permanent register of motor vehicles registered by it under section 41 and of motor vehicles of other States for which new registration mark are assigned by it under sub-section (2) of section 47 and shall also enter in such record under the respective registration number all changes made with reference to the provisions of sub-section (10) or sub-section (14) of section 41, sub-section (5) of section 49, sub-section (6) of section 50, sub-sections (1), (2), (3) and (5) of section 51, sub-section (4) of section 52, orders of suspension under Section 53 and order of cancellation under sections 54 and 55.

50. Form and manner of display of registration marks in respect of vehicles other than motor cycles and invalid carriages.—The registration mark referred to in sub-section (6) of section 41 shall be displayed in reflecting colour clearly and legibly on a plain surface of a plate or part of the vehicle not inclined from the vertical by more than thirty degrees both at the front and rear facing direct to the front or the rear in the following manner, namely :—

- (a) In the case of motor vehicles other than motorcycles and invalid carriages, the registration mark shall not be less than 6.5 centimeters high and 1.5 centimeters thick with numerals not less than 9 centimeters high and 2 centimeters thick with space between different letters or numerals or between numerals and letters and edge of the plain surface to be not less than 1.5 centimeters :

Provided that :—

- (a) the registration mark exhibited at the rear of a transport vehicle shall be affixed to the vehicle on the right hand side at a distance not exceeding one meter from the ground as may be reasonably possible having regard to the type of the body of the vehicle;
- (b) the registration mark shall also be painted on the right and left side on the body of the vehicle in the case of a transport vehicle;
- (c) the registration mark shall also be painted and exhibited on the partition provided between the driver and the passengers, facing the passengers' seats or, where there is no such partition, on the front interior of the vehicle near the roof to the left side of the driver's seat facing the passengers' seats in the case of a stage carriage or a contract carriage and in the case of a motor cab or a maxi cab it shall be sufficient if the registration mark is painted on the dash-board;
- (d) the registration mark shall be exhibited on a plain plate or surface on the left hand side and on the rear in the case of a trailer or the last trailer, apart from the registration mark of the drawing motor vehicle to which such trailer or trailers are attached.

51. Form and manner of display of Registration Mark in respect of motor cycles and invalid carriages.—In the case of motor cycles or invalid carriages, the registration mark shall not be less than 4.5 centimetres high and 1 centimetre thick with numerals not less than 6 centimetres high and 1 centimetre thick with space between any letter and numeral or edge of the plain surface not less than 1 centimetre :

Provided that in the case of motor cycle, the registration mark may be displayed on a plate in line with the axis of the vehicle and if it is so displayed on both sides of the place.

52. Renewal of certificate of registration.—(1) An application by or on behalf of the owner of a motor vehicle, other than a transport vehicle, for the renewal of a certificate of registration, shall be made to the registering authority in whose jurisdiction the vehicle is, in Form 25 not more than sixty days before the date of its expiry, accompanied by the appropriate fee as specified in rule 81.

(2) On receipt of an application under sub-rule (1), the registering authority shall refer the vehicle to the authority referred to in sub-section (1) of section 56 and after obtaining a certificate of fitness from that authority, renew the certificate of registration :

Provided that in a case where the certificate of fitness is granted on a date after the expiry of a certificate of registration, the renewal shall be made from the date of grant of certificate of fitness for a period of five years.

(3) A motor vehicle other than transport vehicle shall not be deemed to be validly registered for the purposes of Section 39, after the expiry of the period of validity entered in the certificate of registration and no such vehicle shall be used in any public place until its certificate of registration is renewed under sub-rule (2).

53. Issue of duplicate certificate of registration.—(1) If at any time, the certificate of registration is lost or destroyed the owner shall report to the police station in the jurisdiction of which the loss or destruction has occurred and intimate the fact in writing to the Registering Authority by whom the certificate of registration was issued.

(2) An application for the issue of a duplicate certificate of registration shall be made to the original registering authority in Form 26 and shall be accompanied by the appropriate fee as specified in rule 81.

54. Assignment of new registration mark.—(1) An application for the assignment of a new registration mark under sub-section (1) of Section 47 shall be made in Form 27 and shall be accompanied by a no objection certificate in Form 28 alongwith the appropriate fee as specified in rule 81, within a period of thirty days from the date of expiry of the period specified in the said section :

Provided that where a motor vehicle is intended to be kept in a State for a period exceeding twelve months and the owner of such vehicle makes a declaration to that effect, the application may be made at any time within the said period of twelve months.

(2) On receipt of an application under sub-rule (1) the registering authority shall, subject to the provision of Section 44, assign to the vehicle the registration mark.

55. Transfer of ownership.—(1) Where the ownership of a motor vehicle is transferred, the transferor shall report the fact of transfer in Form 29 to the

registering authorities concerned in whose jurisdiction the transferor and the transferee resides or has their place of business.

(2) An application for the transfer of ownership of a motor vehicle under sub-clause (i) of clause (a) of sub-section (1) of Section 50 shall be made by the transferee in Form 30, and shall be accompanied by—

- (i) the certificate of registration;
- (ii) the certificate of insurance; and
- (iii) appropriate fee as specified in rule 81.

(3) An application for transfer of ownership of a motor vehicle under sub-clause (ii) of clause (a) of sub-section (1) of Section 50 shall be made by the transferee in Form 30 and shall, in addition to the documents and fee referred to in sub-rule (2), be accompanied by one of the following documents, namely :—

- (a) a no objection certificate granted by the registering authority under sub-section (3) of Section 48; or
- (b) an order of the registering authority refusing to grant the no objection certificate under sub-section (3) of Section 48; or
- (c) where the no objection certificate or the order, as the case may be, has not been received, a declaration by the transferor that he has not received any such communication together with—
 - (i) the receipt obtained from the registering authority under sub-section (2) of Section 48; or
 - (ii) the postal acknowledgement received from the registering authority where the application for no objection certificate has been sent by post

56. Transfer of ownership on death of owner of the vehicle.—(1) Where the owner of a motor vehicle dies, the person succeeding to the possession of the vehicle may for a period of three months, use the vehicle as if it has been transferred to him where such person has, within thirty days of the death of the owner informs the registering authority the occurrence of the death of the owner and of his own intention to use the vehicle.

(2) The person referred to sub-rule (1) shall apply in Form 31 within the period of three months to the said registering authority for the transfer of ownership of the vehicle in his name, accompanied by—

- (a) the appropriate fee as specified in rule 81;
- (b) death certificate in relation to the registered owner;
- (c) the certificate of registration; and
- (d) the certificate of insurance.

57. Transfer of ownership of vehicle purchased in public auction.—(1) The person who has acquired or purchased a motor vehicle at a public auction conducted by or on behalf of the Central Government

or a State Government, shall make an application in Form 32 within thirty days of taking possession of the vehicle to the registering authority accompanied by—

- (a) the appropriate fee as specified in rule 81;
- (b) the certificates of registration and insurance; and
- (c) the certificate or order confirming the sale of the vehicle in his favour duly signed by the person authorised to conduct the auction;
- (d) certified copy of the order of the Central Government or State Government authorising the auction of the vehicle.

(2) Where the vehicle auctioned is a vehicle without any registration mark, or with a registration mark which on verification is found to be false the registering authority shall subject to the provisions of section 44, assign a new registration mark to the vehicle in the name of the Department of the Central Government or State Government auctioning the vehicle and thereafter record the entries of transfer of ownership of the vehicle giving the name and address of the person to whom the vehicle is sold.

58. No objection certificate.—(1) An application for the issue of no objection certificate under Section 48 in respect of a motor vehicle shall be made in Form 28 to the registering authority by which the vehicle was previously registered, accompanied by—

- (a) the certified copy of the certificate of registration,
- (b) the certified copy of the certificate of insurance,
- (c) evidence of payment of motor vehicle tax upto date,
- (d) where no tax is payable for a certain period a certificate from the tax collecting authority that no tax is due from the vehicle for the said period

(2) In the case of a transport vehicle, in addition to the documents referred to in sub-rule (1), documentary evidence in respect of the following matters shall also be furnished, namely :—

- (a) that the vehicle is not covered by any permit issued by any transport authority;
- (b) that the sum of money agreed upon to be paid by the holder of the permit under sub-sections (5) and (6) of Section 86, if any, is not pending recovery;
- (c) evidence of payment of tax on passengers and goods under any law for the time being in force upto the date of application for no objection certificate.

(3) On receipt of an application under sub-rule (1), the registering authority shall fill Part-III of Form 28 and return that part to the applicant duly signed.

(4) Where the registering authority grants or refuses to grant the no objection certificate, it shall

return the duplicate copy of the said Form to the applicant and the triplicate copy to the other registering authority after duly filling and signing Part II thereof.

59. Change in residence.—An application for recording a change in the residence in the certificate of registration of a motor vehicle shall be made by the owner of the vehicle in Form 33 accompanied by the certificate of registration and proof of address in the manner specified in rule 4 and appropriate fee as specified in rule 81.

60. Endorsement of hire-purchase agreements, etc.—An application for making an entry of hire-purchase, lease or hypothecation agreement in the certificate of registration of a motor vehicle required under sub-section (2) of Section 51 shall be made in Form 34 duly signed by the registered owner of the vehicle and the financier and shall be accompanied by the certificate of registration and the appropriate fee as specified in rule 81.

61. Termination of hire-purchase agreements, etc.—(1) Application for making an entry of termination of agreement of hire-purchase, lease or hypothecation referred to in sub-section (3) of Section 51 shall be made in Form 35 duly signed by the registered owner of vehicle and the financier, and accompanied by the certificate of registration and the appropriate fee as specified in rule 81.

(2) The application for the issue of a fresh certificate of registration under sub-section (5) of Section 51 shall be made in Form 36 and shall be accompanied by a fee as specified in rule 81.

(3) Where the registered owner has refused to deliver the certificate of registration to the financier, or has absconded then the registering authority shall issue a notice to the registered owner of the vehicle in Form 37.

Certificate of Fitness

62. Validity of Certificate of Fitness—(1) A certificate of fitness in respect of a transport vehicle granted under Section 56 shall be in Form 38 and such certificate when granted or renewed shall be valid for the period as indicated below :—

- | | |
|----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|---------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| (a) new transport vehicle | —two years |
| (b) renewal of certificate of fitness in respect of vehicles mentioned in (a) above, till such time the vehicle completes ten years from the date of its first registration as a new vehicle | —one year |
| (c) renewal of certificate of fitness the reafter | —six months |
| (d) for imported vehicles | —same period as in the case of vehicles manufactured in India having regard to the date of manufacture. |

(2) The fee for the grant or renewal of certificate of fitness shall be as specified in rule 81.

63. Regulation and control of authorised testing stations.—(1) No operator of an authorised testing station shall issue or renew a certificate of fitness to a transport vehicle under Section 56 without a letter of authority in Form 39 granted by the registering authority.

(2) An application for grant or renewal of a letter of authority under sub-rule (1) shall be made in Form 40 to the registering authority having jurisdiction in the area in which the service station or garage situated and shall be accompanied by,—

- the appropriate fee as specified in rule 81;
- a security deposit of rupees ten thousand in such manner as may be specified by the State Government.

Explanation.—For the purpose of this rule and rules 64 to 72, the registering authority means an officer not below the rank of the regional transport officer of the Motor Vehicles Department established under Section 213.

(3) A registering authority shall, when considering an application for the grant or renewal of a letter of authority, have regard to the following matters, namely :—

- the applicant or at least one of the members of the staff employed by him for the inspection of transport vehicles for the purpose of issue or renewal of certificate of fitness possesses the following minimum qualifications :—
 - a diploma in automobile engineering or mechanical engineering or an equivalent qualification;
 - Experience of minimum service of five years in an automobile workshop undertaking repairs of heavy goods vehicles, heavy passenger motor vehicles medium motor vehicle and light motor vehicle;
 - a driving licence to drive motor cycle, heavy passenger motor vehicle and heavy goods vehicle with a minimum driving experience of not less than five years;
 - thorough knowledge of the Act and the rules made thereunder, especially the Chapters relating to registration of motor vehicles and construction, equipment and maintenance of motor vehicles;
- the premises where the authorised testing station is to be housed is either owned by the applicant or is taken on lease by him or is hired in his name and it has adequate space for administrative section, reception room and sanitary block for erection of testing equipments and other apparatus;
- inspection lanes are provided adjacent to the building in the same compound or at other places approved by the registering authority;

- (d) testing equipments and apparatus are installed in such manner that vehicles may pass through with ease and speed;
- (e) the applicant owns and maintains the following equipments and apparatus in good working condition, namely :—
- (1) Exhaust gas analyser
 - (2) Smokemeter
 - (3) Brake testing machine (Brake Dynamometer)
 - (4) Head light aim tester
 - (5) Front wheel alignment tester
 - (6) Shock absorber tester
 - (7) Visual inspection pit-ramp or motorised hoist
 - (8) Jack
 - (9) Play detector
 - (10) Wheel spinner
 - (11) King tester for actual test of engine performance
 - (12) Compressor tester
 - (13) Signalling equipment tester
 - (14) Speedometer Tester
 - (15) Fire fighting equipment
 - (16) First-aid kit
 - (17) Instrument to check noise level.
- (f) the financial resources of the applicant are sufficient to provide for its continued maintenance;
- (g) the applicant maintains upto date copy of the Act, these rules and the concerned State Motor Vehicles Rules.
- (4) The registering authority shall also, when considering an application under this rule, take into consideration the fact that the setting up of the authorised testing station will improve the availability of testing facilities in the area both in relation to the number of vehicles and proximity to such facilities.
- (5) The registering authority may, on receipt of an application under sub-rule (2) and after satisfying himself that the applicant has complied with the requirements of sub-rules (3) and (4), grant or renew the letter of authority in Form 39 :
- Provided that no application for a letter of authority shall be refused by the registering authority unless the applicant is given an opportunity of being heard and reasons for such refusal are given in writing by the registering authority.
64. Duration of letter of authority.—A letter of authority granted or renewed shall be effective for a period of five years from the date of grant or renewal.
65. General conditions to be observed by the holder of letter of authority :—The holder of a letter of authority shall—
- (a) maintain a register with a separate page for each vehicle containing the registration number of the vehicle for which the certificate of fitness is granted or renewed, the make and model of the vehicle, the engine number and chassis number of the vehicle along with the pencil point of the chassis number, the name and address of the owner of the vehicle, particulars of any permit of such vehicle, period of validity of certificate of fitness granted or renewed and the signature of the owner of the vehicle or his authorised representative;
 - (b) forward the particulars of the transport vehicles for which certificates of fitness have been granted or renewed and the period of validity of such certificate, within two days of grant or renewal of the certificate of fitness, to the authority which has granted permit and where the transport vehicle is not covered by a permit, to the transport authority in whose jurisdiction the vehicle is kept;
 - (c) issue to every transport vehicle satisfying the requirements of Section 56, a certificate of fitness in accordance with the provisions of rule 62;
 - (d) not shift the place of business mentioned in the letter of authority without the prior approval in writing of the registering authority which granted the letter of authority;
 - (e) keep the premises of the testing station and the records and registers maintained by it and all the machinery, equipment and apparatus in the premises at all reasonable time open for inspection by the registering authority or any person of the Motor Vehicles Department of the State Govt. established under Section 213 authorised in this behalf by the registering authority;
 - (f) display at a prominent place in its main office the following :—
 - (i) the letter of authority in original issued to the authorised testing station by the registering authority;
 - (ii) the name and address of the person authorised to issue or renew the certificate of fitness;
 - (iii) the qualifications of the persons referred to in clause (a) of sub-rule (3) of rule 63;
 - (g) not charge a fee for inspection of vehicle for the purpose of issue or renewal of appropriate certificate of fitness in excess of the fee specified in the rule 81
 - (h) surrender to the Regional Transport Authority having jurisdiction over the area, the register referred to in Clause (a) as soon as entries in all the pages in the register are completed and in any case not later than two days after such completion

66. Issue of duplicate letter of authority :—(1) If at any time the letter of authority granted or renewed under sub-rule (5) or rule 63 is lost or destroyed, the holder of the letter of authority shall report to the Police Station in the jurisdiction of which the loss or destruction has occurred and intimate the fact in writing to the registering authority which granted or renewed the letter of authority and shall apply for a duplicate.

(2) On receipt of an application along with the appropriate fee as specified in rule 81, the registering authority may issue a duplicate letter of authority clearly marked "DUPLICATE".

(3) If after the issue of a duplicate letter of authority, the original is traced, the same shall be surrendered forthwith to the registering authority by which it was issued.

67. Supervision of authorised testing stations :—The registering authority or any officer of the Motor Vehicles Department of the State Govt. duly authorised in this behalf by the registering authority may, at any time, conduct test checks at the premises of the authorised testing station with a view to ensure that the vehicles are properly tested by the authorised testing station.

68. Power of registering authority or Regional Transport Authority to call for information :—The authorised testing station shall submit to the registering authority or the Regional Transport Authority having jurisdiction in the area, such information or returns as may be called for by such authority from time to time.

69. Power of registering authority to suspend or cancel the letter of authority or forfeit security deposit :—(1) If the registering authority is satisfied after giving the holder of a letter of authority an opportunity of being heard, that he has—

- (a) failed to maintain the equipment, machinery and apparatus referred to in sub-clause (e) of sub-rule (3) of rule 63 in good condition; or
- (b) failed to comply with the other requirements laid down in sub-rule (3) of rule 63; or
- (c) failed to observe correct standards of testing before granting or renewing certificates of fitness as noticed at the time of test checking referred to in rule 67 or the frequency of accident involving transport vehicles covered by certificates of fitness granted or renewed by the authorised testing station attributable to any mechanical defect of the vehicle, it may—
 - (i) suspend the letter of authority for a specified period; or
 - (ii) cancel the letter of authority; or
 - (iii) order forfeiture of security deposit furnished by the authorised testing station.

(2) Where the letter of authority is suspended or cancelled under sub-rule (1), the holder of the letter

of authority shall, within thirty days of the receipt of the order of forfeiture, remit to the registering authority the amount ordered to be forfeited so that the requirement of sub-rule (2) of rule 63 in relation to deposit of security is complied with.

70. Appeal :—Any person aggrieved by an order of the registering authority under sub-rule (5) of rule 63 or sub-rule (1) of rule 68, may, within thirty days of the receipt of the order, appeal to the Head of the Motor Vehicle Department of the State Government established under Section 213.

71. Procedure for appeal :—(1) An appeal under rule 70 shall be preferred in duplicate in the form of a memorandum, setting forth the grounds of objections to the order of the registering authority and shall be accompanied by the appropriate fee as specified in rule 81 and a certified copy of such order.

(2) The appellate authority may, after giving an opportunity to the parties to be heard and after such enquiry as it may deem necessary, pass appropriate orders.

72. Voluntary surrender of letter of authority :—(i) The holder of a letter of authority may, at any time, surrender the letter of authority issued to him, to the registering authority which has granted the letter of authority and on such surrender, the registering authority shall cancel the letter of authority forthwith.

(2) On cancellation of the letter of authority under sub-rule (1), the registering authority shall refund to the holder of the letter of authority, the amount of security deposit referred to in sub-rule (2) of rule 63 in full and without any interest.

73. Tax clearance certificate to be submitted to the testing station.—No authorised testing station shall accept an application for the grant or renewal of a certificate of fitness unless the same is accompanied by a tax clearance certificate in such form as may be specified by the State Government, from the regional transport officer or motor vehicle inspector having jurisdiction in the area to the effect that the vehicle is not in arrears of motor vehicle tax or any compounding fee referred to in sub-section (5) and (6) of section 86.

Registration of Vehicles belonging to the Central Government used for Defence purpose .

74. Assignment of registration mark to the vehicles belonging to the Central Government used for defence purpose :—The authority referred to in sub-section (1) of section 60 shall assign registration marks to the vehicles belonging to the Central Government and used for defence purposes in the following manner, namely :—

A group of figures followed by a single capital letter, a broad arrow, not more than six figures and a capital letter or a group of letters. The registration mark shall be in English letters and arabic numerals.

State Register of Motor Vehicles

75. State Register of Motor Vehicles—(1) Each State Government shall maintain a State Register of

Motor Vehicles in respect of motor vehicles registered in the State in form 41.

(2) Each State Government shall send to the Director (Transport Research), Ministry of Surface Transport, New Delhi a printed copy of the register referred to in sub-rule (1).

Special provision for Registration of Motor Vehicles of Diplomatic officers, etc.

76. Registration of vehicles of diplomatic and consular officers.—(1) Every application for registration of a motor vehicle under sub-section (1) of section 42 by or on behalf of any diplomatic officer or consular officer shall be made in triplicate by the head of the mission or consular office in Form 42 and be addressed to the registering authority through the competent authority accompanied by the relevant documents and fees referred to in rule 47.

(2) The Competent Authority shall forward one copy of the application to the registering authority concerned together with a statement certifying the status of the person applying for registration and shall return one copy of the application to the applicant. The third copy of the application may retained by the competent authority for record.

(3) The registering authority shall, on receipt of the application duly endorsed under sub-rule (2) register the vehicle, subject to the provision of section 44.

(4) The registering authority shall issue to the owner of a motor vehicle registered by it under sub-rule (3), a certificate of registration in Form 43 and shall enter in a register to be kept by it, particulars of such certificate.

(5) The registering authority shall assign to the motor vehicle for display thereon in the manner specified in rule 77, the registration mark in accordance with sub-rule (6) or sub-rule (7), as the case may be.

(6) A motor vehicle belonging to a diplomatic mission or to a consular post in Delhi or to any of its diplomatic or consular officers shall be assigned a registration mark consisting of the letters CD preceded by the number allotted to the mission or post by the Ministry of External Affairs of the Government of India and followed by a number allotted to the vehicle by the registering authority in the following manner, namely :—

- (i) an official vehicle meant for the use of the Head of a Mission or Post shall be allotted the number 1 ;
- (ii) personal vehicles of the Head of the Mission or Post shall be allotted the number 1, followed consecutively, in alphabetical order, by a letter beginning with the letter A ;
- (iii) official vehicles, other than those referred to in clause (i) shall be allotted consecutive numbers beginning with the number 2 ;
- (iv) vehicle belonging to other officers of the Mission or Post shall be allotted number in consecutive order after the last number allotted under clause (iii) ,

(v) vehicle acquired by a Mission or Post, or by its diplomatic or consular officers, other than Heads of Mission or Posts, shall be allotted numbers in consecutive order after the last number allotted under clause (iv) irrespective of whether such vehicle is for official or personal use of the Mission or Post or of any of its officers ;

(vi) a number allotted to a vehicle under any of the clauses (i) to (iv), which is lying unutilised due to sale or export of such vehicle or cancellation of its number may be allotted to another vehicle under the same clause in respect of which an application has been made under sub-rule (1).

(7) A motor vehicle belonging to a consular post outside Delhi or to any of its officers shall be assigned a registration mark consisting of the letters CC preceded by the number of the post allotted to it by the Ministry of External Affairs of the Government of India and followed by a number allotted to the vehicle by the registering authority out of a block of numbers allotted for that post in the following manner, namely :—

- (i) an official vehicle meant for the use of the head of a Consular Post shall be allotted the first number from the block of numbers allotted to that post ;
- (ii) personal vehicle of the Consul General shall be allotted the number referred to in clause (i), followed consecutively in the alphabetical order, by a letter beginning with the letter A ,
- (iii) official vehicles other than those referred to in clause (i), shall be allotted consecutive numbers beginning with the second number from the block of numbers allotted to the post ,
- (iv) vehicles belonging to other officers of the post shall be allotted number in consecutive order after the last number allotted under clause (iii),
- (v) Vehicles acquired by a Post, or by the Consular Officers, other than the head of the Post shall be allotted numbers in consecutive order after the last number allotted under clause (iv) irrespective of whether such vehicle is for official or personal use of the Post or any of its officers.
- (vi) a number allotted to a vehicle under any of the clauses (i) to (v), which is lying unutilised due to sale or export of such vehicle or cancellation of its number, may be allotted to another vehicle under the same clause in respect of which an application has been made under sub-rule (1).

Explanation.—For the purpose of this rule and rules 77, 78 and 79, "competent authority" means :—

- (1) in relation to a diplomatic officer or a consular officer who has his residence in Delhi, the Secretary to the Government of

India in the Ministry of External Affairs (Protocol Division) ; and

- (ii) in relation to a diplomatic officer or a consular officer who has his residence at any other place, the Chief Secretary to the State Government.

77. Exhibition of registration mark.—(1) The registration mark assigned under sub-rules (5) to (7) of rule 76 shall be clearly exhibited in reflecting colour both at the front and rear of the vehicle on the plain surface of a plate or part of the vehicle and the size of which shall be 41 centimetres by 14 centimetres—

- (i) with deep blue background, the registration mark and the number being in white in the case of motor vehicles referred to in sub-rule (6) of rule 76 ;
- (ii) with yellow background, the registration mark and the number being in black, in the case of motor vehicles referred to in sub-rule (7) of rule 76.

(2) The registration mark shall be in English letters and arabic numerals and—

- (i) save in the case of a motor cycle or an invalid carriage, the letters shall be not less than 6 centimetres high and 2 centimetres thick at any part, the numerals shall be not less than 9 centimetres high and 2 centimetres thick at any part, and there shall be a space between any letter or any numeral and between any letter or any numeral and the edge of the plain surface of not less than 1 centimetres and a space between any two letters and between any two numerals of not less than 1 centimetre; and
- (ii) in the case of a motor cycle or an invalid carriage, the dimensions of the letters and figures shall not be less than two thirds of those specified in clause (i).

(3) The plain surface referred to in sub-rule (2) shall not be including from the vertical by more than thirty degrees. The letters and numerals shall be exhibited as follows :—

- (i) in the case of a transport vehicle, the registration mark shall be exhibited in two separate horizontal lines, the number allotted to the Mission or Post and the letters forming the first line followed by the number allotted by the registering authority in the second line; and
- (ii) in all other cases, the registration mark may exhibit the letters and numerals either in two horizontal lines as aforesaid or in one horizontal line.

(4) Notwithstanding anything contained in sub-rule (1), the registration mark exhibited at the front of a motor cycle or an invalid carriage may be displayed on a plate in line with the axis of the vehicle and shall in such a case, be displayed on both sides of the plate.

(5) In the case of a trailer —

- (i) the registration mark shall be exhibited on a plate or surface on the left hand side of the trailer, the dimensions of the letters and figures being not less than two-thirds of the dimensions specified in sub-rule (2);
- (ii) the registration mark of the drawing motor vehicle to be affixed to the rear of the trailer shall be in conformity with the provisions of these rules relating to the registration mark affixed to the rear of the motor vehicle.

(6) The registration mark shall also be painted on the right and left side of the body of a transport vehicle.

78. Assignment of new registration mark on removal of vehicle to another State.—(1) Every application for assignment of new registration mark on removal to another State under sub-section (1) of section 47 by or on behalf of a diplomatic officer or consular officer shall be made in triplicate in form 44 and shall be addressed to the registering authority through the competent authority accompanied by the relevant documents and fees referred to in rule 54.

(2) The provisions of sub-rule (2) to (7) of rule 76 shall apply to an application made under sub-rule (1) as they apply to an application made under sub-rule (1) of rule 76.

79. Suspension and cancellation of registration of vehicle registered under rule 7.—If, under the provisions of section 53, section 54 or section 55, the registration of a motor vehicle made in accordance with rule 76 is suspended or cancelled, then a copy of the order of suspension or cancellation shall be sent to the competent authority in addition to each of the authorities or persons to whom a copy has to be sent under the said sections.

80. Transfer or disposal of motor vehicle registered under rule 76.—(1) Where a motor vehicle registered in accordance with rule 76 is transferred by way of sale or otherwise, the transferor shall, within fourteen days, report the fact of the transfer alongwith the full name and address of the person to whom the vehicle is transferred to the registering authority within whose jurisdiction transfer is effected and shall simultaneously send copies of the said report to :—

- (a) the transferee;
- (b) the competent authority,
- (c) the collector of customs of the port of importation of the vehicle and where it is not possible to locate the port of importation, to the Collector of Central Excise and Customs nearest to the headquarters of the transferor; and
- (d) the original registering authority in whose records the registration of the vehicle is

recorded, if the transfer is effected in the jurisdiction of another registering authority;

and shall also surrender the number plate in respect of the vehicle to the registering authority in whose records the registration of the vehicle is re-

corded, when the transfer is to a person other than a diplomatic officer or a consular officer.

(2) Where the transferee is a diplomatic officer or a consular officer, an application by or on his behalf shall be made to the registering authority for registration of the vehicle in accordance with the provision of rule 76.

—FEES—

81. Fees.—The fee which shall be charged under the provisions of this Chapter shall be as specified in the Table below :

TABLE

S.No.	Purpose	Amount	Rule	Section
1	2	3	4	5
1.	Grant and renewal of trade certificate in respect of each vehicle	Twenty-five rupees	34(1)	—
	Motor Cycle	Twenty-five rupees		
	Invalid Carriage	twenty-five rupees		
	Others	One hundred rupees.		
2.	Duplicate trade certificate		38(1)	—
	Motor Cycle	Fifteen rupees		
	Invalid carriage	Fifteen rupees		
	Others	Fifty rupees		
3.	Appeal under rule 46	Fifty rupees	46(1)	—
4.	Issue, renewal of certificates of registration and assignment of new registration mark.		47(1), 52(1), 54(1) 76(1) and 78(1)	
	Invalid carriage	ten rupees.		
	Motor Cycle	thirty rupees.		
	Light Motor vehicle	one hundred rupees		
	Medium Goods vehicle	two hundred rupees.		
	Medium passenger Motor vehicle	two hundred rupees.		
	Heavy goods vehicle	threes hundred rupees.		
	Heavy passenger motor vehicle	three hundred rupees.		
	Imported motor vehicle	four hundred rupees		
	Imported Motor Cycle	one hundred rupees.		
	Any other vehicle not mentioned above.	one hundred and fifty rupees.		

1	2	3	4	5
5. Issue of duplicate certificate registration	Half of the fee mentioned in serial number 4.	53(2)	—	
6. Transfer of ownership	Half of the fee mentioned in serial number 4.	55(2) (iii), 55(3), 56(2) (a) and 57(1) (a)	—	
7. Change of residence	ten rupees	59	—	
8. Recording alteration in the certificate of registration.	twenty-five rupees	—	52(4)	
9. Endorsing hire-purchase/lease/hypothecation agreement.	fifty rupees	60	—	
10. Cancellation of hire-purchase/lease/hypothecation agreement or issue of fresh certificate of registration.	fifty rupees	61(1) 61(2)	—	
11. Grant and renewal of certificate of fitness.		62(2)	—	
Light Motor vehicle	one hundred rupees			
Medium Goods/passenger Motor vehicle.	two hundred rupees.			
Heavy Goods/passenger Motor vehicle.	three hundred rupees.			
12. Grant and renewal of letter of authority	five thousand rupees.	63(2)(a)	—	
13. Issue of duplicate letter of authority.	fifty rupees	66(2)	—	
14. Appeal under rule 70	two hundred rupees.	71(1)	—	

CHAPTER—IV

CONTROL OF TRANSPORT VEHICLES

TOURIST PERMITS

82. Tourist permits.—(1) An application for the grant of permit in respect of a tourist vehicle (hereinafter referred to in these rules as a tourist permit) shall be made in Form 45 to the State Transport Authority.

(2) (a) No tourist permit shall be granted in respect of a motor vehicle which is more than 2 years old,

(b) (b) A tourist permit shall be deemed to be invalid from the date on which the vehicle covered by the permit completes seven years where the vehicle is a motor cab and five years, where the vehicle is other than a motor cab, unless the vehicle is replaced.

(c) Where a vehicle covered by a tourist permit is proposed to be replaced by another, the later vehicle shall not be more than two years old on the date of such replacement.

Explanation.—For the purposes of this sub-rule, the period of 2 years, 5 years or 7 years, shall be computed from the date of initial registration of the motor vehicle.

83. Authorisation fee.—(1) An application for the grant of authorisation for a tourist permit shall be made in Form 46 and shall be accompanied by a fee of Rupees five hundred per annum in the form of a bank draft

(2) Every authorisation shall be granted in Form 47 subject to the payment of taxes or fees, if any, levied by the concerned States.

(3) The period of validity of an authorisation shall not exceed one year at a time and shall expire on the 31st day of March of the year.

84. Right of operation.—No tourist permit shall be deemed to confer the right of operation in any State not included in the authorisation referred to in rule 83 nor shall it exempt the owner of a vehicle from the payment of tax or fee, if any, leviable in any State.

85. Additional conditions of tourist permit.—As the following shall be the additional conditions of every tourist permit granted to a tourist vehicle other than a motor cab under sub-section (9) of section 83, namely :—

(1) The permit holder shall cause to be prepared in respect of each trip a list in triplicate of tourist passenger to be carried in the vehicle, duly attested by the Executive Magistrate a Sub-Inspector of Police of Gazetted Officer or the State Transport Authority or Regional Transport Authority in this regard of the area from which the tour emanates giving full particular as under :—

- (a) name of the passenger.
- (b) address of the passengers.
- (c) age of passengers.
- (d) starting point and the point of destination.

(2) One copy of the list shall be sent by Registered AD Post to the Authority which issued the permit for record, the second copy shall be carried in the tourist vehicle and shall be produced on demand by the officers authorised to demand production of documents by or under the Act and the third copy shall be preserved by the permit holder.

(3) The tourist vehicle shall either commence its journey, or and its journey, circular or otherwise, in the home State, subject to the condition that the vehicle shall not remain outside the home State for a period of more than two months. The permit holder shall see that every return of the tourist vehicle to the home State is reported to the authority which issued the permit :

Provided that where the contracted journey ends outside the home State, the vehicle shall not be offered for hire within that State or from that State to any other State except for the return journey to any point in the home State.

(4) The tourist vehicle may operate circular tours of places lying exclusively in home state or in the home state and outside the State if such circular tours are in the list approved by tourist department of the home state to visit places of tourist, historical or religious importance and the tour is duly advertised before hand.

(5) The permit holder or his authorised agent shall issue a receipt to the hirer and the counterfoil of the same shall be kept available with him and produced on demand to the officers empowered to demand documents by or under the Act.

(6) The tourist vehicle shall not be parked on any bus stand used by stage carriage and shall not operate from such bus stand.

(7) The tourist vehicle shall be painted in white colour with a blue ribbon of five centimetres width at the centre of the exterior of the body and the word "Tourist" shall be inserted on two sides of the vehicle within a circle of sixty centimetres diameter.

(8) The permit holder shall display in the front top of the tourist vehicle a board in yellow with letters in black with the inscription "Tourist permit valid in the State(s) of....." in English and Hindi and also, if he so prefers, in regional language of the home State.

(9) The permit holder shall not operate the tourist vehicle as a stage carriage.

(10) The permit holder shall maintain a day to day logbook indicating the name and address of the permit holder and the registration mark of the vehicle, name and address of the driver with the particulars of his driving licence and the starting and destination points of the journey with the time of departure and arrival and the name and address of the hirer.

(11) The permit holder shall furnish every 3 months the information contained in condition (10) to the State Transport Authority which granted the permit and the logbook shall be preserved for a period of 3 years and shall be made available to the said authority on demand alongwith the records referred to in conditions (2) and (4).

Explanation : In this rule, "home State" means the state which has granted the permit under sub-section (9) of section 88.

85B.—The following shall be the additional conditions of every tourist permit in respect of motor cabs.

(1) The words 'Tourist Vehicle' shall be painted on both the sides of the vehicle within a circle of twenty-five centimeter diameter.

(2) A board with the inscription "Tourist Permit valid in the State(s) of....." in black letters in yellow background shall be displayed in the front of the vehicle above the registration number plates

National Permits

86. Application for national permit.—An application for the grant of a national permit shall be made in Form 48 to the authority referred to in section 69.

87. Form, contents and duration of authorisation.—(1) An application for the grant of an authorisation for a national permit shall be made in Form 46 and shall be accompanied by a fee of rupees five hundred per annum in the form of a bank draft.

(2) Every authorisation shall be granted in Form 47 subject to the payment of the taxes or fees, if any, levied by the concerned States.

(3) The period of validity of an authorisation shall not exceed one year at a time and shall expire on the 31st day of March of the year.

88. Age of motor vehicle for the purpose of national permit.—(1) No national permit shall be granted in respect of a goods carriage which is more than nine years old at any point of time.

(2) A national permit shall be deemed to be invalid from the date the vehicle covered by the permit completes nine years from the date of its initial registration.

Explanation : For the purpose of this rule, the period of nine years shall be computed from the date of initial registration of the goods carriage concerned.

89. Quarterly return to be filled by a national permit holder.—A national permit holder shall file quarterly a return in Form 49 in respect of a motor vehicle covered by the national permit to the authority which granted the national permit.

90. Additional conditions for national permit.—The national permit issued under sub-section (12) of section 88 shall be subject to the following additional conditions, namely :—

(1) The vehicle plying under a national permit shall be painted in dry leaf brown colour with thirty centimetres broad white borders and the words "NATIONAL PERMIT" shall be inscribed on both sides of the vehicle in bold letters within a circle of sixty centimetres diameter :

Provided that the body of a tanker carrying dangerous or hazardous goods shall be painted in white colour with a dry leaf brown ribbon of 5 cm. width around in the middle at the exterior and that the driver's cabin in orange colour.

(2) A board with the inscription "National Permit" valid in the State(s) of with blue letters on white background shall be carried in front of such vehicle.

(3) No such vehicle shall carry any goods without a bill of lading in Form 50.

(4) The vehicle shall have a minimum of two drivers and shall be provided with a seat across its full width behind the driver's seat providing facility for the spare driver to stretch himself and sleep.

(5) The vehicle shall at all times carry the following documents and shall be produced on demand by an office empowered to demand documents by or under the Act, namely :—

- (i) Certificate of fitness,
- (ii) Certificate of insurance,
- (iii) Certificate of registration,
- (iv) National Permit,
- (v) Taxation certificate,
- (vi) Authorisation,

(6) The vehicle shall be subject to all local rules or restrictions imposed by a State Government.

(7) The vehicle shall not pick up or set down goods between two points situated in the same State.

1478 GI/89—17

CHAPTER V

CONSTRUCTION, EQUIPMENT AND MAINTENANCE OF MOTOR VEHICLES

PRELIMINARY

91. Definitions.—(1) In this Chapter, unless the context otherwise requires,—

- (a) "class label", in relation to any dangerous or hazardous goods, means the class label specified in column 3 of the Table to rule 137;
- (b) "consignor", in relation to dangerous or hazardous goods intended for transportation by a goods carriage, means the owner of such dangerous or hazardous goods;
- (c) "dangerous or hazardous goods" means the goods of dangerous or hazardous nature to human life specified in Table I, II and III to rule 137,
- (d) "Emergency information panel" means the panel specified in rule 134;
- (e) "primary risk", in relation to any dangerous or hazardous goods, means the most potent risk which such goods give rise to;
- (f) "subsidiary risk", in relation to, any dangerous or hazardous goods, means the subsidiary risk which such goods are likely to give rise to in addition to the primary risk.

92. General.—(1) No person shall use or cause or allow to be used in any public place any motor vehicle which does not comply with the provisions of this Chapter.

(2) Nothing in this rule shall apply to a motor vehicle :—

- (a) which has been damaged in an accident or to a vehicle stopped or impeded owing to shortage of fuel or other temporary defects while at the place at which the accident or defect occurred;
- (b) which is defective or damaged and is being removed to the nearest place of repair or disposal; or
- (c) which is more than 50 years old from the date of its registration and is being driven for taking part in a vintage car rally;

Provided that where a motor vehicle can no longer remain under the effective control of the person driving, the same shall not be used in a public except by towing.

OVERALL DIMENSION

93. Overall dimension of motor vehicles.—(1) The overall width of a motor vehicle, measured at right

angles to the axis of the motor vehicle between perpendicular planes enclosing the extreme points, shall not exceed,—

- (i) in the case of a motor vehicle, other than a transport vehicle, 2.5 metres;
- (ii) in the case of a transport vehicle, 2.7 metres.

Explanation.—For purposes of this rule, a rear view mirror, or guard rail or a direction indicator (when in operation) shall not be taken into consideration in measuring the overall width of a motor vehicle.

(2) The overall length of motor vehicle, other than a trailer, shall not exceed,—

- (i) in the case of a motor vehicle other than a transport vehicle having not more than two axles, 9.5 metres;
- (ii) in the case of a transport vehicle with rigid frame having two or more axles, 11.25 metres;
- (iii) in the case of an articulated vehicle having more than two axles, 16 metres;
- (iv) in the case of truck trailer or tractor trailer combinations, 18 metres;

(3) In the case of an articulated vehicle or a tractor trailer combination specially constructed and used for the conveyance of indivisible load of exceptional length,—

- (i) if all the wheels of the vehicle are fitted with pneumatic tyres, or
- (ii) if all the wheels of the vehicle are not fitted with pneumatic tyres, so long as the vehicle is not driven at a speed exceeding twenty-five kilometres per hour,

the overall length shall not exceed 18 metres.

Explanation.—For the purposes of this rule “overall length” means the length of the vehicle measured between parallel planes passing through the extreme projection points of the vehicle exclusive of—

- (i) a starting handle;
- (ii) any hood when down;
- (iii) any fire-escape fixed to a vehicle;
- (iv) any post office letter box, the length of which measured parallel to the axis of the vehicle, does not exceed 30 centimetres;
- (v) any ladder used for loading or unloading from the roof of the vehicle or any tail or indicator lamp or number plate fixed to a vehicle;
- (vi) any spare wheel or spare wheel bracket or bumper fitted to a vehicle;
- (vii) any towing hook or other fitment which does not project beyond any fitment covered by clauses (iii) to (vi).

(4) The overall height of a motor vehicle measured from the surface on which the vehicle rests,—

- (i) in the case of a vehicle other than a double-decked motor vehicle, shall not exceed 3.8 metres;
- (ii) in the case of a double-decked motor vehicle, shall not exceed 4.75 metres;
- (iii) in the case of a laden trailer carrying ISO series 1 Freight Container, shall not exceed 4.2 metres ;

Provided that the provisions of clauses (i) to (iii) shall not apply to fire-escape tower wagons and other special purpose vehicles exempted by general or special order of the registering authority.

(5) The overhang of a tractor shall not exceed 1.85 metres.

(6) The overhang of a motor vehicle other than a tractor shall not exceed sixty per cent of the distance between the plane perpendicular to the axis of the motor vehicle which passes through the centre or centres of the front wheel or wheels and the foremost vertical plane from which the overhang to be measured.

Explanation.—For the purpose of this rule, “overhang” means the distance measured horizontally and parallel to the longitudinal axis of the vehicles between two vertical planes at right angles to such axis passing through the two points specified hereunder :

A. The rearmost point of the vehicle exclusive of—

- (i) any hood when down;
- (ii) any post office letter-box, the length of which measured parallel to the longitudinal axis of the vehicle, does not exceed thirty centimetres
- (iii) any ladder forming part of a turn-table fire-escape fixed to a vehicle;
- (iv) any ladder used when the vehicle is at rest for loading or unloading from the roof of the vehicle, or any tail lamp or number plate fixed to a vehicle;
- (v) any spare wheel or spare wheel bracket fitted to a vehicle;
- (vi) any luggage carrier fitted to a motor vehicle constructed solely for carriage of passengers and their effects and adopted to carry not more than seven passengers exclusive of the driver;
- (vii) any towing hook or other fitment which does not project beyond any fitment mentioned in clauses (ii) to (vi) :

Provided that in the case of a stage carriage :—

- (a) the projection of any bumper or advertisement panel fitted at the rear of the vehicle shall not exceed fifteen centimeters;
- (b) the projection in respect of an advertisement panel shall not be such as to obstruct either

the vision from the rear view mirror or project through the emergency exit at the rear or both;

B (i) In the case of a vehicle having only two axles, one of which is not a steering axle, the centre point of that axle; or

(ii) in the case of a vehicle having only three axles and the front axle is the only steering axle: a point 102 millimetres in rear of the centre of a straight line joining the centre points of the rear and middle axle;

(iii) in the case of any vehicle registered in India before the commencement of these rules it shall suffice if the overhang does not exceed 7/24th of the overall length of the vehicle;

(iv) in the case of a motor vehicle having only three axles where two front axles are steering axles, the centre point of rear-most axle;

(v) in the case of a motor vehicle having four axles, where two front axles are steering axles, a point 102 millimetres in rear of the centre of a straight line joining the centre points of the rear-most two axles;

(vi) in any other case, a point situated on the longitudinal axis of the vehicle such that a line drawn from it at right angle to that axis will pass through the centre of the minimum turning circle of the vehicle;

(vii) no part of the vehicle other than a direction indicator, when in operation, or a driving mirror, shall project laterally more than 355 millimetres beyond the centre line of the rear wheels, in the case of a single rear wheels or more than 152 millimetres beyond the extreme outer edge of the outer tyres, in the case of dual rear wheels.

Provided that the State Government or any authority authorised in this behalf by the State Government, if it is satisfied that it is necessary because of the nature of any road or bridge or in the interests of public safety, may prohibit or restrict the operation of a motor vehicle in a specified route or area unless such vehicle complies with the requirements specified by the State Government for such route or area.

(7) No motor vehicle shall be loaded in such a manner that the load or any part thereof extends,—

(i) laterally beyond the side of the body,

(ii) to the front beyond the foremost part of the load body of the vehicle;

(iii) to the rear beyond the rear most part of the vehicle;

(iv) to a height beyond the limits specified in sub-rule (4)

Provided that clause (iii) shall not apply to a goods carriage when loaded with any pole or rod or indivisible load so long as the projecting part or parts do not exceed the distance of one meter beyond the rear most point of the motor vehicle.

SIZE, NATURE AND CONDITION OF TYRES

94. Condition of tyres.—(1) Every motor vehicle, other than a road-roller or a tracklaying vehicle, shall be fitted with pneumatic tyres.

(2) The pneumatic tyres of a motor vehicle shall be kept properly inflated and in good and sound condition.

(3) For the purpose of sub-rule (2), a tyre shall not be deemed to be of good and sound condition if—

(i) any of the fabric of its casing is exposed by wear of the tread or by any unvulcanised cut or abrasion in any of its part; or

(ii) it shows signs of incipient failure by local deformation or swelling; or

(iii) it has been patched or repaired by an outside gaiter or patch other than a vulcanised repair;

Provided that the requirement specified in clause (iii) shall not apply to a temporary repair effected to enable the vehicle to be moved to the nearest place where the tyre can be repaired or replaced :

Provided further that where a motor vehicle, other than road roller or tracklaying vehicle, is not fitted with pneumatic tyres, it shall not be used in a public place unless it is fitted with shoes or other suitable device so that plying of such vehicle does not damage the road.

95. Size and ply rating of tyres.—The size of tyres of a motor vehicle specified in column (1) of the Table below shall have a ply rating specified in the corresponding entry in column (2) of the said Table in respect of maximum weight permitted to be carried by such vehicle specified in the corresponding entry in column (3) thereof.

TABLE

Size of Tyre	Light/Truck Tyres (Diagonal) ply rating specified by the manufacturer	Maximum weight per- mitted to carry (kilograms) SINGLE/DUAL
6.00—16	6	705/620
6.00—16	8	830/730
6.50—16	6	795/700
6.50—16	8	935/820
6.70—15	6	755/670
6.70—15	8	890/790
7.00—15	6	850/750
7.00—15	8	1005/885
7.00—15	10	1140/1005
7.00—16	6	885/775
7.00—16	8	1050/925
7.00—16	10	1195/1050
7.50—16	8	1200/1055
7.50—16	10	1370/1200
7.50—16	12	1530/1350
7.50—16	14	1675/1475
Truck and Bus Tyres		
7.00—20	10	1660/1450
7.50—20	10	1855/1630
7.50—20	12	2060/1805
8.25—20	12	2365/2075
8.25—20	14	2585/2275
9.00—20	12	2710/2380
9.00—20	14	2980/2615
9.00—20	16	3075/2695
10.00—20	14	3180/2790
10.00—20	16	3480/3050
11.00—20	14	3470/3040
11.00—20	16	3785/3325
11.00—20	14	3910/3435
12.00—20	14	3685/3230
12.00—20	16	4070/3575
12.00—20	18	4320/3785

Size of tyre	Light/Truck Tyre (Diagonal) ply rating specified by the manufacturer	Maximum weight per- mitted to carry (kilograms) SINGLE/DUAL
Motor Scooter Tyres		
3.00—10	4	150
3.50—8	4	170
3.50—10	4	195
Motor Scooter Derivatives		
3.50—10	6	375
4.00—8	4	340
4.00—8	6	400
4.50—10	8	520
Motor Cycle Tyres		
3.00—18	4	175
3.00—19	4	185
3.25—16	4	180
3.25—18	4	200
3.25—19	4	210
3.50—18	4	225
3.50—19	4	230
Agriculture Steering Wheel Tracter Tyres (Diagonal Ply)		
4.00—19	4	355
5.50—16	4	425
5.50—16	6	525
6.00—16	4	450
6.00—16	6	560
6.00—19	4	510
6.00—19	6	640
6.50—16	4	510
6.50—16	6	615
6.50—20	4	600
6.50—20	6	725

Size of Tyre	Light/Truck Tyre (Diagonal) ply rating specified by the manufacturer	Maximum weight permitted to carry (kilograms) SINGLE/DUAL
Agriculture Drive Wheel Tractor Tyre (Diagonal Ply)		
8.3/8—24	4	625
8.3/8—24	6	810
8.3/8—32	4	715
8.3/8.32	6	920
11.2/10—28	4	900
11.2/10—28	6	1115
11.2/10—28	8	1305
12.4/11—24	4	945
12.4/11—25	6	1200
12.4/11—28	4	1005
12.4/11—28	6	1275
12.4/11—28	8	1510
12.4/11—36	4	1135
12.4/11—36	6	1440
12.4/11—38	4	1165
12.4/11—38	6	1480
13.6/12—28	4	1100
13.6/12—28	6	1430
13.6/12—28	8	1645
13.6/12—38	6	1660
13.6/12—38	8	1910
16.9/14—28	6	1840
16.9/14—28	8	2175
16.9/14—30	6	1900
16.9/14—30	8	2245
18.4/15—30	10	2815
18.4/15—30	12	3180
18.4/15—30	14	3405

NOTE : (i) The above maximum weights are in accordance with Indian Standard IS : 10914 of 1988, and for the maximum cold inflation pressures indicated therein and have been adjusted for the speed limit stipulated in the notification under section 112 of the Motor Vehicles Act, 1988.

(ii) The above weights in respect of tyres of transport vehicles (goods as well as passenger carriages) shall be applicable subject to the condition that the axle loads do not exceed the permitted limits. They apply in relation to registered axle weights, recorded in Registration Certificate of the vehicle.

Brakes, Steering gears, Safety glass and Wind screen wipers

96. Brakes.—(1) Every motor vehicle, other than a motor cycle without gear, invalid carriage, a trailer or a road-roller, shall be equipped with two independent and efficient braking systems, namely, the hand brakes and foot-operated service brakes.

(2) The braking system shall be of strength capable of stopping the vehicle within the distance specified in sub-rule (8) and of holding it at rest in all conditions and all such brakes at all time be properly connected and maintained in efficient condition :

Provided that a motor cycle without gear may have an independent and efficient single braking system capable of holding such motor cycle, when fully laden, stationary on a gradient of one in seven.

(3) In every motor vehicle, the brakes operated by one of the means of operation shall act directly upon the wheel and not through the transmission gear

(4) On and from the date of commencement of this sub-rule, the foot operated service brakes shall be so constructed and maintained that the failure of any single portion of it shall not prevent the brakes on at least two wheels, or, in the case of a vehicle having less than four wheels on one wheel, from operating effectively to hold such wheels from revolving or to have same effect in stopping the vehicle as if such wheels were to be held.

(5) Except in the case of a motor cycle, the braking system or one of the braking systems of a motor vehicle shall be so constructed and maintained that it can be so set as effectively to prevent at least two, or in the case of a motor vehicle having three wheels, at least one of the wheels from revolving when the vehicle is left unattended

(6) The braking system or part thereof which functions in the aforesaid manner shall be known as parking brake and where such a parking brake is designed to be operated by hand, it shall be known as hand brake.

(7) In the case of a motor vehicle with more than three wheels, other than an invalid carriage or a road-roller, where any brake-shoe is capable of being applied by more than one means of operation, all the wheels shall be fitted with brakes all of which are operated by the one of the means of operation :

Provided that except in the case of a tractor,—

- (i) where a motor vehicle has more than six wheels at least four of which are steering wheels, it shall be sufficient compliance with this sub-rule if brakes are fitted to all the wheels other than two steering wheels which are situated on opposite sides of the vehicle, and all such brakes are operated by one of the means of operation ;
- (ii) where a motor vehicle has more than four wheels and the drive is transmitted to all wheels other than the steering wheels without the interposition of a differential driving gear on similar mechanism between the axles carrying the driving wheels, it shall

be sufficient compliance with this sub-rule if one of the means of operation operates the brakes on two driving wheels situated on opposite sides of the vehicles and the other means of operation operates brakes on all the other wheels required to be fitted with brakes by this sub-rule.

(8) The braking system operated by one of the means of operation, whether the vehicle is laden or unladen, shall be capable of bringing it to rest and shall conform to the Indian Standards IS : 11716 (1987) in respect of two-wheelers and IS : 11852 (1987) in respect of other automotive vehicles, as modified from time to time.

97. Brakes for trailers.—(1) Every trailer exceeding 500 kilograms in weight shall have an efficient braking system which are capable of being applied when it is being drawn,—

- (i) in the case of a trailer having not more than two axles, to at least all the wheels of one axle ; or
- (ii) in the case of a trailer having more than two axles, to at least all the wheels of two axles :

Provided that the braking system shall be so constructed that it is not rendered ineffective by the non-rotation of the engine of the drawing vehicle.

(2) The provision of sub-rule (1) shall not apply to—

- (i) any land implement drawn by a motor vehicle ;
- (ii) any trailer designed for use and used by a local authority for street cleansing or by the fire service for fire fighting, which does not carry any load other than its necessary gear and equipment ;
- (iii) any disabled vehicle which is being drawn by a motor vehicle in consequence of its disablement.

98. Steering gears.—(1) The steering gear of every motor vehicle shall be maintained in good and sound condition, free from backlash exceeding 30 degrees on the steering wheel, all rods and arms shall be protected by rubber caps and where the connections are secured with bolts or pins, the bolts or pins shall be effectively locked.

(2) The steering gear of every motor vehicle shall be so constructed as to conform to the Indian Standard IS : 12222 (1987) as modified from time to time.

99. Forward and backward motion.—Every motor vehicle other than a motor cycle and three-wheeled invalid carriages, shall be capable of moving under its own power either forwards or backwards.

100. Safety glass.—(1) The glass of windcreens and the windows of every motor vehicle shall be of safety glass.

Provided that in the case of three-wheelers and vehicles with hood and side covers, the windows may be of acrylic transparent sheet.

Explanation.—For the purpose of this rule—

(i) "safety glass" means glass approved by the Bureau of Indian Standards and so manufactured or treated that if fractured, it does not fly or break into fragments capable of causing severe cut;

(ii) any windscreen or window at the front of the vehicle, the inner surface of which is at an angle extending to thirty degrees to the longitudinal axis of the vehicle shall be deemed to face to the front.

(2) The glass of the windcreens, and the windows of every motor vehicle shall be such and shall be maintained in such condition as to be clearly transparent and allow the clear vision outside from inside and inside from outside.

101. Widescreen Wiper.—An efficient automatic windscreen wiper shall be fixed to every motor vehicle.

102. Signalling devices, lamps and reflectors direction indicators and stop lights.—(1) The signal of an intention to turn to the right or to the left may be given by an electrical direction indicator and during period between half an hour after sunset and half an hour before sunrise, the signal for intention to stop may be given by an electrical stop light.

(2) Every electrical direction indicator shall, when in operation, be visible both from the front and rear of the vehicle and be in the form of :

(i) an illuminated sign of amber colour either steady or of the flashing type approved by Bureau of Indian Standards ;

(ii) fixed glass panel which is illuminated to indicate turn by a light flashing at rate not less than sixty and not more than one hundred and twenty flashes per minute, of the minimum illuminated areas—

(a) of 22.5 square centimetres, in the case of vehicles with unladen weight not exceeding two tonnes, or adapted solely for the carriage of seven persons excluding the driver and luggage ;

Provided that the vehicle is not used for drawing a trailer other than one of less than four wheels or a four wheeled trailer having two closed coupled wheels on each side : or

(b) of 60 square centimetres, in all other cases,

and the illuminated surface shall be visible both from the front and the rear of the vehicle

103. Position of the indicator.—(1) A direction indicator shall be fitted and every direction indicator shall be so designed and fitted that the driver of the vehicle when in his driving seat is aware that it is operating correctly :

(2) In the case of motor cycles, built-in direction indicators blinker system shall be fixed both at the front and the rear.

(3) On and from the date of commencement of this sub rule, every motor vehicle other than motor cycle shall be equipped with such a device that when the vehicle is in break-down condition all the side indicators flash together giving hazard warning to other road users.

104. Fitment of reflectors.—(1) Every transport vehicle shall fitted with,—

(a) two red reflectors having diameter of not less than 80 millimetres each, on both the sides of the rear of the body,

(b) one white reflector having a diameter of not less than 80 millimeters on the right bottom corner in the front side of the body at the extreme right and facing to the front.

at a height between 1.2 to 1.5 metres from the ground level.

(2) Every non-transport vehicle shall be provided with a reflector of 50 millimetre diameter or a reflecting tape of not less than 30 millimeters width and not less than 15 centimetres length at the rear.

(3) Every goods carriage or in the case of tractor-trailer or truck-trailers combination, the trailer shall be fitted with two cat's eye reflectors of eight centimetres diameter, one at the right bottom corner in the front and another on the rear-most body cross beam or near the right rear light above the rear number plates in the case of goods carriage not constructed with body in the rear. The colour of the front reflector shall be white and that of the rear shall be red.

(4) The reflectors referred to in this rule shall be of fluorescent type, as per BIS specification.

105. Lamps.—(1) Save as hereinafter provided, every motor vehicle while in a public place during the period between half an hour after sunset and half an hour before sunrise and at any other time when there is not sufficient light to render clearly discernible persons and vehicles in the road at a distance of one hundred and fifty five meters ahead, shall carry the following lamps (hereafter referred to as the obligatory head lamps) kept lit and in an efficient condition—

(a) save in the cases of a motor cycle and an invalid carriage, two lamps showing to the front a white light visible from a distance of one hundred and fifty five metres :

(b) in the case of a motor cycle and an invalid carriage, one lamp showing to the front a white light visible from a distance of one hundred and fifty five metres and where the registration mark at the front of the

vehicle is exhibited on both sides of a plate, so fixed as to illuminate both sides of the plate;

- (c) in the case of a side car attached to a motor cycle, a lamp affixed to the extreme left hand side of the side car showing to the front a white light visible from a distance of one hundred and fifty five metres;

(2) Every such motor vehicle other than a motor cycle and a three wheeler shall also carry:—

- (i) one lamp (hereinafter referred to as the 'rear lamp' showing to the rear a red light visible in the rear from a distance of one hundred and fifty five metres and in the case of a motor cycle visibility distance of seventy-five metres; and
- (ii) lamp, which may be the rear lamp or some other device, illuminating with a white light the whole of the registration mark exhibited on the rear of the vehicle so as to render it legible from a distance of fifteen metres to the rear;

Provided that when a motor vehicle is drawing another vehicle or vehicles and the distance between such vehicles does not exceed 15 metres, it shall be sufficient if the last drawn vehicle carries a rear lamp or a lamp illuminating the rear registration mark.

(3) On and from the date of commencement of the sub-rule, all the obligatory front headlamps of a motor vehicle shall be as nearly as possible of the same power and fixed at a height not exceeding one metre above the ground to the bottom edge of the head lamp.

(4) The rear lamp shall be fixed either on the centre line of the vehicle or to the right hand side, and save in the case of a transport vehicle, at a height of not exceeding one metre above the ground.

(5) In the case of a transport vehicle, the rear light may be fixed at such level as may be necessary to illuminate the registration mark.

(6) Every heavy goods carriage of unconventional or extraordinary type shall be fitted with a red indicator lamp of size of thirty centimetres by ten centimetres on the extreme rear-most body cross beam and in the case of a vehicle not constructed with body in the rear, the indicator lamp shall be fitted near the right rear light above the rear number plate.

106. Deflection of lights.—(1) No lamp showing a light to the front shall be used on any motor vehicle (whether fitted with single or dual head lamp) unless such lamp is so constructed, fitted and maintained that the beam of light emitted therefrom:—

- (a) is permanently deflected downwards to such an extent that it is incapable of dazzling any person standing on the same horizontal plane as the vehicle at a greater distance than eight metres from the lamp and whose eye level is not less than hundred centimetres above the plane;

(b) is capable of being deflected downwards by the driver in such manner as to render it incapable of dazzling any such person in the circumstances aforesaid;

(c) is capable of being extinguished by the operation of a device which at the same time causes a beam of light to be emitted from the lamp which complies with the provision of clause (a);

(d) is capable of being extinguished by the operation of a device which at the same time either deflects the beam of light from another lamp downwards or both downwards and to the left in such manner as to render it capable of dazzling any person in the circumstances aforesaid, or brings into or leaves inoperation a lamp which complies with the provision of clause (a).

(2) In addition to the requirements specified in sub-rule (1), the motor vehicle used in a public place shall have the panels of the head lights shaded by a painting like bulls eye of a diameter of not less than 5 centimetres at the centre exactly opposite the point where the reflectors converge.

(3) The provisions of sub-rule (1) shall not apply to any lamp fitted with an electric bulb, if the power of the bulb does not exceed 7 watts and the lamp is fitted with a frosted glass or other material which has the effect of diffusing the light.

107. Top lights.—Every goods vehicle shall be fitted with two top lights, one at the right top corner in front and another at the right top corner in the rear. The colour of the front top light shall be white and that at the rear shall be red. The lights shall remain lit when the vehicle is kept stationary on the road during night and at times of low visibility.

Provided that in the case of goods carriage with no body in the rear, provision for fitting of the top light at the rear shall not be necessary.

108. Use of red or white light.—No motor vehicle shall show a red light to the front or light other than red to the rear:

Provided that the provision of this rule shall not apply to:—

- (i) the internal lighting of the vehicle; or
- (ii) the amber light, if displayed by any direction indicator or top light;
- (iii) a vehicle carrying high dignitaries as specified by the Central Govt. or the State Government from time to time or a vehicle escorting such vehicle;
- (iv) the blinker type of red light with purple glass fitted to an ambulance van used for conveying patients; or
- (v) to a vehicle having a lamp fitted with an electrical bulb, if the power of the bulb does not exceed seven watts and the lamp is fitted with frosted glass or any other material which has the effect of diffusing the light.

109. Parking light.—(1) Every goods carriage shall be provided with one white parking light on each side of the front with frosted glass, in addition to the front lights and in the rear with additional two red lights which shall remain lit even when the vehicle is kept stationary on the road.

110. Lamp on auto-rickshaw.—Every auto-rickshaw shall be fitted with one front lamp and two side white lights or two front lamps on the body. In addition to the front lights and the side lights, it shall be fitted with a rear lamp showing to the rear, a red rear light visible from a distance of seventy five metres and a white light illuminating the registration mark exhibited on the rear of the vehicle so as to render it legible from a distance of fifteen metres and also two cat's eye reflectors on the rear mudguards.

111. Prohibition of spot lights, etc.—No spot-light or search-light shall be carried on the front of any vehicle except in exceptional circumstances with the prior approval of the registering authority.

Smoke, vapour, spark, ashes, grit and oil

112. Exhaust gases.—(1) Every motor vehicle shall be so constructed or equipped that the exhaust gases from the engine are discharged neither downward nor to the left side of the vehicle and shall be so fitted as to allow the gases to escape to the right side or rear of the vehicle.

Provided that in the case of tankers carrying explosives and inflammable goods, the fitting of exhaust pipe shall be according to the specification of the Inspector of Explosives.

113. Location of Exhaust Pipes.—On and from the date of commencement of this sub-rule, no exhaust pipe shall be located within a distance of 35 millimetre from the fuel line connecting to the fuel tank and engine.

114. Exhaust pipes of public service vehicles.—The exhaust pipe of every public service vehicle shall be so fitted or shielded that no inflammable material is thrown upon it from any other part of the vehicle and that it is not likely to cause a fire through, proximity to any inflammable material on the vehicle.

Emission of smoke, vapour etc. from motor vehicles :

115. (1) Every motor vehicle shall be manufactured and maintained in such condition and shall be so driven that smoke, visible vapour, grit, sparks, ashes, cinders or oily substance do not emit therefrom.

(2) On and from the date of commencement of this sub-rule, every motor vehicle shall comply with the following standards :—

- (a) Idling CO (Carbon monoxide) emission limit for all four wheeled petrol driven vehicles shall not exceed 3 per cent by volume ;
- (b) Idling CO emission limit for all two and three wheeled petrol driven vehicles shall not exceed 4.5 per cent by volume ;

(c) Smoke density for all diesel driven vehicles shall be as follows :—

Method of Test	Maximum smoke Density		
	Light Absorption Coefficient ml	Bosch Units	Hart-ridge units
(a) Full load at a speed of 60 % to 70 % of maximum engine rated speed declared by the manufacturer	3.1	5.2	75
(b) Free Acceleration	2.3	—	65

(3) On and from the date of commencement of this sub-rule, all petrol driven vehicles shall be so manufactured that they comply with the mass emission standards as specified at Annexure 'I'. The breakdown of the operating cycle used for the test shall be as specified at Annexure 'II', and the reference fuel for all such tests shall be specified in Annexure 'III' to these rules.

(4) On and from the date of commencement of this sub-rule, all diesel driven vehicles shall be so manufactured that they comply with the following based on exhaust gas opacity as specified at Annexure 'IV' to these rules.

(5) On and from the date of commencement of this sub-rule, all petrol driven vehicles shall be so manufactured that they comply with the following levels of emissions under the Indian driving cycle :—

Msas of Carbon Monoxide (CO)	Mass of Hydrocarbons (HC) Maxm. Grams per KWH	Mass of Nitrogen Oxides (NO) Maxm. Grams per KWH
14 %	3.5	18

(6) Each motor vehicle manufactured on and after the dates specified in sub-rules (2), (3), (4) or (5), shall be certified by the manufacturers to be conforming to the standards specified in the said sub-sections, and further certify that the components liable to effect the emission of gaseous pollutants are so designed, constructed and assembled as to enable the vehicle, in normal use, despite the vibration to which it may be subjected, to comply with the provisions of the said sub-rule.

116. Test for smoke emission level and carbon-monoxide level for motor vehicles.—(1) Any officer not below the rank of a sub-inspector of police or an Inspector of motor vehicles, who has reason to believe

that a motor vehicle is, by virtue of the smoke emitted from it, or other pollutants like carbon monoxide emitted from it, is likely to cause endangering the health or safety of any other user of environmental pollution, endangering the health or safety of any other user of the road or the public, may direct the driver or any person incharge of the vehicle to submit the vehicle for undergoing a test to measure the standard of black smoke or the standard of any of the other pollutants.

(2) The driver or any person incharge of the vehicle shall, upon demand by any officer referred to in sub-rule (1) submit the vehicle for testing for the purpose of measuring the standard of smoke or the levels of other pollutants or both.

(3) The measurement of standard of smoke shall be done with a smoke meter of a type approved by the State Government and the measurement of other pollutants like carbon monoxide, shall be done with instruments of a type approved by the State Government.

Speed Governors.

117. Speedometer.—(1) Every motor vehicle, other than an invalid carriage or a vehicle, the designed speed of which does not exceed thirty kilometres per hour, shall be fitted with an instrument (hereinafter referred to as "speedometer" so constructed and fixed in such a position as to indicate to the driver of the vehicle the speed at which the vehicle is travelling.

(2) A speedometer shall be deemed to satisfy the requirements of this rule if, upon test, it is found to be accurate within ten per cent above or below the speed specified for the vehicle by the State Government under sub-section (2) of section 112, or of no speed is so specified, then above or below a speed of sixty kilometres per hour.

118. Speed governor.—(1) On and from the commencement of this rule, such transport vehicles as may be notified by the Central Government in the Official Gazette shall be fitted by the operator of such transport vehicle with a speed governor (speed controlling device) approved by the Bureau of Indian Standards, in such a manner that the speed governor can be sealed with an official seal of the State Transport Authority or a Regional Transport Authority in such a way that it cannot be removed or tampered with without the seal being broken.

(2) The speed governor of every transport vehicle shall be so set that the vehicle is incapable of being driven at a speed in excess of the maximum pre-set speed of the vehicle, except down and incline.

Reduction of noise.

119. Horns.—(1) Every motor vehicle shall be fitted with an electric horn or other device approved by the Bureau of Indian Standard and approved by the registering authority for use by the driver of the vehicle and capable of giving audible and sufficient warning of the approach or position of the vehicle.

(2) No motor vehicle shall be fitted with any multitoned horn giving a succession of different notes or with any other sound-producing device giving an unduly harsh, shrill, loud or alarming noise.

(3) Nothing contained in sub-rule (2) shall prevent the use on vehicles used as ambulance or for fire fighting or salvage purposes or on vehicles used by police officers or officers of Motor Vehicles Department in the course of their duties, of such sound signals as may be approved by the registering authority in whose jurisdiction such vehicles are kept.

120. Silencers.—(1) Every motor vehicle shall be fitted with a device (hereinafter referred to as a silencer) which by means of an expansion chamber or otherwise reduces as far as practicable, the noise that would otherwise be made by the escape of exhaust gases from the engine.

(2) Every motor vehicle shall be so constructed and maintained as to conform to noise standards as approved by FIS from time to time.

121. Painting of motor vehicles.—(1) No motor vehicle shall be painted in olive green colour except those belonging to Defence Department.

(2) No contract carriage other than a tourist vehicle covered by permit under sub-section (9) of section 88 shall be painted in the manner specified in sub-rule 11 of rule 128.

(3) No goods carriage other than a goods carriage covered by national permit shall be painted in the manner specified in sub-rule (1) of rule 90.

Chassis number and engine number.

122. Embossment of the chassis number and engine number and date of manufacture.—(1) On and from the date of commencement of this rule, the manufacturer of every motor vehicle shall cause the chassis of every motor vehicle to bear the identification number including month and year of manufacture embossed or etched on it. The embossing or etching shall be in the following manner :—

- (a) in vehicles having longitudinal numbers on rear side of the longitudinal number in a space between the front and rear axles covering an area not exceeding 250 millimetres by 30 millimetres in a row ;
- (b) in vehicles other than those having longitudinal numbers, on off-side near windscreen underneath the bonnet in the same manner referred to in clause (a);
- (c) in the case of motor cycles, on the steering column in a space not exceeding 150 millimetres by 20 millimetres;
- (d) in the case of three wheelers, below the centre of handle bar or steering wheel on permanent portion of a main structure or chassis frame ;
- (e) in the case of tractors and other vehicles where chassis frame or permanent structure is not involved, in the manner referred to in clause (a) underneath the driver's seat and clearly visible from the rear side of it without disturbing the driver's seat ;

- (f) in the case of trailer or semi-trailer having single axle, on the rear side of the longitudinal number above the centre of the axle in the manner referred to in clause (a) ;
- (g) in the case of trailer or semi-trailer having more than one axle, above the centre of the front axle in the manner referred to in clause (a);

Provided that in no case the height of the chassis number embossed or etched shall be less than one centimetre.

(2) Every engine or power unit of a motor vehicle shall bear a clear identification number and year and month of manufacturing embossed or etched in such a manner as to be clearly visible from outside.

Safety Devices

Safety devices for drivers, passengers and road users.

123. Safety devices in motor cycle.—No motor cycle shall be constructed without provision for a permanent hand grip on the side or behind the driver's seat and a foot rest and a protective device covering not less than half of the rear wheel so as to prevent the clothes of the person sitting on the pillion from being entangled in the wheel.

124. Safety standards of components.—On and from the date of commencement of this rule, no manufacturer of motor vehicles shall instal in a vehicle any component which does not conform to standards specified by the Bureau of Indian Standards (where such standard has been so laid down for the component) and every such manufacturer shall certify that every such part used in the motor vehicle complies with the standards relatable to such component laid down by the Bureau of Indian Standards

125. Safety belt, collapsible steering column auto-dipper and padded dash boards.—On and from the date of commencement of this rule, the manufacturer of every motor vehicle other than two wheelers and three wheelers, shall equip every such vehicle with :—

- (a) seat belt for the driver and for the person occupying the front seat,
- (b) a collapsible steering column, and
- (c) a padded dash board without any protruding knobs complying with the standards specified by the Bureau of Indian Standards.
- (d) auto-dipper.

126. Prototype of every motor vehicle to be subject to test.—On and from the date of commencement of this rule, every manufacturer of motor vehicles shall submit the prototype of the vehicle to be manufactured by him for test by the Vehicle Research and Development Establishment of the Ministry of Defence of the Government of India, or Automotive Research Association of India, Pune, or the Central Machinery Testing and Training Institute, Budni (MP), and such other agencies as may be specified by the Central Government for certification by that Establishment as to the compliance of provisions of the Act and these Rules.

127. Quality certificate by manufacturer.—On and from the date of commencement of this rule, the sale of every motor vehicle manufactured shall be accompanied by a certificate of road worthiness issued by the manufacturer in Form 22.

Special Provisions.

128. Tourist vehicles other than motor cabs, etc.—A tourist vehicle other than motor cab, maxi-cab, campers van house trailer, shall conform to the following specifications, namely :—

(1) Principal dimensions :—

Length not exceeding 10.5 metres ;

Width not exceeding 2.5 metres .

Rear overhang not exceeding 60 per cent of the base ;

Overall height-not exceeding 3.5 metres ;

Interior clear height in the gangway—not less than 1.35 metres ;

Provided that the State Government or any authority authorised in this behalf by the State Government if it is satisfied that it is necessary because of the nature of any road or bridge or in the interest of public safety may prohibit or restrict the operation of a tourist vehicle in a specified route or area unless such a vehicle complies with the requirements specified by the State Government for such a route or area.

(2) Structure.—Structure of the tourist vehicle should be sturdy and strong structural frame work using suitable material of adequate sectional area and a aerodynamical shape. For exterior panelling, aluminium sheet or good quality panelling material should be used. As regards interior panelling it should cover the entire interior roof, sides, back and bulk head portions. The body should be made completely leak proof and dust proof. The vehicle should also be rattle proof. Sound deadening should also be done for all panelling including the floor.

(3) Passenger entrance and exit.—Passenger entrance cum exit door shall be located as far in the front ahead of the front axle in respect of vehicles having adequate front overhang. If adequate front overhang is not there, the door may be located at the rear behind the rear axle. Where door is located behind the rear axle, minimum door opening should be 685 millimetres. The door handle should be capable of being handled from inside as also from outside. The doors may be pneumatically operated with suitable locking devices.

(4) Emergency Doors.—Emergency exit in the form of a door, hinged in the front, shall be provided on the off side of the tourist vehicle and shall be capable of being operated both from inside and the outside of the tourist vehicle, or where it is not practicable to have such a door, an emergency exist from the rear window screen may be provided, hinged at the top.

The emergency exist shall be prominently identified in red letters, "Emergency Exit" from the inside ;

(5) Driver entry and exit.—A separate door with suitable sliding window shall be provided for the driver near the driver seat.

(6) Wind screen.—(i) Front wind screen shall be of clear view and distortion free, with safety glass and shall be of full width of the tourist vehicle. If made in two halves, the width of the centre vertical joint, inclusive of the rubber glazing, fitment of the front windshield shall be such as to enhance the elegance of the tourist vehicle.

(ii) Rear wind screen shall be of safety glass or laminated safety glass. It shall match with the windows provided on the vehicle. Sliding curtains shall be provided on the rear wind screen.

(7) Windows.—Windows of tourist vehicles should have a minimum space of 14.25 millimetres and shall be of safety or laminated safety glass.

Windows shall be of double sliding type slider running smoothly in channels without rattle. All safety or laminated safety glasses used for windows should conform to standards laid down by the Bureau of Indian Standards. Windows shall be provided with sliding curtains.

(8) Ventilation.—Adequate arrangements shall be provided for ventilation for the passenger compartment as well as the driver compartment. All ventilators and windows shall be such that when closed they will not permit ingress of rain water or dust in the passenger or driver compartment.

(9) Luggage.—(i) Luggage holds shall be provided at the rear or at the sides, or both, of the tourist vehicle with sufficient space and size, and shall be rattleproof, dust proof and waterproof with safety arrangements;

(ii) The light luggage racks, on strong brackets shall be provided inside the passenger compartment running along the sides of the tourist vehicle. Except where nylon netting is used, the under side of the rack shall have padded upholstery to protect the passengers from an accidental hit. The general design and fitment of the rack shall be so designed as to avoid sharp corners and edges.

(10) Seats and seating arrangements.—(i) The seating capacity shall not exceed 35 passengers excluding the driver and the attendant.

(ii) Seating layout shall be two and two on either side, all seats facing forward, with a clear gangway of at least 355 millimetres width at the centre. Each passenger seat shall have a minimum area of 457 millimetres × 457 millimetres and an arm rest on both sides and seat back of full height.

(iii) The seat frames shall be sturdy, properly finished and so mounted as to transfer the weight directly to the structural members of frame-work. The seats shall be of reclining type and adjustable.

(iv) The seats shall be so mounted as to provide at least 280 millimetres leg room from the front of the rear seat to the back of the front seat. A foot rest at suitable location and height shall be provided for every passenger.

(11) Painting and Finishing.—The tourist vehicle shall be painted in a manner referred to in sub-rules (7) & (8) of rule 85.A in white colour with a blue ribbon of five centimetres width at the centre of the exterior of the body.

(12) Lighting.—(i) (a) Passenger compartment shall be adequately illuminated.

(b) Arrangement shall be provided to eliminate reflection of the light from the passenger compartment on the windscreen.

(c) In addition to the lights in passenger compartment, at least two night-lights with coloured domes, shall be provided in the passenger compartment.

(ii) Front and rear destination boxes, if provided, shall be illuminated.

(iii) One independently operated light fitting shall be provided for illumination of the driver's or attendant's seat area.

(iv) A light fitting shall be provided for illuminating the steps at the passenger entrance door.

(v) Each luggage hold shall have a light fitting for illumination of that hold.

(vi) Wiring in the passenger compartment shall be with low tension cable conforming to IS : 2465, of size commensurate with the estimated current loading. The wires shall be carried in PVC sleeveings or conduit or casing of adequate size. When any wire passes through a hold in a panel or sheet or metallic components, a rubber gromet of adequate size shall be provided for protection of the insulation.

(13) Fittings and accessories.—A tourist vehicle shall be equipped with the following, namely :—

(i) Convex rear view mirrors one on each side, universally adjustable and of adequate dimensions.

(ii) First-aid box with glazed front, with necessary medicines for first-aid.

(iii) Fire extinguisher, dry powder type located near the engine compartment.

(iv) Insulation on interior or exterior of the engine bonnet for reducing the noise and heat from the engine.

- (v) Provision for locating vehicle tools securely.
- (vi) Heavy duty windscreen wiper system.
- (vii) Adjustable sunvisors of adequate size for the driver and for the attendant.
- (viii) Electrically operated wide indicators or blinkers, stop lights and parking lights.
- (ix) Dual head lamps.
- (x) Suitable illumination for the registration number plate at the rear.
- (xi) Horn.
- (xii) Electric fans, of 8 inches sweep adjustable, at least eight in numbers, suitably spaced in the passenger compartment and controlled by switches located near the seat.
- (xiii) Electric bell or buzzer located near the seat of driver or attendant and operated by at least four push button controls placed at suitable location in the passenger compartment.
- (xiv) Ash trays near passenger seats of a design convenient for cleaning them at intermediate stops of the tourist vehicle.
- (xv) Drinking water and ice box.
- (xvi) Rack for magazines and other reading material.
- (xvii) Back pockets and numbers for each seat.
- (xviii) Public address system with at least four speakers suitably located in the passenger compartment.
- (xix) Document, frame, located near the seat of driver, for carrying vehicle documents, tax token, licence and permit.
- (xx) Mud flaps for front and rear wheels.

129. Transportation of goods of dangerous or hazardous nature to human life.—Every owner of a goods carriage transporting any dangerous or hazardous goods shall, in addition to complying with the provisions of any law for the time being in force in relation to any category of dangerous or hazardous goods, comply with the following conditions, namely :—

- (i) every such goods carriage carrying the same type of dangerous or hazardous goods (whether in bulk or in packages), shall display a distinct mark of the class label appropriate to the type of dangerous or hazardous goods specified in column 3 of the Table-I to rule 137;
- (ii) in the case of packages containing goods listed in Table III in rule 137 and which represents two hazards as given in column

2 thereof such packages shall display distinct labels to indicate both the hazards;

- (iii) Every package containing dangerous or hazardous goods shall display the distinct class level appropriate to the type of dangerous or hazardous goods specified in column 3 of the Table I to rule 137.

130. Manner of display of class labels.—(1) Where a class label is required to be displayed on a vehicle, it shall be so positioned that the size of the class label is at an angle of 45 degrees to the vertical and the size of such label shall not be of less than twenty-five millimetres square which may be divided into two portions, the upper half portion being reserved for the pictorial symbol and the lower half for the text.

Provided that in the case of smaller packages a suitable size of the label may be adopted.

(2) Where the class label consists of adhesive material, it shall be water-proof and where it consists of metal or other substance on which the pictorial symbol and the text are printed, painted or affixed, they shall be affixed directly on such material and in every case, the surface of the vehicle surrounding the label shall be of a colour that contrasts vividly with the background of the class label.

(3) Every class label displayed on a vehicle shall be positioned in such a manner that it does not obscure any other markings required to be displayed under any other law.

(4) Every goods carriage carrying any dangerous or hazardous goods shall display the class label both in the front and in the rear in a conspicuous manner.

131. Consignor to supply information about dangerous or hazardous goods.—(1) Every consignor intending to transport any dangerous or hazardous goods are loaded, supply to the owner of the goods carriage full and adequate information about such dangerous or hazardous goods so as to enable such owner and its driver to —

- (a) comply with the requirements of rules 129 to 137; and
- (b) be aware of the risks created by such goods to the health or safety of any person.

(2) It shall be the duty of the consignor to ensure that the information is accurate and sufficient for the purposes of complying with the provisions of the rules 129 to 137.

132. Owners of the goods carriage to specify classification of dangerous or hazardous goods.—(1) Every owner of a goods carriage transporting

any dangerous or hazardous goods shall, before undertaking the transportation of such goods in his goods carriage, satisfy himself that the information given by the consignor is full and accurate in all respects and correspond to the classification of such goods specified in rule 137.

(2) The owner of the goods carriage shall ensure that the driver of such carriage is giving all the relevant information in writing as in annexure V to these rules in relation to the dangerous or hazardous goods entrusted to him for transport and satisfy himself that such driver has sufficient understanding of the nature of such goods and the nature of the risks involved in the transport of such goods and is capable of taking appropriate action in case of an emergency.

(3) The driver of a goods carriage transporting dangerous or hazardous goods shall ensure that the information given to him in writing under sub-rule (2) is kept in the driver's cabin and is available at all time while the dangerous or hazardous goods to which it relates are being transported.

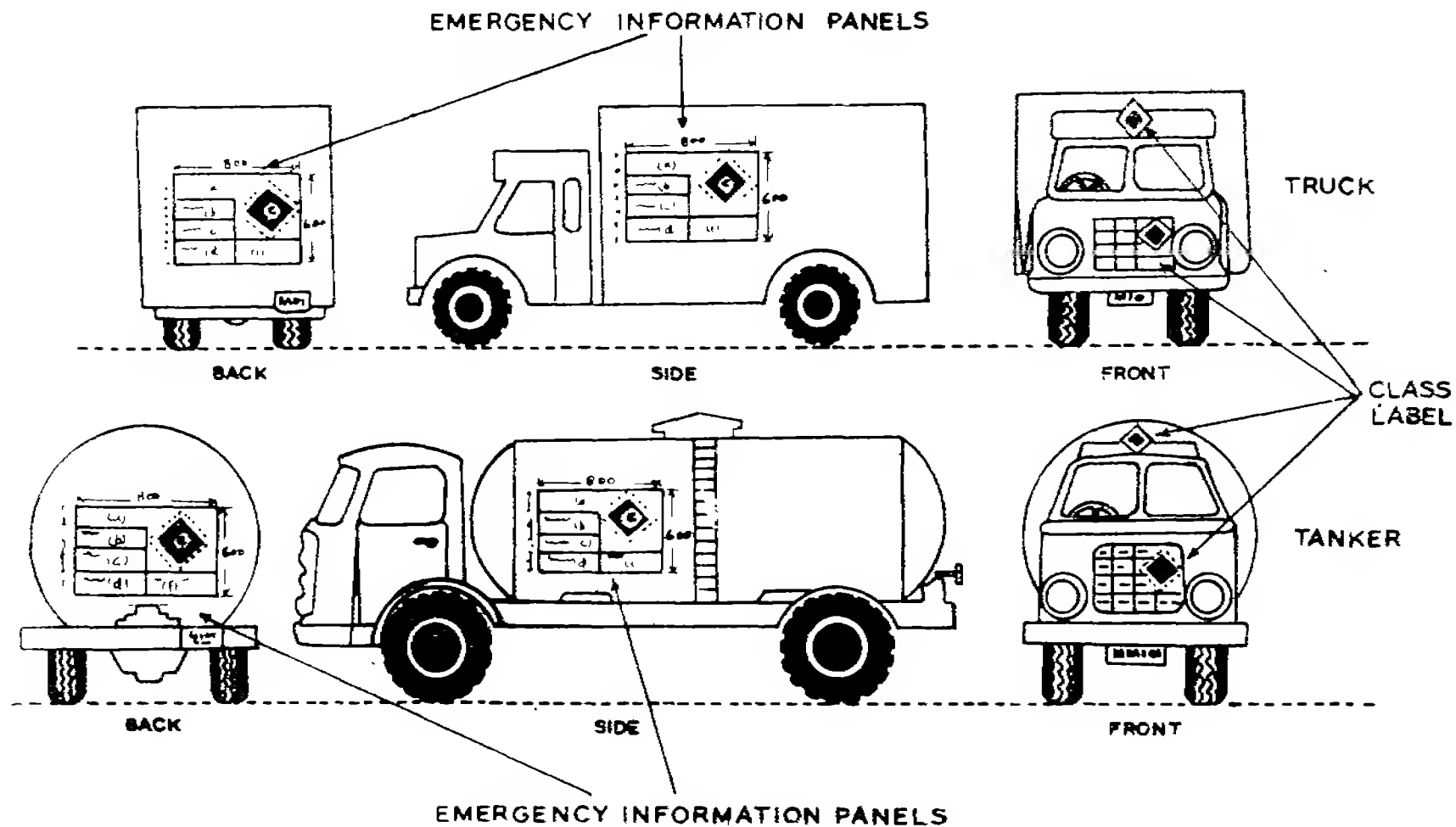
133. Driver to take precautions.—Every driver of a goods carriage transporting any dangerous or hazardous goods shall, observe at all times all the precautions necessary, for preventing fire, explosion or escape of dangerous or hazardous goods carried by him while the goods carriage is in motion and when it is not being driven, he shall ensure that

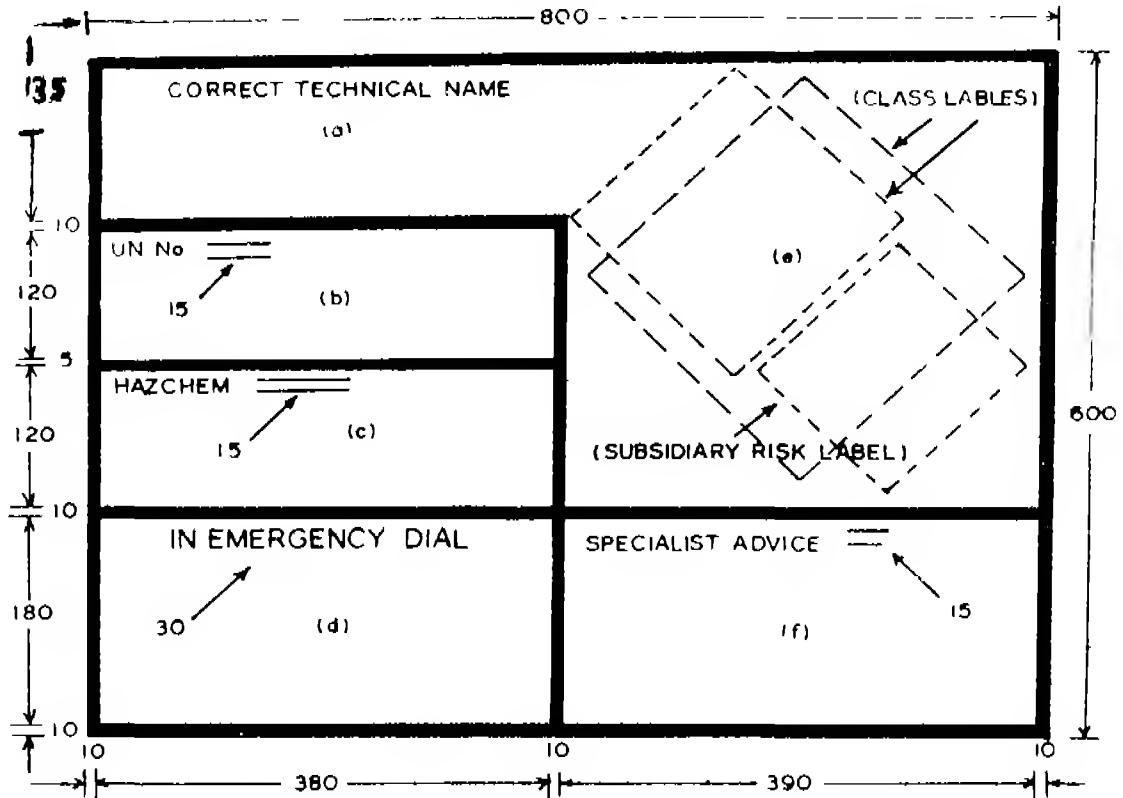
the goods carriage is parked in a place which is safe from fire, explosion and any other risk and is at all times under the control and supervision of himself or some other competent person above the age of eighteen year.

134. Emergency information panel.—Every goods carriage used for transporting any dangerous or hazardous goods shall be legibly and conspicuously marked with an emergency information panel in each of the three places indicated in the Table below and such panel shall contain the following information, namely:—

- (i) the correct technical name of the dangerous or hazardous goods in letters not less than 50 millimetres high;
- (ii) the class label of the dangerous or hazardous goods of the size of not less than 260 millimetres square;
- (iii) the name and telephone number of the emergency services to be contracted in the event of fire or any other accident in letters and numerals that are not less than 50 millimetres high and the name and telephone number of the consignor of the dangerous or hazardous goods or of some other person from whom export information and advice can be obtained concerning the measures that should be taken in the event of an emergency involving such goods.

TABLE
PLACES FOR FIXING EMERGENCY INFORMATION PANELS
ON VEHICLES & DIMENSIONS





(All dimensions are expressed in millimetres)

(2) Every class label and emergency information panel shall be marked on the goods carriage and shall be kept free and clean from obstructions at all times.

135. Driver to be instructed : The owner of every goods carriage transporting dangerous or hazardous goods shall ensure to the satisfaction of the consignor that the driver of the goods carriage has received adequate instructions and training to enable him to understand the nature of the goods being transported, by him, the nature of the risks raising out of such goods, precautions he should take while the goods carriage is in motion or stationary and the action he has to take in case of any emergency.

136. Driver to report to police station about accident :—The driver of a goods carriage transporting any dangerous or hazardous goods shall, on the occurrence of any accident involving any dangerous or hazardous goods transported by his carriage, report forthwith to the nearest police station.

137. Class labels :—In respect of the dangerous or hazardous goods specified in column (2) of the Teble below, the labels specified in the corresponding entry in column (3) shall be the class labels, namely:—

TABLE-1

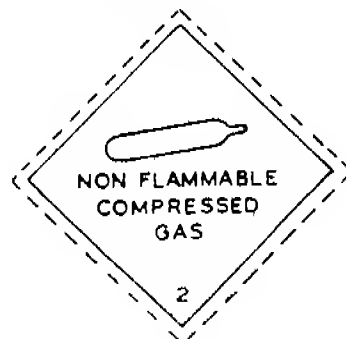
Sl. No.	Classification of goods	Class label
(1)	(2)	(3)

1. Explosives



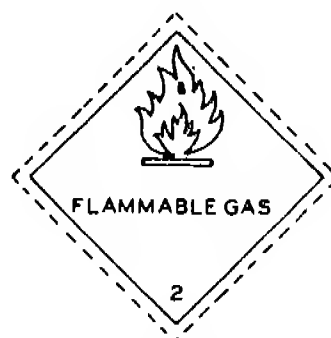
Symbol (exploding bomb) black : Background: orange

- | (1) | (2) | (3) |
|-----|--------------------------------------------------------------------------------|-----|
| 2. | Gases, Compressed, liquified, dissolved under pressure or deeply refrigerated. | |



Non-flammable Gases

Symbol (Gas cylinder) : black
or white : Background : Green



Inflammable Gases Symbol (Flame) Black
or white Background : Red

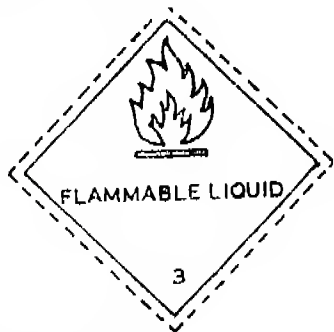


Poison (toxic) Gases

Symbol (Skull & Crossbones) Black
Background : White

(1)	(2)	(3)	(1)	(2)	(3)
-----	-----	-----	-----	-----	-----

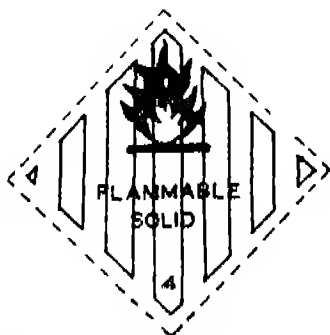
3. Inflammable liquids.



Inflammable liquids

Symbol (flame) : black or white : Background: red

4. Inflammable solids, substances liable to spontaneous combustion; substances which, on contact with water, emit inflammable gases.



Division 4.1

Inflammable solids

Symbol (Flame) : black:

Background : white with vertical red stripes



Division 4.2

Substances liable to spontaneous combustion

Symbol (flame) : black:

Background: upper half white
lower half red



Division 4.3

Substances which in contact with water, emit inflammable gases

Symbol (flame) : black or white :

Background: blue

5. Oxidizing substances :

Organic peroxides.



Division 5.1

Oxidizing substances



Division 5.2

Organic peroxides

Symbol (flame over circle) : Black : Background: yellow

6. Poisonous (toxic) and infectious substances.



Division 6.1

Poisonous (toxic) substances

Symbol (skull and crossbones)

black : Background: white



Division 6.2

Infectious substances

The bottom half of the label should bear:
 Infectious Substance (Optional) and the Inscription "In case of damage or leakage immediately notify Public Health authority* (optional) :
 Symbol (three crescents superimposed on a circle) and Inscription : black; Background white



Division 6.1

Poisonous (toxic) substances

The bottom half of the label should bear the inscription :

HARMFUL

Stow away from foodstuffs

Symbol (St. Andrew's Cross over an ear of wheat) : black : Background: white

7. Radioactive substances.



Radioactive substances

Symbol—3 segments of a circle—a number and lettering of the Class label shall be black on a white background and the parallel lines bordering the Class label shall be black and shall be 5 mm thick.

1

2

3

(b) Flammable chemicals :

8. Corrosives.



Corrosives

Symbol (liquids spilling from two glass vessels and attaching a hand and a metal) : black:

Background: upper half white lower half black with white border

Table II—Indicative Criteria

(a) Toxic chemicals :

Chemicals having the following values of acute toxicity and which, owing to their physical and chemical properties, are capable of producing major accident hazards.

LD ₅₀ (oral)* (mg/kg body weight)	LD ₅₀ (cutaneous)+ (mg/kg body weight)	LC ₅₀ % (mg/l inhalation)	* LD ₅₀ oral in rats + LD ₅₀ cutaneous in rats or rabbits % LC ₅₀ by inhalation (four hours) in rats
LD ₅₀ = 5 to =/ 200	LD ₅₀ = 10 to =/ 400	LC ₅₀ = 0.1 to =/ 2	

(i) flammable gases ; chemicals which in the gaseous state at normal pressure and mixed with air become flammable and the boiling point of which at normal pressure is 20° or below ;

(ii) highly flammable liquids: chemicals which have a flash point lower than 21°C and the boiling point of which at normal pressure is above 20°C.

(iii) flammable liquids ; chemicals which have a flash point lower than 55°C and which remain liquids under pressure, where particular processing conditions, such as high pressure and high temperature, may create major accident hazards.

(c) Explosives :

Chemicals which may explode under the effect of flame or which are more sensitive to shocks or friction than dinitrobenzene.

TABLE III—List of Hazardous & Toxic Chemicals

Chemical (Column 1)	Hazard Classification (Column 2)		
ACETALDEHYDE	T	F	
ACETIC ACID	C		
ACETONE		F	
ACETONE CYANOHYDRINE (2-CYANOFROFAN-2-OL)†	T		
ACETONITRILE	T	F	
ACETYL CHLORIDE	C	F	
ACETYLENE (ETHYNE)		F	R
ACROLEIN (2-PROPENAL)	I	F	
ACRYLONITRILE	T	F	
ALDICARB	T		
ALLYL ALCOHOL (2-PROPEN-1-OL)	T	I	

1	2
ALLYLAMINE	T F
AMINODIPHENYL,-4	T
AMITON	T
AMMONIA	T
AMMONIUM NITRATES ¹	T F
AMMONIUM NITRATES IN FERTILIZERS ²	E R
AMMONIUM SULFAMATE	
AMYL ACETATE	T F
ANABASINE	T
ANILINE	T
ANISIDINE-P	T
ANTIMONY & COMPOUNDS	TC
ANTIMONYHYDRIDE (STIBINE)	T F
ARSENIC HYDRIDE (ARSINE)	T
ARSENIC PENTOXIDE, ARSENIC(V) ACID & SALTS	T
ARSENIC TRIOXIDE, ARSENIOUS (III) ACIDS & SALTS	T
AZINPHOS-ETHYL	T
AZINPHOS-METHYL	T
BARIUM AZIDE	E
BENZENE	T F
BENZIDINE	T
BENZIDINE SALTS	T
BENZOYL PEROXIDE	T E
BENZYL CHLORIDE	T
BERYLLIUM (POWDERS, COMPOUNDS)	T
BIS (2, 46-TRINITROPHENYL) AMINE	T E
BIS (2-CHLOROETHYL, SULPHIDE)	T
BIS (CHLORODIMETHYL) ETHER	T
BIS (tert-BUTYLPHROXY, BUTANE, 2-2)	R
BIS (tert-BUTYLPEROXY) CYCLOHEXANE-1, 1.	R
BORON & COMPOUNDS	T
BROMINE	T
BROMOFORM	T
BUTADIENE-1,3	R
BUTANONE-2	T R
BUTYL ALCOHOL	T R
BUTYL PEROXYACETATE--tert	R
BUTYL PEROXYISOBUTYRATE, tert	R
BUTYL PEROXYISOPROPYL CARBONATE, tert	R
BUTYL PEROXYMALEATE, tert	R R
BUTYL PEROXYPIVALATE, -tert	R R
BUTYLAMINE	C R
CADMIUM & COMPOUNDS	T

1	2
CADMIUM OXIDE (fumes)	RT
CAMPHOR	F
CARBARYL (SEVIN)	T
CARBOFURAN	T
CARBON DISULPHIDE	T F
CARBON MONOXIDE	T F
CARBON TETRACHLORIDE	T
CARBOPHENOTHION	T
CELLULOSE NITRATE	E F
CHLORATES (used in explosives)	E
CHLORFENVINPHOS	T
CHLORINE	T
CHLORINE OXIDE	
CHLOROACET ALCHLORIDE	C
CHLOROBENZENE	T F
CHLORODIPHENYL	
CHLOROFORM	T
CHLOROFORMYL, -4, MORPHOLINE	T
CHLOROMETHYL METHYL ETHER	T
CHLOROPRENE	T F
CHLOROSULPHONIC ACID	C
CHLOROTRINITROBENZENE	T E
CHROMIUM & COMPOUNDS	
COBALT & COMPOUNDS	T
COPPER & COMPOUNDS	T
DRIMIDINE	T
DROTONALDEHYDE	T F
DUMENE	
DYANOTHOATE	T
CYCLOHEXANE	F
CYCLOHEXANONE	T F
CYCLOHEXIMIDE	T
CYCLOPENTADIENE	T F
CYCLOTER RAMETHYLENETETRANITRAMINE	E
CYCLOTRIMETHYLENE TRINITRAMINE	E
DDT	T
DEMETON	T
DI-n-PROPYL PEROXYDICARBONATE	R
DI-sec-BUTYL PEROXYDICARBONATE	R
DIALIFOS	T
DIAZODINITROPHENOL	E
DIBENZYL PEROXYDICARBONATE	R
DICHLOROBENZENE-o	T
DICHLOROBENZENE-p	T

1	2
DICHLOROPHENOXY ACETIC ACID,-2, 4(2,4-D)	T
DICHLOROVOS (DDVP)	T
DIETHYL PEROXYDICARBONATE	R
DIETHYLAMINE	T
DIETHYLAMINE ETHANOL	T
DIETHYLENE GLYCOL DINITRATE	E
DIHYDROPEROXYPROPANE,-2, 2	R
DIISOBUTYRYL PEROXIDE	R
DIISOPROPYLAMINE	C F
DIMEFOX	T
DIMETHYL FORMAMIDE	T
DIMETHYL PHOSPHORAMIDOCYANIDIC ACID	T
DIMETHYL SULPHATE	T
DIMETHYLAMINE	
DIMETHYLANILINE	T
DIMETHYLCARBOMYL CHLORIDE	T
DIMETHYLNITROSAMINE	T
DIMNITROBENZENE	T
DINITORPHENOL, SALTS	T E
DINITROTOLUENE	
DINTRO-o-CRESOL	
DIOXANE	T F
DIPHACINONE	T
DISULFOTON	T
EPICHLOROHYDRINE	T F
EPN	T
ETHION	T
ETHYL ACETATE	F
ETHYL ALCOHOL	F
ETHYL AMINE	T
ETHYL BROMIDE	T
ETHYL CHLORIDE	T
ETHYL ETHER	
ETHYL MERCAPIAN	T F
ETHYL NITRATE	T E R
ETHYLENE CHLOROHYDRINE	T
ETHYLENE DIAMINE	C F
ETHYLENE DIBROMIDE (1.2-DIBROMOETHANE)	T
ETHYLENE GLYCOL DINITRATE	T E
ETHYLENE OXIDE	T F R
ETHYLENEIMINE	T F
FLUENETIL	T
FLUORIDE	T
FLUORO.4---,-2-HYDROXYBUTYRIC ACID & SALTS, ESTERS. AMIDES	T

1	2	
FLUOROACETIC ACID & SALTS, ESTERS, AMIDES	T	
FLUOROBUTYRIC ACID,—4, & SALTS, ESTERS, AMIDES	T	
FLUORODROTONIC ACID,—4, & SALTS, ESTERS, AMIDES	T	
FORMALDEHYDE	T	
FURFURAL	T	
GLYCONITRILE (HYDROSYACETONITRILE)	T	
GUANYL,—1,—4-NITROSAMINO GUANYL-1-TETRAZENE	E	
HEPTACHLOR	E	
HEXACHLORODIBENZO-p-DIOXINE,—1,2,3,7,8,9,		
HEXAMEHYLPHOSPHORAMIDE	T	
HEXAMETHYL,—3,3,6,6,9,9,—1,2,4,5,—TETROXACLONONANE		R
HEXZNITROSTILBENE,2,24,4,6,6,		E
HYDRAZINE	T	F
HYDRAZINE NITRATE		E
HYDROGEN		F R
HYDROGEN CHLORIDE (LIQUIFIED GAS)	T	
HYDROGEN CYANIDE	T	F
HYDROGEN FLUORIDE	T	C
HYDROGEN SELENIDE	T	
HYDROGEN SULPHIDE	T	F
IODINE		
ISOBENZAN	T	
ISODRIN	T	
ISOPROPYLAMINE	C	F
JUGLONE (5-HYDROXYNAPHTHALENE-1, 4-DIONE)	T	
LEAD (inorganic fumes & dusts)		
LEAD 2,4,6,—TRINITRORESORCINOXIDE (LEAD STYPHNATE)		E
LEAD AZIDE		E
LINDANE	T	
MALTEL ANHYDRIDE	T	
MANGANESE & COMPOUNDS		
MERCURY ALHYL		
MERCURYFULMINATE		E
MERCURY METHYL		
METHYL AUETATE		F
METHYL ACRYLATE	T	F
METHYL ALCOHOL		F
METHYL AMINE	C	F
METHYL BROMIDE (BROMODETHANE)	T	
METHYL CHLORIDE	T	
METHYL CHLOROFORM	T	F
METHYL CYCLOHEXENE		F
METHYL ETHYL KETONE PEROXIDE		R

1	2
METHYL ISOBUTYL KETONE PEROXIDE	R
METHYL ISODYANATE	T F
METHYL STYRENE	T F
METHYLENE CHLORIDE	T
METHYLENEBIS,-4.4 (2-CHLOROANILINE)	T
MEVINPHOS	T
MOLYBOENUM & COMPOUNDS	
MORPHOLINE	C F
N-METHYL-N, 2, 4, 6-N-TETRANITROANILINE	E
NAPHTHA (COAL TAR)	F
NAPHTYALENE	T
NAPHTHYLAMINE, -2	T
NICKEL & COMPOUNDS	T
NICKEL TETRACARBONYL	T F
NITROANILINE-p	T
NITROBENZENE	T
NITROCHLOROBENZENE-P	P
NITROETHANE	T F
NITROGEN DIOXIDE	T
NITROGEN OXIDES	T
NITROGLYCERINE	T E
NITROFRUFANE-1	T F
NITROFROFANE-2	T F
OLEUM	C
OO-DIETHYL S-ETHYLSULPHINYLMETHYL PHOSPHOROTHIOATE	T
OO-DIETHYL S-ETHYLSULPHONYLMETHYL PHUSPHORUTHIOATE	T
OO-DIETHYL S-ETHYLTHIOMETHYL PHOSPHOROTHIOATE	T
OO-DIETHYL S-IBOFROPYLTHIOMETHYL PHOSPHURODITHIOATE	T
OO-DIETHYL S-PROPYLTHIOMETHYL PHOFHORODITHIOATE	T
OXYDISULFUTON	T
OXYGEN (LIQUID)	O
OXYGEN DIFLUORIDE	T
OZONE	
PARAOXON (DIETHYL 4-NITROPHENYL PHOSPHATE)	T
PARATHION	T
PARATHION METHYL	T
PENSULFOTHION	T
PENTABORANE	T F
PENTACHLOROPHENOL	T
PENTAERYTHRITOL TETRANITRATE	T E
PERACETIC ACID	C R
PERCHLOROETHYLENE	T
PERCHLOROMETHYL MERCAPTAN	
PETANONE, 2, 4-METHYL	T F

1	2
PHENOL	T
PHORATE	T
PHOSAOETIM	T
PHOSGENE (CARBONYL CHLORIDE)	T
PHOSPHAMIDON	T
PHOSPHINE (HYDROGEN PHOSPHIDE)	T F
PHOSPHOROUS & COMPOUNDS	T F
PHTHALIC ANHYDRIDE	
PICRIC ACID (2, 4, 6-TRINITROPHENOL)	T E
PROMURIT	T
[1-(3, 4-DICHLOROPHENYL)-3-TRIAZENETHIOCARBOXAMIDE]	
PROPANESULTONE, 1, 3	T
PROPEN, -1, -2-CHLORO-1, 3-DIOL-DIACETATE	T
PROPYL ACETATE-n	F
PROPYL ALCHOHOL	F
PROPYLENE DICHLORIDE	
PROPYLENE OXIDE	R
PROPYLENEIMINE	T
PYRAZOXON	T
PYRIDINE	T F
QUINONE	
SELENIUM HEXAFLUORIDE	T
SODIUM CHLORATE	ERO
SODIUM HYDROXIDE	C
SODIUM NITRATE	T D
SODIUM PICRAMATE	T E
SODIUM SELENITE	T
STYRENE, 1, 1, 2, 2, -TETRACHLOROETHANE	T F
SULFOTEP	T
SULPHUR DICHLORIDE	T
SULPHUR DIOXIDE	T
SULPHUR TRIOXIDE	
SULPHURIC ACID	
TELLURIUM	
TELLURIUM HEXAFLUORIDE	T
TEPP	T
TETRACHLORODIBENZO-p-DIOXIN, —2, 3, 7, 8(TCDD)	T
TETRAETHYL LEAD	T
TETRAHYDROFURAN	T F

1	2
TETRAMETHYENEDISULPHOTETRAMINE	T
TETRAMETHYL LEAD	T
TETRANITRUMETHANE	
THALLIUM & COMPOUNDS	T
THIONAZIN	T
THIONYL CHLORIDE	C
THIRAM	T
TIRPATE	T
TOLUENE	T F
TOLUENE-2-4-DITSOCYANATE	T
TOLUIDINE-o	T
TRI, -1, (CYCLOHEXYL, STANNYL-1H-1, 2,4-TRAZOLE	T
TRIMINO, -1.3.5-2, 4.6-TRINITROBENZENE	T E
TRICHLORODETHYLENE	T
TRICHLOROME THANESULPHENIL CHLORIDE	T
TRIETHYLAMINE	C F
TRIETHYLENEMELAMINE	T
TRINITRUANILINE	T E
TRINITROANISOLE, -2, 4, 6	T E
TRINITROBENZENE	T E
TRINITROBENZOIC ACID	T E
TRINITROCRESOL	T E
TRINITROPHENETOLE, 2, 4, 5	T E
TRINITRORESORCINOL, -2, 4, 6 (STYPHNIC ACIT)	T E
TRINITROTOLOUENE	
TRIORTHOCRESYL PHOSPHATE	
TURPENTINE	
URANIUM & COMPOUNDS	T
VANADIUM & COMPOUNDS	T
VINYL CHLORIDE	T F
VINYL TOLUENE	T E
WARFARIN	T
XYLENE	T F
XYLIDINE	T
ZINC & COMPOUNDS	
ZIROONIUM & COMPOUNDS	F

C—CORROSSIVE

E---EXPLOSIVE

F—FLAMMABLE

O—OXIDISING

R—REACTIVE

T—TOXIC

CHAPTER VI

Control of Traffic

138. Signals and additional safety measures for motor cycle.—(1) The driver of motor cycle, shall make such signals and on such occasions as are specified in the regulations made under section 118.

(2) The driver of a motor cycle shall, in addition to the safety measures mentioned in sub-section (1) of section 128, comply with the requirements of rule 123.

139. Production of licence and certificate of registration.—The driver or a conductor of a motor vehicle shall produce certificates of registration, insurance, fitness and permit, the driving licence and any other relevant documents on demand by any police officer in uniform or any other officer authorized by the State Government in this behalf, and if any or all of the documents are not in his possession, he shall produce in person an extract or extracts of the documents, duly attested by any police officer or by any other officer or send it to the officer who demanded the documents by registered post within 15 days from the date of demand.

CHAPTER VII

INSURANCE OF MOTOR VEHICLES AGAINST THIRD PARTY RISKS

140. Definitions.—In this Chapter, unless the context otherwise requires,—

- (i) "accounting year" means the year commencing on the first day of April, and ending with the 31st day of March of the following year;
- (ii) "appoint list" means the list of foreign insurers and their guarantors maintained by the Central Government under these rules;
- (iii) "Authority" means the Central Government or a State Government or any local authority or any State Transport Undertaking, motor vehicles owned by whom have been exempted from the compulsory insurance under sub-section (2) of section 146,
- (iv) "bank" means a company which accepts, for the purpose of lending or investment, deposits of money from the public repayable on demand or otherwise, and withdrawal by cheque, draft, order or otherwise;

Explanation.—Any company which is engaged in the manufacture of goods or carries any trade and which accepts deposits of money from the public merely for the purpose of financing its business as such manufacturer or trader shall not be deemed to be a bank within the meaning of this clause;

- (v) "certificate of foreign insurance" means a certificate issued by a foreign insurer in Form 57 in compliance with these rules;
- (vi) "foreign insurer" means a person or firm carrying on the business of insurance incorporated or domiciled outside India and not

registered under the Insurance Act, 1938; (4 of 1938).

- (vii) "Fund" means the fund established under rule 151;
- (viii) "Government security" means a Government security as defined in the Public Debt Act, 1944 (18 of 1944);
- (ix) "guarantor" means an insurer who has guaranteed a foreign insurer in pursuance of these rules, and "guarantee", "guaranteed" and "guaranteeing" have corresponding meanings;
- (xi) "visitor" means a person bringing a motor vehicle into India and making only a temporary stay therein not extending to a continuous period of more than one year.

A. Inland Insurance

141. Certificates of insurance.—An authorised insurer shall issue to every holder of a policy of insurance, a certificate of insurance in Form 51 in respect of each such vehicle.

142. Cover notes.—(1) Every cover note issued by an authorised insurer shall be in Form-52.

(2) A cover note referred to in sub-rule (1) shall be valid for a period of sixty days from the date of its issue and the insurer shall issue a policy of insurance before the date of expiry of the cover note.

143. Issue of certificates and cover notes.—Every certificate of insurance or cover note issued by an insurer in compliance with the provisions of this Chapter shall be duly authenticated by such person as may be authorised by the insurer.

144. Transfer of certificate of insurance.—When the ownership of a motor vehicle covered by a valid insurance certificate is transferred to another person together with the policy of insurance relating thereto the policy of insurance of such vehicle shall automatically stand transferred to that other person from the date of transfer of ownership of the vehicle and the said person shall within fourteen days of the date of transfer intimate to the authorised insurer who has insured the vehicle, the details of the registration of the vehicle, the date of transfer of the vehicle, the previous owner of the vehicle and the number and date of the insurance policy so that the authorised insurer may make the necessary changes in his record

145. Exclusion of advertising matter.—No certificate of the insurance or cover note issued in pursuance of Chapter-XI of the Act and of this Chapter shall contain any advertising matter either on the face or on the back thereof;

146. Certificates or cover notes lost, destroyed, torn, soiled defaced or mutilated.—(1) Where the holder of a policy—

- (a) lodges with an authorised insurer a declaration in which he declares that a certificate of insurance or cover note issued to him by such insurer has been lost, destroyed, torn, soiled defaced or mutilated and sets out

full particulars of the circumstances connected with the loss or destruction of the certificate or cover note and the efforts made to find it; or

- (b) returns to the authorised insurer the certificate of insurance or cover note issued to him by such insurer in a torn, soiled, defaced or mutilated condition; and
- (c) pays to the insurer a fee of rupees twenty in respect of each such certificate or cover note, the authorised insurer shall, if satisfied that such certificate or cover note has been lost or destroyed and that all reasonable efforts have been made to find it, or that it has been destroyed or is soiled, defaced or mutilated, as the case may be, issue in lieu thereof a duplicate certificate of insurance or cover note with the word 'Duplicate' prominently endorsed to the effect.

(2) When a duplicate certificate or cover note has been issued in accordance with the provisions of sub-rule (1) on representation that a certificate or cover note has been lost, and the original certificate or cover note is afterwards found by the holder, the original certificate or cover note, as the case may be, shall be surrendered to the insurer.

147. Records to be maintained by authorised insurers.—Every authorised insurer shall keep a record of the following particulars in respect of every policy of insurance issued by him for a period of five years, namely :—

- (i) full name and address of the person to whom the policy is issued,
- (ii) in the case of a policy relating to a specified motor vehicle, the registration mark and the number such vehicle and in other cases, description of the vehicle covered ;
- (iii) the date on which the policy of insurance comes into force and the date of its expiry;
- (iv) the conditions subject to which the persons or classes of persons specified in the policy of insurance will be indemnified;
- (v) the number and date of issue of every certificate of insurance or cover note issued in connection with the policy of insurance;
- (vi) the date, if any, on which any duplicate certificate of insurance or cover note was issued;
- (vii) whether, after the issue of duplicate the original certificate of insurance was found and subsequently surrendered to the insurer and if so, on which date.

148. Records of exempted vehicles.—(1) In the case of a motor vehicle owned by any of the authorities specified in sub-section (2) of section 146 as also in the case of motor vehicles exempted under sub-section (3) of section 146, a certificate in Form 53 signed by a person authorised in that behalf by such authorities may be produced in evidence that the motor vehicle is not being driven in contravention of section 146.

(2) The authority referred to in sub-section (2) or exempted under sub-section (3) of section 146 shall keep a record of the motor vehicles owned by it in respect of which a policy of insurance has not been obtained and of any certificates issued by it under these provisions in respect of such

vehicles, and of the names and addresses of the persons to whom such certificates have been issued and of the cancellation of any such certificates.

149. Supply of information.—Any person, Authority or authorised insurer required under the provisions of this Chapter to keep records of documents shall furnish on request without any charge any particulars thereof to the Central Government or a State Government or to any policy officer authorised in this behalf by the State Government.

150. Furnishing of copies of reports to claims tribunal.—(1) The police report referred to in sub-section (6) of Section 153 shall be in Form 54.

(2) A registering authority or a police officer who is required to furnish the required information to the person eligible of claim compensation under section 160, shall furnish the information in Form 54, within seven days from the date of receipt of the request and on payment of a fee of rupees ten.

151. Establishment of fund.—Each of the authorities referred to in sub-section (3) of Section 146 shall establish a fund for meeting any liability arising out of the use of any motor vehicle of that authority or any person in its employment may incur to third parties including liability arising under the Workmen's Compensation Act, 1923 (8 of 1923).

152. Amount of the fund.—(1) The fund shall be established with an initial amount of not less than rupees five lakhs and the said amount shall be kept in deposit with a bank or the Government.

(2) Subject to the provisions of sub-rule (3), the authority shall pay into the fund at the beginning of each accounting year in respect of its vehicles in running condition a sum of not less than rupees two hundred per vehicle.

Explanation.—In this sub-rule "vehicles in running condition" means all the vehicles of the authority which are expected to be in operation at any time during the accounting year.

(3) When the fund exceeds rupees twenty lakhs or rupees two thousand and five hundred per vehicle for the entire fleet of vehicle, whichever is less, annual payment referred to in sub-rule (2) shall cease provided that if thereafter the amount at the credit of the fund falls below rupees twenty lakhs or rupees two thousand and five hundred per vehicle or the entire fleet of vehicle, whichever is less such annual payment shall again be resumed :

Provided that if any authority other than the Central Government is of opinion that the amount of rupees twenty lakhs or rupees two thousand and five hundred per vehicle for the entire fleet of vehicles, whichever is less, is not adequate it may, with the previous approval of the Central Government continue the annual payment beyond rupees twenty lakhs or two thousand and five hundred per vehicle as the case may be.

153. Investment of the fund.—From the amount of the credit of the fund the authority shall keep and maintain a cash deposit of not less than rupees

fifty thousand in the bank and the rest of the amount at the credit of the fund shall be invested in Government securities.

154. Securities held as a deposit in the fund.—

(1) All Government securities in which the fund is invested shall be transferred to the bank by the Authority.

(2) It shall be competent for the authority at any time to exchange the Government securities for cash or for other Government securities of equal or greater market value, or both, and the bank shall carry out the instructions issued by the Authority for such exchange after charging the usual commission to the Authority. The securities so exchanged shall also be transferred to the bank. Authority.

155. Deposit procedure.—(1) As soon as the fund is established, the bank shall send to the Authority a statement specifying the assets held by it on behalf of the Authority and shall also send a copy thereof to the Central Government in the Ministry of Surface Transport or the State Government concerned as the case may be.

(2) The statement referred to in sub-rule (1) shall be sent in the same manner and to the same authorities whenever there is a change in the assets of the authorities held by the bank.

156. Interest on deposits.—Interest realised on each deposit or the securities held in the fund shall be paid by the bank to the Authority

157. Withdrawal.—(1) No amount shall be withdrawn from the fund except for the purpose of meeting any liability arising out the use of any motor vehicle of the Authority which the Authority or any person in the employment of the Authority may incur to third parties including liability arising under the workmen's Compensation Act, 1923 (8 of 1923).

(2) The Authority shall, subject such conditions and restrictions as it may impose in this behalf, authorise one of its officers to draw money from the fund for the purpose mentioned in sub-rule(1).

(3) A copy of the authorisation referred to in sub-rule (2) duly authenticated by a competent officer of the Authority shall be sent to the bank which shall permit withdrawal only by the officer named in such authorisation subject to the conditions and restrictions contained therein.

158. Settlement of claims.—The Authority shall comply with such directions as the Central Government or the State Government as the case may be, may from time to time issue, with respect to the procedure to be followed for settlement of claims which are to be met out of the funds.

Foreign Insurance

159. List of foreign insurers.—(1) The Central Government shall publish in the official Gazette a list (hereinafter referred to as the approved list) of foreign insurers who have been guaranteed in accordance with the provisions of this Chapter,

together with the name of the guarantor or guarantors in a each case and shall also publish from time to time any addition to or removal from the approved list.

(2) No foreign insurer's name shall be added to the approved list until such foreign insurer has been guaranteed by at least one insurer and the name of the foreign insurer who ceases to have at least one guarantor shall be removed from the list.

160. Guarantor of foreign insurer (1) An insurer who desires to guarantee a foreign insurer shall make application therefor to the Central Government in Form 55.

(2) The Central Government may, if it is satisfied that the application referred to in sub-rule (1) is in order and that it is expedient that the foreign insurer be placed in the approved list or, where the name of the foreign insurer is already included in the approved list, that the insurer should be added to the approved list as guarantor of the foreign insurer, and the name of the foreign insurer to the approved list if it is not already included, and include the insurer as a guarantor of such foreign insurer.

(3) A guarantor desiring to cease guaranteeing a foreign insurer shall give notice of not less than two months to the Central Government in Form 56, and where such notice has been given, the guarantor shall be deemed to have ceased to guarantee the foreign insurer from the date specified in the notice :

Provided that the insurer shall be deemed, in respect of all certificates of foreign insurance endorsed or renewed in accordance with the provisions of sub-rule (2) of rule 161 before the date of such cessation, to continue as the guarantor of foreign insurer who has issued the certificate as if the guarantor had not ceased to be his guarantor.

(4) If at any time a guarantor ceases to be an insurer, the Central Government may, after giving such notice as may appear to it to be necessary, move from the approved list the name of such guarantor wherever it appears :

Provided that the guarantor who ceases to be an insurer shall be deemed, in respect of all certificates of foreign insurance endorsed in pursuance of the provisions of sub-rule (2) of rule 161 before the date of removal of the name of the guarantor from the approved list, to continue as the guarantor of the foreign insurer as if the guarantor had not ceased to be an insurer and as if his name had not been removed from the list.

161. Endorsement of certificate for foreign insurance.—(1) A visitor wishing to have a certificate of foreign insurance endorsed or re-endorsed shall produce such certificate in Form 57 before the Customs Collector at a port of entry or land customs post or to such other officer as the Central Government may, by notification in the Official

Gazette appoint, for the purpose of endorsement in accordance with the provisions of this Chapter or for the purpose of the renewal of any endorsement already made on the certificate in accordance with this Chapter.

(2) Such officer shall, if satisfied that the certificate of foreign insurance complies with the requirements of the provisions of this Chapter, that the period of validity of such certificate in India has not expired, that the certificate has been issued by a foreign insurer in the approved list and that the guarantor specified in the certificate is shown in the approved list as a guarantor of the foreign insurer, make an endorsement thereon in Form 58.

(3) The period validity of an endorsement or of the renewal of an endorsement made as aforesaid shall not in any case extend beyond the date on which the certificate of foreign insurance ceases to be effective in India :

Provided that when a visitor obtains a fresh certificate of foreign insurance during the period of his stay in India, the period of validity of an endorsement made upon it added to the period of validity of an endorsement or endorsements that may have been made upon the original certificate, shall not exceed one year in all.

16. Validity of certificate of foreign insurance.—A certificate of foreign insurance carrying an endorsement in accordance with the provisions of rule 161 shall have effect as if it were a certificate of insurance issued by the guarantor specified in it and shall be deemed to comply with the requirements of Chapter XI of the Act; and the policy to which it relates shall also be deemed to have been issued by such guarantor and to comply with the requirements of Chapter XI of the Act.

163. Maintenance of records by the guarantor.—Every guarantor shall in respect of certificates of foreign insurance issued under his guarantee by the foreign insurer whom he has guaranteed and every person who has ceased to be a guarantor shall, in

respect of the certificate of foreign insurance issued under his guarantee by the foreign insurer whom he had guaranteed at any time in the preceding five years, keep a record of such particulars relating to the policies in connection with which the certificates of foreign insurance were issued as are required to be kept by insurers under the provision of rule 147 in respect of policies, and the necessary additions to those records required to make them up to date shall be made as soon as is reasonably possible in the circumstances.

CHAPTER VIII

OFFENCES, PENAL TIES AND PROCEDURE

164. Offences for the purpose of section 208.—The offences for the purpose of sub-section (1) of section 208 shall be—

- (a) Driving during the period of disqualifications (section 23) ;
- (b) Failure to stop the vehicle when it is involved in an accident (section 132) ;
- (c) Obtaining or applying for a driving licence without giving particulars of endorsement (section 182) ;
- (d) Driving dangerously (section 184) ;
- (e) Driving while under the influence of drinks or drugs (section 185) ;
- (f) Abatement of an offence under section 184 or section 185 or section 188 ;
- (g) Taking part in unauthorised race or trial of speed of any kind (section 189) ;
- (h) Altering a driving licence or using an altered licence ;
- (i) Any other offence punishable with imprisonment in the commission of which a motor vehicle was used.

[File No. RT-11014/1/89-TAG]

B. R. CHAVAN, Jr. Secy.

FORMS

[See rule 2(b)]

FORM 1

[See rules 5, 7, 10(a) and 14 (d)]

Medical Certificate in respect of an applicant for obtaining a learner's licence/driving licence or renewal of a driving licence.

PART-I

Space for photograph of the size five centimetres by six centimetres.

(TO BE FILLED IN BY THE APPLICANT)

1. Name of the applicant
2. Son/wife/daughter of
3. Permanent address
4. Temporary address
- Official address (if any)
5. Date of birth
6. Identification marks: (1)
- (2)

Declaration as to physical fitness to be given by the applicant:

- (a) Do you suffer from epilepsy, or from sudden attacks of loss of consciousness or giddiness from any cause? Yes/No
- (b) Are you able to distinguish with each eye at a distance of 25 meters in good day light (with glasses, if worn)? Yes/No
- (c) Have you lost either hand or foot or are you suffering from any defect in movement, control or muscular power of either arm or leg? Yes/No
- (d) Can you readily distinguish the pigmentary colours, red and green? Yes/No
- (e) Do you suffer from night blindness? Yes/No
- (f) Are you so deaf as to be unable to hear (and if the application is for driving a light motor vehicle, with or without hearing aid) the ordinary sound signal? Yes/No
- (g) Do you suffer from any other disease or disability likely to cause your driving of a motor vehicle to be a source of danger to the public, if so, give details. Yes/No

I hereby declare that to the best of my knowledge and belief, the particulars given above and the declaration made herein are true.

Signature of the applicant.

Note : An applicant who answers 'Yes' to any of the questions (a), (c) (e), (f) and (g) or 'No' to either of the questions (b) and (d) should amplify his answers with full particulars, and may be required to give further information relating thereto.

PART-II

[To be filled in by a registered medical practitioner appointed for the purpose by the State Government or person authorised in this behalf by the State Government referred to under sub-section (3) of section 8]

1. Name of the Applicant
2. Son/Wife/Daughter of
3. Permanent address
4. Temporary address
5. Date of birth
6. Identification Marks (1)
(2)
7. (a) If the applicant to the best of your judgement subject to epilepsy, vertigo, or any mental ailment likely to affect this driving efficiency? Yes/No
- (b) Does the applicant suffer from any heart or lung disorder which might interfere with the performance of his duties as a driver ? Yes/No
- (c) Is there any defect of vision? If so, has it been corrected by suitable spectacle? Yes/No
- (d) Can the applicant readily distinguish the pigmentary colours, red and green ? Yes/No
- (e) Does the applicant suffer from a degree of deafness which would prevent his hearing the ordinary sound signals? Yes/No
- (f) Does the applicant suffer from night blindness? Yes/No
- (g) Has the applicant any deformity or loss of member which would interfere with the efficient performance of his duties as a driver? if so, give your reasons in detail Yes/No
- (h) Does he show any evidence of being addicted to excessive use of alcohol, tobacco or drugs? Yes/No
- (i) Does he suffer from attacks of loss of consciousness from any cause? Yes/No
- (j) Is he able to distinguish with each eye at a distance of 25 meters in good day light a motor car number plate? Yes/No

- (k) Is he suffering from any defect in movement control or muscular power of either arm or limb ? Yes/No
- (l) What is the height of the applicant? Do you consider that this height will be disadvantageous for him to have a clear vision of the road while driving? Yes/No
- (m) Is he a mentally ill person? Yes/No
- (n) Does he suffer from any other disease or disability likely to cause his driving a motor vehicle a source of danger to the public? Yes/No
- (o) Is he in your opinion generally fit as regards
 (i) bodily health
 (ii) eye sight
 (iii) mental ability; and
 (iv) hearing ability? Yes/No
- (p) Blood Group of the applicant _____
- (q) RH Factor of the applicant _____

I have examined the applicant. I am of the opinion, that he is not fit to hold a Driving Licence for the following reasons:—

Signature_____

Name and Designation of the
 Medical Officer_____

Date:.....

I certify that I have personally examined the applicant.....I also certify that while examining the applicant I have directed special attention to the distant vision and hearing ability, the condition of the arms, legs, hands and joints of both extremities of the Candidate and he is medically fit to hold a driving licence.

Signature_____

Name and Designation of the Medical
 Officer:.....

Date:.....

(SEAL)

 Signature of the candidate

- Note : (1) The Medical Officer shall affix his signature over the photograph in such a manner that part of his signature is upon the photograph and part on the certificate.
- (2) Particulars of the Gazette where the Medical Officer's appointment is notified with reference to sub-section (3) of section 8 of the Motor Vehicles Act, 1988 and the serial number in the list where his name appears.

- (p) Blood Group of the applicant —.....
- (q) RH Factor of the applicant

I have examined the applicant. I am of the opinion, that he is not fit to hold a Driving Licence for the following reasons:—

.....

.....

Signature.....

Name and Designation of the
Medical Officer.....

Date:.....

I certify that I have personally examined the applicant.....I also certify that while examining the applicant I have directed special attention to the distant vision and hearing ability, the condition of the arms, legs, hands and joints of both extremities of the candidate and he is medically fit to hold a driving licence.

Signature:.....

Name and designation of the
Medical Officer:.....

Date:.....

(SEAL)

Signature of the candidate.....

- Note : (1) The Medical Officer shall affix his signature over the photograph in such a manner that part of his signature is upon the photograph and part on the certificate.
- (2) Particulars of the Gazette where the Medical Officer's appointment is notified with reference to sub-section (3) of section 8 of the Motor Vehicles, Act, 1988 and the serial number in the list where his name appears.

FORM 2

[See rule 10]

Form of Application for the grant or renewal of Learner's Licence

To

The Licensing Authority,

.....
.....Space for photographs of the
size five centimetres by six
centimetresI hereby apply for a licence authorising me to drive as
a learner, the following motor vehicle(s):

- (a) Motor cycle without gear
- (b) Motor cycle with gear
- (c) Invalid carriage
- (d) Light motor vehicle
- (e) Medium goods vehicle
- (f) Medium passenger motor vehicle
- (g) Heavy goods vehicle
- (h) Heavy passenger motor vehicle
- (i) Road roller

Motor vehicle of the following description

.....
.....

Particulars to be furnished by Applicant

1. Full Name
2. Son/Wife/Daughter of
3. Permanent address
-
- Proof to be enclosed
4. Temporary address
-
- Official address (if any)
-

- Date of Birth (Proof of age to be enclosed)
6. Educational qualification
7. Identification mark(s) 1.
2.
8. Blood Group
RH factor
9. I hold an effective driving licence to drive
(a) Motor cycle/light motor vehicle/medium passenger motor vehicle/medium goods vehicle with effect from
10. Particulars of any driving licence previously held by applicant. Whether it was cancelled and if so, for what reason;
11. Particulars of any learners licence previously held up applicant in respect of the description of vehicle to which the applicant has applied
12. Have you been disqualified for holding or obtaining driving licence or learner's licence If so, for what reasons
13. I enclose 3 copies of my recent photograph (Photograph to be of the size of five centimetres by six centimetres)
14. I enclose medical fitness certificate dated.... issued by (doctor).....
15. I have submitted along with my earlier application for Learner's Licence/I enclose the written consent of parent/guardian (in the case of applicant being a minor)
16. I enclose driving certificate dated.....issued by.....
(Name and address of the driving school)
17. I have paid the fee of Rs.....
18. I am exempted from the Medical Test under rule 6 of Central Motor Vehicle Rules, 1989.
19. I am exempted from the preliminary test under Rule 11(2) of Central Motor Vehicle Rules, 1989.

*Strike out whichever is inapplicable

Date:

Signature of applicant

Duplicate signature of applicant.

Declaration under sub-section (2) of Section 7 of the Motor Vehicles Act, 1988

Shri/Kumari.....son/daughter of.....who is a minor is under my care and I accept responsibility for his/her driving. If at a later date I decide not to accept responsibility for his/her driving shall intimate the licensing authority in writing for the cancellation of the licence. I give my consent for his/her obtaining learner's licence.

Signature_____

Name and full address of the
Parent/guardian

Relationship.....

(To be signed in the presence of the Licensing Authority or person authorised in this behalf by the Licensing Authority)

For Office Use

*The applicant is exempted from the medical test under rule 6 and the preliminary test under rule 11(2) of the Central Motor Vehicle Rules, 1989.

Learner's Licence may be issued.

*The applicant was tested with reference to rule 11(1) of the Central Motor Vehicles Rules, 1989. He has passed the test. Learner's Licence may be issued.

*He has failed in the test. (Reasons should be specified).

Learner's Licence may be refused.

Signature of Licensing Authority or other person
authorised in this behalf.

*Strike out whichever is inapplicable.

FORM 3

[See rules 3(a), 13]

Learner's Licence

Space for
Photograph of
the size five
centimetres by
six centimetres.

Licence No.....Date.....

Name to be written across the photograph.

Specimen singature/Thumb impression of the holder of the licence.

Name

Signature and seal of the Licensing Authority.

2. Son/wife/daughter of

3. Date of Birth:

4. Blood Group and RH factor:

5. Present address—Permanent

Temporary/Official (if any)

6. Marks of identification

(1)

(2)

is licenced to drive throughout India as a learner subject to the provisions of rule 3 of the Central Motor Vehicles Rulet, 1989, a motor vehicle of the following description:

The holder of the licence has passed the medical test under rule 5 and the preliminary test referred to in rule 11(1) of the Central Motor Vehicles Rules, 1989.

The holder of the licence is exempted from the medical test under rule 6 and from preliminary test under rule 11(2) of the Central Motor Vehicles Rules, 1989.

This licence is valid from.....to.....

* Strike out whichever is in applocable.

Signature and designation of the
Licensing Authority.

Warning—

The attention of the holder of this licence is drawn to rule 3 of Central Motor Vehicles Rules, 1989 which prohibits him from driving any motor vehicle unless he hass besides him a person duly licensed to drive the vehicle and in every case, the vehicle carries "L" plates both in the front and in the rear of the vehicle.

FORM 4

[See rule 14]

Form of Application for Licence to drive a Motor Vehicle

To
The Licensing Authority
.....

Space for
photograph of
the size five
centimetres by
six centimetres.

I apply for a licence to enable me to drive vehicles
of the following description :

- (a) Motor cycle without gear
- (b) Motor cycle with gear
- (c) Invalid carriage
- (d) Light motor vehicle
- (e) Medium goods vehicle
- (f) Medium passenger motor vehicle
- (g) Heavy goods vehicle
- (h) Heavy passenger motor vehicle
- (i) Road roller
- (j) Motor vehicle of the following description.

Particulars to be furnished by the Applicant

1. Name
2. Son/Wife/Daughter of
3. Permanent address
(Proof to be enclosed)
4. Temporary address/Official address (if any)
5. Date of birth
(Proof to be enclosed)
6. Educational qualification
7. Identification Marks (1)
(2)
8. Blood Group and RH factor
9. Have you previously held driving licence
If so, give details.
10. Particulars and date of every conviction which
has been ordered to be endorsed on any
licence held by the applicant
11. Have you been disqualified for obtaining a
licence to drive? If so, for what reason?
12. Have you been subjected to a driving test as to
your fitness or ability to drive a vehicle in
respect of which a licence to drive is applied
for? If so, give the following details :

Date of Test

Testing Authority

Result of Test

- 1.
- 2.
- 3.
- 4.

13. I enclose three copies of my recent photograph of the size five centimeters into six centimetres (where laminated card is used no photographs are required).
14. I enclose the Learner's licence No.....dated.....issued by Licensing Authority.
15. I enclose the Driving Certificate No.....dated.....issued by... ..
16. I have submitted along with my application for Learner's Licence the written consent of parent/guardian
17. I have submitted along with the application for Learner's Licence/I enclose the medical fitness certificate.
18. I am exempted from the medical test under rule 6 of the Central Motor Vehicles Rules, 1989.
19. I am exempted from preliminary test under rule 11(2) of the Central Motor Vehicles Rules, 1989.
20. I have paid the fee of rupees.

I hereby declare that to the best of my knowledge and belief the particulars given above are true.

Note.—Strike out whichever inapplicable.

Date :.....

Signature/Thumb impression
of applicant.

Certificate of test of competence to drive.

The applicant has passed the test prescribed under rule 15 of the Central Motor Vehicles Rules, 1989. The test was conducted on (here enter the registration mark and description of the vehicle)..... on (date)

The applicant has failed in the test.

(The details of the deficiency to be listed out)

Date :

Signature of Testing Authority.
Full name and designation.

Two specimen signatures of applicant :

Strike out whichever is inapplicable.

FORM 5

[See rules 14(e), 17(1)(b) and 27(d)]

Driving Certificate issued by Driving School or Establishments

This is to certify that Shri/Smt./Kumari.....son/wife/daughter of.....residing at..... was enrolled in this school on..... and his/her name is registered as serial number..... in our register in Form 14 and that he/she has undergone the course of training in driving of

(mention class of vehicle)

according to the syllabus prescribed for a period fromto.....satisfactorily.

I am satisfied with his/her physical fitness and sense of responsibility.

Signature

Name and Designation

Name and address of the Driving School with Licence number and date of issue,

FORM 6

[See rule 16(1)]

(To be printed in Book Form of the size six centimetres into eight centimetres)

Form of Driving Licence

Name of the Licence Holder

Son/wife/daughter of

Photograph of the size
five centimetres into
six centimetres



Name to be written
across the photograph

(Part of the seal and signature of the Licensing
Authority to be on the photograph and part of
the driving licence).

Specimen signature/Thumb impression of the Holder
of the licence

Signature and designation of the
Licensing Authority.

Driving Licence Number

Date of issue

Name

Son/wife/daughter of

Temporary address/Official address (if any)

Permanent address

Date of birth

Educational qualifications

Blood group with RH factor

The holder of this licence is licensed to drive throughout India vehicles of the following description:—

Motor cycle without gear

Motor cycle with gear

Invalid carriage

Light motor vehicle

Medium goods vehicle

Medium passenger motor vehicle

Heavy goods vehicle

Heavy passenger motor vehicle

A motor vehicle of the following description.

The Licence to drive a motor vehicle other than
transport vehicle is valid from to

The licence to drive transport vehicle is valid from
..... to

Name and designation of the Authority
who conducted the driving test.

Signature and designation of the
Licensing Authority.

Authorisation to drive transport vehicle

Number.....

Date.....

Authorised to drive transport vehicle with effect from.....

Badge number.....

Signature

Designation of the Licensing
Authority.Name and designation of the authority who
conducted the driving test.

Space for addition of other classes of vehicles

Number.....

Date.....

Also authorised to drive the following class of or description of motor vehicles:—

Name and designation of the Authority who
conducted the driving test.

Signature and designation of Licensing Authority.

Date:

Space for renewal of driving licence.

The licence to drive motor vehicles other than
transport vehicles is hereby renewed.The licences to drive transport vehicles is hereby
renewed.

From.....to.....

From.....to.....

Signature of Licensing Authority

Signature of Licensing Authority

From.....to.....

From.....to.....

Signature of Licensing Authority

Signature of Licensing Authority

From.....to.....

Signature of Licensing Authority.

Space for endorsement by Court

Date	Section and Rule	Fine or other punishment.	Signature of the Endorsing Authority.

Space for endorsement by Licensing Authority.

Date	Proceedings number and date	Disqualification period From to	Signature of Licensing Authority

FORM 7

[See rule 16(2)]

Form of Driving Licence (Laminated Card Type)

Driving Licence No.

Date of issue :

Name :

Son/wife/daughter of :

Address :

Date of birth :

Blood Group with RH factor :

is licensed to drive throughout India vehicle of the following descriptions:

.....
.....
.....
.....

The licence to drive a motor vehicle other than transport vehicle is valid from.....
to.....

Photograph

The licence to drive transport vehicle is valid

from.....to.....

Specimen signature/thumb impression of the holder
of the licence.

Signature of the licensing Authority.

Date of first issue of driving licence

Class of vehicle:

Name and designation of the Authority

who conducted the driving test :

Dates on which additional vehicles were included :

Class of such vehicles :

Name and designation of the Authority who

conducted the driving test :

Badge Number.Number and date of authorisation to drive transport vehicle.

.....
.....
.....

FORM 8

[See rule 17(1)]

Application for the addition of a new class of vehicle to a driving licence

To

The Licensing Authority,

.....

I, Shri/Smt./Kumari.....hereby apply for the addition of the following class/
classes of motor vehicle to the attached licence :—

(a) Motor cycle without gear,

- (b) Motor cycles with gear,
- (c) Invalid carriages,
- (d) Light motor vehicles,
- (e) Medium goods vehicles,
- (f) Medium Passengers motor vehicles,
- (g) Heavy goods vehicles,
- (h) Heavy Passenger motor vehicles,
- (i) Road rollers,
- (j) Motor vehicle of the following description.

I enclose,

- (a) a Medical Certificate in Form 1,
- (b) Learner's Licence in Form 3.
- (c) Driving Licence in Form 6/7.
- (d) Driving certificate in Form 5 if the application is to drive a transport vehicle.
- (e) I have paid the fee of rupees.....

Dated.....19 ..

Signature or thumb impression of the applicant.

Certificate of test of competence to drive.

The applicant has passed/failed in the test specified in rule 15 of the Central Motor Vehicles Rules, 1989. The test was conducted on a.....(here enter description of vehicle) on date

Signature of Testing Authority,
Name and designation :

FORM 9

[See rule 18(1)]

Form of application for the renewal of Driving Licence

Space for photograph of
the size five centimetres by
six centimetres

I, Shri/Smt./Kumari.....Son/wife/daughter
of.....hereby apply for the renewal of my
driving licence which is attached and particulars of which are as follows :—

- (a) Number
- (b) Date of issue
- (c) Licensing Authority by which the licence was issued
- (d) Licensing Authority by which the licence was last
renewed
- No. and date of renewal
- (e) Class of vehicles authorised to be driven

- (f) Date of expiry of licence to drive
 (i) transport vehicle
 (ii) vehicles other than transport vehicles
 My present address is

If this address is not entered on the licence I do/do not wish that it should be so entered.

If the licence is not attached, reasons why it is not available ?

If the licence was not renewed within thirty days of the date of expiry, reasons for delay

The renewal of licence has not been refused by any Licensing Authority.

I have not been disqualified for holding or obtaining a driving Licence. My licence has not been revoked.

I enclose a Medical Fitness Certificate Form 1.

I enclose three copies of my recent photographs (5 cms. by 6 cms.)

I have paid the fee of Rs.

I hereby declare that to the best of my knowledge and belief the particulars given above are true.

Date

Signature or thumb impression of applicant.

Name

Address

FORM 10

[See rule 23(1)]

State Register of Driving Licence

1. (a) Driving licence number and date of initial issue :
 (b) Licensing Authority which issued the licence :
 (c) Name and designation of the officer who has taken driving test and the date of passing the test by the holder of the licence.
2. Name, address and other particulars of the holder of the driving licence :—
 (a) Name of the holder (with guardian's name, if minor)
 (b) Date of birth :
 (c) Educational qualifications :
 (d) Permanent address :
 (e) Temporary address/Official address (if any) :
 (f) Subsequent changes of addresses :
 (g) Class and types of vehicles for which licence is given :

- (h) Addition of vehicles (if any) with dates :
 (i) Date of expiry of the licence and further renewal
 (with details of licensing authority which renewed
 the licence) :
 (j) Details of disqualifications, fine, cancellation, etc.,
 in relation to the holder of the driving licence.

FORM 11

[See rules 24(1), 24(4) and 25]

Form of licence for the establishment of a Motor Driving School

Licence No.

Licence is hereby granted for the establishment of a school for imparting instructions in driving of
 motor vehicles specified below :—

- (a) Motor cycle,
 (b) Invalid Carriage,
 (c) Light motor vehicle,
 (d) Medium goods vehicles,
 (e) Medium passengers motor vehicle,
 (f) Heavy goods vehicle,
 (g) Heavy passengers motor vehicle,
 (h) Motor vehicles of the following description :

by
 (Name and address of the licence holder)

at
 (premises of the school)

the school being known as the subject

to the provisions of the Motor Vehicles Act, 1988 and the Central Motor Vehicles Rules, 1989.

The licence is valid from to

Dated

Licensing Authority

This licence is hereby renewed from to

.....
 Licensing Authority

FORM 12

[See rule 24(2)]

Form of application for a licence to engage in the business of imparting instructions in driving of
 Motor Vehicles

To

The Regional Transport Officer,

.....

.....

The undersigned hereby applies for obtaining a licence to run the business of imparting instructions in driving of motor vehicles :

1. Full name of the applicant :
2. Son/wife/daughter of :
3. Address :
4. Place where the applicant desires to start his business :
5. Nature and extent of facilities available, including list of books, films or video cassetes on road safety, etc. :
6. Qualifications of staff engaged for imparting instructions :
7. Make and model of engines and chassis available for imparting training regarding assembly and working of such engines and chassis.
8. Details of the registration marks of the vehicles used for imparting driving instructions. :
9. I have paid the fee of rupees.....

Dated :

Signature of the applicant.

FORM 13

[See rules 24(2) and 25]

Form of application for renewing a licence to engage in the business of imparting instructions in the driving of motor vehicles

To

The Regional Transport Officer,

.....

.....

The undersigned hereby applies for the renewal of a licence to run the business of imparting instructions in driving of motor vehicles.

1. Full name of the applicant :
2. Son/wife/daughter of :
3. Address :
4. Place of business :
5. Number of existing licences :
6. Date of issue :
7. Period of validity :

8. Whether the application has been made before the expiry of existing licence, if not the reasons for delay :
9. Whether the earlier licence was suspended/cancelled for any reason, details thereof such as date of suspension, reasons for such suspension/cancellation. Date of revocation of suspension/cancellation.
10. I have paid the fee of rupees.

Date :

Signature of the applicant

.....

FORM 14

[See rule 27(a) and (c)]

Register showing the enrolment of trainee(s) in the driving school establishments

Register for the year—

1. Enrolment number :
2. Name of the trainee with his photograph :
3. Son/wife/daughter of :
4. Address :
 - (a) Permanent address.
 -
 - (b) Temporary address.
 - official address.
 - (if any)
5. Date of birth
6. Class of vehicle for which training imparted.
7. Date of enrolment.
8. Learner's licence number, and date of its expiry
9. Date of completion of the course.
10. Date of passing the test of competence to drive.
11. Driving licence number and date of issue and the licensing authority which issued the licence.
12. Remarks.
13. Signature of the licence holder/Instructor.

FORM 15

[See rule 27(i)]

Register showing the driving hours spent by a trainee

Name of the school/establishment

Name of the trainee

Enrolment Number

Date of enrolment

Date	Hours spent in actual driving		Class of vehicle	Signature of the Instructor	Signature of the trainee
	From . . . hrs.	To hrs.			
1	2	3	4	5	6
1.					
2.					
3.					
4.					
5.					

FORM 16

[See rule 34(1)]

Form of application for grant or renewal of Trade Certificate

To
The Registering Authority,

.....

I/We hereby apply for issue of/renewal of a Trade Certificate(s) :—

1. Applicant's name
2. Son/wife/daughter of
3. Applicant's full address (proof to be attached)
4. Whether the applicant is a manufacturer or dealer in motor vehicles, approved repairer of vehicles, engaged in building bodies to vehicles, engaged in the business of hire purchase/lease/hypothecation of vehicles
5. Number of Certificates required
6. Class of Motor Vehicle(s) in respect of which each Certificate(s) is required
7. Amount of fee paid

8. If the application is for renewal, indicate the Trade Certificate No., date of issue and date of expiry in respect of which renewal is applied

DECLARATION

I/we do hereby declare that the Trade Certificate(s) is/are required by me/us for bona fide Trade purpose.

Place.....

Signature of the applicant

Date.....

Strike out whichever is inapplicable.

FORM 17

[See rule 35(1)]

Form of Trade Certificate

(To be printed in diameter shape of 70 millimeters)

TRADE CERTIFICATE

1. Serial number of Certificate
2. Full name and address of certificate holder
3. Trade number assigned in respect of the certificate
4. Class of motor vehicle in respect of which the certificate is to be used
5. Date of expiry of certificate
6. Amount of fee paid
7. Date stamp of office of issue

Station :

Date :

Registering Authority
of Region/State

Valid throughout India

SCHEDULE

Form of Folder for the Certificate

The folder shall be of metal and be weather proof. It shall be circular in shape and conform to the following dimensions :— ||

Circular pattern, without cross bars—certificate tray :

The certificate of standard pattern when cut along the outline of the outer of that two circles, shall fit neatly into a sheet-metal tray of suitable thickness, having a turned-up edge of sufficient depth to hold the licence and stout cover of transparent white glass.

Ring Cover : A circular ring of sheet-metal shaped to fit down closely in to the tray, and adopted for fixing by screws, bolts, or otherwise to the vehicle in the prescribed position. A rubber packing ring shall

be arranged to fit between the ring cover and the cover glass and tray so as to render the whole carrier weather-proof.

Dimensions : The aperture within the ring-cover shall clearly exhibit the whole of the certificate laying within the inner circle of the certificate and shall have a diameter of 10 cm.

FORM 18

[See rule 38(1)]

Intimation of loss or destruction of a trade Certificate and application for duplicate

To

The Registering Authority;

.....

.....

The Trade Certificate issued to me/us bearing number.....and valid up to.....has been mutilated/soiled/lost/destroyed* in the following circumstances and is not in my possession for the reasons specified below :—

I/We surrender the* mutilated/soiled trade certificate.

I/We hereby declare that to my/our knowledge the trade certificate has not been either suspended or cancelled under the provisions of the rules and that the above certificate is not in the use of any one else. I undertake to surrender, the trade certificate if it is found by me or restored to me.

I hereby deposit the fee of Rupees.....and apply for the issue of duplicate trade certificate.

Signature or thumb-impression
of the applicant

Address :

Dated

.....

*Strike out whichever is inapplicable

FORM 19

[See rule 43]

Register to be maintained by the holder of Trade Certificate

Date	Trade Certificate number and in case of vehicle registered, the registration number of the vehicle	Description of Motor Vehicle	Purpose for which vehicle sent out or brought	Driver's name Licence No. and address whether he is the employee of the holder of Trade Certificate	Hours of leaving the premises by the vehicle	Hours of return to premises by the vehicle	Mileage covered between the hours noted in columns (6) and (7)	Signature and designation of the person authorised by the holder
1	2	3	4	5	6	7	8	9

FORM 20

[See rule 47]

Form of Application for Registration of a Motor Vehicle

To

The Registering Authority,

.....

1. Full name of person to be registered as registered owner
Son/Wife/daughter of
2. Age of the person to be registered as Registered owner
(Proof of age to be attached)
3. Permanent address of the person to be registered as registered owner
(Evidence to be produced)
4. Temporary address of the person to be registered as registered owner
5. Name and Address of the Dealer or manufacturer from whom the vehicle was purchased
(Sales certificate and certificate of road worthiness issued by the manufacturer to be enclosed)
6. If ex-army vehicle or imported vehicle enclose proof. If locally manufactured Trailer/semi-trailer enclose the approval of design by the State Transport Authority and note the proceedings number and date of approval
7. Class of vehicle
(If motor cycle, whether with or without gear)
8. The motor vehicle is
(a) a new vehicle
(b) Ex-army vehicle;
(c) Imported vehicle;
9. Type of body
10. Type of vehicle
11. Maker's name
12. Month and Year of manufacture
13. Number of Cylinders
14. Horse Power
15. Cubic capacity
16. Maker's classification or if not known, wheel-base
17. Chassis number
(Affix pencil print)
17. Engine number
19. Seating capacity
(including driver)

20. Fuel used in the engine
21. Unladen weight
22. Particulars of previous registration and registered number
(if any)
23. Colour or colours of body, wings and front end

I hereby declare that the vehicle has not been registered in any State in India.

Additional particulars to be completed only in the case of transport vehicles other than motor cab.

24. Number, description and size
of tyres
- (a) Front axle
- (b) Rear axle
- (c) Any other axle
- (d) Tandem axle
25. Gross vehicle weight
- (a) as certified by the manufacturer Kgms
- (b) to be registered Kgms
26. Maximum axle weight
- (a) Front axle Kgms
- (b) Rear axle Kgms
- (c) Any other axle Kgms.
- (d) Tandem axle Kgms.
27. (a) Overall length
- (b) Overall width
- (c) Overall height
- (d) Over hang

The above particulars are to be filled in for a rigid frame motor vehicle of two or more axles for an articulated vehicles of three or more axles, or, to the extent applicable, for trailer, where a second semitrailer or additional semi-trailer are to be registered with an articulated motor vehicle. The following particulars are to be furnished for each such semi-trailer.

28. Type of body
29. Unladen weight
30. Number, description and size of tyres on each axle
31. Maximum axle weight in respect of each axle
32. The vehicle is covered by a valid certificate of insurance
under Chapter XI of the Act. Insurance Certificate or cover note
No.....dt.....
of.....(Name of Company)
33. The vehicle is exempted from Insurance. The relevant
order is enclosed. Valid from.....to.....
34. I have paid the prescribed fee of rupees

Date.....

Signature of the person to be
registered as Registered Owner.

Note :—The motor vehicle above described is—

- (i) Subject to hire purchase agreement/lease agreement with
- (ii) Subject to hypothecation in favour of
- (iii) not held under hire purchase agreement, or lease agreement or subject to hypothecation.

Strike out whatever is inapplicable. If the vehicle is subject to any such agreement the signature of the person with whom such agreement has been entered into is to be obtained.

Signature of the Owner

Signature of the person with whom an agreement of Hire purchase, lease or hypothecation has been entered into.

Specimen signature of the person to be registered as registered owner :

- (1)
- (2)
- (3)

CERTIFICATE

Inspected the vehicle

Certified that the particulars contained in the application are true and that the vehicle complies with the requirements of the Motor Vehicles Act, 1988 and the Rules made thereunder.

Signature of the Inspecting Authority

Name

Designation

(For office endorsement)

Ref. number Office of the

Dated

The bearing chassis number
and engine number has been assigned the registration
number and registered in the
name of
and the vehicle is subject to an agreement of hire purchase/lease/hypothecation

Registering authority

To

(Name and address of the financier)

By registered post or

deliver under proper acknowledgement.

FORM 21

[See rule 47(a) and (d)]

Sale Certificate

(To be issued by Manufacturer/Dealer or officer of Defence Department (In case of Military auctioned vehicles) for presentation along with the application for registration of a motor vehicle).

Certified that.....
 (Brand name of the vehicle)
 has been delivered by us to
 on..... (date)

Name of the buyer
 Son/Wife/daughter of
 Address (Permanent)
 (Temporary)

The vehicle is held under agreement of Hire Purchase/Lease/Hypothecation with.....

The details of the vehicle are given below :

1. Class of vehicle
2. Makers Name
3. Chassis Number
4. Engine Number
5. Horse Power or Cubic Capacity
6. Fuel used
7. No. of Cylinders
8. Month and Year of Manufacture
9. Seating capacity (including driver)
10. Unladen weight
11. Maximum axle weight and number and description
 of tyres (In case of Transport vehicle).
 (a) Front axle
 (b) Rear axle
 (c) Any other axle
 (d) Tandem axle
12. Colour or colours of the body
- 13.* Gross vehicle weight
14. Type of body

Signature of Manufacturer/Dealer
 or Officer of Defence Department.

Strike out whichever is inapplicable.

FORM 22

[See rules 47(g) and 127]

Initial Certificate of road worthiness
 (To be issued by the Manufacturer)

Certified that
 (Brand name of the vehicle)
 bearing chassis number and
 engine number complies
 with the provisions of the Motor Vehicles Act, 1988 and the rules made thereunder.

Signature of Manufacturer.

FORM 23

[See rule 48]

Form of Certificate of Registration

Registered number

Brief description of vehicle,
 (e.g. Fiat/Ambassador/Maruti Car, Tata Goods Vehicle, Ashok Layland Goods Vehicle, Trailer, Motor Cycle with/without gear, Motor Cycle with side car etc.)

Name of registered owner

Son/Wife/daughter of

Full address (Permanent)

Full address (Temporary)

Date Signature of Registering Authority

Detailed Description

1. Class of vehicle

The motor vehicle is —

(a) a new vehicle

(b) Ex-army vehicle

(c) Imported vehicle

(d) Migration from other States

2. Maker's name

3. Type of body

4. Month and Year of manufacture

5. Number of cylinders

6. Chassis number

7. Engine number

8. Fuel used in the engine

9. Horse power (B.H.P.)¹

10. Cubic capacity

11. Maker's classification

12. Wheel-base

13. Seating capacity
(including driver)

14. Unladen weight

15. Colour or colours of body, wings and front end.
 Additional particulars in the case of all transport
 vehicles other than motor cabs

16. Gross vehicle weight

(a) as certified by the manufacturer.....Kgms.

(b) as registeredKgms.

17. Number, description and size of type—

(a) front axle

(b) rear axle

(c) any other axle

(d) tandem axle

18. Registered axle weight

(a) Front axle(Kgms.)

(b) Rear axle(Kgms.)

(c) Any other axle(Kgms.)

(d) Tandem axle(Kgms.)

Additional particulars of alternative or additional trailer or semi-trailers registered with an articulated vehicle—

19. Type of body

20. Unladen weight

21. Number, description and size of tyres on
(each) axle

22. Registered axle weight (in respect of each axle)(Kgms.)

Specimen signature of the
registered owner, pasted
and attached by the
Registering Authority

This certificate is valid from.....to.....

Date.....19..... Signature of registering authority.

Note :—The motor vehicle above described is—

(i) subject to a hire-purchase agreement with.....

(ii) subject to lease agreement with

(iii) subject to hypothecation in favour of

(iv) is not held under hire purchase agreement/lease agreement/subject to hypothecation.

Date.....19..... Signature of registering authority.

This certificate is hereby renewed from
to the.....day of.....19..
the.....day of.....19..
the.....day of.....19..
the.....day of.....19..Date Signature of registering
authority.

Note :—

(i) This shall be in the form of a book having sufficient space for recording transfer of ownership, change of address, hire purchase endorsement, cancellation of hire purchase entries, alteration, suspension and cancellation of registration etc.

(ii) Strike out whichever is inapplicable.

(iii) Wherever transfer of ownership is recorded, specimen signature of the registered owner shall be pasted and attested by the Registering Authority.

FORM 24

[See rule 49]

Register of Motor Vehicle

Particulars	Details	Particulars of the registered owner/transfer of ownership/change of address	Particulars of agreement of hire purchase, lease and hypothecation	Entries of Remarks			
		Name.... Specimen Son/wife/ signature daughter of pasted and attested by Present the regis- address.... tering autho- rity with official seal affixed	Endorse- ment of such agree- ment with full name and address of the Financier, attested by Registering Authority	Cancellation of such agreement attested by registering authority	exemption granted, NOC issued/ suspension/ cancellation/ duplicate issued fresh certificate issued in the name of the financier, alteration, removal of vehicle to other State etc.		
1	2	3	4	5	6	7	8

1. Registration No.

2. Date of registration.

3. Name of the owner son/wife/daughter of

4. Full address
(Permanent)
(Temporary)

5. Particulars of Previous registration number
viz.—

(a) The name of the registering authority

(b) Registration number assigned.

	1	2	3	4	5	6	7	8
(c) Date of expiry of registration								
(d) Whether held under HP/lease/hypothecation.								
(e) If so, particulars of financier etc.								
6. The motor vehicle is —								
(a) a new motor vehicle								
(b) Ex-army vehicle								
(c) imported vehicle.								
7. Class of vehicle, of motor cycle whether with gear or without gear.								
8. Makers name								
9. Type of body.								
10. Month and Year of manufacture								
11. No. of cylinders.								
12. Chassis No.—Affix pencil point and to be attested by the Registering Authority.								
13. Engine No.								
14. Fuel used in engine								
15. Horse power								
16. Cubic capacity								
17. Makers classification								
18. Wheel base								
19. Seating capacity including driver								
20. Colour or colours of body, wings front end								
21. Unladen weight								
22. Gross vehicle weight								
(i) as certified by manufacturer .								
(ii) as registered....								

	1	2	3	4	5	6	7	8
23. Additional Particulars in case of transport vehicle other than motor cabs.								
1. No description and size of tyres.								
Front axle....								
Rear axle....								
Any other axle....								
Tandem axle....								
2. Registered axle weight								
Front axle....Kg.								
Rear axle....Kg.								
Any other axle....Kg.								
Tandem axle....Kg.								
24. Additional particulars of alternatives or additional trailer or semi-trailers registered with an articulated vehicle								
1. Type of body								
2. Unladen weight								
3. No. and description and size of tyres on each axle.								
4. Registered axle weight in respect of each vehicle.								
25. Insurance Certificate/Cover note								
No.....dated....								
valid from....								
to.....issued by								
(Name and address of the Insurance Co.)								
26. Rate of motor vehicle tax								
27. Validity of registration from....								
to ...renewal								
from....to....								

1	2	3	4	5	6	7	8
28. Name and designation of the Inspecting Officer who certified the vehicle as fit for registration.							
29. Name and designation and signature of the Registering Authority.							

FORM 25

[See rule 52(1)]

Form of application for renewal of Certificate of Registration of a motor vehicle, other than a transport vehicle.

To

The Registering Authority,

.....

I..... hereby apply for the renewal of the certificate of registration which is attached, the particulars of which are as follows:—

- (a) Registered number
- (b) Date of issue
- (c) Date of expiry
- (d) Registering authority by which the certificate was issued/last renewed

My present address is..... If this address is not entered in the certificate of registration, I do/do not wish that it should be so entered. The renewal of the certificate has not been refused by any registering authority.

I hereby declare that the certificate of registration has not been cancelled or suspended by any registering authority.

- 1. Class of vehicle
- 2. The motor vehicle was registered as
 - (a) a new vehicle
 - (b) Ex-army vehicle
 - (c) Imported vehicle
- 3. Type of body
- 4. Maker's name
- 5. Month and Year of manufacture
- 6. Number of Cylinders
- 7. Cubic capacity/Horse power
- 8. Maker's classification
- 9. Chassis number—Affix pencil print

10. Engine number
 11. Seating capacity (including driver)
 12. Unladen weight
 13. Fuel used

I enclose the certificate of insurance for perusal and return.

I have paid the fee of rupees....

Dated:—

Signature of the applicant

Note: The motor vehicle above described is not subject to an agreement of hire purchase, lease or hypothecation.

The vehicle is:

- *(i) Subject to hire purchase agreement/lease agreement with.....
- *(ii) Subject to hypothecation in favour of.....
- *Strike out whichever is inapplicable.

Signature of the registered owner.

Specimen signature of Registered Owner:

- 1.
- 2.
- 3.

CERTIFICATE

Inspected the vehicle—verified the chassis number and engine number.

Certified that the particulars contained in the application and the corresponding particulars declared in the certificate of registration of the vehicle are true and that the vehicle complies with the requirement of the Motor Vehicles Act, 1988 and rules made thereunder.

Signature of the Inspecting Authority.

Name

Designation.....

FORM 26

[See rule 53]

Intimation of loss or destruction etc. of the Certificate of Registration and application for the issue of duplicate Certificate of Registration.

(To be made in duplicate if the vehicle is held under an agreement of hire-purchase/hypothecation/lease and the duplicate copy with the endorsement of the Registering Authority to be returned to the Financer simultaneously on the issue of duplicate).

The Registering Authority,

.....

Sir,

The Certificate of Registration of my/our Motor Vehicle, the Registration Mark of which is..... has been lost/destroyed/completely written-off/soiled/torn/mutilated in the following circumstances.

I/We hereby declare that to the best of my/our knowledge the registration of the vehicle has not been suspended or cancelled under the provisions of the Act or rules made thereunder and the circumstances explained above are true.

I/We do hereby apply for the issue of a duplicate certificate of Registration.

The written off /soiled/torn/mutilated Certificate of registration is enclosed.

The vehicle is not held under any agreement of hire purchase/lease/hypothecation.

I/We have reported the loss to the Police Station on.....(date).

Date.....

Signature/thumb impression of applicant
along with full address.

Strike out whichever is inapplicable.

The vehicle is held under hire purchase/lease/hypothecation agreement with.....and the "No Objection Certificate" obtained from the financier is enclosed.

[Where "No Objection Certificate" is not enclosed applicants shall make a declaration as required under sub-section (8) of section 51]

Signature of the Owner

Name
Full Address

Specimen signature of the Owner.

(1)

(2)

Note : (1) Full particulars of the circumstances shall be furnished in the case of loss or destruction of the Registration Certificate.

(2) Strike out whichever is inapplicable.

For Office Endorsement

Number.....dated.....Office of the

A duplicate certificate of registration as requested above is issued with the note of agreement of hire purchase/lease/hypothecation on.....and is noted in the original registration records in Form 24.

Signature of the registering authority

To

.....
.....

(Name and address of the financier)

By registered post or delivered under proper acknowledgement.

FORM 27

[See rule 54]

Application for assignment of new registration mark on removal of a motor vehicle to another State.

(To be made in duplicate if the vehicle is held under an agreement of hire-purchase/lease/hypothecation and

the duplicate copy with the endorsement of the Registering Authority to be returned to the financier simultaneously, on the assignment of a new registration mark).

To

The Registering Authority,

I/We.....son/wife/daughter of.....
being the registered owner of Motor Vehicle No...
bearing chassis No.....engine No.....
 type of vehicle.....registered in the State of.....
hereby declare that I/we have, since the.....
 day of.....kept the said Motor Vehicle
 in this State and hereby apply for the assignment of a New Registration Mark to the said motor vehicle.

I/we, hereby declare that the registration is valid upto.....and it
 has not been suspended or cancelled under the provisions of this Act.

I/we enclose the certificate of Registration and the Certificate of fitness (*) of this Motor vehicle.

I/we enclose a 'No Objection Certificate' from the Registering Authority.

If the 'No Objection certificate from the Registering Authority is not enclosed the applicant should file along with this application a declaration as required under the first proviso to sub-section (1) of section 47.

* The vehicle is not subject to an agreement of hire-purchase/lease/hypothecation.

* The vehicle is subject to an agreement of hire-purchase/lease/hypothecation with
 and I/we enclose the NOC received from financier.

If 'No Objection Certificate' from the financier is not enclosed, the applicant should fill along with this application a declaration as required under sub-section (8) of section 51.

Date

Signature or Thumb impression of
 the Applicant.

* Strike out whichever is inapplicable.

Office Endorsement

Number date..... Office of the

The vehicle No..... on removal to this State has been assigned
 a new registration mark.....
 and.....(date) (here enter the registration mark)

Registering Authority

To

The Name and address of the
 Financier.

By Registered post or delivered under proper
 acknowledgement.

FORM 28

[See rules 54, 58(1) , (3) and (4)]

Form of application for 'No Objection Certificate' and grant of certificate.

(To be made in triplicate, the duplicate copy and the triplicate copy with the endorsement of the registering authority to be returned to the owner of the vehicle and the registering authority in whose jurisdiction the vehicle is to be removed, respectively).

PART-I

To

The Registering Authority,
.....I/we intend to transfer the vehicle to the jurisdiction of the Registering Authority.....
.....

I/we intend to sell the vehicle to Shri/Smt./Kumari.....who resides in the jurisdiction of the Registering authority.....of the State of.....
.....I/we therefore request for the issue of a no objection certificate for my/our vehicle the particulars of which are furnished below:-

1. Name and address :
2. Son/Wife/daughter of :
3. Registration number of the vehicle :
4. Class of vehicle :
5. Registering Authority which originally registered the vehicle :
6. Engine number :
7. Chassis number-Affix pencil print :
8. Period of stay in the State :
9. Period upto which motor vehicle tax has been paid :
10. Whether any demand for tax is pending, if so, give details :
11. Whether the vehicle is involved in any theft cases, if so give details :
12. Whether any action under section 53, 54 or 55 of the Motor Vehicles Act, 1988 is pending before any Registering Authority or other prescribed authority, if so, give details. :
13. Whether the vehicle is involved in any case of transport of prohibited goods, if so, give details.

I/We solemnly declare that the above statement is true.

Date.....

Signature of the owner of the vehicle.

Office Endorsement

PART-II

(Grant/refusal of 'No Objection Certificate' under sub-section 3 of section 48 of M.V. Act, 1988).

- *(i) No Objection Certificate in respect of the vehicle, the detailed particulars whereof recorded overleaf is hereby granted under section 48(3) of M.V. Act, 1988.
- *(ii) No Objection Certificate in respect of the motor vehicle, the detailed particulars whereof recorded overleaf is hereby refused under section 48(3) of M.V. Act, 1988 for the reasons recorded as under :—

Date.....

.....
.....
Signature with seal of Registering Authority
Address

To

.....(Registered owner)

Copy to the registering authority

(By registered post or delivered under proper
acknowledgement).

*Strike out whichever is inapplicable.

PART—III

Office Endorsement

No. date Office of the

Acknowledgement for the receipt of application for 'No Objection Certificate'

The application dated from(name and address)
for the grant of a 'No Objection Certificate' in respect of vehicle numberhas been received
onand is under consideration.

Date

Signature of Registering Authority or the
person authorised by him Office
Seal

To

.....

(Registered Owner)

By registered post or delivered under proper
acknowledgement.

FORM 29

[See rule 55(1)]

Form of notice of transfer of ownership of a motor vehicle.

(To be made in duplicate and the duplicate copy with the endorsement of the registering authority to be
returned to the transferor immediately on making entries of transfer of ownership).

To

The Registering Authority,

.....(in whose jurisdiction the transferee resides)

I/weresident
athave on the
day of the yearsold and delivered my/our vehicle No.
.....makechassis No.
Engine no.to Shri/Smt.(name
Son/wife/daughter ofresiding at
.....(House No. Street Village/Town Dist. and
State)

The registration certificate and Insurance Certificate have been handed over to him/her/them.

Date

Signature of the Registered Owner
(Transferor)

CC.

I.....(Transferee)

Copy to the Registering authority in whose jurisdiction the transferor reside.

Note

To be sent to the Registering Authority by Regd. Post Acknowledgement due.

Office endorsement

No..... Dated..... Office of the.....

The ownership of the vehicle has been transferred to the name of.....with effect from.....(date)

Registering Authority
(Office seal)

To

.....

.....

.....

(The transferor)

By registered post or under proper acknowledgement. Strike out whichever is inapplicable

FORM 30

[See rule 55(2) and (3)]

Report of transfer of ownership of a Motor Vehicle

Part-I -For the use of the transfer

(To be made in duplicate if the vehicle is held under an agreement of hire purchase/lease/hypothecation and the duplicate copy with the endorsement of the registering authority to be returned to the financier simultaneously on making the entry of transfer of ownership in the certificate of registration).

To

The Registering Authority,

.....

—.....

Name of the Transferor.....

Son/wife/daughter of.....

Full address.....

I, hereby, declare that I/We have on this.....day of the year.....sold my/our motor vehicle bearing registration mark.....to Shri/Smt.....Son/wife/daughter of.....residing at.....(full address) and handed over the certificate of registration and the certificate of insurance to him/her/them.

I/We hereby declare that to the best of my/our knowledge the certificate of registration of the vehicle has been/has not been suspended* or cancelled.

**I enclose the 'No Objection Certificate' issued by the Registering Authority.

**If the 'No Objection Certificate' from the registering authority is not enclosed the, transferor should file alongwith this application a declaration as required under sub-section (1) of section 50.

(_____
Signature of the Transferor

Date.....

*Details of suspension or cancellation.

**Strike out, whichever is inapplicable.

PART-II—For the use of Transferee

To

The Registering Authority,

.....

.....

Name of the Transferee :

Son/wife/daughter of :

Full address

(Proof of address to be enclosed)

I, hereby, declare that I/We have on this.....day of the year.....purchased the motor vehicle bearing registration number.....from.....(name and full address) and request that necessary entries regarding the transfer of ownership of the vehicle in my/our name may be recorded in the certificate of registration/certificate of fitness of the vehicle, which is enclosed.

The certificate of insurance is also enclosed.

(_____
Signature of the transferee)

Specimen signature of the transferee

(1)

(2)

Consent of the Financer in the case of motor vehicle subject to an agreement of hire-purchase/lease/hypothecation.

I/We being a party to an agreement of hire-purchase/lease/hypothecation in respect of motor vehicle.....give consent to the transfer of ownership of the said vehicle to Shri/Smt./Kumari.....with whom I/We have entered into an agreement of hire-purchase/lease/hypothecation.

(_____
Signature of the financer.

Date.....

Office endorsement

No..... Dated.....Officer of the.....

The transfer of ownership of vehicle has been recorded with effect from on the registration certificate of the vehicle and in the registration record of this office.

Registering Authority

To

.....

.....

(Name and address of the financier)

By registered post or delivered under proper acknowledgement.

FORM 31

[See rule 56(2)]

Application and intimation of transfer of ownership in the name of the person succeeding to the possession of the vehicle.

(To be made in duplicate if the vehicle is held under an agreement of hire-purchase/lease/hypothecation and the duplicate copy with the endorsement of the registering authority to be returned to the financier simultaneously on making the entry of transfer of ownership in the certificate of registration)

To

The Registering Authority,

.....

1. Vehicle Registration No. :
 Make and Model :
 Chassis No. :
 Engine No. :
 Type of vehicle :
2. Name of the deceased registered owner :
3. Name of the person succeeding to the possession of the vehicle :
 Son/wife/daughter of :
 Full postal address :
 (Proof of address to be enclosed) :
4. Relationship with the deceased registered owner :
5. Proof of his succession :

Certificate of registration is enclosed herewith. Kindly transfer the ownership of the vehicle in my name.

Signature of the applicant.

Date.....

Consent in the case of motor vehicle which is held under an agreement of hire-purchase/lease/hypothecation.

I/We being a party to an agreement of hire-purchase/lease/hypothecation in respect of the motor vehicle specified above, consent to the transfer of ownership of the said motor vehicle in the name of the applicant named above, with whom I/We have entered into an agreement of hire purchase/lease/hypothecation.

Signature of the financier

Date

Office endorsement

Number.....Dated.....Office of the

The transfer of ownership of the vehicle has been recorded with effect from.....in the certificate of registration of the vehicle and the registration record of this office.

Registering Authority

To

.....
.....

(Name and address of the financier)

By registered post, or delivered under proper acknowledgement.

Strike out whichever is inapplicable.

FORM 32

[See rule 57(1)]

Application for transfer of ownership in case of a motor vehicle purchase or acquired in public Auction

To

The Registering Authority,

.....
.....

I/Weson/wife/
daughter of.....(Full address along with
proof)have purchased or acquired the
vehicle No.bearing chassis No.
Engine No.Make.....Model.....Type of
vehicle.....in public auction conducted by.....
or.....on or on behalf of the Government.

I/We enclose the documents required to be submitted by me/us under sub-rule (1) of Rule 57.

The ownership of the motor vehicle may kindly be transferred to my/our name.

Signature of the applicant

Date.....

FORM 33

[See Rule 59]

Intimation of change of address recorded in the
certificate of registration

(To be made in duplicate if the vehicle is held under agreement of hire -purchase/lease/hypothecation and the duplicate copy with the endorsement of the registering authority to be returned to the financier simultaneously on making the entry of change of address in the Certificate of registration).

To

The Registering Authority,

.....
.....

I/we son/wife/daughter
of.....(full address).....
registered owner of motor vehicle numberhave ceased to reside/
have the place of business at the address recorded in the Certificate of Registration with effect from
.....The present address is given below (evidences to be enclosed).

*The vehicle is not held under any agreement of hire purchase, lease or hypothecation.

*The vehicle is held under an agreement of hire purchase/lease/hypothecation with.....
.....

(Name & full address to be given)

The Certificate of Registration is enclosed.

I/We request that the change of address may be recorded in the Certificate of Registration.

Signature or thumb impression
of the registered owner of the
vehicle.

*Strike off which ever is inapplicable.

Office Endorsement

Number.....dated.....office of
the.....

The above change of address has been entered in the certificate of registration.

Signature of the Registering
Authority.

To

.....
.....

(Name and address of the financier)

By registered post or delivered under proper acknowledgement.

FORM 34

[See rule 60]

Application for making an entry of an Agreement of hire Purchase/lease/hypothecation subsequent
to registration

(To be made in duplicate and the duplicate copy with the endorsement of the registering authority to be returned to the financier simultaneously on making the entry in the Certificate of registration).

To

The Registering Authority,
.....

The motor vehicle bearing registration number.....is the subject of an agreement of hire-purchase/lease/hypothecation between.....the registered owner/person to be registered as owner* and.....
.....
(fill the name and full address of the financier)

We request that an entry of the agreement be made in the Certificate of registration and the relevant records in your office.

The Certificate of registration together with the fee is enclosed.

Signature of Registered Owner.

Dated.....

Signature of the Financier.

*Strike out whichever is inapplicable.

Office Endorsement

Number.....dated..... Office of the.....

The entry of the agreement of hire purchase/lease/hypothecation as requested above is recorded in this office Registration Record in Form 24 and Certificate of Registration on.....
(.....)

Signature of the Registering Authority.

Dated.....

To

.....
.....
(Name & address of the Financier)

By registered post or delivered under proper acknowledgement.

FORM 35

[See Rule 61(1)]

Notice of Termination of an Agreement of Hire Purchase /Lease /Hypothecation.

(To be made in duplicate and the duplicate copy with the endorsement of the registering authority to be returned to the financier simultaneously on making the entry in the certificate of registration)

To

The Registering Authority
.....

We hereby declare that the agreement of hire-purchase/lease/hypothecation entered into between us has been terminated. We, therefore, request that the note endorsed in the Certificate of Registration of Vehicle No.....in respect of the said Agreement between us, be cancelled.

The Certificate of Registration together with the fee is enclosed.

Signature of the Registered Owner.

Date.....

Date.....

Signature of the Financier.

*Strike out whichever is inapplicable.

Office Endorsement

Number.....Dated.....Office of the.....

The cancellation of the entry of an agreement as requested above is recorded in this office registration record in Form 24 and Registration Certificate on.....(date)

Signature of the Registering Authority.

Dated.....

To

.....
.....

(Name and address of the financier)

By registered post, or delivered under proper acknowledgement.

FORM 36

[Sec rule 61(2)]

Application for issue of a fresh Certificate of Registration in the name of the Financier.

To

The Registering Authority,

.....

I/We,

.....
(Financier) have taken possession of motor vehicle No.

Make..... Model

owing to the default of the Registered owner.....

(Name)

.....
(Full address)

under the provisions of the agreement of hire purchase/lease/hypothecation:

*(1) The Certificate of Registration of the said vehicle is surrendered herewith.

*(2) The registered owner has refused to deliver the Certificate of Registration to me/us.

*(3) The registered owner is absconding.

I/We request you to cancel the certificate and issue a fresh certificate of registration in my/our name.

I/We enclose a fee of Rs.....

Date.....

Signature of the Financier.

Specimen signature of the Financier :

1.
2.

Copy to the original registering authority.

*Strike out whichever is inapplicable.

FORM 37

[See rule 61(3)]

Notice to the registered owner of the motor vehicle for the purpose of issue of fresh registration
Certificate in favour of the Financier

Registering Authority

Number

Dated

Shri/Smt./Kumari
(Regd. owner)

is/are hereby informed that.....(financier)
has/have reported that he/they have taken possession of the motor vehicle bearing registration number....
.....covered by an agreement of hire-purchase/lease/hypothecation, owing to your default under the provisions of the said agreement and that :

*(1) you have refused to deliver the certificate of registration to him/her/them.

*(2) you have absconded.

2. He/She/They have requested to cancel the certificate of registration and issue a fresh certificate of registration in his/her/their name.

3. You are, therefore, directed to surrender the certificate of registration of the said vehicle and to send your representation, if any, to this office within fifteen days from the date of receipt of this notice by you failing which it will be presumed that you have no representation to make.

Sig. : Registering Authority/Officer.

To

The Registered owner,

.....

(By Registered Post/A.D.)

Copy to the Financier.

Copy to the original Registering Authority.

*Strike out whichever is inapplicable.

FORM 38

[See rule 62(1)]

Certificate of fitness (applicable in the case of transport vehicles only)

Vehicle No.....is certified as
complying with the provisions ofthe Motor
Vehicles Act, 1988, and the rules made thereunder. The certificate will expire on.....

D 10

Signature and designation
of Inspecting Authority.

OR

holder of the letter of authority of the
authorised testing station.

The certificate of fitness is hereby renewed—

From.....to.....19.....
 From.....to.....19.....
 From.....to.....19.....

Signature of Inspecting Authority
 or

Signature of the holder of the letter of
 authority of the authorised testing station.

FORM 39

[See rule 63(1) and (5)]

Form of Letter of Authority issued to an authorised testing station.

Letter of authority No. dated.....

The letter of authority is hereby granted to.....
 (Name)

.....
 (full address)

for the establishment of a testing station under sub-section (2) of section 56 of the Act at the premises..

.....
 (Address of the premises in full)

for the purpose of issue and renewal of certificate of fitness to transport vehicles, subject to the provisions
 of the Motor Vehicle Act, 1988 and the Central Motor Vehicles Rules, 1989 made thereunder.

This letter of Authority is valid from.....to.....

Date Registering Authority

This letter of authority is renewed from.....to.....

Date Registering Authority

FORM 40

[See rule 63(2)]

Application Form for grant or renewal of Letter of Authority.

To

The Registering Authority,

I/We.....
 address
 hereby submit the following information, namely :—

1. Name of the applicant :
2. Son/wife/daughter of :
3. Address :
 (Proof to be enclosed)
4. Qualification of the applicant :
5. Experience in automobile workshop :
6. Whether involved/connected directly or indirectly
 in transport business :
7. Machinery and equipment :

8. Staff engaged in different cadres :— :
- (i) Manager
 - (ii) Foreman
 - (iii) Mechanic
 - (iv) Helpers
 - (v) Other administrative staff :
9. Particulars of a person as required under clause (a) of sub-rule (3) of rule 63 of Central Motor Vehicles Rules, 1989 :
- (a) Name :
 - (b) Age :
 - (c) Qualification in Automobile Engineering :
 - (d) Actual experience in Automobile Workshop :
 - (e) Name of firm with full address :
 - (f) Driving experience of various types of Transport vehicles :— :
 - (i) Driving licence number :
 - (ii) Issued by :
 - (iii) Date of Issue :
 - (iv) Type of vehicle :
 - (v) Period of validity of driving licence :
 - (vi) Endorsement on driving licence, if any :
10. Proof of land owned by or hired by the applicant :
11. Whether garage is equipped with following facilities :—
- (i) Water supply :
 - (ii) Electricity
 - (iii) Toilet
 - (iv) Rest Room
12. Sources of Finance
13. If application is for the renewal of letter of authority, furnish following particulars, namely :—
- (i) Number of existing letter of authority.
 - (ii) Date of issue.
 - (iii) Period of validity
 - (iv) If application is not submitted within time, state the reasons.
 - (v) Whether letter of authority suspended/cancelled/surrendered earlier. Furnish details.

14. I hereby solemnly declare that the information given above is true and correct. Further I hereby declare that I shall abide by the rules, regulations and conditions attached to the letter of authority and as prescribed in the Motor Vehicles Act, 1988 and the Central Motor Vehicles Rules, 1989.

Dated

(Signature of the Applicant)

FORM 41

[See rule 75]

State Register of Motor Vehicles

1. Registration number :
2. Previous Registration number, if any :
3. Whether the motor vehicle is,— :
 - (a) New vehicle :
 - (b) Imported vehicle :
 - (c) ex-army vehicle :
4. Maker's name :
5. Year of manufacture :
6. Engine number :
7. Chassis number :
8. Number of cylinders :
9. Cubic capacity/horse power :
10. Type of fuel used :
11. Class of Motor Vehicle :
12. Name and full address of the registered owner :
13. Seating capacity :
14. Gross Vehicle Weight :
15. Unladen weight :

FORM 42

[See rule 76(1)]

Form of application for the Registration of motor vehicle by or on behalf of a Diplomatic/Consular Officer

(To be forwarded through the competent authority in triplicate)

To

The Registering Authority,

.....

1. Full name, designation and address of the Diplomatic Officer/Consular Officer/Full name, address and station of the Diplomatic Mission/Consular Office or Post
2. Age of the person to be registered as registered owner.
3. Name and address the person from whom the vehicle was purchased/Name of the port through which the vehicle was imported/ Name of the person or company from whose bonded stocks the vehicle was purchased and the name of the port.
4. Country from which imported
5. Class of vehicle.

6. Type of body.
7. Maker's name.
8. Year of manufacture
9. Number of cylinders
10. Horse power
11. Maker's classification or, if not known,
wheel base
12. Chassis number
13. Engine number
14. Seating capacity
(including driver)
15. Unladen Weight.
16. Particulars of previous registration and
registered number (if any).
17. I hereby declare that the vehicle has not been
registered in any other State in India.
18. Colour on colours of body,
wings and front end
19. Number, description and size of tyres
 - (a) front axle
 - (b) rear axle
 - (c) any other axle
20. Maximum laden weight Kgs.
21. Maximum axle weight (To be furnished in
the case of heavy motor vehicles only)
 - (a) front axle Kgs.
 - (b) rear axle Kgs.
 - (c) any other axle Kgs.

The above particulars are to be filled in for a rigid frame motor vehicle of two or more axles.

Signature of applicant

For use in the Ministry of External
Affairs (Protocol Division) or in
the office of the Chief Secretary
of the State Government concerned

Certified that

.....(Name and designation)
is a Diplomatic Officer/Consular Officer recognised by the Government of India and that he/she is not
entitled to exemption from payment of registration fees.

Place

Signature of the Officer.....

Date

Designation

FORM 43

[See rule 76(4)]

Certificate of Registration of a motor vehicle belonging to a Diplomatic or Consular Officer.

Registered number.....

Brief Description of

(e.g., Fiat 1100 or Hindustan Landmaster car, Willys jeeps, Dodge/Desoto/Gadga petrol/diesel truck, Leyland 36 seater diesel bus, trailer etc.)

Full name, designation and address of the Diplomatic Officer/Consular Officer/Full name, address and station of the Diplomatic Mission/Consular Officer or Post.....

Transferred to
Transferred to

Signature of registering authority
Signature of registering authority

Detailed Description :—

1. Class of vehicle
2. Maker's name
3. Type of body
4. Year of manufacture
5. Number of cylinders
6. Chassis number
7. Engine number
8. Horse power
9. Maker's classification, or if not known, wheel base
10. Seating capacity (including driver)
11. Unladen weight
12. Colour or colours of body, wings and front end
13. Registered laden weight.
14. Number, description and size of tyres—
 - (a) front axle
 - (b) rear axle
 - (c) any other axle
15. Registered axle weight (in the case of heavy motor vehicles only—

(a) front	Kgs.
(b) rear axle	Kgs.
(c) any other axle	Kgs.

Additional particulars in the case of all transport vehicles.

Date19

(Signature of registering authority)

FORM 44

[See rule 78(1)]

Intimation of change of State of residence and application for assignment of fresh registration mark by or on behalf of a Diplomatic or Consular Officer.

(To be submitted in triplicate)

To

The Registering Authority,

.....

I

(Name and designation)

of the.....being the owner of.....
motor vehicle No.....registered at.....
under section 42 of the Motor Vehicles Act, 1988 hereby declare that I have,
 since the.....day of19 . kept the
 said vehicle in the State of.....and hereby apply for assign-
 ment to the motor vehicle of a fresh registration mark.

I enclose the certificate of registration and the certificate of fitness* of the vehicle.

Date.....19....

Signature of the owner

*Strike out the words "and the certificate of fitness" if inapplicable.

For use in the Ministry of External
 Affairs (Protocol Division) or in the
 Office of the Chief Secretary of the
 State Government concerned.

Certified thatcontinues to hold the status of a Diplo-

(Name and designation)

matic Officer/ Consular Officer.

He/She is at present stationed at.....

Place.....

Designation

Date

Signature of the Officer

FORM 45

[See rule 82(1)]

Application for grant of Permit in respect of Tourist Vehicle

To

The State Transport Authority,

.....

I/We the undersigned hereby apply for the grant of Permit for tourist vehicle valid throughout the
 territory of India/in the state of.....
 (specify the names of the States).

1. Name of the applicant(s) in full.
2. Status of the applicant, whether individual,
 company or partnership firm, co-operative
 Society etc.

3. Name of father or husband
(in case of individual) and in case of firm or company the particulars of managing partner or managing director, as the case may be.
 4. Full address
(To be supported by attested copy of ration card, electricity bill, etc. in case of individual or any other valid documentary proof to the satisfaction of State Transport Authority and in case of company or firm certified copy of the Memorandum of Association or copy of the partnership deed.
 5. (a) Whether applicant himself intends to drive the vehicle ?
(b) If so, whether, applicant
 - (i) holds Heavy Passenger Motor Vehicle Driving Licence.
 - (ii) The number, date and validity period of driving licence.
 - (iii) Name and address of the Licensing Authority.
 6. Registration certificate alongwith the date of first registration, Insurance Certificate number.
 7. Details of other permits if any, held in respect of a particular vehicle.
 8. Details of total number of Tourist Permits held by the applicant.
 9. Type of vehicle.
 10. Make of Motor vehicle.
 11. Particulars of convictions/suspensions/cancellation, if any, during the Past three years in respect of the vehicle/permit held by the applicant(s).
 12. I/We forward herewith the certificate of registration of the vehicle or I/We will produce the certificate or registration of the vehicle before the permits are issued.
 13. I/We hereby declare that the above statements are true and that I/We am/are the resident(s) of this State having principal place of business in this State at
.....
 14. I/We have paid the fee of rupees.....
- Date.....

Signature or thumb impression of
the applicant.

FORM 46

[See rules 83(1) and 87(1)]

Form of application for grant of authorisation for tourist permit or national permit.

To

The Regional/State Transport Authority,
.....

I/We, the undersigned, hereby apply for the grant of authorisation valid throughout the territory of India/in the State of

(Specify the names of the States)

1. Name of the applicant(s) in full
2. Son/Wife/daughter of
3. Address
4. Registration mark and year of manufacture and date of registration of the motor vehicle
5. Engine number of the motor vehicle
6. Chassis number of the motor vehicle
7. Permit number, the authority which has issued the permit and date of issue and date of expiry of the permit
8. Unladen weight of the motor vehicle
9. Gross vehicle weight of the motor vehicle
10. Pay load of the motor vehicle (seating capacity in the case of tourist vehicle)
11. Period for which the authorisation is sought from
12. I/We enclose the certificate of registration and permit of the vehicle
13. I/We enclose Bank Draft(s) as described hereunder towards payment of the authorisation fee

Sl. No.	Name of the States	Amount paid	Particulars of bank draft(s) and date	Date of payment
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)

Signature or thumb impression of applicant(s)

Dated

*Strike out whichever is inapplicable.

FORM 47

[See rule 83(2) and 87(2)]

AUTHORISATION

For Tourist Permit or National Permit

No.

Office of the Secretary
Regional/State Transport Authority

Authorisation No.

Dated.

()

This authorisation is valid throughout the territory of India/In the State(s) of :—

1.
2.
3.
4.
5.
6.
7.
8.
9.
10.

(Here write the names of the States applicable).

1. Name in full and complete address of holder of the permit
2. Registration mark of the motor vehicle and make
3. Year of manufacture
4. Engine number of the motor vehicle
5. Chassis number of the motor vehicle
6. Permit number of the motor vehicle
7. Name of the permit issuing authority
8. Date of expiry of the permit
9. Gross vehicle weight of the motor vehicle
10. Unladen weight of the motor vehicle
11. Seating capacity in the case of tourist vehicle
12. Period of validity of the authorisation—From.....to.....

(Signature and designation with seal of the Transport Authority)

Certificate of payment of Composite fee/taxes

Sl. No.	Name of the States for which payment made	Amount paid Rs. Ps.	No. and date of Bank Draft and name of Bank	Date of receipt of bank draft	Payable to	Period for which paid	Registra- tion mark of the vehicle	Signature and Seal of the Authority
1	2	3	4	5	6	7	8	9

Signature and Seal of the Transport Authority.

FORM 48

(See rule 86)

Application for the grant of National Permit

To

The Regional/State Transport Authority,

I/we the undersigned hereby apply for the grant of National Permit valid throughout the territory of India/in the State of

(here write the name of the States desired)

1. Name of the applicant(s) in full
2. Status of the applicant, whether individual, Company or partnership firm, Co-operative Society etc.
3. Name of father or husband (in case of individual) and in case of company or firm the particulars of managing partner or managing director as the case may be.
4. Full address :
(to be supported by attested copy of ration card, electricity bill, etc. in case of individuals or any other valid documentary proof to the satisfaction of State Transport Authority/Regional Transport Authority and in case of company or firm the certified copy of the Memorandum of Association or copy of the deed of partnership as the case may be)
5. (a) Whether applicant himself intends to drive the vehicle.
(b) (i) If so, whether applicant holds Heavy Goods
Vehicle Driving Licence.
(ii) The number, date and validity period of the driving licence.
(iii) Name and address of the Licensing Authority.
6. Registration certificate alongwith the date of first registration, Insurance Certificate.
7. Details of any other permits if held in respect of a particular vehicle.
8. Details of number of National permits held by the applicant.
9. Type of vehicle, whether two-axle truck, or articulated vehicle or multi-axle vehicle or track-trailer combination.
10. Make of Motor Vehicle.
11. Particulars of convictions/suspensions/cancellation, if any, during the past three years in respect of the vehicle/permits held by the applicant(s).
12. I/We forward herewith the certificate of registration of the vehicle of I/We will produce the certificate of regn. of the vehicle before the permits are issued.
13. I/We hereby declare that the above statements are true and that I/We am/are the resident(s) of this State having principal place of business in this State at
14. I/We have paid the fee of rupees

Date :

Signature or thumb impression of the applicant.

FORM 49

[See rule 89]

Quarterly return in respect of National Permit
for Goods Vehicles

1. Name and complete address of the National Permit holder :
2. Registration mark of the motor vehicle :
3. National Permit No. :

Summary of trips made during the quarter

Month	Total distance covered in the State of*	Total distance of operation	Remarks
(1)	(2)	(3)	(4)

Signature of the National Permit holder

Date.....

*Mention the names of the states applicable.

Note : In the remarks column, state reasons for low or high running in any particular State or States and any other factors which caused low operation.

FORM 50

[See rule 90(3)]

Bill of Lading

Bill No..... Dated.....
 Name and address of the National Permit Holder.....
 Registration number of the Motor vehicle..... Dated.....
 Name of the Cosignor
 Name of the Consignee
 Point of origin
 Point of destination

Number of Articles	Description of goods	K.G.	Freight charges paid		Freight charges to pay		Total
			Rs.	Ps.	Rs.	Ps.	

Bill No.....
 Dt.....
 Received.....
 Package.....

From.....

(Truck No.....)

Signature of consignee

Signature of the carrier

Signature of Consigner

*At carrier's Risk

At owner's risk

Value of the goods Rs.....

Delivery at.....

Note :— The bill of lading shall be in the proforma given above and shall be in quadruplicate, the original (white) to be carried in the motor vehicle, the duplicate (light green) for the consigner, the triplicate (pink) for the consignee and the fourth copy (cream yellow) for record of the national permit holder.

*Strike out whichever is in applicable.

FORM 51

[Sec rule 141]

Certificate of Insurance in respect of
Certificate No.....	Policy No.....
1. Registration mark of the vehicle insured
2. Description of the vehicle
3. Make and year of manufacture
4. Engine number
Chassis number
5. Carrying capacity
6. Name and address of the insured

7. Effective date and time of commencement of insurance
8. Date of expiry of insurance
9. Persons or class of persons entitled to drive :—	
Stage carriage/Contract Carriage/private service vehicle	Any person including insured.

Provided that a person driving hold an effective driving licence at the time of the accident and is not disqualified from holding or obtaining such a licence.

Provided also that the person holding an effective learner's licence may also drive the vehicle when not used for the transport of passengers at the time of the accident and that such a person satisfied the requirements of Rule 3 of the Central Motor Vehicles Rules, 1989.

Goods carriage**Any person including insured.**

Provided that a person driving hold an effective driving licence at the time of the accident and is not disqualified from holding or obtaining such a licence.

Provided also that the person holding an effective learner's licence may also drive the vehicle when not used for the transport of goods at the time of the accident and that such a person satisfies the requirements of rule 3 of Central Motor Vehicles Rules, 1989.

Non-transport vehicles.**Any person including insured.**

Provided that a person driving holding an effective driving licence at the time of the accident and is not disqualified from holding or obtaining such a licence.

Provided also that the person holding an effective learner's licence may also drive the vehicle and such a person satisfies the requirement of rule 3 of the Central Motor Vehicles Rules, 1989.

10. Limitations as to use---

State carriage/contract carriage/goods carriage.
Private service vehicle

The policy covers the use only under a permit within the meaning of Motor Vehicles Act, 1988 or such a carriage falling under sub-section (3) of section 66 of M.V. Act, 1988.

The policy does not cover use for

- (a) organised racing, or
- (b) speed testing.

11. Private Service vehicle and non-transport vehicle

The policy covers use for any purpose other than---

- (a) hire or reward,
- (b) organised racing, or
- (c) speed testing.

We hereby certify that the policy to which this certificate relates as well as this certificate of insurances are issued in accordance with the provisions of Chapter X or XI of Motor Vehicles Act, 1988.

Authorised Insurer

FORM 52

[See rule 42(1)]

Cover Note

1. Registration mark and number of description of the vehicle insured

.....

2. Name and address of insured

.....

3. Effective date and time of commencement of insurance for the purpose of this Act.
4. Date of expiry of insurance
5. Persons or classes of persons entitled to drive
6. Any limitations as to use of motor vehicle
- The period of validity of this cover note will expire on

I/We hereby certify that this cover note is issued in accordance with the provisions of Chapter XI of the Motor Vehicles Act, 1988.

(Authorised insurer)

FORM 53

[See Rule 148(1)]

Certificate in respect of exemption of Motor Vehicle from Insurance

Certified that the motor vehicles of the following description :—

- (a) Registration number.
- (b) Make.
- (c) Class, i.e., motor cycle, motor car, stage carriage, goods carriage, contract carriage or other class (to be described).
- (d) Colour of body.

Is the property of—

- (i) the Government of
- (ii) the local authority/State Transport Undertaking, namely,
the vehicles of which have been exempted under Section 146 of the Motor Vehicles Act, 1988
by the Government of by their Order No.
dated

This certificate is valid upto unless cancelled in the
meanwhile.

Signed on behalf of
Designation

Dated

FORM 54

[See rule 150(a) and (2)]

Accident Information Report

1. Name of the police station :
2. CR No./Traffic Accident report :
3. Date, time and place of the accident :
4. Name and full address of the Injured/
deceased :
5. Name of the Hospital to which he/she was
removed :
6. Registration Number of vehicle and the type
of the vehicle :
7. Driving Licence particulars :
 - (a) Name and address of the driver :
 - (b) Driving licence number and date of
expiry :

- (c) Address of the issuing authority :
- (d) Badge No. in case of public service vehicle:
8. Name and Address of the owner of the vehicle at the time of the accident :
9. Name and address of the Insurance Company with Whom the vehicle was insured and the particulars of the Divisional Officer of the said insurance company :
10. Number of Insurance Policy/Insurance Certificate and the date of validity of the Insurance Policy/Insurance Certificate :
11. Registration particulars of the vehicle (class of vehicles)
- (a) Registration No. :
- (b) Engine No. :
- (c) Chassis No. :
12. Route Permit Particulars :
13. Action taken, if any, and the result thereof:

FORM 55

[See rule 160(1)]

Application for the approval of a Foreign Insurer

I/We hereby apply for the inclusion of.....of.....(name of foreign insurer) constituted/incorporated/domiciled at..... in the approved list maintained under rule 159 of the Central Motor Vehicles

Rules, 1989 of the Central Government and for the inclusion of my/our name as the guarantor of the said.....(name of foreign insurer) for the purpose of Chapter XI of the Motor Vehicles Act, 1988 and the said rules. I/We hereby certify that I/We have entered into an arrangement for the purposes of the said Act and the said rules with the said foreign insurer and I/We hereby agree to act as guarantor in India in respect of the said foreign insurer for the purposes of the said Act and the said rules.

(Signature of authorised insurer)

ated.....19.....

Address

FORM 56

[See rule 160(3)]

Notice to cease to act as guarantor

This is to give notice that I/We desire to cease acting as guarantors in India of..... of.....(name of foreign insurer).....(address of foreign insurer) after..... or from.....the expiry of two months from the date on which this notice is delivered to the Central Government which ever is later, for the purposes of Chapter-XI of the Motor Vehicles Act, 1988 and the Central Motor Rules, 1989.

(Authorised insurer)

Dated the day of 19

FORM 57

[See rule 140(v) and 161(1)]

Certificate for Foreign Insurance

Certificate No. Policy No. (Optional)

1. Name and address of approved foreign insurer.
2. Name and address of guarantor.
3. Registration mark and number of the motor vehicle.
4. Name and address of visitor.
5. Date of commencement of the policy
6. Date of expiry of the policy.
7. Persons or classes of persons entitled to drive in India.
8. Any limitations as to use of motor vehicle in India.
9. Particulars of any other vehicle(s) which the foreign visitor is entitled to drive in India and any limitations as to use of such vehicle in India.

I/We hereby certify that this certificate of foreign insurance has been issued in accordance with the provisions of Chapter XI of the Motor Vehicles Act, 1988, and the Central Motor Vehicles Rules, 1989.

(Approved foreign insurer)

FORM 58

[See rule 161(2)]

Endorsement on certificate of foreign insurance

Certified that I have today examined this certificate of foreign insurance and that I am satisfied that this certificate complies with the requirements of Chapter XI of the Motor Vehicles Act, 1988, and the Central Motor Vehicles Rules, 1989.

The period of validity of this endorsement will expire on unless cancelled before the expiry of the period of its validity in accordance with the provisions of the Motor Vehicles Act and Rules made thereunder.

Date :1

(Signature and designation of competent authority)

The period of validity of this endorsement is hereby renewed—

Upto

Upto

Upto

Unless cancelled in the meanwhile

(Signature and designation of competent authority)

ANNEXURE—I

[Sub-rule 115(3)]

MASS EMISSION STANDARDS FOR PETROL DRIVEN VEHICLES

1. Type Approval Tests :

Two and Three Wheeler Vehicles

Reference Mass, R (Kg)	CO (g/km)	HC (g/km)
1	2	3
$R \leq 150$	12	8
$150 < R \leq 350$	$12 + \frac{18(R-150)}{200}$	$8 + \frac{4(R-150)}{200}$
$R > 350$	30	12

Light Duty Vehicles :

Reference Mass, rw (Kg)	CO(g/km)	HC(g/km)
1	2	3
$rw \leq 1020$	14.3	2.0
$1020 < rw \leq 1250$	16.5	2.1
$1250 < rw \leq 1470$	18.8	2.1
$1470 < rw \leq 1700$	20.7	2.3
$1700 < rw \leq 1930$	22.9	2.5
$1930 < rw \leq 2150$	24.9	2.7
$rw \leq 2150$	27.1	2.9

2. Conformity of Production Tests :

Two and Three Wheeler Vehicles :

Reference Mass, R (kg)	CO(g./km)	HC (g/km)
1	2	3
$R \leq 150$	15	10
$150 < R \leq 350$	$15 + \frac{25(R-150)}{200}$	$10 + \frac{5(R-150)}{200}$
$R > 350$	40	15

Light Duty Vehicles :

Reference Mass, rw (kg)	CO(g/km)	HC(g/km)
1	2	3
$rw \leq 1020$	17.3	2.7
$1020 < rw \leq 1250$	19.7	2.7
$1250 < rw \leq 1470$	22.5	2.8
$1470 < rw \leq 1700$	24.9	3.0
$1700 < rw \leq 1930$	27.6	3.3
$1930 < rw \leq 2150$	29.9	3.5
$rw \leq 2150$	32.6	3.7

For any of the pollutants referred to above of the three results obtained may exceed the limit specified for the vehicle by not more than 10 percent.

Explanation : Mass emission standards refers to the gm. of pollutants emitted per km. run of the vehicle, as determined by a chassis dynamometer test using the Indian Driving Cycle.

ANNEXURE--II

[See rule 115(3)]

BREAK DOWN OF THE OPERATING CYCLE USED FOR THE TEST :

No. of Operation	Acceleration (m/acc ²)	speed (Km/h)	Duration of each operation(s)	Cumulative time (S)
1	2	3	4	5
01. Idling	—	—	16	16
02. Acceleration	0.65	0—14	6	22
03. Acceleration	0.56	14—22	4	26
04. Deceleration	—0.63	22—13	4	30
05. Steady speed	—	13	2	32
06. Acceleration	0.56	13—23	5	37
07. Acceleration	0.44	23—31	5	42
08. Deceleration	—0.56	31—25	3	45
09. Steady speed	—	25	4	49
10. Deceleration	—0.56	25—21	2	51
11. Acceleration	0.45	21—34	8	59
12. Acceleration	0.32	34—42	7	66
13. Deceleration	—0.46	42—37	3	69
14. Steady speed	—	37	7	76
15. Deceleration	—0.42	34—34	2	78
16. Acceleration	0.32	34—42	7	85
17. Deceleration	—0.46	42—47	9	94
18. Deceleration	—0.52	27—14	7	101
19. Deceleration	—0.56	14—00	7	108

ANNEXURE—III

[See rule 115(3)]

REFERENCE FUEL FOR TYPE AND PRODUCTION CONFORMITY TESTS

S. No.	Characteristic	Requirements		Method of test (ref of P : or IS : 1448*)
		87 octane	93 octane	
1	2	3	4	5
1. Colour, visual		Orange	Red	—
2. Copper-strip corrosion for 3 hours at 50°C.		Not worse than No. 1		P : 15 (1968)
3. Density at 15°C		Not limited but to be reported		P : 16 (1967)
4. Distillation :				P : 18 (1967)
(a) Initial boiling point		Not limited but to be reported		

*Methods of test for petroleum and its products.

1	2	3	4	5
(b) Recovery up to 20°C percent by volume, min.		10	10	
(c) Recovery up to 125°C 50 percent by volume, min.		50	50	
(d) recovery up to 130°C percent by volume min.		90	90	
(e) Final boiling point, Max		215°C	215°C	
(f) Residue percent by volume, Max.		2	2	
5. Octane number (Research method) Max.		87	94	P : 27 (1960)
6. Oxidation stability, in minutes, Min.		360	360	P : 28 (1966)
7. Residue on evaporation mg/100ml, max.		4.0	4.0	P : 29 (1960) (Air-jet solvent washed)
8. Sulphur, total, percent by weight Max.		0.25	0.20	P : 34 (1966)
9. Lead content (as Pb), g/l Max.		0.56	0.80	P : 37 (1967) or P : 38 (1967)
10. Reid vapour pressure at 38 degree C, kgf/cm ² , Max.		0.70	0.70	P : 39 (1967)

ANNEXURE—IV

[See rule 115(4)]

LIMIT VALUES OF EXHAUST GAS OPACITY APPLICABLE
FOR DIESEL DRIVEN VEHICLES
THE ENGINE TESTS AT STEADY SPEED

Nominal Flow G(l/s)	Absorption Coefficient K(m-1)	Nominal Flow G(l/s)	Absorption Coefficient (K9-1)
42	2.00	120	1.20
45	1.91	125	1.17
50	1.82	130	1.15
55	1.75	135	1.31
60	1.68	140	1.11
65	1.61	145	1.09
70	1.56	150	1.07
75	1.50	155	1.05
80	1.46	160	1.04
85	1.41	165	1.02
90	1.38	170	1.01
95	1.34	175	1.00
100	1.31	180	0.99
105	1.27	185	0.97
110	1.25	190	0.96
115	1.22	195	0.95
		<200	0.93

ANNEXURE—V

[See rule 132(2)]

TRANSPORT EMERGENCY CARD (Road)

Cargo	—Mention chemical identity of the dangerous and hazardous goods
Nature of Hazard	—
Protective Devices	—
EMERGENCY ACTION	—Notify police and fire brigade immediately
Spillage	—
Fire	—
First aid	—

/ Additional information provided by manufacturer or sender

Telephone
